Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464
Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 252

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, सोमवार, 19 फरवरी, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

जयशंकर की सात महीने के बाद चीनी समकक्ष से हुई बातचीत >>3

रोमांचक मुकाबले में भारतीय बेटियों ने बैडमिंटन में रचा इतिहास

- एशिया टीम चैंपियनशिप में महिला टीम ने पहली बार जीता स्वर्ण
- युवा स्टार अनमोल खरब के दम पर फाइनल में थाइलैंड को हराया

नई दिल्ली, जेएनएन : युवा स्टार शटलर अनमोल खरब के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय महिला बैडमिंटन टीम ने रविवार को एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में थाइलैंड को पराजित कर इतिहास रच दिया। भारतीय महिलाओं ने रोमांचक मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज करते हुए प्रतियोगिता में अपना पहला स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले भारत ने इस टूर्नामेंट में पुरुष टीम ने 2016 और 2020 में कांस्य पदक जीता था।

मलेशिया के शाह आलम में खेले गए टूर्नामेंट में पीवी सिंधू ने सिंगल्स और फिर डबल्स में त्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद ने जीत प्राप्त की। इसके बाद अश्मिता सिंगल्स में और श्रुति और प्रिया डबल्स में हार गईं। अनमोल ने निर्णायक सिंगल्स जीतकर भारत को स्वर्ण दिलाया।

एशिया टीम चैंपियनशिप के फाइनल में रविवार को थाइलैंड को हराकर ट्राफी के साथ जश्न मनाती भारतीय महिला बैडमिंटन की टीम। सौ. बीएआइ

ऐतिहासिक उपलब्धि। अविश्वसनीय भारतीय टीम को बधाई। उनकी सफलता भविष्य में कई खिलाड़ियों को प्रेरित करेगी। हमारी नारी शक्ति जिस प्रकार विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही है, वह अभूतपूर्व है। - नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

भारत ने टेस्ट में दर्ज की अपनी सबसे बड़ी जीत

434 रन से तीसरे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को हराया, जडेजा बने प्लेयर आफ द मैच

राजकोट: युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (214) के दोहरे शतक और आलराउंडर रवींद्र जडेजा के पांच विकेट की मदद से भारत ने इंग्लैंड को तीसरे टेस्ट मैच में चौथे दिन ही 434 रन से करारी शिकस्त देकर टेस्ट में अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। जडेजा को प्लेयर आफ द मैच चुना गया। मैच में सात विकेट लेने के अलावा जडेजा ने पहली पारी में शतक भी जड़ा था। भारत ने रविवार को दूसरी पारी चार विकेट पर 430 रन पर घोषित की थी और इंग्लिश टीम को 557 रन का लक्ष्य मिला, लेकिन भारतीय गेंदबाजी के आगे मेहमान टीम केवल 122 रन पर ढेर हो गई। भारत की इससे पहले रनों के अंतर से सबसे बड़ी जीत न्यूजीलैंड के विरुद्ध 372 रन की थी। (संबंधित खबरें: पेज 12)

राजकोट में रविवार को इंग्लैंड के विरुद्ध जीत के बाद प्रसन्न मुद्रा में कप्तान रोहित शर्मा, रवींद्र जडेजा व अन्य। प्रेट्र

रुपये व टका में कारोबार बढ़ाने पर विमर्श जारी

नई दिल्ली: भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले वर्ष ही अपनी-अपनी मुद्राओं में कारोबार करने की सहमति बनी थी। सत्ता में लौटीं बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया है। नेपाल, भूटान और श्रीलंका के बाद भारत अपने इस पड़ोसी देश के साथ डिजिटल तरीके से होने वाले वित्तीय लेनदेन को लेकर भी विमर्श कर रहा है। (पेज-3)

सुनवाई से पहले चंडीगढ़ के मेयर ने दिया त्याग पत्र

चंडीगढ़: चंडीगढ़ मेयर चुनाव विवाद मामले में आम आदमी पार्टी (आप) की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले ही शहर की राजनीति गरमा गई है। मेयर मनोज सोनकर ने त्याग-पत्र दे दिया है। उन्होंने कहा कि वह नैतिकता के आधार पर त्याग पत्र दे रहे हैं। अब फिर से चुनाव होंगे तो सच्चाई सबके सामने आ जाएगी। (पेज-4)

जागरण विशेष — कर्मठ किसान

किसानों को मिल रहा लाभप्रद खेती का मंत्र

बांदा: बांदा के प्रगतिशील किसान नवल किशोर एकीकृत कृषि प्रणाली से कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वह एक हजार किसानों को साथ जोड़कर खेती के नए तौर-तरीके सिखा चुके हैं। ● पेज-6

संपादकीय

संघीय संरचना पर आघात: राज्य अब केंद्र की दया के मोहताज बनकर रह गए हैं। अगर भारत को विकसित देश बनाना है तो यह राज्यों को सशक्त बनाए बिना संभव नहीं होगा। **कपिल सिब्बल** का दृष्टिकोण।

भारतीयता की सही अवधारणा: भारतीयता एक देशज दृष्टि है, जो 'मैं' और 'तुम' की कोटियों से ऊपर उठ कर समग्र सृष्टि को समेटने वाली है। **गिरीश्वर मिश्र** का आलेख। ● पेज-8

विमर्श

चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए तैयार भारत: चौथी औद्योगिक क्रांति का हमारे समाज एवं मानवीय व्यवहार पर बहुत प्रभाव पड़ने वाला है। इस क्रांति में कुछ कार्य पद्धतियां चलन से बाहर होंगी तो कई अन्य नई कार्य पद्धतियों को अपनाया जाएगा। **शिवेश प्रताप** का आलेख।

नेह का नाता, सोनिया बिन रायबरेली : भावनात्मक रिश्तों की मिसाल बन चुकी रायबरेली की राजनीति में अब सोनिया गांधी नहीं होंगी। कौन होगा, यह एक बड़ा सवाल है। **हरिशंकर मिश्र** की उत्तर प्रदेश डायरी। ● पेज-9

सप्तरंग

साहित्य और संगीत का

साहित्यिक ज्ञानपरंपरा के अग्रदूत

भक्ति व श्रृंगार रस में पगाराग जोगकौंस

● पेज-13

दुनिया जानती है आएगा तो मोदी ही

पीएम बोले ▸ विभिन्न देश भी भाजपा सरकार की वापसी को लेकर पूरी तरह आश्वस्त

नीलू रंजन, नई दिल्ली

- भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में कहा-मोदी की गारंटी है विकसित भारत
- दिया जीत का मंत्र, 100 दिन महत्वपूर्ण, जीतें हर किसी का भरोसा, देश का भाग्य बदलने वाला समय
- कांग्रेस पर कसा तंज, कहा- उसमें विकसित भारत का सपना देखने तक की हिम्मत नहीं

नई दिल्ली के भारत मंडपम में रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

आगामी चुनाव में जीत को लेकर पूरी तरह से आश्वस्त प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दुनिया का हर देश जानता है, हर शक्ति जानती है कि आएगा तो मोदी ही। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अभी चुनाव बाकी है मगर कई देशों ने उन्हें अभी से जुलाई, अगस्त और सितंबर में होने वाले कार्यक्रमों के लिए आमंत्रित किया है। इससे पता चलता है कि दुनियाभर के देश भाजपा सरकार की वापसी को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। फिर से वापसी की हुंकार भरते हुए मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव को देश का भाग्य बदल देने वाला बताया और कार्यकर्ताओं को चुनावी प्रचार का रोडमैप भी दिया। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से मोदी सरकार के 10 साल के काम और अगले पांच साल के प्लान के साथ हर लाभार्थी और मतदाता तक पहुंचने की अपील की। तीसरी बार भाजपा सरकार को जरूरी बताते हुए प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं से अगले 100 दिनों तक पूरे जोश और उत्साह के साथ जुटने और हर किसी का भरोसा जीतने का आह्वान भी किया।

भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे और अंतिम दिन अपने 65 मिनट के भाषण के दौरान पीएम मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के संकल्प और उसके लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी देते हुए कांग्रेस पर तीखा तंज भी किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में विकसित भारत के निर्माण का सपना देखने तक की हिम्मत नहीं है। विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री ने 2024 में भाजपा की जीत को जरूरी बताया। कहा- विकसित भारत की ओर छलांग लगाने के लिए अगले पांच साल काफी अहम हैं। तीसरे टर्म में देश को तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की गारंटी देते हुए उन्होंने कहा कि इसका मतलब होगा भारत की आर्थिक, सैन्य और सांस्कृतिक शक्ति में कई गुना की बढ़ोतरी। उन्होंने कहा कि 2014 में जब देश की अर्थव्यवस्था दो ट्रिलियन डालर से कम थी तो आधारभूत संरचना पर महज दो लाख करोड़ रुपये खर्च होते थे। पिछले 10 सालों में चार ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने के बाद इस पर 11 लाख करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं। तीसरे टर्म में सात ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था होने के बाद आधारभूत संरचना में आमूलचूल परिवर्तन दिखेगा।

भाषण के दौरान जब मोदी ने कहा कि दुनिया का हर देश जानता है, हर शक्ति जानती है कि आएगा तो...। उनके इतना कहते ही अधिवेशन में मौजूद भाजपाइयों ने एक साथ नारा लगाया 'आएगा तो मोदी ही'। मोदी ने फिर रिपीट किया कि आएगा तो...इस पर भीड़ ने फिर नारा लगाया 'आएगा तो मोदी ही।' मोदी ने कहा कि आज भारत की विश्व में धाक जमी है, विभिन्न देश हमसे बेहतर संबंध बनाने को बेताब हैं और वह भी जानते हैं कि भाजपा फिर से सत्ता में लौटेगी। मोदी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के सामूहिक प्रयास से राजग के लिए 400 और भाजपा के लिए 370 सीटों के लक्ष्य को आसान बताया। कार्यकर्ताओं को हर लाभार्थी तक पहुंचकर प्रधानसेवक का प्रणाम पहुंचाने को कहा। नमो एप के सहारे लाभार्थी को मोदी की चिट्ठी भी देने को कहा। पिछले 10 साल के काम और पांच साल के प्लान के साथ मतदाताओं तक पहुंचने की जरूरत बताई। बता दें कि इस अधिवेशन में करीब 11,500 भाजपा पदाधिकारी भाग ले रहे हैं।

भाजपा क्यों है जरूरी

मोदी ने यह भी बताया कि लगातार तीसरी बार भाजपा सरकार क्यों जरूरी है। इसके लिए उन्होंने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई को आगे भी जारी रखने, महंगाई पर लगाम लगाए रखने, देश के दुश्मनों में डर बनाए रखने, निवेश की गति व नौकरी के अवसरों के निर्माण की गति बनाए रखने के साथ-साथ विभिन्न योजनाओं को जारी रखने की जरूरत का हवाला दिया। कहा कि 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज और 55 करोड़ गरीबों को मुफ्त व कैशलेस इलाज की सुविधा को जारी रखने के लिए भाजपा सरकार का आना जरूरी है।

कांग्रेस हताश, भ्रष्टाचार-तुष्टीकरण की जननी पेज>>5

महाभारत युद्ध के पांडव-कौरव की तरह इस चुनाव में भी दो पाले : शाह पेज>>5

राहुल के मप्र में घुसते ही कमल नाथ भाजपा में हो सकते हैं शामिल

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कमल नाथ के साथ करीब दर्जनभर विधायकों के भी भाजपा जाने की चर्चा
- वरिष्ठ कांग्रेस नेता के कई करीबी विधायक और नेता दिल्ली पहुंचे

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता कमलनाथ। जागरण आर्काइव

विधानसभा चुनाव के बाद हाशिए पर धकेल दिए गए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने फिलहाल कांग्रेस को बाय-बाय बोलने का फैसला ले लिया है। उन्होंने अपने करीबी विधायकों व पार्टी पदाधिकारियों को दिल्ली में जुटाना शुरू कर दिया है। भाजपा की ओर से अब तक हरी झंडी नहीं मिलने के चलते यह साफ नहीं हो पा रहा है कि उन्हें कब शामिल कराया जाएगा। जानकारों की मानें तो उन्हें राहुल गांधी की न्याय यात्रा के मध्य प्रदेश में दाखिल होने से ठीक पहले या यात्रा पहुंचने वाले दिन ही शामिल कराया जा सकता है। जिसके 22 या 23 फरवरी को मध्य प्रदेश पहुंचने का अनुमान है।

रविवार को दिल्ली पहुंचे कमल नाथ के करीबी व पूर्व केंद्रीय मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने उनसे मुलाकात के बाद उनके पाला बदलने से जुड़ी अटकलों को खारिज किया और कहा कि वह लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह भाजपा में शामिल होने नहीं जा रहे हैं, उन्होंने कहा कि जब तक वह अपने मुंह से कुछ नहीं कहते तब तक यही माना जाना चाहिए। सूत्रों का दावा है कि दिल्ली में डेरा डाले कमल नाथ अपने करीबी विधायकों और पदाधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। कई विधायकों ने मजबूरन भरोसे के बगैर पाला बदलने से इन्कार किया है।

कमल नाथ के करीबियों की मानें तो उन्होंने योजना तैयार कर रखी है। जिसमें उनके सांसद बेटे नकुल नाथ के साथ ही पार्टी के करीब दर्जनभर विधायक और पदाधिकारी भी उनके साथ कांग्रेस को बाय-बाय बोलेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के चलते उनकी पार्टी के शीर्ष नेताओं से चर्चा नहीं हो पाई है। उनके करीबी छह विधायक दिल्ली में ही जमे हैं। इनमें तीन विधायक छिंदवाड़ा के ही हैं, बाकी और करीबी विधायकों को दिल्ली लाने की तैयारी है। गौरतलब है कि ऐसे ही घटनाक्रम के चलते कुछ समय पहले ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी अपने समर्थक विधायकों के साथ कांग्रेस छोड़ दी थी। इसके चलते प्रदेश में कमल नाथ की सरकार गिर गई थी।

न्यूज गैलरी

राजनीति ▸ पृष्ठ 4

बिहार के बाद अब झारखंड में भी होगी जातिवार गणना

रांची: बिहार की तर्ज पर झारखंड सरकार ने भी राज्य में जातिवार गणना कराने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने इसे लेकर कार्मिक विभाग को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं।

राष्ट्रीय फलक ▸ पृष्ठ 7

संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा यूएनएलएफ

नई दिल्ली: यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) मणिपुर में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के बावजूद मणिपुर में हिंसा पर चिंता जताई है।

केंद्र और किसान नेताओं में एमएसपी व कर्जमाफी पर फंसी बात

राज्य ब्यूरो, चंडीगढ़

- चौथे दौर की वार्ता में केंद्रीय कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल व नित्यानंद राय ने कमेटी बनाने की बात कही
- किसान संगठन कमेटी बनाने के पक्ष में नहीं, मान भी बैठक में पहुंचे

पंजाब के पटियाला में रविवार को सुरक्षा बलों के सामने डटे प्रदर्शनकारी किसान। प्रेट्र

विभिन्न मांगों पर चंडीगढ़ में रविवार रात किसान नेताओं और केंद्र के बीच शुरू हुई चौथे दौर की वार्ता एमएसपी व कर्जमाफी की बात पर फंस गई। रात साढ़े 11 बजे तक उक्त दोनों मांगों पर सहमति नहीं बन पाई थी। केंद्रीय मंत्री कमेटी बनाने की बात कर रहे थे तो किसान संगठन इसके पक्ष में नहीं थे। वार्ता में कृषि मंत्री अर्जुन मुंडा, पीयूष गोयल व नित्यानंद राय के साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां शामिल थे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के जगजीत सिंह डल्लेवाल और किसान मजदूर संघर्ष समिति के महासचिव सरवन सिंह पंधेर किसानों का पक्ष रख रहे थे।

तीन दिन भाजपा नेताओं के घरों का घेराव करेंगे किसान

उधर, संयुक्त किसान मोर्चा (राजनीतिक) की बैठक लुधियाना में हुई। इसमें भारतीय किसान यूनियन (उगराहां) सहित 32 किसान संगठनों के नेता शामिल हुए। इस दौरान निर्णय लिया गया कि 20 से 22 फरवरी तक पंजाब के सभी भाजपा नेताओं के घरों का घेराव किया जाएगा। इसमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष, सांसद और विधायकों के घर भी शामिल होंगे। इसके अलावा सभी टोल प्लाजा निश्शुल्क कराए जाएंगे।

उगराहां गुट ने टोल प्लाजा करवाए निश्शुल्क पेज>>6

ये हैं किसानों की मांगें

- सभी 23 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी।
- सभी फसलों का भाव स्वामीनाथन आयोग के अनुसार लागत से 50 प्रतिशत अधिक दिया जाए।
- किसानों पर चढ़े कर्ज को माफ किया जाए।
- किसानों के लिए 10 हजार रुपये प्रति महीने पेंशन देने की व्यवस्था लागू की जाए।
- बिजली संशोधन बिल-2022 को रद किया जाए।
- लखीमपुर खीरी में घायल हुए किसानों को उचित मुआवजा मिले।
- लखीमपुर खीरी कांड के आरोपितों को सजा मिले।
- कृषि कानून विरोधी प्रदर्शन में जिन किसानों पर केस दर्ज हुए हैं, उन्हें रद किया जाए।
- प्रदर्शन में मृत किसानों के स्वजन को उचित मुआवजा मिले।
- परिवार में किसी एक को नौकरी दी जाए।

इन पर फंसा है पेंच

सभी 23 फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद की गारंटी और किसानों की कर्जमाफी।

कर्ज माफ कराने को कोचिंग संचालक बना साल्वर, गिरफ्तार

लखनऊ: उप्र पुलिस विभाग की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन रविवार को भी कई गिरोह परीक्षा की शुचिता भंग करने का प्रयास करते रहे। नोएडा में पुलिस ने परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहे कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया। उसने अभ्यर्थी से 95 हजार का कर्ज लिया था। (पेज-6)

दस दिन बाद भी पाकिस्तान में नहीं बन पाई सरकार

इस्लामाबाद: पाकिस्तान में मतदान के बाद मतगणना के दस दिन बीत चुके हैं लेकिन सरकार गठन का कोई ठोस फार्मूला सामने नहीं आया है। नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) व बिलावल भुट्टो की पीपीपी मिलकर सरकार बनाने पर सहमत हैं, लेकिन सत्ता के बंटवारे पर सहमति नहीं बनी है। (पेज-11)

पूर्वानुमान

सोमवार से गुरुवार तक पहाड़ों पर होगी भारी बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में ओलावृष्टि और तेज वर्षा होने की है संभावना

पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर भारत में फिर बदलेगा मौसम

जागरण टीम, नई दिल्ली

पश्चिमी विक्षोभ के असर से उत्तर पश्चिमी भारत में एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। इस दौरान पहाड़ों पर बर्फबारी और मैदानी इलाकों में ओलावृष्टि व भारी वर्षा होने की संभावना है। कुछ जगहों पर सड़क यातायात भी बाधित हो सकता है। भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार से गुरुवार तक जम्मू कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में हल्की से मध्यम वर्षा एवं बर्फबारी होगी। रविवार को भी हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर में वर्षा हुई है। मंगलवार को उत्तराखंड में कुछ जगहों पर भारी वर्षा की संभावना है। सोमवार-बुधवार के बीच पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में हल्की से मध्यम वर्षा होगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भी हल्की वर्षा होगी। मंगलवार से गुरुवार के बीच पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तरी मध्य प्रदेश में वर्षा होगी। सोमवार से बुधवार के बीच हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तरी राजस्थान में बिजली चमकने, तेज हवाएं चलने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर ओले भी गिर सकते हैं।

जम्मू कश्मीर में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से रविवार को उच्च पर्वतीय क्षेत्र में ताजा बर्फबारी और मैदानों में वर्षा होने से तापमान में कई डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। बर्फबारी से श्रीनगर-लेह राजमार्ग सहित प्रदेश में कई संपर्क मार्ग बंद हो गए हैं। कटड़ा से मां वैष्णो देवी की हेलीकाप्टर सेवा प्रभावित रही। मौसम विभाग ने अगले तीन दिन तक बर्फबारी या वर्षा की संभावना जताई है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने अगले 24 घंटों के लिए अनंतनाग और कुलगाम जिलों के लिए कम हिमस्खलन की चेतावनी जारी की।

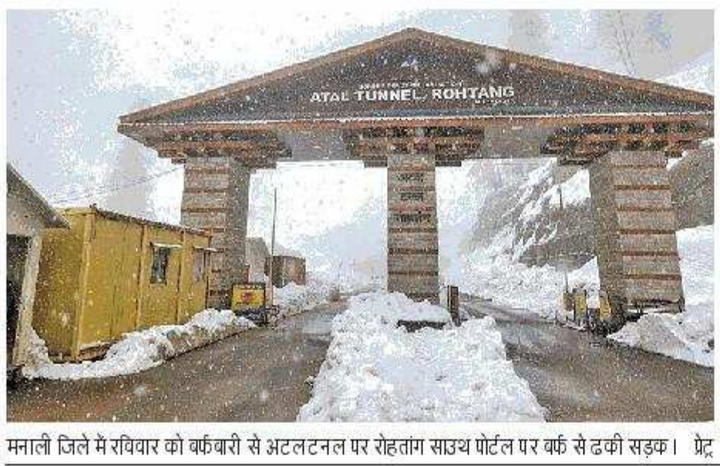

मनाली जिले में रविवार को बर्फबारी से अटल टनल पर रोहतांग साउथ पोर्टल पर बर्फ से ढकी सड़क। प्रेट्र

शीतलहर की चपेट में हिमाचल

हिमाचल प्रदेश में मौसम में आए बदलाव से ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात हुआ जबकि कुछ क्षेत्रों में वर्षा हुई। रोहतांग दर्रे में एक फुट व अटल टनल के दोनों छोर पर आधा फुट हिमपात हुआ। इससे समूचा प्रदेश शीतलहर की चपेट में है। अधिकतम तापमान में चार से नौ डिग्री तक की गिरावट आई है। हिमपात से लाहुल घाटी में सामान्य वाहनों की आवाजाही फिलहाल बंद है। मनाली में हिमपात से अटल टनल पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई है। मौसम विभाग ने पर्यटकों को ऊंचाई वाले क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी है। लाहुल स्पीति, किन्नौर, चंबा, कांगड़ा, शिमला, कुल्लू व मंडी में भारी वर्षा और आंधी की चेतावनी है।

संदेशखाली में पीड़िता के घर पर पुलिस की वर्दी में हमला

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- तृणमूल नेताओं के अत्याचार के खिलाफ खोला था मुंह
- टीएमसी नेताओं के यौन शोषण की शिकार है पीड़िता

बंगाल के संदेशखाली में स्थानीय तृणमूल नेताओं के खिलाफ लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच शनिवार रात एक पीड़िता के घर पर पुलिस की वर्दी में कुछ लोगों ने हमला कर दिया। उसके घर में तोड़फोड़ भी की गई। महिला का आरोप है कि उसने तृणमूल नेताओं के खिलाफ मुंह खोला था, घर पर हमला उसी का यह नतीजा है। किसी को बदमाशों के हमले का शक न हो इस वजह से उन्होंने पुलिस की वर्दी पहन रखी थी।

पीड़िता ने कहा कि वह तृणमूल नेताओं के यौन शोषण की शिकार है। पिछले दिनों उसने इसकी शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद उसके घर पर हमला हुआ। लेकिन आरोपित खुलेआम घूम रहे हैं। राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा सोमवार को संदेशखाली का दौरा करेंगी तथा वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगी।

सात को पीएम मोदी की सभा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सात मार्च को संदेशखाली के निकट सभा को संबोधित करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने रविवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पीएम मुख्यत: संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार के मुद्दे पर जनता को संबोधित करेंगे।

****

269 रहा रविवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। इस स्तर की हवा को 'खराब' श्रेणी में रखा जाता है। शनिवार को यह 245 रहा था। सोमवार के वायु गुणवत्ता 'मध्यम' श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 19 फरवरी, 2024

आज का मौसम

आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
19 फरवरी	27.0	11.0
20 फरवरी	24.0	11.0
नोएडा		
19 फरवरी	25.0	14.0
20 फरवरी	24.0	15.0
गुरुग्राम		
19 फरवरी	24.0	11.0
20 फरवरी	23.0	11.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

पर्यटकों के लिए फिर से खुला लाल किला

नई दिल्ली : किसानों के दिल्ली कूच एलान के मद्देनजर सुरक्षा कारणों से एक सप्ताह से बंद लाल किले को फिर से पर्यटकों के लिए खोल दिया गया है। पिछले आंदोलन में लाल किले के अंदर भी हिंसक प्रदर्शन किया गया था। उसे ध्यान में रखते हुए एक सप्ताह पूर्व ही इस विश्व स्तरीय धरोहर को पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया था। एएसआइ के एक अधिकारी ने बताया कि अब इसे फिर से खोल दिया गया है। (जासं)

एम्स हास्टल में खाली कमरों की जानकारी मिलेगी आनलाइन

नई दिल्ली : एम्स में रेजिडेंट डाक्टरों के हास्टल आवंटन के लिए आनलाइन सुविधा होगी। इसके लिए एक आनलाइन डैशबोर्ड जारी किया जाएगा, जिसमें हास्टल के कुल कमरों और खाली कमरों की जानकारी आनलाइन अपडेट की जाएगी। एम्स के निदेशक डा. एम श्रीनिवास ने एक आदेश जारी कर कहा कि एक अप्रैल से इस आनलाइन डैशबोर्ड का संचालन शुरू हो जाएगा। इससे हास्टल के कमरे आवंटन में पारदर्शिता आएगी। रेजिडेंट डाक्टरों के लिए हास्टल आवंटन में भी लंबी वेटिंग है। मेडिकल के छात्र व रेजिडेंट डाक्टर हास्टल के लिए आनलाइन आवदेन दे सकेंगे। (राब्यू)

निर्माण कार्य के लिए छतरपुर मेट्रो स्टेशन का गेट-2 बंद

नई दिल्ली : दिल्ली मेट्रो फेज चार के निर्माण कार्य के लिए यलो लाइन के वर्तमान छतरपुर मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर दो को दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने बंद कर दिया है। इसलिए स्टेशन पर प्रवेश और निकास के लिए यात्री इस गेट का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। डीएमआरसी ने इंटरनेट मीडिया पर पोस्ट करके यह जानकारी दी है। डीएमआरसी का कहना है कि स्टेशन पर प्रवेश और निकास के लिए यात्री गेट नंबर एक और गेट नंबर तीन का इस्तेमाल कर सकते हैं। (राब्यू)

ड्रग्स के धंधे में शामिल चार तस्करों की संपत्तियों पर चला बुलडोजर

कार्रवाई ▶ लंबे समय से कर रहे ड्रग्स तस्करी से अर्जित की थी करोड़ों की संपत्ति

राकेश कुमार सिंह, नई दिल्ली

राजधानी में ड्रग्स तस्करी के धंधे में शामिल चार अपराधियों के घरों पर बुलडोजर चलाया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नशा मुक्त भारत अभियान को आगे बढ़ाते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना के निर्देश पर ड्रग्स तस्करों के खिलाफ यह बड़ी कार्रवाई की गई है। ये सभी ड्रग्स आपूर्ति के धंधे में कई वर्षों से संलिप्त थे और संगठित अपराध के जरिये करोड़ों की संपत्ति अर्जित की थी। एक अपराधी का घर पहले से सील है, इसलिए उस पर अभी कार्रवाई नहीं की गई है।

ड्रग्स तस्करों पर कार्रवाई करने के लिए पिछले साल ही दिल्ली पुलिस ने अभियान चलाया था। पिछले साल पांच महीने के दौरान दिल्ली पुलिस ने 518 मामले दर्ज किए थे। उक्त मामलों में 674 तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 12 जून से 26 जून तक नशा मुक्त भारत पखवाड़े का भी आयोजन किया गया था। 26 जून को उपराज्यपाल की उपस्थिति में 50 हजार करोड़ रुपये मूल्य की 15 हजार किलो ड्रग्स को जलाया गया था। उसके बाद भी सालभर ड्रग्स तस्करों की पहचान कर लगातार कार्रवाई की जाती रही। उसी के लेकर गत दिनों यह दूसरी बड़ी कार्रवाई की गई है। ड्रग्स को लेकर एलजी और दिल्ली पुलिस लगातार सख्ती बरत रहे हैं। इस बार मोनू उर्फ रिक्की उर्फ संदीप के बलबीर विहार, अमन विहार स्थित मकान नंबर बी-348 पर कार्रवाई की गई है। मोनू को 2022 में क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था। उसके पास से 500 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। वह पहले से ही ड्रग्स आपूर्ति से जुड़े 108 मामलों में शामिल रहा है। राहुल कुमार उर्फ काकू के ए-1/158 नंद नगरी के आवास पर भी बुलडोजर चलाया गया है। ड्रग्स तस्करी के मामले में संलिप्ता पर राहुल और रिंकू तोमर के नंद नगरी स्थित आवासों में छापे मारे गए थे। रिंकू तोमर के ठिकाने से 340 ग्राम और राहुल के यहां 110 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। क्राइम ब्रांच ने एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज किया था। एक अन्य अपराधी विकास के डी-1/95 नंद नगर की संपत्ति पर कार्रवाई की जानी थी, लेकिन संपत्ति पहले से ही सील पड़ी हुई है। यह मामला एमसीडी ट्रिब्यूनल में विचाराधीन है। इसलिए फिलहाल इसका घर तोड़ने की कार्रवाई नहीं की गई है। अपराधी विक्रम के ई-3/160, ई-ब्लाक, नंद नगरी स्थित आवास पर कार्रवाई की गई है। विक्रम को 2022 में गिरफ्तार किया गया था। उसके पास से 500 ग्राम हेरोइन और एक स्कूटी बरामद की गई थी। विक्रम ड्रग्स अपराध से जुड़े 11 मामलों में शामिल रहा है। महिला अपराधी सुनीता पत्नी सतबीर के प्लाट नंबर 129-ए/एक, डाबर एन्क्लेव, एसआर-ब्लाक-ए, रावता मोड़ जाफरपुर कलां पर बने निचले तल को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया है। सुनीता को 2023 में एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार किया गया था। तलाशी के दौरान उसके पास से 277 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।

ड्रग्स तस्कर के घर को ढहाया गया। सौजन्य : राज निवास

सुश्रुत ट्रामा सेंटर में बंद हो सकती है सीटी स्कैन जांच

- अस्पताल के रेडियोलाजी विभाग ने अपने आला अधिकारियों को लिखा पत्र
- 13 वर्ष पुरानी हो चुकी है मशीन, स्पेयर पार्ट मिलने में आ रही समस्या

लोक नायक अस्पताल। इंटरनेट मीडिया

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

लोक नायक अस्पताल के सुश्रुत ट्रामा सेंटर में सीटी स्कैन की सुविधा कभी भी ठप पड़ सकती है। अस्पताल के रेडियोलाजी विभाग ने पत्र लिखकर इस बारे में आला अधिकारियों को सूचित किया है। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि मशीन 13 वर्ष पुरानी हो चुकी है। उसके स्पेयर पार्ट मिलने में समस्या हो रही है। जल्द कोई वैकल्पिक उपाय नहीं किया गया तो यह यहां जांच बंद हो जाएगी। यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब सीटी स्कैन को लेकर कुछ दिन पूर्व ही हाई कोर्ट ने चिंता जताई थी।

अस्पताल के रेडियोलाजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर गौरव शंकर प्रधान ने अस्पताल प्रशासन को लिखे पत्र में कहा है कि इंजीनियर ने अवगत कराया है कि यह मशीन भारी दबाव में है। इसके स्पेयर पार्ट उपलब्ध न होने की वजह से इसे ठीक नहीं किया जा सकेगा। ऐसे में एक बार मशीन खराब होने पर मरीजों की सीटी स्कैन जांच नहीं हो सकेगी। इससे सामान्य रोगियों के लिए मुसीबत खड़ी हो जाएगी, क्योंकि मशीन पर मरीजों की जांच का भारी दबाव है।

बता दें कि ट्रामा सेंटर में अधिकतर हादसों में घायल मरीजों को उपचार के लिए लाया जाता है। यहां सिर की चोट लगने वाले मरीज बड़ी संख्या में आते हैं। लोक नायक अस्पताल में यह पहला मामला नहीं है कि सीटी स्कैन जांच को लेकर परेशानी खड़ी हो रही है। कुछ दिनों पहले मौलाना आजाद डेंटल इंस्टीट्यूट की तरफ से एक मरीज को सीटी स्कैन के लिए लोक नायक भेजा गया था। उसे तीन साल आगे की तारीख दे दी गई थी। एलएन अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की जांच के लिए भी मरीजों को एक-एक वर्ष आगे की तिथि दी जा रही है। इसका स्थायी हल नहीं निकाला जा पा रहा है।

एम्स में अगले वर्ष तैयार हो जाएगा संक्रामक रोग निदान केंद्र

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

▶ सीपीडब्ल्यूडी ने टेंडर किया आवंटित, निर्माण के लिए शुरू कर दी गई हैं तैयारियां

एम्स ट्रामा सेंटर के परिसर में क्रिटिकल केयर व संक्रामक रोग निदान केंद्र के निर्माण के लिए टेंडर आवंटन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) ने करीब 180 करोड़ की लागत से इसके निर्माण के लिए टेंडर आवंटित कर दिया है। इसके बाद निर्माण की तैयारियां भी शुरू कर दी गई हैं और अगले वर्ष के अंत तक यह तैयार हो जाएगा। इसके निर्माण से संक्रामक रोगों व क्रिटिकल केयर से संबंधित बीमारियों के इलाज की सुविधा बेहतर हो जाएगी।

कोरोना काल के बाद इस सेंटर के निर्माण की योजना बनी थी। क्योंकि कोरोना के संक्रमण के दौरान अस्पतालों में आइसीयू, आइसोलेशन वार्ड आदि सुविधाओं की कमी महसूस की गई। इस वजह से अस्पतालों में दूसरी बीमारियों का इलाज बंद करके कोरोना के इलाज की व्यवस्था करनी पड़ी थी। एम्स में ट्रामा सेंटर में हादसा पीड़ितों का इलाज बंद कर उसे कोविड अस्पताल बनाया गया था। इसके मद्देनजर आयुष्मान भारत हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत पीएम केयर फंड से एम्स में क्रिटिकल केयर व संक्रामक रोग केंद्र बनाने की पहल की गई। एम्स ने इसके निर्माण के लिए पिछले वर्ष 30 जनवरी को सीपीडब्ल्यूडी से समझौता किया था और उसे निर्माण की जिम्मेदारी दी थी। बाद में एक फरवरी को इस परियोजना की निगरानी के लिए एक आठ सदस्यीय परियोजना प्रबंधन कमेटी गठित की गई थी। क्रिटिकल केयर व संक्रामक रोग केंद्र का डिजाइन तैयार होने और एम्स द्वारा उसकी स्वीकृति दिए जाने के बाद तीन अगस्त को सीपीडब्ल्यूडी ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी थी।

अलीपुर अग्निकांड में क्षतिग्रस्त संपत्तियों की मरम्मत का इंतजार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: अलीपुर स्थित पेंट फैक्ट्री में लगी आग से हुई तबाही के अगले दिन शुक्रवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने घटनास्थल का जायजा लिया था। आश्वासन दिया था कि जिनके घर एवं दुकानों को नुकसान पहुंचा है, उनकी मरम्मत कराई जाएगी। तब वहां मौजूद जिलाधिकारी को जल्द कार्रवाई करने के लिए कहा था, लेकिन रविवार तक पीड़ितों से मिलने के लिए प्रशासन की ओर से कोई नहीं आया और न ही इन संपत्तियों का सर्वे ही हुआ। इस कारण पीड़ितों ने प्रशासन के प्रति नाराजगी जताई है।

घटनास्थल से कुछ कदम की दूरी पर दो मंजिला घर में नशा मुक्ति केंद्र चलाने वाले रोहित ने बताया कि इस आग से पूरी इमारत जर्जर हो चुकी है, कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन से कहा था कि जल्द ही इन इमारतों की मरम्मत कराई जाएगी, लेकिन दो दिन बीत जाने के बाद भी हम लोगों से मिलने के लिए कोई भी नहीं आया।

श्रद्धानंद मार्ग और खान मार्केट में दो महिला पुलिस चौकियों का शुभारंभ

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

एलजी वीके सक्सेना ने रविवार को श्रद्धानंद मार्ग और खान मार्केट में दो महिला पुलिस चौकियों का उद्घाटन किया। इस दौरान एलजी ने कार्यक्रम में उपस्थित महिला पुलिसकर्मियों से बातचीत में उन्हें लोगों की सेवा में कड़ी मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। महिलाकर्मियों को इलाके और अपराध के तौर-तरीके के बारे में भी जानकारी दी गई। महिला सब इंस्पेक्टर किरण सेठी को श्रद्धानंद मार्ग पुलिस पोस्ट पर इंचार्ज के रूप में तैनात किया गया है।

उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि महिला पुलिस चौकियों के उद्घाटन से पुलिसिंग में समावेशिता और दक्षता के एक नए युग की शुरुआत हुई है। यह लैंगिक समानता की दिशा में एक प्रगतिशील कदम का उदाहरण है और समुदाय के सभी सदस्यों की सेवा और सुरक्षा के लिए कानून प्रवर्तन अधिकारियों के समर्पण को रेखांकित करता है। महिला पुलिस चौकियों में सभी जरूरी उपकरणों और अच्छी तरह से प्रशिक्षित महिला पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई है।

खान मार्केट महानगरीय माहौल व हलचल भरे माहौल के लिए प्रसिद्ध है। यहां कई नामी रेस्तरां, बार व दुकानें हैं। विदेशी प्रतिनिधियों, वीवीआइपी और पर्यटकों की पर्याप्त आमद के साथ यह मार्केट जीवंतता को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सभी महिला पुलिस पोस्ट की स्थापना कानून प्रवर्तन के भीतर लैंगिक समानता और सशक्तीकरण के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जिससे अपराध की रोकथाम से लेकर सामुदायिक भागीदारी तक कर्तव्यों का प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित होता है। एसआइ पूजा सैनी को खान मार्केट पुलिस पोस्ट पर प्रभारी के तौर पर तैनात किया गया है। खान मार्केट पुलिस पोस्ट 2016 में स्थापित की गई थी।

दोनों चौकियों के शुभारंभ के मौके पर पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा, विशेष आयुक्त कानून एवं व्यवस्था रवींद्र सिंह यादव समेत कई अधिकारी मौजूद रहे।

▶ दोनों चौकियों में दो महिला सब इंस्पेक्टरों को बनाया गया है प्रभारी

<< खान मार्केट पुलिस चौकी का शुभारंभ करते एलजी वीके सक्सेना। साथ में हैं पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा और अन्य अधिकारी। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

जेएलएन स्टेडियम में हादसा स्थल सील, खिलाड़ियों को नहीं दिया प्रवेश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ शादी के लिए लगाए जा रहे टेंट के गिरने से 29 श्रमिक हो गए थे घायल

▶ आयोजक व ठेकेदार की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की तलाश जारी

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शादी समारोह के लिए लगाए जा रहे टेंट के शनिवार गिरने के मामले में पुलिस ने घटना स्थल को सील कर दिया है। अभी तक वहां से टेंट का सामान नहीं उठाया गया है। घटनास्थल पर खिलाड़ियों और अन्य लोगों को दूसरे दिन भी प्रवेश नहीं दिया गया। दो दिन के लिए आना-जाना प्रतिबंध कर दिया गया है। पुलिस आयोजक व ठेकेदार की गिरफ्तारी के लिए उनकी तलाश कर रही है। हादसे में 29 श्रमिक घायल हो गए थे, जिनमें से 18 मरीजों का एम्स में अभी भी उपचार चल रहा है।

स्टेडियम के गेट नंबर दो के पास पार्किंग में एक उद्योगपति की बेटी की 24 फरवरी को होने वाली शादी के लिए टेंट लगाया रहा था। रविवार को स्टेडियम के गेट नंबर दो को सील कर दिया गया। मंगलवार तक वहां लोगों की आवाजाही नहीं होगी। गेट नंबर दो से किसी को भी प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। वहां आने वाले खिलाड़ियों को वापस भेजा जा रहा है। चौकीदार ने बताया कि दो दिन तक प्रवेश बंद किया गया है और जब तक टेंट का सामान नहीं उठ जाता तब तक प्रवेश बंद रहेगा। पुलिस ने आयोजक व ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हादसा होने के बाद से आयोजक व ठेकेदार फरार चल रहे हैं। स्टेडियम में टेंट गिरने से दबे श्रमिकों को बचाने में सहयोग देने वाले खिलाड़ियों व स्टाफ को पुलिस विभाग द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में गिरा शादी के लिए लगाया गया टेंट। जागरण

रविवार को दिन का तापमान रहा सीजन का सर्वाधिक

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : तेजी से बदल रहे मौसम में दिल्ली का अधिकतम तापमान रविवार को इस सीजन में सर्वाधिक दर्ज किया गया। यह बात अलग है कि सोमवार से मौसम में दोबारा बदलाव होने की संभावना है। तीन दिन तक लगातार हल्की वर्षा होने का पूर्वानुमान है जिससे तापमान में भी गिरावट आएगी।

दिनभर खिली रही तेज धूप के बीच रविवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से पांच डिग्री अधिक 29.7 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह इस सीजन में अभी तक सर्वाधिक है। न्यूनतम तापमान 8.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से दो डिग्री कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज झोंकेदार हवाओं के साथ हल्की वर्षा होने की भी संभावना है। अधिकतम तापमान 27 डिग्री और न्यूनतम 11 डिग्री रह सकता है। मंगलवार और बुधवार को भी ऐसा ही मौसम बने रहने का अनुमान है।

भरण-पोषण मामले में महिला अदालत की अवमानना की दोषी करार : हाई कोर्ट

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

▶ सुनवाई अदालत के आदेश का अनुपालन नहीं करने का पति ने लगाया था आरोप

▶ महिला को एक महीने के साधारण कारावास की सजा के साथ उस पर दो हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया

पति और बच्चे को भरण-पोषण देने संबंधी मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट (महिला अदालत) के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर दिल्ली हाई कोर्ट ने एक महिला को अदालत की अवमानना दोषी करार दिया है। अदालत ने कहा कि महिला की आर्थिक अक्षमता इस हद तक नहीं है कि वह अदालत के आदेशों का अनुपालन नहीं कर सके। उसने आदेश का अनुपालन करने से बचने के लिए अधूरे कारण बताए। अदालत ने नोट किया कि महिला एक अच्छा व्यापार चलाती है और अदालत द्वारा भरण-पोषण के रूप में निर्धारित की गई धनराशि इतनी बड़ी नहीं थी कि वह इसका प्रबंध न कर सके।

महिला को एक महीने के साधारण कारावास की सजा व दो हजार रुपये का जुर्माना लगाते हुए न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की पीठ ने कहा कि प्रतिवादी महिला ऐसी कोई परिस्थिति अदालत के समक्ष पेश करने में असफल रही है कि उसे जानबूझकर की गई अदालत की अवमानना के लिए दंडित नहीं किया जाना चाहिए। अदालत ने यह भी नोट किया महिला की दो संपत्ति हैं। महिला ने जानबूझकर 19 जनवरी 2021 के आदेश की अवहेलना की। अदालत ने उक्त टिप्पणी याचिकाकर्ता पति द्वारा दायर अवमानना याचिका को स्वीकार करते हुए की।

यह है मामला

याचिका के अनुसार याचिकाकर्ता व महिला की शादी जून 2003 में हुई और उन्हें तीन बच्चे हुए। महिला ने याचिकाकर्ता पर पर्याप्त दहेज नहीं लाने पर क्रूरता का आरोप लगाया था। याचिकाकर्ता का आरोप है कि महिला ने उसे वर्ष 2018 में घर बाहर निकाल दिया और उसके बाद से वह अपने तीन बच्चों के साथ अकेले रह रह रहा है। वर्ष 2019 में याचिकाकर्ता ने घरेलू हिंसा के आधार पर रोहिणी कोर्ट में आवेदन दाखिल कर दावा किया कि महिला एक व्यापार चलाती है और वह दो से तीन करोड़ रुपये सालाना कमाती है। उसने महिला को उसके व बच्चों के भरण-पोषण देने का निर्देश देने की मांग की थी। मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट (महिला अदालत) ने 19 फरवरी 2021 को महिला को आदेश दिया कि वह पति और बच्चों के लिए कुल 53 हजार रुपये प्रतिमाह देने का निर्देश दिया।

ट्रैफिक सेंटिनल एप के उपयोगकर्ताओं का सम्मान

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली पुलिस सप्ताह के तहत यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा के लिए काम करने वाले सक्रिय ट्रैफिक सेंटिनल एप के उपयोगकर्ताओं और हितधारकों के सम्मान के लिए रविवार को पुलिस मुख्यालय के आदर्श सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर विशेष आयुक्त यातायात एचजीएस धालीवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। उन्होंने युवाओं के मन में सड़क उपयोगकर्ता के सही व्यवहार को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। साथ ही स्कूली छात्रों व आम लोगों को यातायात नियमों के उल्लंघनों को रोकने में यातायात पुलिस का सहयोग करने का भी आह्वान किया। ट्रैफिक सेंटिनल एप उपयोगकर्ता ऐसे ट्रैफिक नियमों के उल्लंघनों की रिपोर्ट कर रहे हैं जो यात्रा के समय उन्हें देखने को मिलता है।

ट्रैफिक सेंटिनल एप को 2015 में नागरिकों को एक शक्तिशाली टूल के साथ सशक्त बनाने के लिए लांच किया गया था ताकि ट्रैफिक पुलिस सड़क पर चलते समय होने वाले नियमों के उल्लंघनों को पकड़कर उल्लंघनकर्ताओं पर मामला दर्ज करने में मदद कर सके।

आयोजन

मेले के अंतिम दिन रौनक रही, पाठकों की खासी भीड़ देखने को मिली, भारतीय प्रकाशन उद्योग को मिली वैश्विक पहचान

2025 में एक से नौ फरवरी को लगेगा अगला विश्व पुस्तक मेला

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली

अगला विश्व पुस्तक मेला प्रगति मैदान में एक से नौ फरवरी 2025 के दौरान आयोजित होगा। यह घोषणा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) के अध्यक्ष प्रो मिलिंद सुधाकर मराठे ने रविवार को 31वें विश्व पुस्तक मेले अंतिम दिन की। उन्होंने इसके सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त करे हुए सभी आगंतुकों, प्रकाशकों, सह-आयोजक संस्थाओं और मीडियाकर्मियों का आभार भी व्यक्त किया। वहीं एनबीटी के निदेशक युवराज मलिक के अनुसार, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2024 भारतीय प्रकाशन उद्योग को वैश्विक स्तर पर नई पहचान देने में सफल रहा।

मेले के अंतिम दिन रविवार को भी मेले में अच्छी रौनक रही। सुबह से ही पाठकों की खासी भीड़ देखने को मिली, जो दिनभर बनी रही। जगह-जगह साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होते रहे।

प्रगति मैदान में लगे विश्व पुस्तक मेला के अंतिम दिन उमड़ी भीड़ रही। चंद्र प्रकाश मिश्र

हिंदी में सिनेमा के पहले इनसाइक्लोपीडिया पर चर्चा : इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आइजीएनसीए) ने हिंदी में सिनेमा के विश्वकोश का प्रकाशन किया है, जो प्रसिद्ध फिल्म पत्रकार श्रीराम ताम्रकर के अथक प्रयासों का परिणाम है। पुस्तक मेले में इस पर भी गंभीर चर्चा हुई। इस चर्चा में प्रसिद्ध फिल्म निर्माता और अभिनेता राहुल मित्रा, लेखक एवं फिल्मकार डा. राजीव श्रीवास्तव, प्रसिद्ध लेखक एवं फिल्म विश्लेषक अविजीत घोष और फिल्म विश्लेषक अर्णब बनर्जी ने भाग लिया।

****

15 लाख से अधिक पाठक,

किताबों के प्रति एनसीआर वासियों का बढ़ता प्रेम कहें या कुछ और लेकिन 31वें विश्व पुस्तक मेले ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का रिकार्ड भी तोड़ दिया। मेले में आने वाले पुस्तक प्रेमियों की संख्या तो व्यापार मेला के दर्शकों से अधिक पहुंच गई। कारोबार भी करोड़ों रुपये का हुआ। शनिवार-रविवार को मेले में पाठकों को कतार में लगकर प्रवेश करते देखा गया। मेला आयोजक राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के मुताबिक नौ दिन के मेले में 15 लाख से अधिक पाठक पहुंचे।

धार्मिक पुस्तकें भी खूब बिकीं

इस बार मेले में धार्मिक पुस्तकें भी खूब बिकीं। गीताप्रेस गोरखपुर के स्टाल पर श्रीरामचरित मानस की ही हजारों प्रतियां बिक गईं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की 93 हजार से अधिक किताबें बिकी। प्रभात प्रकाशन की बिक्री 35 लाख से अधिक जबकि किताबघर प्रकाशन की 10 लाख से अधिक रही।

आजादपुर मंडी के आठ फर्म और कोल्ड स्टोरेज का संचालन किया बंद

विनीत त्रिपाठी, नई दिल्ली

▶ एक आवेदन पर कृषि उपज विपणन समिति ने एनजीटी में दाखिल की रिपोर्ट

नियमों का उल्लंघन कर आजादपुर मंडी में संचालित आठ फर्म और कोल्ड स्टोरेज के संचालन को बंद कर दिया गया है। कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) (प्रवर्तन) सचिव ने हलफनामा दाखिल कर सूचित किया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को सूचित किया कि उक्त आठ फर्म से संबंधित प्राधिकरण से बगैर लाइसेंस प्राप्त किए संचालित किए जा रहे कोल्ड स्टोरेज पर जवाब मांगा था। हालांकि, किसी भी फर्म द्वारा कोई जानकारी नहीं दी गई। इस पर इन सभी फर्म का संचालन रोक दिया गया है। यह भी कहा कि अगर इन कोल्ड स्टोरेज की दुकानों पर कोई भी फर्म संचालित होती पाई गई तो उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई शुरू की जाएगी।

एपीएमसी सचिव ने यह हलफनामा आवेदनकर्ता विष्णु कुमार अग्रवाल के एक आवेदन पर दिया।

आवेदनकर्ता ने आरोप लगाया था कि गैर कानूनी तरीके से संचालित होने वाले कोल्ड स्टोरेज से खतरनाक गैस निकलती, जो कि स्थानीय नागरिकों व बच्चों के सेहत के लिए हानिकारक है। आवेदन पर सुनवाई के बाद एनजीटी ने 29 सितंबर 2023 को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी), एपीएमसी, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम की एक संयुक्त समिति गठित कर मौके पर निरीक्षण कर रिपोर्ट दाखिल करने का आदेश दिया था। इसके जवाब में एपीएमसी ने ताजा रिपोर्ट दाखिल कर वस्तु स्थिति की जानकारी दी है।

आज से युद्धाभ्यास करेंगी 50 देशों की नौसेनाएं

मिलन-24 ▶ भारत में पहली बार इतना बड़ा नौसैनिक अभ्यास, 27 तक चलेगा

18 युद्धपोतों और विमानों का बेड़ा महासागर में सैन्य अभ्यास करेगा

विशाखापत्तनम, एएनआइ : भारतीय नौसेना पहली बार 50 देशों के साथ 19 से 27 फरवरी तक नौसैनिक युद्धाभ्यास करने जा रही है। इतने व्यापक स्तर के नौसैनिक युद्धाभ्यास 'मिलन-24' में 18 युद्धपोतों और विमानों का बेड़ा महासागर और बंदरगाह पर सैन्य अभ्यास करेगा। हालांकि भारतीय नौसेना के दो विमानवाहक युद्धपोत आइएनएस विक्रमादित्य और आइएनएस विक्रांत मिलन के बाद अगले दस दिनों में प्रमुख अभियानों को अंजाम देंगे।

भारतीय नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर.हरि कुमार ने बताया कि अब तक के सबसे बड़े नौसैनिक समागम के लिए 58 देशों को आमंत्रित किया गया था जिसमें से पचास देशों ने आने की पुष्टि की है। सोमवार से शुरू हो रहे इस नौ दिवसीय सैन्य अभ्यास मिलन-24 के 12वें संस्करण में महासागर को सुरक्षित और मुक्त रखने के लिए लिहाज से हिंद-प्रशांत क्षेत्र पर रणनीति को व्यवहारिक रूप से कसा और परखा जाएगा। वह इस क्षेत्र की जटिलताओं को एकजुट होकर नेविगेट करेंगे।

पूर्वी नौसैनिक कमांड ने एक्स पर पोस्ट करके वियतनाम की नौसेना के कोरवेट-20 जहाज और अमेरिकी नौसेना के यूएसएस हलसे (डीडीजी-97) का स्वागत किया है। दोनों देशों के युद्धपोत विशाखापत्तनम पहुंच चुके हैं। आस्ट्रेलिया की रायल नेवी का युद्धपोत भी विशाखापत्तनम पहुंच गया है।

नौसैनिक युद्धाभ्यास 'मिलन-24' में शामिल होने रविवार को विशाखापत्तनम पहुंचा अमेरिकी नौसेना का अर्लेे बर्क क्लास गाइडेड मिसाइल विध्वंसक हैल्सी जहाज। एएनआइ

गहरे समुद्र में सुरक्षा को बढ़ाने के लिए मिलन एक अच्छा मंच साबित होगा। विभिन्न देशों के विकास के लिए वाणिज्य और समृद्धि के लिए इस क्षेत्र में हर तरह की सुरक्षा बेहद जरूरी है। नौसेना प्रमुख ने बताया कि भारतीय नौसेना के दो युद्धपोत आइएनएस विक्रमादित्य और आइएनएस विक्रांत पश्चिमी तट पर मिलन-24 के अगले दस दिन अपना अभियान जारी रखेंगे। हालांकि यह दोनों युद्धपोत मिलन का भी हिस्सा रहेंगे।

अमेरिका से 4 अरब डालर में खरीद सकते हैं ड्रोन

भारत-अमेरिका एमक्यू-9बी प्रीडेटर ड्रोन का सौदा अगले कुछ महीनों में होने की उम्मीद है। इस संबंध में नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर.हरि कुमार ने बताया कि अमेरिका से 31 प्रीडेटर ड्रोन खरीदने को लेकर रक्षा अधिग्रहण परिषद ने मंजूरी दी है। अगले कुछ महीनों में चार अरब डालर के इस रक्षा सौदे पर दस्तखत होने की संभावना है। इसका पहला विमान 36 महीने से पहले नहीं आएगा। अमेरिका से मिलने वाले 31 ड्रोनों में से 15 का संचालन भारतीय नौसेना करेगी जबकि भारतीय सेना और वायुसेना से आठ-आठ ड्रोन संचालित होंगे। इस सौदे में अभियानों में इस्तेमाल होने वाले अन्य हथियारों और उपकरणों को भी शामिल किया है।

भारतीय नौसेना क्षेत्र को सुरक्षित रखने को प्रतिबद्ध

सोमालिया के समुद्री लुटेरों से बचाने के लिए पाकिस्तानी और ईरानी दलों के भारतीय नौसेना का आभार जताने के बाद अब नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर.हरि कुमार ने कहा कि वह संकट में आए लोगों की मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वह क्षेत्र को सुरक्षित, स्वतंत्र और मुक्त रखना सुनिश्चित करना चाहते हैं। सोमालिया के लुटेरों ने विभिन्न देशों के मछुआरों की नावों पर कब्जा किया था। लुटेरे इन नौकाओं का इस्तेमाल बड़े जहाजों को लूटने में करते हैं। इसलिए भारतीय नौसेना ने इन समुद्री लुटेरों का हथियार समेत समर्पण कराया।

रुपये और टका में कारोबार बढ़ाने पर भारत-बांग्लादेश में विमर्श जारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

बढ़ते व्यापार घाटे से पड़ोसी देश चिंतित, स्थानीय मुद्रा में भुगतान स्वीकार करने से अर्थव्यवस्था को मिलेगी मदद

भारत और बांग्लादेश के बीच पिछले वर्ष ही अपनी-अपनी मुद्राओं में कारोबार करने की सहमति बनी थी। हालांकि जमीनी तौर पर इसमें कोई बड़ी शुरुआत अभी नहीं हो पाई है। ऐसे में सत्ता में लौटीं बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना ने एक बार फिर इस मुद्दे को उठाया है। म्यूनिख (जर्मनी) में एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के दौरान शनिवार को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की अगुआई में भारतीय टीम ने पीएम हसीना के दल के साथ बैठक की, जिसमें बांग्लादेश की तरफ से इस बारे में आग्रह किया गया है। बताया जा रहा है कि भारत के साथ बढ़ते व्यापार घाटा और घटते विदेशी मुद्रा भंडार की वजह से बांग्लादेश सरकार इस बारे में ज्यादा समर्थन की मांग कर रहा है। वैसे भारत सरकार की तरफ से इसे समर्थन दिया जा रहा है लेकिन भारत के कारोबारी समुदाय में इस प्रस्ताव को लेकर खास समर्थन नहीं है।

नेपाल, भूटान और श्रीलंका के बाद भारत अपने इस पड़ोसी देश के साथ डिजिटल तरीके से होने वाले वित्तीय लेनदेन को लेकर भी विमर्श कर रहा है। भारत चाहता है कि जिस तरह से नेपाल और भूटान के साथ यूपीए के जरिये डिजिटल लेनदेन की सुविधा स्थापित हुई है, उसी तरह की सुविधा बांग्लादेश के साथ भी हो। तीन दिन पहले ही आरबीआइ और नेपाल राष्ट्र बैंक के बीच समझौता हुआ है जिससे नेपाल जाने वाले भारतीय पर्यटकों व कारोबारियों को वहां यूपीआइ से भुगतान करने की सुविधा दे दी गई है। भारत और बांग्लादेश के बीच जिस तरह से कारोबार व आवागमन बढ़ रहा है, उसे देखते हुए यूपीआइ की सुविधा काफी सफल हो सकती है। चीन के बाद बांग्लादेश का एशिया में सबसे बड़ा द्विपक्षीय कारोबार भारत के साथ होता है। दूसरी तरफ बांग्लादेश भारतीय उत्पादों के लिए दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार है। इसके अलावा सैकड़ों भारतीय छात्र वहां पढ़ाई करते हैं व पर्यटन भी बढ़ रहा है। बताया जाता है कि एक-दूसरे के डिजिटल भुगतान व्यवस्था को मंजूरी देने का फैसला जल्द हो सकता है।

20 अरब डालर का विदेशी मुद्रा भंडार है बांग्लादेश के पास : म्यूनिख में हुई बैठक के बारे में जयशंकर ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर जानकारी दी है। उन्होंने लिखा, 'पीएम शेख हसीना से मुलाकात हुई। आम चुनाव में विजयी होने पर उन्हें बधाई दी। भारत-बांग्लादेश मैत्री को आगे ले जाने को लेकर उनके नेतृत्व की हम प्रशंसा करते हैं।' बांग्लादेश की पीएम हसीना पहले पीएम नरेन्द्र मोदी के साथ अपनी बैठक में बढ़ते कारोबार घाटे (भारत के पक्ष में 12 करोड़ डालर) को पाटने के लिए मदद मांगती रही हैं।

हेल्थ सप्लीमेंट को सीडीएससीओ के तहत लाने की संभावना तलाशेगी समिति

नई दिल्ली, प्रेट्र : हेल्थ सप्लीमेंट या न्यूट्रास्यूटिकल्स को खाद्य नियामक एफएसएसएआइ के बजाय शीर्ष औषधि नियामक सीडीएससीओ के दायरे में लाने की संभावना तलाशने के लिए सरकार ने समिति का गठन किया है। उपभोक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य ने सरकार ने यह कदम उठाया है। 'न्यूट्रास्यूटिकल्स' वैसे खाद्य पदार्थ होते हैं जो पौष्टिक होने के साथ ही बीमारी की रोकथाम एवं उपचार में भी मददगार होते हैं।

इस समय खाद्य सुरक्षा और भारतीय मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआइ) न्यूट्रास्यूटिकल्स के उपयोग को नियंत्रित करता है। अधिकारियों ने कहा कि हेल्थ सप्लीमेंट के अनियंत्रित इस्तेमाल हो रहा है। लोग दवाओं के साथ लंबे समय तक हेल्थ सप्लीमेंट का भी सेवन करते हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को नुकसान हो सकता है।

सूत्र ने बताया, कई मुद्दों पर चर्चा के बाद स्वास्थ्य मंत्रालय के सचिव की अध्यक्षता में उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया गया है। आयुष मंत्रालय के सदस्य सचिव, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सचिव, फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव, एफएसएसएआइ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, भारत के औषधि महानियंत्रक, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक और स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) इस समिति के सदस्य हैं।

उपभोक्ता की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सरकार ने उठाया कदम

न्यूट्रास्यूटिकल के मूल्य नियंत्रण की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगी समिति

न्यूट्रास्यूटिकल्स का कौन करे नियमन।

एक अन्य सूत्र ने बताया, समिति खाद्य प्रारूपों और दवा प्रारूपों में प्रोबायोटिक/प्रीबायोटिक को विनियमित करने की व्यवहार्यता की पहचान करेगी। समिति इस बात की भी पड़ताल करेगी कि क्या सीडीएससीओ के दायरे में न्यूट्रास्यूटिकल्स और सप्लीमेंट को लाने की आवश्यकता और संभावना है। समिति न्यूट्रास्यूटिकल नियमों के तहत आने वाली श्रेणियों के लिए मूल्य नियंत्रण की व्यवहार्यता का भी पता लगाएगी। आंकड़ों के अनुसार, भारत में न्यूट्रास्यूटिकल बाजार 2025 के अंत तक 18 अरब डालर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2020 में यह आंकड़ा चार अरब डालर का था।

सीबीआइसी ने गिरफ्तारी की जानकारी देने के दिशानिर्देशों में किया संशोधन

नई दिल्ली, प्रेट्र: केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी की जानकारी (रिपोर्टिंग) देने से संबंधित दिशानिर्देशों में संशोधन किया है। इस कदम का मकसद 'सिंडिकेट' द्वारा धोखाधड़ी के प्रयासों पर लगाम लगाना और जोखिम आधारित लक्ष्य में सुधार करना है। सीबीआइसी की ओर से अधिकारियों को दिए एक निर्देश में कहा गया है कि गिरफ्तारी, तस्करी और वाणिज्यिक धोखाधड़ी की घटना की रिपोर्ट सीमा शुल्क क्षेत्रों (जोन) द्वारा या तो साझा नहीं की जा रही है या कभी-कभी साझा की जा रही है। कई मामलों में गिरफ्तारी की रिपोर्ट में जो ब्योरा दिया जाता है, वह पर्याप्त नहीं होता।

सीबीआइसी के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार, सीमा शुल्क क्षेत्र के मुख्य आयुक्त/महानिदेशक को किसी व्यक्ति की गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर इसकी रिपोर्ट ईमेल के माध्यम से सीबीआइसी को भेजनी होगी। गिरफ्तारी रिपोर्ट में हिरासत में लिए गए व्यक्ति की राष्ट्रीयता और उसके अपराध का ब्योरा देना होगा।

जयशंकर की सात महीने के बाद चीनी समकक्ष से हुई बातचीत

म्यूनिख, एएनआइ : विदेश मंत्री एस जयशंकर और चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने शनिवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन से इतर संक्षिप्त बातचीत की। दोनों देशों के बीच कई महीनों तक कोई संवाद न होने के बाद अचानक यह बातचीत हुई है। पिछली बार दोनों नेता जुलाई 2023 में आसियान बैठक से इतर इंडोनेशिया में मिले थे। यह बातचीत शनिवार को तब हुई, जब जयशंकर एक पैनल चर्चा के लिए मंच पर जा रहे थे और वांग नीचे आ रहे थे।

म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन के वीडियो फुटेज में जयशंकर और वांग को उस प्रतिष्ठित कार्यक्रम से इतर एक संक्षिप्त बातचीत करते हुए देखा जा सकता है, जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और दुनिया भर के अन्य शीर्ष राजनयिक शामिल हुए थे। हालांकि, दोनों देशों की ओर से बातचीत को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

बातचीत के संबंध में आधिकारिक तौर पर दोनों ओर से कुछ भी नहीं कहा गया है

दोनों नेता पिछले वर्ष जुलाई में आसियान बैठक से इतर इंडोनेशिया में मिले थे

इसके साथ ही जयशंकर सऊदी अरब, नार्वे, पुर्तगाल, पोलैंड और बेल्जियम के समकक्षों से मिले। इस दौरान द्विपक्षीय संबंधों और पश्चिम एशिया की स्थिति और वैश्विक मामलों पर चर्चा हुई। पोलैंड के समकक्ष राडोस्लाव सिकोरस्की के साथ रूस-यूक्रेन संघर्ष पर गहन चर्चा की गई। उन्होंने जर्मनी में क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन (सीडीयू) पार्टी के नेता फ्रेडरिक मर्ज के साथ भी बातचीत की। जयशंकर ने फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी से भी मुलाकात की और गाजा की स्थिति पर चर्चा की।

विदेश मंत्री एस जयशंकर से हाथ मिलाते चीन के उनके समकक्ष वांग यी (फाइल)। प्रेट्र

नगालैंड में राकांपा के सात विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिका खारिज

कोहिमा, प्रेट्र : नगालैंड विधानसभा के अध्यक्ष शेरिंगेन लोंगकुमेर ने राज्य में राकांपा के सात विधायकों के विरुद्ध अयोग्यता याचिका को खारिज कर दिया है। शरद पवार के नेतृत्व वाले गुट के राष्ट्रीय महासचिव हेमंत तकले ने 30 अगस्त 2023 को सात विधायकों पिकटो शोहे, पी लान्गोन, नामरी नचांग, बाई म्होनबेमो हम्त्सो, एस तोइहो येथ्थो, बाई मनखाओ कोन्याक और ए पोंगशी फोम के खिलाफ अयोग्यता याचिका दायर करते हुए आरोप लगाया था वे पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल थे।

राकांपा के सात विधायकों ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को अपना समर्थन पत्र दिया था। विधानसभा अध्यक्ष को 30 अगस्त को अजीत पवार के नेतृत्व वाली राकांपा की ओर से एक पत्र भी मिला था। इस पत्र में चुनाव चिह्न विवाद के बारे में निर्वाचन आयोग द्वारा अंतिम निर्णय लिए जाने तक नगालैंड में राकांपा के सात विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिका पर कोई निर्णय न लेने का अनुरोध किया गया था।

विमान की लैंडिंग के 30 मिनट के अंदर यात्रियों का सामान पहुंचाएं

नई दिल्ली, प्रेट्र : हवाईअड्डे पर विमान की लैंडिंग के बाद सामान के लिए अब इंतजार नहीं करना पड़ेगा। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने एयरलाइन कंपनियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि यात्रियों का सारा सामान हवाईअड्डे पर विमान की लैंडिंग के 30 मिनट के भीतर पहुंच जाएं।

हवाईअड्डे पर विमान की लैंडिंग के बाद यात्रियों को उनका सामान देने में देरी की शिकायतों के बीच बीसीएएस ने सात एयरलाइन कंपनियों को यह निर्देश दिया है। रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि बीसीएएस ने एयरलाइंस से सामान की समय पर डिलिवरी सुनिश्चित करने के लिए 26 फरवरी तक आवश्यक उपाय लागू करने को कहा है।

यह निर्देश 16 फरवरी को सात एयरलाइंस – एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा एयर, स्पाइसजेट, विस्तारा, एलएक्स कनेक्ट और एअर इंडिया एक्सप्रेस को जारी किया गया। एयरलाइंस को परिचालन, प्रबंधन और आपूर्ति करार (ओएमडीए) के तहत सेवा की गुणवत्ता

नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो का सात एयरलाइन कंपनियों को निर्देश

प्रतीकात्मक

सुनिश्चित करने के लिए यात्रियों का सामान विमान की लैंडिंग के आधे घंटे के अंदर देना होगा।

बता दें कि नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के निर्देशों के तहत बीसीएएस जनवरी, 2024 से छह प्रमुख हवाईअड्डों के 'बेल्ट' पर सामान के आगमन की निगरानी कर रहा है। आदेश के मुताबिक विमान का इंजन बंद होने के 10 मिनट के अंदर पहला बैग बैगेज (यात्री सामान) बेल्ट पर पहुंचना चाहिए और आखिरी बैग 30 मिनट के भीतर पहुंचना चाहिए।

राष्ट्रपति से मिले युवा लेखक

पीएम युवा मेंटरशिप कार्यक्रम के अंतर्गत 30 वर्ष से कम उम्र के देशभर के चुनिंदा लेखकों ने नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की और अपने अनुभव साझा किए। इन लेखकों को पीएम युवा मेंटरशिप कार्यक्रम के तहत देशभर से चुना गया है। राष्ट्रपति मुर्मु ने देश की प्रगति में लेखकों की भूमिका पर जोर दिया और इसे जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रेट्र

मेघालय में सीएए को लेकर दूर की गईं चिंताएं: संगमा

शिलांग, प्रेट्र: मेघालय के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) को लेकर राज्य में चिंताओं को दूर कर दिया गया है। राज्य के अधिकांश क्षेत्र छठी अनुसूची में आते हैं और यह अनुसूची इन क्षेत्रों को कानून से छूट देते हैं। हालांकि उन्होंने बाहरी लोगों के प्रवेश को प्रतिबंधित करने के लिए राज्य में इनर लाइन परमिट (आइएलपी) की आवश्यकता पर बल दिया। आइएलपी विशेष परमिट है और भारत के अन्य क्षेत्रों के लोगों को अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मिजोरम और मेघालय में प्रवेश के लिए जरूरी है।

नेशनल पीपुल्स पार्टी के प्रमुख संगमा ने एक साक्षात्कार में अन्य राज्यों में सीएए लागू किए जाने से मेघालय पर पड़ने वाले प्रभाव पर चिंता जताते हुए कहा कि हमने भारत सरकार से कानून लागू किए जाने के बाद भी आइएलपी बनाए रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि शिलांग में कुछ वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को छोड़कर अधिकांश इलाका अनुसूचित क्षेत्र है। ऐसे में राज्य में कानून लागू करने में कोई परेशानी नहीं है।

नया आयाम

अब सात से बढ़कर 14 विमान हो पाएंगे खड़े, वर्ष में 40 लाख यात्रियों की हो पाएगी आवाजाही, प्रधानमंत्री मंगलवार को जनता को करेंगे समर्पित

जम्मू एयरपोर्ट का नया टर्मिनल बदलेगा विकास और सुरक्षा की तस्वीर

सुरेंद्र सिंह, जम्मू

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को जम्मू एयरपोर्ट का नया टर्मिनल जनता को समर्पित करेंगे। नया टर्मिनल शुरू होने से जम्मू की तस्वीर ही बदल जाएगी। एयरपोर्ट के पुराने टर्मिनल से पूरे वर्ष में मुश्किल से 15 लाख यात्रियों की आवाजाही हो पाती थी, वहीं नए टर्मिनल से 40 लाख से अधिक यात्रियों की आवाजाही संभव हो पाएगी। यही नहीं, पहले जम्मू एयरपोर्ट पर सात विमानों के खड़ा होने की सुविधा थी, अब यहां 14 विमानों को खड़ा किया जा सकता है। नया टर्मिनल जम्मू में पर्यटन, उद्योग और विकास को बढ़ाने देने में लाभदायक होगा। यही नहीं, यह टर्मिनल रक्षा के लिहाज से सेना और वायुसेना की ताकत को भी बढ़ाएगा।

जम्मू एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजीव कुमार गर्ग ने कहा कि नए टर्मिनल के बनने से जम्मू एयरपोर्ट की क्षमता दोगुनी से भी ज्यादा हो गई है। यह टर्मिनल 40 हजार वर्ग मीटर का है, जबकि एयरपोर्ट की पुरानी इमारत 14 हजार 500 वर्ग मीटर की थी। इसके साथ ही एयरपोर्ट में टैक्सी स्टैंड की क्षमता भी बढ़ाई गई है। नए टर्मिनल के बनने के साथ ही जम्मू में नई विमान कंपनियां भी अपनी सेवाएं देने के लिए आगे आएंगी। जम्मू में अब तक लेह, श्रीनगर, दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, इंदौर से ही विमान आते हैं, जब नई कंपनियां यहां पर विमान सेवा के लिए आएंगी तो अन्य राज्यों व शहरों के साथ भी जम्मू का हवाई यातायात स्थापित होगा।

सुविधाओं और सेवा का विस्तार।

बेंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर के लिए हवाई सेवा चाहते हैं युवा : जम्मू के युवा बेंगलुरु, हैदराबाद, जयपुर के लिए हवाई सेवा की मांग करते हैं। इन युवाओं का कहना है कि ये तीन ऐसे शहर है, जहां पढ़ने और काम करने के लिए जम्मू के अधिकतर युवा जाते हैं। बेंगलुरु में कई बड़े कालेज हैं और वह देश का सबसे बड़ा आइटी हब भी है, लेकिन वहां जम्मू से सीधा हवाई संपर्क नहीं है। हैदराबाद और जयपुर के लिए भी सीधी विमान सेवा नहीं है, जिस कारण वहां पहुंचने के लिए मुश्किल होती है।

40 से अधिक विमानों की आवाजाही होगी संभव : जम्मू एयरपोर्ट पर इस समय 15 से 20 विमानों की आवाजाही ही दिन में हो पाती है। जम्मू में अगर किसी दिन 15 विमान आते हैं तो उतने विमानों की रवानगी भी होती है। नए टर्मिनल में अब जम्मू में 40 से अधिक विमानों की आवाजाही आसानी से हो पाएगी। अब तक जम्मू एयरपोर्ट पर प्रतिदिन औसतन चार हजार यात्रियों की आवाजाही होती है, जिनमें जम्मू आने वाले कम और यहां से जाने वालों की संख्या अधिक रहती है। नए टर्मिनल से अब रोज 10 से 12 हजार यात्रियों की आवाजाही हो पाएगी।

बढ़ेंगे रोजगार के साधन : नया टर्मिनल मात्र विमानों और यात्रियों की संख्या बढ़ाने के लिए ही नहीं बल्कि स्थानीय युवाओं व लोगों को रोजगार के साधन भी उपलब्ध करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। अधिक पर्यटकों के जम्मू पहुंचने से एयरपोर्ट पर टैक्सी चालकों के रोजगार में वृद्धि होगी। नई विमान कंपनियों को अपना कारोबार स्थापित करने के लिए भी स्थानीय युवाओं की आवश्यकता होगी। इसके अलावा पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों को भी लाभ मिलेगा। एयरपोर्ट के डायरेक्टर संजीव कुमार गर्ग का भी मानना है कि नया टर्मिनल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार को नया आयाम देगा।

वायुसेना का बड़े से बड़ा विमान उतर पाएगा : सेवानिवृत्त विंग कमांडर कमल सिंह ने किया कि जम्मू-कश्मीर के साथ पाकिस्तान की सीमा लगती है। रक्षा की दृष्टि से नया टर्मिनल सेना व वायुसेना की ताकत को और बढ़ाएगा। अब जम्मू एयरपोर्ट पर वायुसेना का बड़े से बड़ा विमान उतर पाएगा।

कह कर रहेंगे माधव जोशी

झारखंड के नाराज कांग्रेस विधायकों की दिल्ली में हो रही मान-मनौव्वल

चम्पाई सरकार पर संकट ▶ नाराज कांग्रेस विधायकों ने दिल्ली में डेरा डाला

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से की मुलाकात

राज्य ब्यूरो, रांची

चम्पाई सोरेन मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलने से नाराज झारखंड कांग्रेस के विधायकों की दिल्ली में मान मनौव्वल हो रही है। रविवार को दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने बातचीत कर इन नेताओं को समझाने-बुझाने का प्रयास किया। विधायकों के साथ समन्वय का जिम्मा मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता उमंग सिंघार को दिया गया है। सिंघार झारखंड में कांग्रेस के सह प्रभारी रह चुके हैं। उन्होंने देर रात तक विधायकों से बातचीत कर जानकारी ली। उसके बाद प्रदेश कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने मोर्चा संभाला। लगभग तीन घंटे वह विधायकों के साथ रहे और अलग-अलग बातचीत भी की। उन्होंने चम्पाई कैबिनेट में शामिल किए गए पार्टी के चार मंत्रियों के पूर्व के प्रदर्शन के बारे में भी जानकारी ली। विधायकों से बातचीत के आधार पर प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शीर्ष नेतृत्व को फीडबैक देंगे। विधायकों को एकजुट होकर काम करने का सुझाव दिया गया है।

मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने के कारण कांग्रेस के विधायकों की नाराजगी के बीच रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की। प्रेट्र

कांग्रेस के 10 विधायक अभी दिल्ली में : झारखंड के कांग्रेस के कुल 17 में से 12 विधायकों का गुट मंत्री नहीं बनाए जाने से नाराज है। इनमें 10 विधायक दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। इन विधायकों की मांग है कि हेमंत सोरेन सरकार में कांग्रेस कोटे से मंत्री रहे जिन चार विधायकों को चम्पाई सरकार में भी दोबारा मंत्री बना दिया गया है, उन्हें हटाकर नए चेहरों को मौका दिया जाय। नाराज विधायकों ने बताया कि वह पहले भी नेतृत्व को अपनी मांग से अवगत करा चुके हैं।

चम्पाई बोले, हमारा गठबंधन मजबूत: कांग्रेस विधायकों की नाराजगी की खबरों के बीच झारखंड के मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने रविवार को दिल्ली में कहा कि हमारा गठबंधन मजबूत है और सरकार को कोई खतरा नहीं है। दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यभार संभालने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष से उनकी यह शिष्टाचार मुलाकात थी। हालिया कैबिनेट गठन को लेकर कांग्रेस विधायकों के एक वर्ग के असंतुष्ट होने के मुद्दे पर सोरेन ने कहा कि यह कांग्रेस का आंतरिक मामला है, वरिष्ठ नेता बातचीत कर सुलझा लेंगे।

केजरीवाल ने कल्पना से की बात, हेमंत को बताया योद्धा: दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ एकजुटता प्रदर्शित की है। उन्होंने रविवार को पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन से फोन पर बातचीत कर सांत्वना दी और उनके साथ खड़े रहने की बात कही। कल्पना मुर्मू सोरेन ने एक्स पर पोस्ट कर यह जानकारी साझा की है।

बिहार के बाद अब झारखंड में भी होगी जातिवार गणना

राज्य ब्यूरो, रांची: बिहार की तर्ज पर झारखंड सरकार ने भी राज्य में जातिवार गणना कराने की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने इसे लेकर कार्मिक विभाग को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने के निर्देश दिए हैं। एसओपी तैयार होने के बाद इसे मंत्रिमंडल की स्वीकृति के लिए कैबिनेट की बैठक में लाया जाएगा। जिस स्तर पर तैयारी आरंभ हुई है, उससे लग रहा है कि लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद राज्य में जातिवार गणना की प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी। रविवार को मुख्यमंत्री चम्पाई ने इससे संबंधित पोस्ट एक्स पर करते हुए लिखा-जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी। झारखंड तैयार है। मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव ने बताया कि एसओपी तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

बिहार के जातिवार गणना के आधार पर ही झारखंड में गणना होगी। उन्होंने बताया कि जातिवार गणना के लिए ग्रामीण और समाज कल्याण सहित कई विभागों के नामों पर विचार करने के बाद कार्मिक विभाग को अंतिम रूप से चुना गया। उल्लेखनीय है कि राज्य में सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो)-कांग्रेस-राजद के विधायक जातिवार गणना की मांग कर रहे थे। इस महीने के पहले सप्ताह में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के क्रम में झारखंड आए राहुल गांधी ने भी जातिवार गणना की वकालत की थी।

उप्र चुनाव के बाद पहली बार आज अमेठी में राहुल, स्मृति भी करेंगी जनसंवाद

दिलीप सिंह, अमेठी

सोमवार का दिन अमेठी के लिए कई अर्थों में अहम होगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नेतृत्व में भारत जोड़ो न्याय यात्रा सोमवार को यहां पहुंच रही है तो इसी दिन केंद्रीय मंत्री व स्थानीय सांसद स्मृति इरानी की जनसंवाद विकास यात्रा भी है। ऐसे में एक ही दिन राहुल-प्रियंका और स्मृति इरानी की अमेठी में मौजूदगी से दोनों ही दलों के समर्थकों का उत्साह चरम पर होगा। बता दें, अमेठी से 2004, 2009 और 2014 में राहुल अमेठी से लोकसभा चुनाव जीते थे। लेकिन 2019 में स्मृति इरानी ने राहुल को उन्हीं के किले में मात दी थी। राहुल जब से हारे हैं, उसके बाद से चौथी बार और 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव के बाद वह पहली बार अमेठी पहुंचेंगे। संभवतः आम चुनाव 2014 से लेकर अब तक यहां की राजनीति में यह पहला दिन होगा, जब एक ही दिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा और पार्टी के दूसरे बड़े नेताओं की मौजूदगी के बीच केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति इरानी भी अपने संसदीय क्षेत्र में मौजूद होंगी।

27 स्थानों पर स्वागत की तैयारी: राहुल गांधी की अगुआई में भारत जोड़ो न्याय यात्रा का जिले में अलग-अलग 27 स्थानों पर कांग्रेस द्वारा स्वागत स्थल बनाए गए हैं। अमेठी-गौरीगंज शहर में राहुल-प्रियंका का रोड शो होगा तो गौरीगंज स्थित केंद्रीय कार्यालय में भाई-बहन पार्टी नेताओं से बातचीत करेंगे। सुलतानपुर-रायबरेली हाईवे पर गांधीनगर-बाबूगंज के मध्य ऐंधी में कांग्रेस की जनसभा होगी। यहां उनके साथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। यात्रा में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भी अमेठी-रायबरेली में कहीं एक जगह शामिल होने की हामी भरी है।

स्मृति का चार दिवसीय दौरा : दूसरी ओर केंद्रीय मंत्री व सांसद स्मृति इरानी भी सोमवार को चार दिवसीय दौरे पर संसदीय क्षेत्र पहुंच रही हैं। पहले दिन वह भी अमेठी विधान सभा क्षेत्र के गांवों में पहुंच जनसंवाद विकास यात्रा के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं को सुनेंगी। कांग्रेस व भाजपा समर्थकों के बीच टकराव की स्थिति न बने। इसके लिए सुरक्षा इंतजाम किए हैं।

आज अमेठी पहुंचेगी कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा

राहुल गांधी।

प्रियंका गांधी वाड्रा।

2019 का लोकसभा चुनाव हारने के बाद चौथी बार अमेठी आ रहे राहुल

स्मृति इरानी।

जातीय जनगणना देश का एक्स-रे : राहुल

जागरण संवाददाता, प्रयागराज : प्रयागराज मे कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष सांसद राहुल गांधी ने युवाओं से संवाद करके जातीय जनगणना के मुद्दे को फिर हवा दी। कहा कि यह देश का एक्स-रे है। रविवार दोपहर राहुल का काफिला एयरपोर्ट से सीधे आनंद भवन पहुंचा। हालांकि स्वराज भवन के अंदर न जाकर खुली गाड़ी में सवार हो गए। राहुल ने कहा कि देश में 50 प्रतिशत ओबीसी, 15 प्रतिशत एससी व आठ प्रतिशत एसटी हैं। इनके लिए कुछ नहीं किया जा रहा, उन्हें भड़काया जा रहा है। 73 प्रतिशत आबादी होने के बावजूद देश की एक भी कंपनी का मालिक ओबीसी, दलित या आदिवासी नहीं है।

'ईडी और सीबीआइ का दबाव कमल नाथ पर भी'

राज्य ब्यूरो, भोपाल

भाजपा में जाने की अटकलों के बीच राज्यसभा सदस्य ने किया दावा, कहा-मुझे नहीं लगता पूर्व सीएम पार्टी छोड़ेंगे

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह ने फिर कहा कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे। ईडी, आइटी और सीबीआइ का जो दबाव सब पर है, वह उन पर भी है, लेकिन कमल नाथ का चरित्र दबाव में आने वालों का नहीं है। मेरी कमल नाथ से चर्चा हुई है। कांग्रेस नेतृत्व की भी उनसे चर्चा हो रही है।

भोपाल में रविवार को मीडिया से चर्चा में दिग्विजय ने कहा कि कमल नाथ ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। हम सभी उन्हें इंदिरा गांधी का तीसरा सुपुत्र मानते हैं और उन्होंने हमेशा कांग्रेस का साथ दिया है। वह कांग्रेस के स्तंभ रहे हैं। कांग्रेस में उन्हें हर पद मिला है। केंद्रीय मंत्री रहे, एआइसीसी में महामंत्री रहे, मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और यहां के मुख्यमंत्री भी रहे। मुझे नहीं लगता कि वह पार्टी छोड़ेंगे। बता दें कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी भी कमल नाथ के भाजपा में जाने की अटकलों को खारिज कर चुके हैं। इससे पहले दिग्विजय ने शनिवार को जबलपुर में बयान दिया था, कमल नाथ पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं।

दिग्विजय सिंह। फाइल

विधायक और पार्टी पदाधिकारियों के संपर्क में पटवारी, सिंघार व कटारे: उधर, कमल नाथ व उनके बेटे नकुल नाथ के समर्थकों समेत भाजपा में जाने की अटकलों के बीच प्रदेश कांग्रेस अपने विधायक और पार्टी पदाधिकारियों से संपर्क साध रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उप नेता हेमंत कटारे ने विधायकों से चर्चा की। राम सिया भारती ने प्रदेशाध्यक्ष से मुलाकात की तो कुछ विधायकों ने फोन पर पटवारी को बताया कि वे कांग्रेस के ही साथ हैं।

विधायक असमंजस में: इस बीच, कमल नाथ के नजदीकी लोग भी विधायकों से संपर्क कर रहे हैं। कुछ विधायकों को दिल्ली पहुंचने के लिए भी कहा गया है, पर वे असमंजस में हैं। दरअसल, अब तक कमल नाथ ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यही कारण है कि विधायक भी खुलकर कुछ नहीं कर रहे हैं। अभिजीत शाह सहित कई विधायकों ने तो साफ कर दिया है कि वे कांग्रेस के साथ हैं।

दोपहर तक नहीं खुले प्रदेश कांग्रेस के दरवाजे

कांग्रेस में मची सियासी हलचल के बाद भी रविवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के दरवाजे दोपहर तक नहीं खुले। राज्यसभा के लिए कांग्रेस के प्रत्याशी बनाए गए अशोक सिंह जब पहुंचे तो उन्होंने दरवाजे बंद देख कर्मचारियों को बुलवाया और फिर दरवाजे खोले गए, लेकिन वह बाहर ही कार्यकर्ताओं के साथ कुछ देर बैठे रहे और चले गए।

अब मनीष तिवारी के भी भाजपा में जाने की चर्चा, सही समय की प्रतीक्षा

जागरण संवाददाता, लुधियाना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कमल नाथ के भाजपा में जाने की खबरों के बीच पंजाब के श्री आनंदपुर साहिब से सांसद मनीष तिवारी का नाम भी चर्चा में आ गया है। हालांकि, अभी तक भाजपा या मनीष तिवारी की ओर से कोई स्पष्ट संकेत नहीं मिले हैं, लेकिन उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले उनके करीबी एक कांग्रेस नेता ने कहा था कि मनीष भाजपा में शामिल होंगे, लेकिन सही समय की प्रतीक्षा है। वह अभी पार्टी नहीं छोड़ेंगे, लेकिन लोकसभा चुनाव से पहले वह किसी भी समय पाला बदलेंगे। हालांकि, इसके पहले भी जब पार्टी छोड़ने की बात उठी थी तो मनीष ने कहा था कि वह कांग्रेस में किरायेदार नहीं, हिस्सेदार हैं। 40 वर्षों से कांग्रेस की सेवा की है।

मनीष तिवारी।

लुधियाना से फिर चुनाव लड़ने की चर्चा: वर्ष 2009 में लुधियाना से पहली बार सांसद चुने गए मनीष तिवारी की एक बार फिर यहां से भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने की अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि, वर्ष 2014 में उन्होंने अस्वस्थ होने के कारण चुनाव नहीं लड़ा था। वर्ष 2019 में उन्हें श्री आनंदपुर साहिब से उतारा था और दूसरी बार सांसद चुने गए।

गहलोत खेमे के दिग्गज नेता भी हो सकते हैं भाजपा में शामिल : लोकसभा चुनाव से पहले राजस्थान में कांग्रेस को बड़ा झटका लग सकता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और प्रदेश के वरिष्ठ जाट नेता लालचंद कटारिया, राज्य सरकार के पूर्व मंत्री व दिग्गज आदिवासी नेता महेंद्र मालवीय एवं पूर्व सांसद खिलाड़ी लाल बैरवा अगले एक-दो दिन में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। कटारिया व मालवीय राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के खेमे के माने जाते हैं। इस बीच बैरवा ने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि गांधी परिवार ही सुरक्षित सीट तलाश रहा है तो अन्य कांग्रेसियों का क्या होगा।

आज सीटों पर निर्णय न हुआ तो रायबरेली भी नहीं जाएंगे अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ: विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए में एक के बाद एक झटके लग रहे हैं। अब कांग्रेस और सपा के बीच भी गठबंधन को लेकर सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से सपा मुखिया अखिलेश यादव किनारा कर सकते हैं। इसकी मुख्य वजह अभी तक कांग्रेस व सपा के बीच सीटों को लेकर गठबंधन न होना है। हालांकि, सपा को सोमवार को गठबंधन की सीटों पर अंतिम निर्णय होने की उम्मीद है। ऐसा हुआ तो मंगलवार को अखिलेश रायबरेली में राहुल की यात्रा में शामिल हो सकते हैं। सपा मुखिया अखिलेश ने छह फरवरी को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के निमंत्रण को स्वीकार करते हुए राहुल गांधी की न्याय यात्रा में अमेठी या रायबरेली में शामिल होने की बात कही थी। राहुल की यात्रा सोमवार को अमेठी पहुंच रही है। मंगलवार को यह यात्रा रायबरेली में रहेगी। अभी तक सीटों के बंटवारे को लेकर निर्णय न होने के कारण ही अखिलेश का फिलहाल सोमवार को अमेठी जाने का कार्यक्रम नहीं बना है। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस से सीटों का बंटवारा होने के बाद ही अखिलेश यात्रा में शामिल होंगे। सपा नेताओं का कहना है कि सोमवार दोपहर तक कोई निर्णय न हुआ तो अखिलेश रायबरेली जाने से किनारा कर सकते हैं।

अजीत पवार की पत्नी के सुप्रिया के खिलाफ चुनाव लड़ने की अटकलें तेज

सुले ने कहा, हमारी लड़ाई वैचारिक है, व्यक्तिगत नहीं

लोकतंत्र में कोई कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है

मुंबई, प्रेट्र : महाराष्ट्र के बारामती से सांसद और राकांपा (शरद पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले के खिलाफ अजीत पवार की पत्नी के लोकसभा चुनाव लड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं। भाभी सुनेत्रा पवार को अपने खिलाफ उम्मीदवार बनाए जाने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए सुले कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। अपने गृह क्षेत्र बारामती में मीडिया से बात करते हुए सुले ने कहा कि उनकी लड़ाई वैचारिक है, व्यक्तिगत नहीं। यह पारिवारिक लड़ाई कैसे हो सकती है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में कोई कहीं से भी चुनाव लड़ सकता है।

अजीत पवार और कई वरिष्ठ विधायक पिछले साल शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा से अलग हो गए और राज्य सरकार में शामिल हो गए। उन्होंने भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ गठबंधन कर लिया। हाल ही में चुनाव आयोग ने अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम राकांपा और उसका घड़ी चुनाव चिह्न आवंटित किया था। महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने कहा है कि अजीत पवार के नेतृत्व वाला समूह ही असली राकांपा है। इसके बाद से ही दोनों गुटों के बीच में दूरी और बढ़ गई। मामला कोर्ट तक पहुंचा है।

उन अटकलों के बारे में पूछे जाने पर कि अजीत पवार बारामती में अपनी पत्नी को उनके खिलाफ खड़ा कर सकते हैं, सुले ने कहा कि मेरे लिए यह एक वैचारिक लड़ाई है। इसमें कुछ भी व्यक्तिगत नहीं है। शरद पवार एक खास विचारधारा के लिए खड़े हुए हैं। हम इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। अजीत पवार ने पिछले कुछ दिनों में बिना नाम लिए शरद पवार और सुप्रिया सुले पर तीखा हमला बोला था। कहा था कि संसद में भाषणों के लिए पुरस्कार मिलने से विकास कार्य नहीं होते। सुले ने एक से अधिक बार सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार जीता है।

सुप्रिया सुले। फाइल

सुनेता पवार। फाइल

बारामती में पार्टी कार्यकर्ता एकजुट रहें : अजीत

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री और राकांपा नेता अजीत पवार ने कहा कि बारामती में पार्टी कार्यकर्ता एकजुट रहें। नवी मुंबई के वाशी में पार्टी के एक कार्यक्रम में भाग लेने के बाद अजीत ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन विभिन्न पहलुओं पर सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद किया जाएगा। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोई टकराव नहीं है।

राज्यसभा चुनाव से पहले बढ़ी सपा की चुनौती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा के संपर्क में हैं सपा के आधा दर्जन से अधिक विधायक

क्रास वोटिंग की आशंका से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में बेचैनी

राज्यसभा चुनाव से पहले मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी को चुनौतियां बढ़ गई हैं। पार्टी के आधा दर्जन से अधिक विधायक भाजपा के संपर्क में हैं। कुछ विधायकों के बगावती तेवर को देखते हुए क्रास वोटिंग की आशंका से पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में बेचैनी है। एनडीए के खिलाफ जिस 'पीडीए' (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को सपा बड़ी रणनीति मानकर लोकसभा चुनाव की तैयारी कर रही थी, उसकी भी हवा उसके विधायकों ने निकाल दी है।

राज्यसभा चुनाव में प्रदेश की 10 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में 11 उम्मीदवार मैदान में हैं। इनमें सपा के तीन व भाजपा के आठ प्रत्याशी हैं। सपा अपने दो व भाजपा सात प्रत्याशी तो आसानी से जिता सकती है, किंतु दसवें प्रत्याशी को जिताने के लिए दोनों ही पार्टियों के पास पर्याप्त वोट नहीं है। इसलिए दोनों ही दलों की नजर क्रास वोटिंग पर है। सूत्रों के अनुसार सपा के करीब आधा दर्जन से अधिक विधायकों के भाजपा के संपर्क में आने की खबरों ने पार्टी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। निष्ठा बदलने वाले विधायकों में जिनकी चर्चा सबसे अधिक है उनमें मंझनपुर के विधायक व पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इन्द्रजीत सरोज भी हैं। हालांकि इन्द्रजीत सरोज इन दिनों गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में अपना इलाज करा रहे हैं। वहीं, पार्टी की विधायक व अपना दल कमेरावादी की पल्लवी पटेल के तेवर भी कुछ अलग संदेश दे रहे हैं। वो इसलिए नाराज चल रही हैं क्योंकि पीडीए की बात करने वाली सपा ने राज्यसभा प्रत्याशी बनाने में पिछड़ा व अल्पसंख्यक का ख्याल नहीं रखा।

इंद्रजीत सरोज। फाइल

पल्लवी पटेल। फाइल

मप्र में कांग्रेस विधायकों के पार्टी छोड़ने से भी अप्रभावित रहेगा राज्यसभा चुनाव

राज्य ब्यूरो, भोपाल

नामांकन पत्रों की जांच के बाद अब नाम वापसी की प्रक्रिया रह गई है शेष

मध्य प्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ व उनके पुत्र सांसद नकुल नाथ के साथ यदि कांग्रेस के कुछ विधायक भी पार्टी छोड़ देते हैं या निर्वाचन से पहले त्याग-पत्र दे देते हैं तो भी राज्यसभा चुनाव अप्रभावित रहेगा। कांग्रेस के अशोक सिंह राज्यसभा के लिए निर्विरोध निर्वाचित हो जाएंगे।

अशोक सिंह। फाइल

दरअसल, नामांकन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नामांकन पत्र जांच में विधिमान्य पाया गया है। चूंकि, मध्य प्रदेश से राज्यसभा की पांच सीटें रिक्त हो रही हैं और इतने ही नामांकन पत्र भरे गए हैं। 230 सदस्यीय विधानसभा में दलीय स्थिति ऐसी है कि भाजपा चार और कांग्रेस एक सदस्य को राज्यसभा भेजने की स्थिति में है। एक सदस्य के चुनाव के लिए 38 वोट चाहिए। कांग्रेस के अभी 66 विधायक हैं। रिक्त हुई पांच सीटों के लिए पांच ही नामांकन भरे गए हैं। इसमें चार भाजपा के और एक कांग्रेस का प्रत्याशी शामिल है। राज्यसभा चुनाव में नामांकन-पत्रों की जांच के बाद अब केवल नाम वापसी की प्रक्रिया शेष रह गई है। 20 फरवरी को तीन बजे तक नाम वापस लिए जा सकते हैं। इस अवधि तक नाम वापसी नहीं होती है तो फिर रिटर्निंग आफिसर द्वारा निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा कर दी जाएगी। पांच स्थानों के लिए पांच ही नामांकन-पत्र भरे गए हैं, इसलिए मतदान की आवश्यकता ही नहीं होगी।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव

आप की याचिका पर कोर्ट में आज होनी है सुनवाई, सुनवाई से पहले मेयर मनोज सोनकर ने दिया त्याग-पत्र

सुप्रीम सुनवाई से पहले आप के तीन पार्षद भाजपा में

राजेश ढल्ल, चंडीगढ़

चंडीगढ़ मेयर चुनाव मामले में आम आदमी पार्टी (आप) की याचिका पर सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले ही रविवार को शहर की राजनीति गर्मा गई। मेयर मनोज सोनकर ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने कहा, वह नैतिकता के आधार पर त्याग-पत्र दे रहे हैं। आप और कांग्रेस मेयर चुनाव के बाद शहर का माहौल खराब कर रही थी। अब फिर से चुनाव होंगे तो सच सामने आ जाएगा। वहीं, आप के तीन पार्षद नेहा, पूनम और गुरचरणजीत सिंह काला भाजपा में शामिल हो गए हैं। तीनों पार्षदों को दिल्ली में भाजपा के महासचिव विनोद तावड़े ने पार्टी में शामिल करवाया है। सभी राजनीतिक दलों को संभावना है कि कोर्ट फिर से मेयर चुनाव करवाने के आदेश जारी कर सकता है। इसी के चलते भाजपा ने उक्त कदम उठाया है।

मनोज सोनकर। फाइल

भाजपा हासिल कर सकती है बहुमत का आंकड़ा

चंडीगढ़ नगर निगम में पार्षदों की संख्या 35 है। इनमें भाजपा के 14, आप के 13, कांग्रेस के सात व शिरोमणि अकाली दल का एक सदस्य है। आप के तीन पार्षदों के भाजपा में शामिल होने से उसके पार्षदों का संख्या 17 हो गया। भाजपा के पास एक सांसद का भी वोट है। अतः भाजपा 18 वोट के साथ बहुमत हासिल कर लेगी और अपना मेयर बना लेगी। यदि सुप्रीम कोर्ट फिर से चुनाव कराने का फैसला करता है तो अब इसकी संभावनाएं बहुत कम है कि आप और कांग्रेस का गठबंधन हो, क्योंकि कांग्रेस ने मेयर के बदले चंडीगढ़ लोकसभा सीट मांगी थी, लेकिन आप इसके लिए तैयार नहीं है। ऐसे में भाजपा के लिए मेयर बनाने की राह और आसान हो जाएगी।

ज्ञात हो, 30 जनवरी को चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव हुए थे, जिसमें भाजपा के उम्मीदवार मनोज सोनकर थे और आप के कुलदीप सिंह। इस चुनाव में पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह ने आठ वोट रद होने की घोषणा करने के साथ भाजपा उम्मीदवार को विजय घोषित कर दिया था। आप-कांग्रेस गठबंधन का आरोप था कि पीठासीन अधिकारी ने जानबूझकर वोट रद किए हैं। आप इस फैसले के खिलाफ पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट गई। तत्काल राहत न मिलने पर सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल की। इसी पर आज (सोमवार) सुनवाई है। इससे पहले भाजपा विपक्षी दल के नेताओं को झटका देकर सारा खेल अपने पाले में करना चाहती है। ऐसे में कांग्रेस ने अपने पार्षदों को एकजुट करने के लिए बैठक बुलाई है।

आप-कांग्रेस करती रहीं प्रदर्शन, भाजपा ने बनाई मजबूत रणनीति: मेयर चुनाव मामले में आप व कांग्रेस लगातार धरना-प्रदर्शन कर रही थी, जबकि भाजपा अपने संख्याबल को मजबूत करने की रणनीति बना रही थी। दिल्ली में आयोजित भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में शामिल होने के लिए चंडीगढ़ से भाजपा के वरिष्ठ नेता गए हैं, जिनमें से शहर अध्यक्ष जतिंदर पाल मल्होत्रा रविवार दोपहर को ही वापस लौट आए। इसके बाद उन्होंने सभी भाजपा पार्षदों की पंचकूला के पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठक की। मल्होत्रा ने सभी को एकजुट रहने को कहा। भाजपा कांग्रेस पार्षदों के संपर्क में भी थी। इसकी जानकारी खुद एक पार्षद ने कांग्रेस की बैठक में दी थी।

****

सरकार के हमले के बीच सीट शेयरिंग का फार्मूला तैयार करने में जुटा राजद

राज्य ब्यूरो, पटना

बिहार में महागठबंधन से अलग होकर नीतीश कुमार राजग के साथ मिलकर सरकार बना चुके हैं। दूसरी ओर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विपक्ष की भूमिका का निर्वहन करने में जुट गया है। राजद ने लोकसभा चुनाव नजदीक आते देख सहयोगी दलों के साथ सीट बंटवारे की जमीन तैयार कर ली है। 79 से घटकर 76 विधायकों वाली राजद ने बिहार में लोस की सर्वाधिक सीट पर उम्मीदवार उतारने का फार्मूला तैयार किया है।

जब जदयू महागठबंधन में था तो उस वक्त जदयू-राजद ने 16-16 सीटों पर उम्मीदवार देने का निर्णय लिया था। हालांकि, उस वक्त भाकपा माले ने नौ, भाकपा-माकपा ने पांच व कांग्रेस ने 11 सीटों पर दावेदारी की मंशा जाहिर की थी। अब प्रदेश के बदले राजनीतिक हालात में राजद ने 27 से 28 सीटों पर लड़ने का मन बनाया है। 19 विधायकों वाली कांग्रेस को आठ से नौ सीटें दी जाएंगी। तीन वाम दल को मिलाकर चार सीटें ही मिल सकेंगी। हालांकि, सीट बंटवारे को लेकर पार्टी के अधिकांश नेता आधिकारिक रूप से बोलने से बच रहे हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि पार्टी का शीर्ष नेतृत्व सहयोगी दलों के साथ बैठक करेगा और इसके बाद ही आपसी सहमति से सीट बंटवारे पर मुहर लगेगी।

लालू यादव के साथ तेजस्वी। फाइल

2014 में पांच राज्यों में थी भाजपा की सरकार। फिलहाल 12 राज्यों में भाजपा और 17 राज्यों में राजग सत्तारूढ़ है। भाजपा का लक्ष्य इस संख्या को अधिक से अधिक बढ़ाना और हर राज्य तक पहुंचना है।

'महाभारत युद्ध के पांडव-कौरव की तरह इस चुनाव में भी दो पाले'

गृह मंत्री ने किया मोदी कार्यकाल की उपलब्धियों का बखान, याद दिलाई कांग्रेस के भ्रष्टाचार की 'कलंक कथा'

बोले- आइएनडीआइए भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति का पोषक और राजग का सिद्धांत राष्ट्र प्रथम

जितेंद्र शर्मा, नई दिल्ली

आगामी लोकसभा महासमर को महाभारत के युद्ध से जोड़ते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पांडवों-कौरवों की तरह सुशासन और कुशासन के दो पाले खींच दिए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की उपलब्धियों का बखान करने के साथ ही उन्होंने कांग्रेस और आइएनडीआइए के सहयोगी विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार का उल्लेख करते हुए उनकी कलंक कथा भी कार्यकर्ताओं को याद दिलाई। पार्टी के राष्ट्रीय अधिवेशन के अंतिम दिन शाह ने ऐसे ही तर्क और संदेश लोगों के बीच ले जाने का आह्वान करते हुए कहा कि अब यह जनता को तय करना है कि भ्रष्टाचार की पोषक और तुष्टीकरण करने वाली पार्टियां चाहिए या देश के लिए जान न्योछावर करने वाली भाजपा।

भारत मंडपम में आयोजित दो दिवसीय अधिवेशन में शाह ने तेवर और तर्कों के साथ विपक्ष पर जोरदार वार किए। उन्होंने कहा कि जिस तरह महाभारत की लड़ाई में कौरव और पांडवों के दो खेमे थे, वैसे ही इस चुनाव में दो खेमे हैं। एक खेमा है मोदी और भाजपा के नेतृत्व में राजग का और दूसरा खेमा है कांग्रेस के नेतृत्व में सारी परिवारवादी पार्टियों आइएनडीआइए। देश को दोनों में से एक को चुनना है। आइएनडीआइए भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की राजनीति का पोषक है और भाजपा व राजग राष्ट्र प्रथम के सिद्धांत पर चलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि आइएनडीआइए कांग्रेस के नेतृत्व में बना है। इस देश में भ्रष्टाचार की जनक कांग्रेस है और उसका पोषण भी कांग्रेस ने किया है। संप्रग शासन काल के घोटालों का उल्लेख करते हुए कहा कि एक ओर लाखों-करोड़ों के घोटाले करने वाली कांग्रेस है और दूसरी ओर प्रधानमंत्री मोदी के रूप में ऐसा नेतृत्व, जिन पर 23 वर्षों में राज्य और केंद्र सरकार में मुखिया रहने के बाद भी हमारे विरोधी तक एक काली पाई का आरोप न लगा सके। जनता को तय करना है कि देश का भविष्य भ्रष्टाचारियों के हाथों में सौंपना है या नख-शिख प्रमाणित व्यक्तित्व प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में। कांग्रेस के साथ ही उन्होंने आइएनडीआइए के सहयोगी विपक्षी दलों को भी आड़े हाथों लिया। कहा कि जब कांग्रेस इतना भ्रष्टाचार करती है तो साथी भला क्यों बाकी रहेंगे। आम आदमी पार्टी ने ढेर सारे घोटाले किए। आज उनका सारा नेतृत्व कोर्ट और एजेंसियों से भागता है। झारखंड में एक सांसद के घर से 350 करोड़ रुपये जब्त होते हैं। छत्तीसगढ़ में महादेव एप के नाम से जुआ खिलाने का घोटाला सामने आता है। द्रमुक के मंत्रियों के घर से करोड़ों रुपया बरामद होता है। तृणमूल कांग्रेस के मंत्रियों के घर से अनेक करोड़ रुपये पाए जाते हैं। लालू प्रसाद यादव सजायाफ्ता हैं। पूरा आइएनडीआइए भ्रष्टाचार में लिप्त है।

सात परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन है आइएनडीआइए: शाह ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा तंज भी कसा। आइएनडीआइए की अपने शब्दों में परिभाषा बताई कि यह सात परिवारवादी पार्टियों का गठबंधन है, इससे ज्यादा कुछ नहीं। जो पार्टी के अंदर लोकतंत्र स्थापित नहीं कर सकते, वे देश के लोकतंत्र की रक्षा नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में डेवलपमेंट अलायंस है और राहुल गांधी के नेतृत्व में डायनेस्टिक अलायंस है। प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि महान भारत बने, आत्मनिर्भर भारत बने। वहीं, सोनिया गांधी का लक्ष्य राहुल को प्रधानमंत्री बनाना, शरद पवार का लक्ष्य बेटी को मुख्यमंत्री बनाना, ममता बनर्जी का लक्ष्य भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना, स्टालिन का लक्ष्य अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, लालू प्रसाद यादव का लक्ष्य अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, उद्धव ठाकरे का लक्ष्य अपने बेटे को मुख्यमंत्री सीएम बनाना है और मुलायम सिंह बेटे को मुख्यमंत्री बनाकर ही गए हैं। उन्होंने टू-जी, थ्री-जी और फोर-जी को टू जेनरेशन पार्टी, थ्री जेनरेशन पार्टी और फोर जेनरेशन पार्टी बताते हुए कहा कि इन पार्टियों में चार-चार पीढ़ी तक नेता नहीं बदलता। यदि कोई थोड़ा भी आगे बढ़ा तो उसका हश्र कर देते हैं। ऐसा हश्र किए हुए कई नेता आज भाजपा के साथ लोकतंत्र की यात्रा से जुड़े हैं।

तेजस्विता, प्रदर्शन, विचार, परिश्रम और दृष्टि का कोई महत्व नहीं है, वहां सिर्फ महत्व है कि आप कहां जन्मे हैं। यदि भाजपा परिवारवादी पार्टी होती तो एक चाय बेचने वाले का बेटा कभी प्रधानमंत्री नहीं बन सकता था।

नई दिल्ली के भारत मंडपम में रविवार को भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अभिनंदन करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और अन्य नेता। प्रेट्र

विपक्ष को इन तथ्यों के साथ दिखाया आईना

- जब से इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनीं, तब से कांग्रेस की न लोकतंत्र में श्रद्धा है और न लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में श्रद्धा है। इन्होंने न्यायपालिका, ब्यूरोक्रेसी, मीडिया, कैग जैसी संस्थाओं की धज्जियां उड़ाईं।
- आज से 100 वर्ष बाद भी कांग्रेस का रिकार्ड कोई तोड़ नहीं पाएगा, इतनी सरकारें इन्होंने गिराईं। इन्होंने 90 बार अनुच्छेद 356 का प्रयोग किया, 50 बार अकेले इंदिरा गांधी ने किया। 40 क्षेत्रीय दलों की सरकार कांग्रेस ने गिराई, तीन केंद्र सरकारों को गिराया।
- कांग्रेस नेता खुलेआम देश के विभाजन की बात करते हैं और पार्टी उससे कन्नी भी नहीं काटती। प्रधानमंत्री मोदी को हटाने के लिए पाकिस्तान की मदद मांगते हैं।
- कांग्रेस ने पांच वर्ष में संसद में शोर-शराबे और बहिष्कार के अलावा कुछ नहीं किया। हम लंबे समय तक विपक्ष में रहे, लेकिन अच्छे काम का समर्थन किया और भ्रष्टाचार को भी उजागर किया।

देशभर के प्रतिनिधियों को दिया यह संदेश...

- पूरे देश में कहीं संशय नहीं है, देश ने तय किया है कि मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बनेंगे।
- दलित, आदिवासी और पिछड़ों का उपयोग वोट बैंक के रूप में कांग्रेस और आइएनडीआइए वालों ने खूब किया, लेकिन पहली बार उन्हें सम्मान और हिस्सेदारी मोदी सरकार ने दी।
- देश का लोकतंत्र कई वर्षों तक भ्रष्टाचार, जातिवाद, परिवारवाद व तुष्टीकरण के नासूरों से ग्रसित रहा। पहली बार मोदी ने इसे खत्म कर प्रदर्शन (परफार्मेंस) की राजनीति स्थापित की है।
- प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार देश को गुलामी के प्रतीकों से मुक्ति दिलाई, जिसकी शुरुआत आजादी के दूसरे दिन से होनी थी।
- उग्रवाद, आतंकवाद और नक्सलवाद देश को चार दशकों से परेशान कर रहे थे। अब वे अपनी अंतिम सांसें गिन रहे हैं।
- 140 करोड़ जनता के बीच संदेश लेकर जाएं कि मोदी जी को तीसरी बार पीएम बनाएं, हमारा अर्थ तंत्र भी दुनिया में तीसरे नंबर पर आ जाएगा।

निराधार नहीं है 400 पार का विश्वास

त्वरित टिप्पणी
आशुतोष झा

फार्मूला 370 परवान चढ़ा तो कोई रिकार्ड असंभव नहीं, मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस की जड़ता भी भाजपा की राह बना रही है आसान

लोकसभा चुनाव की शुरूआत में अभी डेढ़ दो महीने की देर है, मगर पिछले एक-डेढ़ महीने में पूरा विमर्श बदल गया है। अब चर्चा यह हो रही है कि अबकी बार 400 पार का प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विश्वास सही साबित होगा या नहीं। लोगों की आशंका का आधार यह है कि राजीव गांधी की 414 सीटों पर जीत तो सहानुभूति लहर के कारण तब हुई थी जब हर राज्य में कांग्रेस की जड़ें मजबूत थीं। अभी क्या है..? ऐसा आकलन लगाने वाले लोग शायद इतिहास से भी कट चुके हैं और वर्तमान का एहसास नहीं कर रहे। ऐसे लोग पीएम मोदी की विश्वसनीयता, जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच और भविष्य को लेकर सकारात्मकता को भी नहीं देख पा रहे हैं और वह इस सच्चाई को नजरअंदाज करना चाहते हैं कि चुनाव में काम और नाम यानी चेहरे की विश्वसनीयता अहम होती है। ऐसे लोग इतिहास के उस पन्ने से भी अनजान बन रहे हैं जो बताता है कि सबसे लंबे समय तक राज करने वाली कांग्रेस वोटर संख्या के लिहाज से वहीं खड़ी है जहां 40 साल पहले थी।

भाजपा के अधिवेशन में फिर से तीसरी बार वापसी को लेकर प्रधानमंत्री का आत्मविश्वास बोल रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वह वोटरों तक पहुंच रहे हैं। भाजपा के माइक्रो मैनेजमेंट की बहुत चर्चा होती है। वह यही है जो प्रधानमंत्री ने कार्यकर्ताओं को हर बूथ पर 370 नए वोट जोड़ने के लक्ष्य के रूप में दिया है। कैसे जोड़ना है, यह भी बताया गया है। कहा गया है कि पहली बार मतदाता सूची में जुड़ा एक भी वोटर अछूता न रहे। हर लाभार्थी तक पहुंचें। सीमा पर बसे उन गांवों में भी व्यक्तिगत संपर्क बनाएं, जहां जीवन आसान नहीं है। उन 161 सीटों पर अर्से से कवायद चल रही है जहां भाजपा जीत दर्ज नहीं कर पाई। एक हाथ में 10 साल का रिपोर्ट कार्ड लेकर जाएं और दूसरे हाथ में अगले पांच साल का विजन। देश में 10 लाख से ज्यादा बूथ हैं और लगभग साढ़े आठ लाख बूथ पर भाजपा की पहुंच है। लक्ष्य आसान नहीं है लेकिन अगर इसका आधा भी हासिल कर लिया तो हर संसदीय क्षेत्र में भाजपा अपने खाते में लगभग दो लाख वोट जोड़ने में कामयाब रहेगी। नतीजा क्या होगा, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है।

दूसरी तरफ का फर्क देखिए। देश में सबसे लंबे समय तक राज करने वाली मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राजीव गांधी के समय 414 का आंकड़ा छुआ था। तब देश में कुल वोटर की संख्या 38 करोड़ थी और वोट डालने वाले लगभग 24 करोड़ थे। कांग्रेस ने कुल वोटिंग का लगभग 50 प्रतिशत हासिल किया था। बड़ी हैरानी की बात है कि तब से लेकर अब तक कांग्रेस चाहे सत्ता में रही हो या विपक्ष में उसके वोटरों की संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है। 2004 के संप्रग काल में कांग्रेस को साढ़े 10 करोड़ वोट मिले थे तो 2009 में 11.91 और 2019 में 11.94 करोड़। तब से कुल वोटरों की संख्या में लगभग तीन गुनी वृद्धि हो चुकी है। 2024 के चुनाव में वोटरों की संख्या लगभग 98 करोड़ होगी। भाजपा 1984 के लगभग दो करोड़ वोटरों के मुकाबले 2019 में 23 करोड़ पर पहुंच चुकी है और अब इसे कम से कम दोगुना करने की तैयारी है। अपने काम और पीएम मोदी के नाम के सहारे भाजपा की नई रणनीति कुल वोटरों का पचास प्रतिशत हिस्सा लेने की है। अगर यह संभव हुआ तो एक ऐसा इतिहास बनेगा जो किसी भी लोकतंत्र के लिए उदाहरण होगा।

वर्तमान में पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंध सबसे मजबूत : मोदी

जयप्रकाश रंजन, नई दिल्ली

- पीएम बोले- कांग्रेस सरकार पश्चिम एशिया को पाकिस्तान के चश्मे से देखती थी
- 34 वर्षों में यूएई की यात्रा करने वाला मैं पहला प्रधानमंत्री

भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन आलोचकों पर भी निशाना साधा जो यह कहते थे कि क्या वह विदेश नीति को संभालने में सक्षम होंगे। मोदी ने कहा, 'वर्तमान में पश्चिम एशिया के साथ भारत के संबंध सबसे मजबूत हैं जबकि कांग्रेस सरकार पश्चिम एशिया को पाकिस्तान के चश्मे से देखती थी। यही नहीं, पांच अरब देशों ने मुझे अपना सर्वोच्च सम्मान दिया है। यह सम्मान मोदी का नहीं है बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सामर्थ्य का है।'

मोदी ने अपने कार्यकाल के दौरान विदेश नीति की सफलता के संदर्भ में उक्त बातें कहीं। पीएम ने खाड़ी क्षेत्र के साथ भारत के रिश्तों में आए बदलाव पर खास तौर पर जोर दिया और हाल ही में अपनी यूएई यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि अभी इन देशों के साथ संबंधों का नया अध्याय लिख रहा है। पीएम मोदी ने कहा- 'विदेश नीति की बड़ी बड़ी बातें कही जाती हैं। अभी मैं यूएई कतर जाकर आया हूं। तमाम देशों के साथ हमारे रिश्ते कैसे हैं, यह दुनिया देख रही है। पश्चिमी एशिया के देशों के साथ हमारे संबंध अब तक की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। 2015 में मैं यूएई गया था, हैरानी की बात ये है कि इसके पहले 34 वर्षों में कोई भी भारतीय पीएम वहां नहीं गया था। सोचिए, किस तरह से हमने उस क्षेत्र को छोड़ रखा था। कांग्रेस की सरकारों ने इस क्षेत्र को पाकिस्तान के भरोसे छोड़ रखा था लेकिन आज भारत इनके साथ रिश्तों का नया अध्याय लिख रहा है। आज तकनीक, कारोबार, पर्यटन जैसे अनेक क्षेत्रों में संबंध मजबूत हो रहे हैं।'

अपनी बात आगे बढ़ाते हुए मोदी ने कहा कि विदेश नीति का जो भी जानकार है, वह विदेश को मिले हर संकेत को पकड़ रहे होंगे। आज अलग-अलग देशों में सत्ता व विपक्ष के दल यह खुल कर मानते हैं कि भारत के सशक्त होने से पूरी दुनिया का हित होने वाला है। आज हर महाद्वीप में भारत का सम्मान व ताकत बढ़ रही है। हर देश भारत के साथ संबंध बनाने पर जोर दे रहा है। हर देश भारत के साथ बातचीत के लिए हाथ बढ़ा रहा है। पीएम मोदी की भावी विदेश यात्राओं के बारे में आधिकारिक तौर पर विदेश मंत्रालय की तरफ से कोई जानकारी तो नहीं है लेकिन इस वर्ष के अंतिम छह महीनों में कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन है जिसमें भारतीय प्रधानमंत्री के शामिल होने की परंपरा रही है। जैसे रूस में अक्टूबर, 2024 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन है।

इस दौरान रूस के साथ सालाना शिखर सम्मेलन भी संभव है क्योंकि यह बैठक लगातार दो वर्षों तक यानी 2022 व 2023 में नहीं हुई है। हाल ही में रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन ने कहा था कि वह रूस में पीएम मोदी से मिलने को उत्सुक हैं और इसके लिए उन्होंने पीएम मोदी को आमंत्रित भी किया था। इसके पहले जुलाई, 2024 में शंघाई सहयोग संगठन की शिखर बैठक कजाखस्तान में है जिसमें भारत के पीएम हमेशा हिस्सा लेते रहे हैं।

दक्षिण भारत में अप्रत्याशित नतीजों के संकेत : पीएम

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा- हर क्षेत्र और हर व्यक्ति का विकास हमारी प्राथमिकता
- भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की नीति रही है कांग्रेस की

प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के पहले रखे गए व्रत के दौरान दक्षिण भारत के दौरे का हवाला देते हुए आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के पक्ष में अप्रत्याशित नतीजे आने के संकेत दिए। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में उन्होंने कहा कि वहां लोग जिस भाव और आत्मीयता से मिले, वह अभिभूत करने वाला है। इसके परिणाम का अनुमान राजनीतिक पंडित भी नहीं लगा सकते। गौरतलब है कि कर्नाटक को छोड़कर दक्षिण भारत के अन्य राज्यों में अभी तक भाजपा का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है।

विपक्षी नेताओं द्वारा उत्तर-दक्षिण विवाद के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने साफ किया कि हर क्षेत्र और हर व्यक्ति का विकास उनकी प्राथमिकता में है। इसके लिए उन्होंने पूर्वोत्तर भारत का उदाहरण दिया। कहा-लोकसभा की कम सीटों के कारण आजादी के बाद 70 सालों तक उस क्षेत्र की अनदेखी की गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की भाषा और क्षेत्र के आधार पर बांटने की नीति रही है जबकि इसके विपरीत भाजपा की नीति सभी को जोड़ने की रही है। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत के विकास के लिए किए गए कार्यों, संयुक्त राष्ट्र में पहली बार अपने तमिल में संबोधन और ब्रिटिश से सत्ता हस्तांतरण के प्रतीक सेंगोल को स्थापित करने का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम की सफलता उत्तर-दक्षिण की दूरियां कम होने का प्रमाण है।

मोदी ने यह भी कहा

- देश अब छोटा नहीं सोचता और न ही छोटे सपने देखता। अब इसके बड़े सपने हैं और 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लिए इसने बड़े संकल्प लिए हैं।
- देश के बड़े लक्ष्यों को साकार करने की पहली शर्त एक मजबूत जनादेश के साथ भाजपा की सत्ता में वापसी सुनिश्चित करना है।
- अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण ने सदियों से चले आ रहे इंतजार को समाप्त कर दिया है।
- करोड़ों महिलाओं, गरीबों और युवाओं के सपनों को पूरा करना हमारा मिशन है।
- अगर मैंने अपने घर के बारे में सोचा होता तो करोड़ों लोगों के लिए घर बनाना संभव नहीं होता।
- मैं छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलता हूं और उनसे प्रेरणा लेता हूं।
- मेरे प्रयास भारत के लोगों को समर्पित हैं। भारतीयों के सपने मेरी प्रतिबद्धताएं हैं।

कांग्रेस हताश, भ्रष्टाचार-तुष्टीकरण की जननी

प्रथम पृष्ठ से आगे

प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को हताश और निराश बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उसके पास देश के विकास का कोई रोडमैप नहीं है। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि उनके पास झूठे वायदे की कोई कमी नहीं है। लेकिन विकसित भारत का वायदा करना तो दूर उसका जिक्र करने भी वे घबराते हैं। कांग्रेस को भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण की जननी बताते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेसियों से देश को बचाना हमारा दायित्व है।

उन्होंने कांग्रेस पर भाषा और क्षेत्र के आधार पर लोगों को बांटने की राजनीति का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने सेनाओं का मनोबल तो तोड़ने का काम किया ही, देश की सुरक्षा और सामरिक शक्ति को नुकसान पहुंचाने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी। इस सिलसिले में उन्होंने राफेल विमान खरीद में विवाद खड़ा करने, सर्जिकल व एयर स्ट्राइक पर सबूत मांगने और हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड को लेकर लगाए गए झूठे आरोपों का हवाला दिया। मोदी विरोध को कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा बताते हुए उन्होंने कहा कि इसे लेकर उसमें दो खेमे खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इतनी ज्यादा हताश है कि सैद्धांतिक व वैचारिक स्तर पर वह विरोध करने का साहस भी नहीं दिखा पा रही है।

राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति है उद्देश्य: प्रधानमंत्री ने साफ किया कि तीसरी बार भाजपा की सरकार बनाने के लिए उनका मिशन सुख वैभव के लिए नहीं है। एक पुराने नेता के साथ हुए वार्तालाप का हवाला देते हुए उन्होंने बताया कि किस तरह 13 साल मुख्यमंत्री और 10 साल प्रधानमंत्री रहने के बाद उन्हें आराम करने की सलाह दी गई थी। पीएम ने कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ राजनीति कर सत्ता हासिल करना नहीं है, बल्कि मजबूत, आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र का निर्माण करना है। उन्होंने छत्रपति शिवाजी महाराज का उदाहरण देते हुए कहा कि राज्याभिषेक के बाद समाज और देश की सेवा का उनका मिशन उसी तरह से जारी रहा। उन्होंने साफ किया कि दस सालों की उपलब्धियां तो सिर्फ एक पड़ाव है, अभी बहुत सारे निर्णय लेना बाकी हैं, बहुत कुछ हासिल करना शेष है। अपने तीसरे कार्यकाल की झलक देते हुए उन्होंने कहा कि इस दौरान विकसित भारत की मजबूत नींव रखी जाएगी। इसके लिए डेढ़ साल पहले से काम शुरू भी हो चुका है। उन्होंने बताया कि विकसित भारत के रोडमैप को लेकर 15 लाख से अधिक लोगों के साथ विचार विमर्श किया गया है और उनके सुझाव आए हैं। इसमें आधे से अधिक की उम्र 35 साल से कम है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे साफ हो गया है कि देश के युवाओं ने विकसित भारत के निर्माण की जिम्मेदारी अपने कंधों पर ले ली है।

हजार साल के लिए राम राज्य की स्थापना का उद्घोष

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पारित हुआ राम मंदिर निर्माण पर प्रस्ताव
- राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का प्रस्ताव, जय श्री के उद्घोष से समर्थन

जेपी नड्डा। फाइल

अयोध्या में राम लला के मंदिर निर्माण को राजनीतिक प्रस्ताव में भी स्थान देते हुए भाजपा ने इस पर अलग से प्रस्ताव पारित किया। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन के दूसरे दिन लाए गए इस प्रस्ताव में भावनाएं व्यक्त की गईं कि अयोध्या में मंदिर निर्माण से आज सारा देश राममय है और यह देश के लिए गौरवशाली उपलब्धि है। प्रस्ताव में कहा गया कि यह नए कालचक्र के उद्भव के साथ अगले एक हजार वर्षों के लिए भारत में राम राज्य की स्थापना का उद्घोष है। राम मंदिर निर्माण का प्रस्ताव भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने जय श्री राम का नारा लगाते हुए रखा। उन्होंने कहा कि भगवान राम की जन्मस्थली पर भव्य मंदिर का निर्माण देश के लिए गौरवशाली उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका श्रेय देते हुए पार्टी की ओर से रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए उनका अभिनंदन किया गया। पारित किए गए प्रस्ताव में कहा गया कि भगवान राम, माता सीता और रामायण भारतीय सभ्यता और संस्कृति के हर पहलू में मौजूद हैं। हमारा संविधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों और सबसे न्याय के लिए प्रतिबद्ध है। यहां तक कि भारत के संविधान की मूल कापी में मूलभूत अधिकारों के खंड में विजयी होकर अयोध्या लौटते हुए भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्र अंकित थे। यह इस बात का साक्ष्य है कि मूलभूत अधिकारों की प्रेरणा भगवान राम से ही आई है। मोदी शासनकाल को राम राज्य की परिकल्पना और महात्मा गांधी के संदेश से जोड़ते हुए कहा कि आज देश राममय है, हर्षित है। देश की विकास यात्रा में यह अविस्मरणीय क्षण है।

नड्डा ने कहा कि रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का उत्सव राष्ट्रोत्सव की रूप में मनाया गया, जो नए युग की शुरुआत बनकर उभरा है। यह भारत के दर्शन-दिग्दर्शन और राष्ट्र चेतना का मंदिर बन गया है। हर भारतीय आल्हादित है। संस्कृति प्रधान देश में पीएम मोदी ने ऐतिहासिक क्षण को भव्यता दी। भाजपा का यह संकल्प था कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए। नौ नवंबर, 2019 को सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास का गठन किया, जिसके परिणामस्वरूप मंदिर निर्माण का कार्य त्वरित गति से चला और महज चार वर्ष में मंदिर में 22 जनवरी, 2024 को प्राण प्रतिष्ठा हो गई। यह महान भारत की यात्रा की शुरुआत है। यह दुनिया भर में फैले भारतीयों के लिए पवित्र दिन और सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब बन गया है। नड्डा ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए मोदी सरकार ने अभूतपूर्व काम किया है। बीते दस वर्षों में भारतीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक गौरव पुनः स्थापित हुआ है। इसके बाद जय श्रीराम के उद्घोष के साथ प्रतिनिधियों ने प्रस्ताव का समर्थन कर इसे पारित कराया।

भाजपा अध्यक्ष के सेवा विस्तार के लिए पार्टी संविधान में संशोधन

नई दिल्ली, प्रेट्र: भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में पार्टी के संविधान में संशोधन का प्रस्ताव पारित किया गया है। इसके जरिये संगठन के संसदीय बोर्ड को यह अनुमति दी गई है कि आपात स्थिति में पार्टी के अध्यक्ष के कार्यकाल को सेवा-विस्तार दिया जा सके। इस आशय का प्रस्ताव पार्टी महासचिव सुनील बंसल लेकर आए।

भाजपा में अध्यक्ष पद का चयन संगठनात्मक चुनाव से होता है। कई चरणों पर निर्वाचन के बाद कम से कम 50 प्रतिशत राज्य इकाइयों को उन्हें निर्वाचित करना होगा। प्रदेश स्तर का भाजपा का संगठनात्मक चुनाव भी जिला निकायों के निर्वाचन पर निर्भर करता है। सूत्रों का कहना है कि सत्तारूढ़ दल फिलहाल विधानसभा या लोकसभा चुनावों के लिए व्यस्त हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का मौजूदा कार्यकाल लोकसभा चुनाव को देखते हुए 30 जून तक के लिए बढ़ाया गया है।

****

'आधार कार्ड न होने पर भी बंगाल में मिलेगा योजनाओं का लाभ'

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

- जनसभा में ममता बोलीं, मुझे बोलने का अधिकार नहीं, कुछ बोलूंगी तो कल ही ईडी मेरे घर आ जाएगी

बीरभूम में रविवार को जनसभा को संबोधित करतीं बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी। एएनआइ

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि बंगाल में अगर किसी के पास आधार कार्ड नहीं होगा, तब भी उसे सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। रविवार को बीरभूम की सभा में उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले कई लोगों के आधार कार्ड को निष्क्रिय कर दिया है। यह काम उन्होंने बंगाल के कई जिलों में किया है। तृणमूल सुप्रीमो ने कहा कि वह चाहते हैं कि आधार कार्ड को निष्क्रिय कर राज्य में महिलाओं को जनकल्याणकारी योजना लक्ष्मी भंडार के लाभ से दूर कर दें। हमने भी यह ठान रखा है कि हम योजनाओं का लाभ देते रहेंगे। आपके पास आधार नहीं होगा फिर भी आपको लाभ मिलता रहेगा।

कुछ भी बोलने का अधिकार नहीं, बोलूंगी तो ईडी घर पहुंच जाएगी : ममता बनर्जी ने कहा कि उन्हें कुछ भी बोलने का अधिकार नहीं है। यदि वह कुछ बोलेंगी तो ईडी की टीम घर पहुंच जाएगी। शनिवार शाम यहां एक कार्यक्रम में ममता ने कहा कि अगर संविधान केवल एजेंसी द्वारा चलाया जाएगा, तो हम इसे स्वीकार नहीं कर सकते। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कई राज्यों को जीएसटी (माल एवं सेवा कर) का उनका हिस्सा नहीं मिल रहा है। आगे कहा कि अगर कोई कहता है कि धर्मनिरपेक्षता खराब है या लोकतंत्र खतरनाक है तो वह इसे स्वीकार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि उन्होंने राजीव गांधी से लेकर मनमोहन सिंह तक कई प्रधानमंत्रियों के साथ काम किया है, लेकिन ऐसा अच्छा पीएम आज तक नहीं देखा है।

संदेशखाली मामला बंगाल के बाहर ट्रांसफर करने की मांग पर आज सुनवाई

नई दिल्ली, एएनआइ: संदेशखाली गांव में रह रहीं महिलाओं पर कथित यौन हमले के मामले की जांच और उसके बाद मुकदमे को बंगाल के बाहर ट्रांसफर करने की मांग संबंधी जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। अधिवक्ता अलख आलोक श्रीवास्तव द्वारा दायर याचिका पर जस्टिस बी.वी. नागरत्ना और जस्टिस अगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ सुनवाई करेगी। याचिका में जांच सीबीआइ या सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में विशेष जांच दल (एसआइटी) से कराने की मांग भी की गई है। याचिका में उन्होंने घटना को बेहद परेशान करने वाला बताया और इस बात की आशंका व्यक्त की कि बंगाल में वर्तमान मामले की स्वतंत्र व निष्पक्ष जांच और सुनवाई नहीं की जा सकती, इसलिए न्याय के हित में इसे राज्य के बाहर स्थानांतरित कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने याचिका में हाई कोर्टों के तीन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की अध्यक्षता में एक समिति भी गठित करने की मांग की है जैसी मणिपुर के मामले में गठित की गई थी। यौन हमले की शिकार महिलाओं के लिए मुआवजे की मांग भी की है।

1 तुम्हारी औकात क्या है

लेखक: पीयूष मिश्रा

प्रकाशक: राजकमल प्रकाशन

पीयूष मिश्रा अब फिल्में कर रहे हैं, गीत लिख रहे हैं, संगीत रच रहे हैं। यह उनकी आत्मकथा है जिसे उन्होंने उपन्यास की तर्ज पर लिखा है। इसे पढ़ते हुए महसूस करेंगे कि जैसे उन्होंने लिखा नहीं है, बल्कि शब्दों को चित्रों के रूप में टांका है।

2 बेहया

लेखक: विनीता अस्थाना

प्रकाशक: हिंद युग्म

परिस्थितियों के अनुसार व्यक्ति का चरित्र बदलता है। रूढ़िवादी सोच से उपजा शक हृदय पर चोट करता है, तो वहीं कुछ रिश्ते समाज के बंधनों से मुक्त होते हैं। यह कहानी है सिया और अभिज्ञान के ऐसे ही अनकहे रिश्ते की।

3 इन्नेबतूती

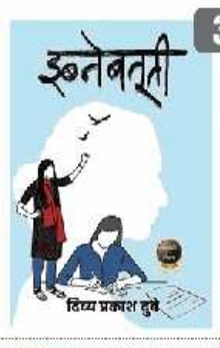

लेखक: दिव्य प्रकाश दुबे

प्रकाशक: हिंद युग्म

कई बार संबंधों को नए सिरे से गढ़ने में समाज के मानकों से दूर जाना पड़ता है। इस कहानी में बेटा मां के लिए साथी की खोज करता है, समाज के सोच से अलग मां की खुशी का विचार हृदय में हलचल उत्पन्न करता है।

4 यार जादूगर

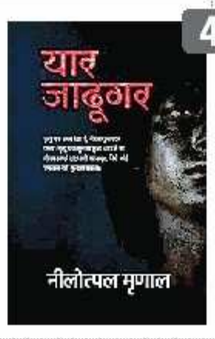

लेखक: नीलोत्पल मृणाल

प्रकाशक : हिंद युग्म

'यार जादूगर' मृत्यु का महोत्सव है और जीवन का लोक संगीत भी, जो मृत्यु की अनिवार्यता को स्वीकार कर जीवन की सार्थकता को स्वीकार करने की कोशिश है। विषयवस्तु ताजगी का एहसास कराती है।

5 लपूझन्ना

लेखक: अशोक पाण्डे

प्रकाशक: हिंद युग्म

उत्तर भारत के एक छोटे से कस्बे में बिताए गए बचपन का वृतांत है इस पुस्तक में। मेले-ठेलों, खेल, पतंगबाजी के किस्से इतने रोचक तरीके से कहे गए हैं कि पाठक भी बचपन की यादों में खो जाते हैं।

6 उफ्फ कोलकाता

लेखक: सत्य व्यास

प्रकाशक: हिंद युग्म

वास्तविक शहर व स्थलों की पृष्ठभूमि में सत्य व्यास काल्पनिक पात्रों के साथ रोचक कहानियां गढ़ते हैं। इनमें समकालीन समाज की भावनाओं का ऐसा ताना-बाना बुनते हैं कि होंठों पर बरबस ही मुस्कान आ जाती है।

7 अंतिमा

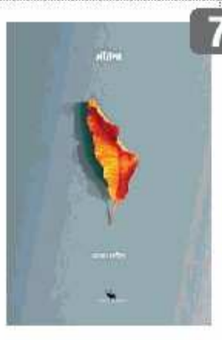

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

पिछली पांच किताबों-'ठीक तुम्हारे पीछे', 'प्रेम कबूतर', 'तुम्हारे बारे में', 'बहुत दूर, कितना दूर होता है' व 'चलता-फिरता प्रेत' को अथाह प्यार मिला है। 'अंतिमा' छठवीं पुस्तक है, जो इनका पहला उपन्यास भी है।

8 खाली मकान

लेखक: सुरेन्द्र मोहन पाठक

प्रकाशक: पेंग्विन रैंडम हाउस

इस उपन्यास में काबिल पुलिस अधिकारी प्रभुदयाल के सामने चुनौती है एक सनसनीखेज हत्या के अनसुलझे सवालों की तह में जाकर उसे हल करने की। हर पृष्ठ आगे पढ़ने की जिज्ञासा जगाता है।

9 गैंग आफ फोर

लेखक: सुरेन्द्र मोहन पाठक

प्रकाशक: पेंग्विन रैंडम हाउस

प्रशंसकों के लिए सुरेन्द्र मोहन की यह खास भेंट है। इसकी कहानी अपराध और रोमांच पर आधारित है। इससे पूर्व उनके उपन्यास 'पैंसठ लाख की डकैती' ने खूब लोकप्रियता बटोरी थी।

10 चलता फिरता प्रेत

लेखक: मानव कौल

प्रकाशक: हिंद युग्म

मानव कौल अपनी कहानियों में सामान्य जन-जीवन के प्रसंगों व चरित्रों को जोड़ते हुए जीवन-मृत्यु के साथ ही कई बड़े प्रश्नों को टटोलने का प्रयास करते हैं।

कल पढ़िये **कथेतर** श्रेणी की सूची

शंभू बार्डर पर संघर्ष की अगुआई कर रहे नेताओं पर उठे सवाल

संयुक्त किसान मोर्चा के नेता ने इंटरनेट मीडिया पर शेयर की पोस्ट

जागरण संवाददाता, लुधियाना

किसानों की मांगों को लेकर पंजाब के खनौरी और शंभू बार्डर पर किए जा रहे प्रदर्शन की अगुआई कर रहे किसान नेताओं पर सवाल उठने लगे हैं। किसान नेताओं द्वारा केंद्र सरकार के साथ तीन बार हुई बैठक में कोई परिणाम नहीं निकलने और इनमें पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को शामिल करने को गलत ठहराया जा रहा है। यही नहीं अगुआई कर रहे नेताओं के प्रबंधन और वहां मौजूद प्रदर्शनकारियों पर नियंत्रण नहीं रख पाने का फायदा हुल्लड़बाजों द्वारा उठाने की आशंका भी जताई जा रही है। इस संबंधी एक पोस्ट इंटरनेट मीडिया के अलग-अलग प्लेटफार्म पर शेयर की जा रही है। ये पोस्ट संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के नेता अपलोड कर रहे हैं। इससे किसान यूनियनों में पड़ी हुई फूट सबके सामने भी आ रही है।

ज्ञात हो, दिल्ली की सीमा पर दो वर्ष पहले हुए किसानों के प्रदर्शन के दौरान संयुक्त किसान मोर्चा बना था, जिसमें पंजाब के करीब 35 समेत पूरे देश से 500 संगठन जुड़े थे। इनसे अलग हुए संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) की तरफ से दिल्ली कूच का एलान किया गया है। इसकी अगुआई भारतीय किसान यूनियन सिद्धुपूर के जगजीत सिंह डल्लेवाल और मजदूर किसान संघर्ष समिति के सरवन सिंह पंधेर समेत अन्य

किसानों के प्रदर्शन के चलते लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सिंघु बार्डर पर बच्ची को गोद में लेकर डिवाइडर पार करती महिला। जागरण

नेता कर रहे हैं। प्रदर्शन करने वालों को शंभू बार्डर पर ही रोका गया है।

इसके बीच संयुक्त किसान मोर्चा की लुधियाना में एक बैठक हुई और इसमें भी शंभू बार्डर पर हो रहे संघर्ष पर खुलकर विचार-विमर्श हुआ है। बैठक के कुछ समय बाद ही संयुक्त किसान मोर्चा की मीडिया सेल देख रहे गुरमीत सिंह महिमा की तरफ से यह पोस्ट मीडिया ग्रुपों में अपलोड की गई है। पोस्ट के नीचे एसएस आजाद का नाम लिखा गया है। पोस्ट में जगजीत सिंह डल्लेवाल, सरवन सिंह पंधेर और सुरजीत सिंह फूल के नेतृत्व पर सवाल उठाए जा रहे हैं। पोस्ट में कहा जा रहा है कि वह संगठन कैसे गैर राजनीतिक हो सकता है,जो एक प्रदेश के मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्रियों से बैठकें करता है। किसान नेताओं की तरफ से संघर्ष को राष्ट्रीय स्तर का होने का दावा करने पर सवाल पूछा गया है कि अगर यह संघर्ष भारत के संगठनों का है तो दूसरे संगठन क्यों साथ नहीं हैं।

इसके अलावा दिल्ली जाने के लिए की जा रही जिद पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं कि अगर केंद्र सरकार से बात टूटती है और दिल्ली जाना भी पड़ा तो कैसे 70 हजार अर्द्धसैनिक बलों और हरियाणा पुलिस का सामना कर दिल्ली पहुंचा जाएगा। वह भी तब, जब आने वाले कुछ ही दिनों में लोकसभा चुनाव को लेकर अचार संहिता भी लग जाएगी। यह पोस्ट तब अपलोड की गई, जब एसकेएम की बैठक हुई। मीडिया सेल देख रहे गुरप्रीत सिंह का कहना है कि यह पोस्ट उन्हें भी कहीं से प्राप्त हुई थी। बातें अच्छी लगीं तो आगे शेयर कर दिया।

उगराहां गुट ने चार घंटे टोल प्लाजा करवाए निशुल्क

प्रथम पृष्ठ से आगे

भाकियू (उगराहां) ने रविवार को भी दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक पंजा के सभी टोल प्लाजा निशुल्क करवाए। यूनियन के सदस्यों ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सुनील जाखड़ के अबोहर जिले के पंजकोसी स्थित घर और कैप्टन अमरिंदर सिंह के पटियाला स्थित मोतीमहल के बाहर दूसरे दिन भी धरना दिया।

शंभू और खनौरी बार्डर पर शांत रहा माहौल: उधर, शंभू और खनौरी बार्डर पर माहौल शांत रहा। अपनी मांगों को लेकर वहां जमे किसानों की नजर चंडीगढ़ में हो रही बैठक पर है। वरिष्ठ किसान नेता युवा प्रदर्शनकारियों को संयम बरतने की सलाह दे रहे हैं। युवाओं का कहना है कि एमएसपी पर कानूनी गारंटी से कम कुछ भी स्वीकार नहीं होगा। शंभू बार्डर पर भीड़ को रोकने के लिए किसान नेताओं ने बैरिकेडिंग से 50 मीटर पहले रस्सी लगाई।

महापंचायत नहीं ले पाई दिल्ली कूच पर अंतिम निर्णय

बैठक को संबोधित करते गुरनाम सिंह चढ़ूनी।

जागरण संवाददाता, कुरुक्षेत्र : भारतीय किसान यूनियन (चढ़ूनी) ने रविवार को प्रदेशभर के किसान, मजदूर और सामाजिक संगठनों की महापंचायत बुलाई। इसमें दिल्ली कूच पर अंतिम निर्णय नहीं हो पाया। अब सोमवार शाम तक अंतिम निर्णय लेने की बात कही गई। महापंचायत में चार प्रस्ताव पास किए गए। राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरनाम सिंह चढ़ूनी ने कहा कि पंजाब के किसानों ने बिना सलाह लिए ही दिल्ली कूच का निर्णय लिया था। दिल्ली के किसान संगठनों से भी बात करेंगे कि वह आंदोलन के लिए तैयार हैं या नहीं? हम जिनके यहां डेरा डालने जा रहे हैं उनसे पूछना जरूरी है। बैठक में दिल्ली के संगठनों से बातचीत के लिए चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई। चढ़ूनी ने कहा कि किसानों का मुद्दा किसी एक राज्य का नहीं, बल्कि राष्ट्रीय मुद्दा है। कोई भी निर्णय लें तो उससे पीछे नहीं हटें।

ये प्रस्ताव किए गए पास

- प्रदेशभर के किसान संगठनों की सहमति पर ही आंदोलन करेंगे।
- दिल्ली के किसान संगठनों से सुझाव लेने की बात कही गई।
- बैठक में पहुंचे सभी संगठनों का वाट्सएप ग्रुप बनाना जाएगा।
- 22 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट के वकीलों के आंदोलन को समर्थन दिया जाएगा।

कर्ज माफ कराने के लिए कोचिंग संचालक बना साल्वर, गिरफ्तार

जागरण टीम, लखनऊ

- उप्र में सिपाही भर्ती परीक्षा के अंतिम दिन 88 और पकड़े गए
- बलिया में पकड़े गए गिरोह सरगना निकले लैब टेक्नीशियन व वन सिपाही

उप्र पुलिस विभाग की सबसे बड़ी सिपाही भर्ती परीक्षा के दूसरे एवं आखिरी दिन रविवार को भी कई गिरोह परीक्षा की शुचिता भंग करने का प्रयास करते रहे। नोएडा में पुलिस ने परीक्षा केंद्र के अंदर परीक्षार्थी के स्थान पर बैठे कोचिंग संचालक को गिरफ्तार किया। आरोपित अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। पूछताछ में कोचिंग संचालक ने बताया कि 2017 में उसने सेंटर शुरू किया था, जो कोरोना काल में बंद हो गया था। वह आर्थिक तंगी से जूझने लगा। उसी दौरान उसकी पत्नी की डिलीवरी हुई थी, तब उसने योगेश से 95 हजार रुपये उधार लिया था, जो वापस नहीं कर सका। योगेश सिंह ने उसे अपनी जगह भर्ती परीक्षा देने को कहा। बोला, यदि वह उसकी परीक्षा पास करा देगा तो 95 हजार रुपये वापस नहीं लेगा और तीन लाख रुपये अलग से भी देगा। इसीलिए वह राजी हो गया। बता दें, 15 से 17 फरवरी तक, तीन दिनों में 195 साल्वर, ठगों व नकल में शामिल अभ्यर्थियों को गिरफ्तार कर चुकी एसटीएफ व विभिन्न जिलों की पुलिस ने 88 और लोगों को पकड़ा। इस तरह कुल 283 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

एक लाख के साथ पकड़ा गया साल्वर: सबसे ज्यादा 16 गिरफ्तारियां बलिया जिले में हुईं। परीक्षा पास कराने के नाम पर अभ्यर्थियों को झांसा देने वाले गिरोह के तीन सरगना, 11 सदस्यों और दो साल्वरों को गिरफ्तार किया गया। इनमें बलिया निवासी सरगना अभय कुमार श्रीवास्तव सुलतानपुर में स्वास्थ्य विभाग में लैब टैक्निशियन है। दूसरे गिरोह का सरगना फतेह बहादुर मध्य प्रदेश के कटनी में वन विभाग का सिपाही है। उससे इलेक्ट्रानिक उपकरण और अभ्यर्थियों से वसूले गए एक लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। फिरोजाबाद में 14 को पकड़ा गया है। मऊ में छह और गाजीपुर में दो फर्जी अभ्यर्थी गिरफ्तार किए गए हैं। वाराणसी में चार साल्वर पकड़े गए हैं। इनमें राकेश कुमार यादव मधुबनी (बिहार) का रहने वाला है। अलीगढ़ में छोटे भाई के स्थान पर परीक्षा देने आया युवक पकड़ा गया।

प्रयागराज में एसटीएफ ने तीन लोगों को पकड़ा। आरोपितों ने बताया कि वे भर्ती परीक्षा में अभ्यार्थियों को पास करने का ठेका लेते हैं। 10 से 12 लाख रुपये प्रत्येक अभ्यर्थी से भर्ती होने की दशा में तय करते हैं। एडवांस में 20 से 25 हजार रुपये ले लेते हैं। परीक्षा में उनका कोई जुगाड़ नहीं रहता था, लेकिन जो अभ्यर्थी पास हो जाता था, उनसे पैसा ले लेते थे। फेल अभ्यर्थी का एडवांस में लिया गया पैसा खर्च बताकर रख लेते थे। इसके अलावा अभ्यर्थियों को फर्जी प्रश्नपत्र, उत्तरकुंजी वाट्सएप पर भेजते थे।

परीक्षा कक्ष के भीतर प्रसव पीड़ा, पीएचसी गेट पर बेटी का जन्म

उन्नाव में पहली पाली में महर्षि दयानंद सरस्वती मिशन इंटर कालेज केंद्र पहुंची गर्भवती सुनीता को परीक्षा देने के दौरान ही प्रसव पीड़ा होने लगी। विद्यालय के प्रबंधक ने उसे अपनी कार से पीएचसी भिजवाया, जहां गेट पर ही उसने बेटी को जन्म दिया। परीक्षा समाप्त होने से पहले हालत बिगड़ने से वह पूरा पेपर भी नहीं दे पाई।

त्रिपुरा में दुष्कर्म पीड़िता ने जज पर लगाया यौन शोषण का आरोप

अगरतला, प्रेट्र: त्रिपुरा में एक दुष्कर्म पीड़िता ने एक न्यायाधीश पर यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। महिला का कहना है कि घटना 16 फरवरी को उस वक्त हुई जब वह दुष्कर्म के संबंध में बयान दर्ज कराने के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट कमालपुर के चैंबर में गई थी। धलाई के जिला एवं सत्र न्यायाधीश गौतम सरकार की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय पैनल ने आरोप की जांच शुरू कर दी है।

कमालपुर के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश को दी शिकायत में महिला ने कहा, '' मैं 16 फरवरी को बयान दर्ज कराने के लिए न्यायिक मजिस्ट्रेट के कक्ष में गई थी। मैं बयान देने ही वाली थी उसी समय न्यायाधीश ने छेड़छाड़ की। उसके बाद मैं उनके चैंबर से बाहर निकली और वकीलों और अपने पति को घटना के बारे में बताया।'' महिला के पति ने भी घटना को लेकर कमालपुर बार एसोसिएशन में अलग शिकायत दर्ज कराई। पीड़िता की शिकायत मिलने के बाद जिला और सत्र

कहा- बयान दर्ज कराने चैंबर में गई थी महिला, वहीं दिया गया घटना को अंजाम

न्यायाधीश गौतम सरकार मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यजीत दास के साथ मामले की जांच के लिए कमालपुर के अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश के कार्यालय पहुंचे। अधिवक्ता शिबेंद्र दासगुप्ता ने कहा, तीन सदस्यीय पैनल ने कमालपुर बार एसोसिएशन के सदस्यों से भी भेंट की और महिला के आरोपों पर हमारा दृष्टिकोण मांगा। हमने पैनल के समक्ष अपनी बातें रखीं।

उधर, जज के खिलाफ लगाए गए आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए त्रिपुरा हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल वी पांडे ने कहा,हमें इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक शिकायत नहीं मिली है। राज्य के अन्य लोगों की तरह मुझे भी इसके बारे में इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म से पता चला। एक बार जब हमें सही प्रारूप में शिकायत मिलेगी तो हम निश्चित रूप से उचित कार्रवाई करेंगे।''

शरद पवार की याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट अजीत पवार के नेतृत्व वाले गुट को असली राकांपा घोषित करने के चुनाव आयोग के आदेश को चुनौती देने वाली शरद पवार की याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ शरद पवार की याचिका पर सुनवाई कर सकती है। 16 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई थी। आयोग ने छह फरवरी को घोषणा की थी कि अजीत पवार गुट ही असली राकांपा है। आयोग ने अजीत के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का चुनाव चिह्न घड़ी भी आवंटित किया था। वहीं, शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर के 15 फरवरी के आदेश के मद्देनजर तत्काल सुनवाई की मांग की थी। नार्वेकर का मानना था कि अजीत पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट ही असली राकांपा है और संविधान में दलबदल विरोधी प्रविधानों का इस्तेमाल आंतरिक असंतोष को दबाने के लिए नहीं किया जा सकता है।

जैन मुनि विद्यासागर ने देह त्यागी, अनुयायियों ने दी श्रद्धांजलि

नईदुनिया, राजनांदगांव

- डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी जैन तीर्थ में हुआ अंतिम संस्कार, कई राज्यों के संत जुटे
- प्रधानमंत्री व केंद्रीय गृहमंत्री सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि
- छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में आधे दिन का राजकीय शोक किया गया घोषित

छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी तीर्थ स्थल में दिगंबर मुनि परंपरा के आचार्य विद्यासागर महाराज ने शनिवार रात 2:35 बजे देह त्याग दी। रविवार दोपहर दो बजे वह पंचतत्व में विलीन हो गए। उनके अंतिम संस्कार के समय मध्य प्रदेश, ओडिशा व महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के जैन संत व अनुयायी शामिल हुए। अनुयायियों ने उनको नम आंखों से श्रद्धांजलि दी।

महाराज ने तीर्थ में छह फरवरी को ही आचार्य पद त्यागने के साथ समय सागर महाराज को आचार्य पद देने की घोषणा कर दी थी। उनके देह त्यागने पर छत्तीसगढ़ और मप्र में आधे दिन का राजकीय शोक घोषित किया गया। साथ ही सभी सांस्कृतिक कार्यक्रम रद कर दिए गए। पीएम नरेन्द्र मोदी ने गत वर्ष पांच नवंबर को उनका आशीर्वाद लिया था। मोदी, केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय,

> वह जीवनपर्यंत गरीबी उन्मूलन के साथ-साथ समाज में स्वास्थ्य और शिक्षा को बढ़ावा देने में जुटे रहे। यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे निरंतर उनका आशीर्वाद मिलता रहा। पिछले वर्ष चंद्रगिरी में उनसे हुई भेंट मेरे लिए अविस्मरणीय रहेगी।
>
> **- नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री, एक्स पर पोस्ट**

जैन मुनि विद्यासागर महाराज। फाइल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव व उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई राजनेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है।

विद्यासागर महाराज का जन्म 10 अक्टूबर, 1946 में कर्नाटक के बेलगांव जिले के सलगा ग्राम में हुआ था। वह लंबे समय से डोंगरगढ़ स्थित चंद्रगिरी तीर्थ में रह रहे थे। जनवरी के पहले सप्ताह से ही उनके स्वास्थ्य में लगातार गिरावट आ रही थी। इसके बाद उनके अनुयायी लगातार दर्शन के लिए पहुंच रहे थे, लेकिन भीड़ अधिक होने के कारण दर्शन नहीं करने दे रहे थे। स्वास्थ्य खराब होने के बाद भी वह दवाई नहीं ले रहे थे। उन्होंने आजीवन अंग्रेजी दवाई, चीनी, नमक, दही, हरी सब्जी आदि का त्याग किया था। आचार्य विद्यासागर ने देशभर के 505 मुनियों को दीक्षा दी थी।

22 वर्ष की आयु में ली थी दीक्षा : आचार्य विद्यासागर को 30 जून, 1968 में अजमेर में 22 वर्ष की आयु में आचार्य ज्ञानसागर ने दीक्षा दी थी। उन्हें 22 नवंबर, 1972 में ज्ञानसागर जी द्वारा आचार्य पद दिया गया था। आचार्य विद्यासागर के बड़े भाई को छोड़कर घर के सभी लोग संन्यास ले चुके हैं। उनके भाई योगसागर और समय सागर ने भी दीक्षा ले ली है। आचार्य विद्यासागर के शिष्य मुनि क्षमासागर ने उन पर आत्मान्वेषी नामक जीवनी लिखी है। इस पुस्तक का अंग्रेजी अनुवाद भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रकाशित हो चुका है। मुनि प्रणम्यसागर ने उनके जीवन पर अनासक्त महायोगी नामक काव्य की रचना की है।

जागरण विशेष
कर्मठ किसान

प्रदीप द्विवेदी • बांदा

हरियाणा और पंजाब के किसानों को मिल रहा लाभप्रद खेती का मंत्र

उत्तर प्रदेश में बांदा के जिस गांव में सात किसानों ने की थी आत्महत्या, वहीं के नवल किशोर बने प्रेरणास्रोत

उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में केन नदी किनारे बसे पडुई गांव में एक समय सूखे के कारण सप्ताह भर में सात किसानों ने पेड़ पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। तब गांव देश भर में सुर्खियों में आया था। अब इसी गांव के किसान नवल किशोर एकल प्रयास से बुंदेलखंड ही नहीं, पंजाब व हरियाणा तक के किसानों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं। प्रगतिशील किसान नवल किशोर पांच वर्षों से एकीकृत कृषि प्रणाली से कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त कर रहे हैं। वह एक हजार किसानों को साथ जोड़कर खेती के नए तौर-तरीके सिखा चुके हैं।

पांच बिंदुओं पर आधारित खेती: नवल किशोर गांव में चार हेक्टेअर में खेती करते हैं। एकीकृत कृषि प्रणाली के तहत उनकी खेती जल, बीज, खाद, ऊर्जा सहित पांच बिंदुओं पर आधारित है जिससे फसल उत्पादन की लागत कम रहती है और अच्छा मुनाफा होता है। उनके कृषि फार्म में बागवानी, तालाब और पशुपालन आदि की व्यवस्था है। दूर के किसानों द्वारा प्रशिक्षण लेने के अलावा आसपास के चार सौ किसान भी नवल के खेती के माडल को अपना चुके हैं।

वर्ष 2006 की घटना के बाद लिया संकल्प: महुआ ब्लाक के पडुई गांव का जिक्र होते ही उन सात किसानों की याद आती है, जिन्होंने वर्ष 2006 में सूखा पड़ने के दौरान पेड़ों पर फंदा लगाकर जान दे दी थी। नवल किशोर ने उसके बाद सूखे के प्रकोप से मुक्ति का संकल्प लिया था। उनका साथ बुंदेलखंड में जल संरक्षण के लिए कार्य कर रहे पुष्पेंद्र सिंह ने दिया। तब नवल किशोर ने सबसे पहले दो बीघे खेत में तालाब बनवाया। अन्य को भी तालाब बनाने को प्रेरित किया। करीब पांच वर्ष में गांव में दो सौ से ज्यादा तालाब तैयार हो गए। वर्षा का जल संरक्षित हुआ तो जलस्तर भी सुधरा।

पडुई गांव के जल समृद्ध बनने पर नवल किशोर ने एकीकृत कृषि प्रणाली का माडल तैयार किया। उन्होंने 32 बीघे के खेत में कृषि के साथ बागवानी, पशुपालन और वर्मी कंपोस्ट इकाई भी बनाई जिसमें उन्हें करीब तीन वर्ष लगे। राज्य स्तर पर पुरस्कृत नवल कहते हैं कि सिंचाई के साधन होने से अब तीन फसलें की जा रही हैं। रासायनिक खाद के कारण खर्च अधिक था। प्रति बीघा सात हजार की फसल मिलती थी। प्राकृतिक खेती में लागत लगभग शून्य है और मुनाफा सालाना प्रति बीघा 30 हजार तक। बांदा के उप कृषि निदेशक विजय कुमार का कहना है कि पडुई जलगांव की श्रेणी में है और किसान अच्छी उपज ले रहे हैं। किसानों को नवल के कृषि फार्म में भ्रमण व प्रशिक्षण कराया जाता है।

यह है एकीकृत कृषि प्रणाली

एकीकृत कृषि प्रणाली यानी इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम में भूमि को इस प्रकार बांटा जाता है कि उसमें सब्जियां व अनाज उगाने के साथ पशुपालन, मछली पालन और बागवानी के लिए भी स्थान मौजूद हो। कृषि की यह पद्धति सामंजस्यपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांत पर आधारित है। नवल ने जल संतुलन के लिए तालाब बनाने के बाद वायु-ताप संतुलन के लिए खेत के निश्चित अनुपात में बाग लगाया। उर्वरता संतुलन के लिए विविध पशुपालन से जैविक खाद बनाई और ऊर्जा संतुलन के लिए गोबरगैस संयंत्र लगाया। बैल और सौर ऊर्जा का भी उपयोग किया। उनके खेत में बना तालाब दो हजार क्यूबिक लीटर जल धारण क्षमता का है। मिनी स्प्रिंकलर से सिंचाई की लागत घटी।

उप्र में बांदा जिले के पडुई गांव में अपने खेत में बने मकान में चरखे से सूत निकालते किसान नवल किशोर • जागरण

उप्र में बांदा जिले के पडुई गांव में पंजाब से आए किसानों को एकीकृत कृषि प्रणाली की जानकारी देते पुष्पेंद्र सिंह व नवल किशोर (दाएं से) • जागरण

> खेती की जो विधा प्राकृतिक संतुलन बनाए और परिवार में समृद्धि लाए, वही प्राकृतिक खेती है। कृषि फार्म में तैयार जैविक अरहर, चना, मटर, मसूर, सरसों आदि की दिल्ली तक मांग है। दाम भी अच्छे मिलते हैं। हमारी प्राकृतिक खेती पांच संतुलन पर आधारित है।
>
> **नवल किशोर**, पडुईग्राम, बांदा

बीजापुर में नक्सली हमले से सीएएफ के कंपनी कमांडर बलिदान

नईदुनिया, बीजापुर: छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने रविवार सुबह दरभा बाजार में ड्यूटी कर रहे छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (सीएएफ) के कंपनी कमांडर की कुल्हाड़ी मारकर हत्या कर दी।

बीजापुर के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने बताया कि कंपनी कमांडर तिजाउ राम भुआर्य कुटरू के दरभा कैंप में पदस्थ थे। इस वारदात में नक्सलियों की स्माल एक्शन टीम का हाथ होने की बात कही जा रही है। मामले की जांच करने के साथ ही हत्यारोपितों की तलाश की जा रही है। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकार ने नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षाबलों की संख्या बढ़ा दी है। स्थानीय लोग भी अब हिंसा करने वालों के खिलाफ खड़े होने लगे हैं। इसके चलते नक्सली काफी दबाव में आ गए हैं। अपना रुतबा बनाए रखने को वह ऐसी वारदात करते हैं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

****

हां 20% / 80% नहीं — क्या सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी की मांग व्यावहारिक है?

हां 85% / 15% नहीं — क्या किसानों के जरिये राजनीतिक लक्ष्य साधने का प्रयास हो रहा है?

₹150 बढ़ी गेहूं की एमएसपी विपणन सत्र 2024-25 के लिए पिछले विपणन सत्र की तुलना में

₹425 बढ़ी मसूर की एमएसपी विपणन सत्र 2024-25 के लिए पिछले सत्र की तुलना में

₹200 बढ़ी राई एवं सरसों की एमएसपी विपणन सत्र 2024-25 के लिए पिछले सत्र की तुलना में

एमएसपी की गारंटी

क्या है सी2+ 50 प्रतिशत फार्मूला

यह एमएसपी तय करने का फार्मूला है, जिस पर सरकारी एजेंसियां किसानों की उपज खरीदती हैं। इसमें किसान की जमीन का किराया सहित खेती पर आने वाली सभी तरह की लागत शामिल है।

एमएसपी का फार्मूला

सरकार एमएसपी तय करने के लिए ए2+एफएल फार्मूले का इस्तेमाल कर रही है। इसमें किसान खेती के लिए जिस पूंजी का भुगतान करता है और परिवार के श्रम का मूल्य शामिल है।

किसान मेहनती और सीधे साधे होते हैं। देश की खाद्य सुरक्षा में भी किसानों की अहम भूमिका है। लेकिन भारत में किसानों को राजनीतिक हथियार भी बनाया जाता रहा है। ताजा मामला फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी की मांग का है। अगर सरकार एमएसपी पर फसलों की खरीद की गारंटी ले लेती है तो एक अनुमान के अनुसार इस पर 10 लाख करोड़ रुपये का खर्च आएगा। वहीं 2024-25 के अंतरिम बजट में सरकार ने पूंजीगत निवेश के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है। ऐसे में सरकार अगर सारी फसलें एमएसपी पर खरीदती है तो कर्मचारियों को वेतन और पेंशन कहां से देगी, विकास कार्यों के लिए संसाधन कहां से आएंगे। अगर ऐसा होता है तो पूरा सरकारी तंत्र और व्यवस्था ही चरमरा जाएगी। वहीं विपक्षी दल कांग्रेस ने कहा है कि वह सत्ता में आने पर एमएसपी की गारंटी देगी। हालांकि केंद्र में सत्ता में रहते हुए कांग्रेस ने स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट लागू करने को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। ऐसे में कांग्रेस की जिम्मेदारी बनती है कि वह देश को बताए कि वह 10 लाख करोड़ रुपये का इंतजाम कैसे करेगी। ऐसे में यह पड़ताल अहम मुद्दा है कि एमएसपी की गारंटी की मांग कितनी व्यावहारिक है और क्या किसान आंदोलन के जरिए राजनीतिक मंशा पूरी करने का प्रयास हो रहा है?

संविधान के खिलाफ हैं किसानों की मांगें

यह समझना जरूरी है कि भारत के संविधान में कृषि क्षेत्र सातवें अनुच्छेद के तहत राज्य की सूची में आता है। इसलिए कुछ राज्यों के किसानों द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों का समाधान राज्य सरकारों को करना चाहिए। पंजाब, हरियाणा और कुछ पड़ोसी क्षेत्र के किसानों ने संयुक्त किसान मोर्चा, किसान मजदूर मोर्चा और किसान मजदूर संघ समिति की अगुवाई में दूसरा विरोध प्रदर्शन शुरू किया है। ये किसान संगठन खुद को पूरे देश के प्रतिनिधि के तौर पर पेश कर रहे हैं। 2021 का विरोध प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा ने शुरू किया था लेकिन बाद में संगठन में विभाजन हो गया और मौजूदा विरोध प्रदर्शन संयुक्त किसान मोर्चा के दूसरे धड़े की अगुवाई में हो रहा है। किसानों ने 12 मांगें रखी हैं। ये मांगे हैं न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी, एमएसपी का भुगतान स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट के अनुसार, कर्ज माफी, जमीन अधिग्रहण से पहले किसान की अनुमति और मुआवजा आधिकारिक दर का चार गुना, लखीमपुर खीरी केस में सजा, विश्व व्यापार संगठन से भारत बाहर निकले। सभी मुक्त व्यापार समझौतों को खत्म करना, सभी किसानों और कृषि श्रमिकों को 10,000 रुपये प्रति माह पेंशन, मनरेगा के तहत रोजगार बढ़ा कर 200 दिन किया और मजदूरी 700 रुपये प्रति दिन की जाए। किसान संगठनों को समझना चाहिए कि इन मांगों को रखने से पहले देश पर पड़ने वाले वित्तीय प्रभाव पर विचार नहीं किया गया है और वास्तव में ये देश के मुठ्ठी भर किसानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। ये बात सर्वविदित है कि देश में 82 प्रतिशत किसान छोटे और सीमांत किसान हैं और ज्यादातर मांगे इन किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं करती हैं। कुछ ही किसान है जो बड़े किसान हैं और वे राजनीति से प्रेरित है। अगर ऐसा नहीं होता है तो यह नहीं कह सकते थे कि देश सालाना बजट का 85 प्रतिशत इन मांगों को पूरा करने पर खर्च कर दे।

> किसानों की मांगे संविधान के बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ हैं, संविधान सबको समानता का अधिकार देता है। इसके अलावा कृषि राज्यों का विषय है, ऐसे में किसानों की समस्याओं का समाधान संबंधित राज्य सरकारों को करना चाहिए। इस मसले पर केंद्र सरकार और किसानों के बीच बातचीत का भी कोई खास मतलब नहीं है।

आरएस देशपांडे
पूर्व निदेशक, बीआर आंबेडकर स्कूल आफ इकनोमिक्स, बेंगलुरु

तार्किक तौर अगर हम इन मांगों पर विचार करें तो एमएसपी के तहत फसलों की खरीद का तंत्र 1967 में शुरू हुआ। उस समय अनाज की भारी कमी थी और सार्वजनिक वितरण प्रणाली के लिए अनाज की खरीद जरूरी थी। इसलिए उस समय एमएसपी के साथ लेवी और खरीद कीमतें थीं। वर्षों की अवधि में जब हालात बदल गए तो लेवी और खरीद कीमतों का विलय एमएसपी में कर दिया गया। यह बात स्पष्ट है कि एमएसपी का फायदा सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलता है जिनके पास बाजार में बेचने के लिए अनाज होता है और किसी भी राज्य में ऐसे किसानों की संख्या अधिक नहीं है। पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ज्यादातर किसान छोटे और सीमांत किसान हैं जिनके पास बेचने के लिए बहुत कम अनाज होता है। मौजूदा समय में पंजाब में प्रति क्विंटल खेती की लागत 1503 रुपये है और एमएसपी 2275 रुपये प्रति क्विंटल है। इस तरह से खेती की लागत से ऊपर 51.3 प्रतिशत मुनाफा किसानों को दिया जा रहा है। ये पंजाब के किसानों से जुटाए गए सीएसीपी के आंकड़ों पर आधारित है। अगर सरकार एमएसपी की मांग मानने को मजबूर होती है तो अनाज की खरीद पर कुल खर्च लगभग 10 करोड़ रुपये आएगा और यह सिर्फ पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों पर खर्च होगा। अगर ऐसा होता है तो क्या यह दूसरे राज्यों के साथ अन्याय नहीं होगा, जहां अनाज की खरीद बहुत कम है। इसीलिए दूसरे राज्यों के किसान विरोध प्रदर्शन में नहीं दिख रहे हैं। इसके अलावा सिर्फ कुछ जिंसों के उत्पादकों के लिए कीमतों की गारंटी की संवैधानिक वैधता पर भी विचार करना होगा। देश में बहुत सी दूसरी जिंसों का उत्पादन होता है लेकिन उनके लिए समर्थन मूल्य का तंत्र नहीं है। इसमें न सिर्फ कृषि जिंसें बल्कि खेती से संबंधित दूसरी जिंसें भी शामिल हैं। इसलिए एमएसपी को कानूनी गारंटी देने से संविधान के मौलिक सिद्धांत का उल्लंघन होगा, जो समानता पर आधारित है।

इसी तरह से अगर किसान को पेंशन दी जाती है तो इसका मतलब होगा कि लगभग 2 करोड़ किसानों को प्रति माह 10,000 रुपये देना होगा। क्या भारत सरकार बजट से इसके लिए लिए जरूरी संसाधन आवंटित कर सकेगी? मनरेगा के तहत 700 रुपये प्रतिदिन मजदूरी के साथ 200 दिन काम की मांग पर 1 लाख करोड़ रुपये खर्च होंगे। क्या राज्य सरकारों से इन खर्चों का एक हिस्सा वहन करने के लिए कहा जाना चाहिए? उनकी मांग में किसानों को मुफ्त बिजली भी शामिल है। इस पर भी 21,000 करोड़ रुपये लागत आएगी। क्या पंजाब की सरकार इन खर्चों का एक हिस्सा वहन करेगी क्योंकि कृषि का विषय संविधान में राज्य सूची में आता है। आंदोलित किसान विश्व व्यापार संगठन और मुक्त व्यापार समझौतों से बाहर निकलने की मांग कर रहे हैं। क्या ऐसा करना भारत के हित में होगा, यह सवाल उन लोगों से पूछा जाना चाहिए जिन्होंने किसानों को उकसाया है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के प्रबंधन के दौरान भारत विश्व व्यापार संगठन और दूसरे व्यापार समझौतों का हिस्सा बना था। क्या इस अतार्किक मांग को मानना संभव है? गौर करने पर पता चलता है कि मांगों की तार्किकता और इसके आर्थिक असर पर विचार किए बिना ही इस आंदोलन को शुरू कर दिया गया है।

क्या है एमएसपी और किसान क्यों चाहते हैं कानूनी गारंटी

किसान अपनी मांगों को लेकर एक बार फिर सड़कों पर उतर आए हैं। ये किसान कानून बना कर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की गारंटी देने की मांग कर रहे हैं। आइये जानते हैं कि एमएसपी क्या है और पंजाब के किसान ही एमएसपी की गारंटी पर ज्यादा जोर क्यों दे रहे हैं?

एमएसपी क्यों बना है बड़ा मुद्दा

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआइ) प्रमुख खरीद एजेंसी है। एफसीआइ ज्यादातर खरीद धान और गेहूं की ही करती है। इसके बाद एफसीआइ इस अनाज को रियायती दरों पर लोगों को मुहैया कराती है। इस प्रक्रिया में एफसीआइ को जो नुकसान होता है, उसकी भरपाई केंद्र सरकार करती है।

क्या है एमएसपी

एमएसपी न्यूनतम दर है, जिस पर सरकारी खरीद एजेंसियां किसानों से फसलें खरीदती हैं। एमएसपी किसानों को बाजार के उतार चढ़ाव से बचाते के साथ आय की सुरक्षा देती है। किसानों को उनकी फसलों की उचित कीमत मिले, यह सुनिश्चित करने में एमएसपी की अहम भूमिका है। एमएसपी कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) द्वारा तय की जाती है। सीएसीपी उत्पादन लागत, बाजार के रूझान और मांग-आपूर्ति के परिदृश्य पर विचार करके एमएसपी तय करती है। एमएसपी की शुरुआत 1967 में हुई थी। उस समय देश में खाद्यान्न की कमी थी और जरूरत आयात के जरिये पूरी की जाती थी।

किसान एमएसपी की गारंटी पर क्यों दे रहे हैं जोर

पंजाब और हरियाणा के किसान कानून बना कर एमएसपी की गारंटी देने की बात पर ज्यादा जोर इसलिए दे रहे हैं क्योंकि एफसीआइ के खरीद तंत्र का सबसे अधिक फायदा इन दोनों राज्यों के किसान उठाते हैं।

एमएसपी के पक्ष और विपक्ष में तर्क

पक्ष: पारंपरिक तौर पर सरकार धान और गेहूं की खरीद सबसे ज्यादा करती रही है क्योंकि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के जरिए इनका वितरण होता है। इन अनाजों के लिए सरकार के पास भंडारण क्षमता भी है। लेकिन पंजाब और हरियाणा के किसानों को डर है कि कानूनी गारंटी के बिना बाजार में इन जिंसों की कीमतें एमएसपी से नीचे जाने पर उचित कीमत नहीं मिलेगी।

विपक्ष: वहीं सरकार और बहुत से विशेषज्ञों का मानना है कि एमएसपी की कानून गारंटी देना टिकाऊ नहीं है और इसमें कई तरह की बाधाएं हैं। जैसे खरीद की सीमित ढांचागत सुविधाएं, अनाज का संभावित नुकसान, फसलों का पैटर्न खराब होना और प्रभावी बाजार पहुंच का अभाव। इसके अलावा सरकारी अधिकारियों का मानना है कि इसे लागू करना वित्तीय रूप से भयावह होगा। उनका कहना है कि वित्त वर्ष 2019-20 में देश में कुल उपज की कीमत 40 लाख करोड़ पहुंच गई थी। वहीं एमएसपी तंत्र के तहत आने वाली फसलों की अनुमानित बाजार कीमत 10 लाख करोड़ रुपये है।

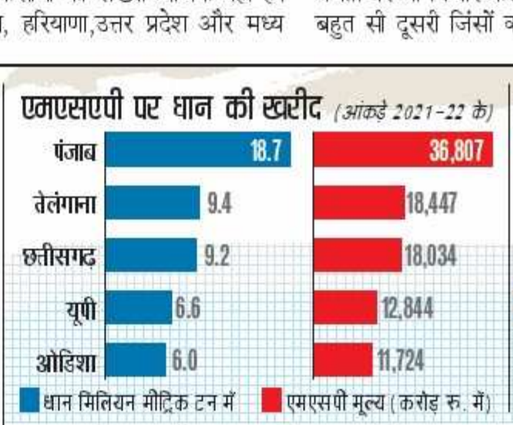

एमएसएपी पर धान की खरीद (आंकड़े 2021-22 के)

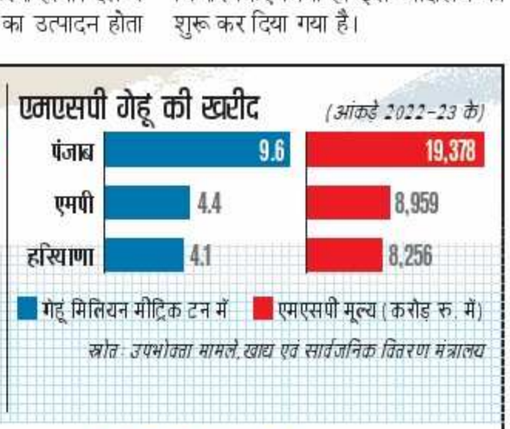

एमएसपी गेहूं की खरीद (आंकड़े 2022-23 के)

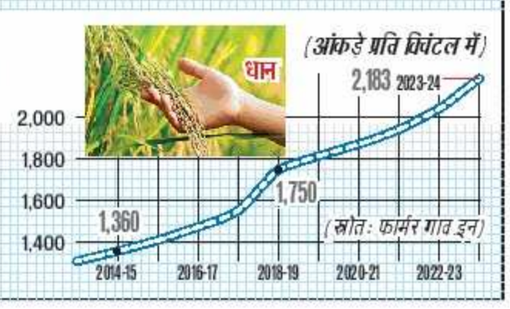

स्रोत: उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

कैसे बढ़ी गेहूं और धान की एमएसपी

(आंकड़े प्रति क्विंटल में)

(स्रोत: फार्मर गाव इन)

आपकी आवाज

एक बार फिर किसान आंदोलन कर रहे हैं लेकिन चुनाव के समय विभिन्न राजनीतिक दल उनके आंदोलन को हवा दे रहे हैं। ऐसा लगता है कि किसानों की आड़ में राजनीतिक दल अपना लक्ष्य साधने का पूरा प्रयास कर रहे हैं, जिस तरह से विभिन्न प्रकार के दृश्य, फोटो, समाचार पत्र, इंटरनेट मीडिया आ रहे हैं, उससे ऐसा लगता है कि भोले- भाले किसानों को बरगलाया जा रहा है। किसानों के जारिये जिस तरह से राजनीतिक दल लक्ष्य साधने का कार्य कर रहे हैं वह इस बात को भूल बैठे हैं कि समय-समय पर सरकार ने किसानों के लिए विभिन्न प्रकार के कार्य किए हैं और उनको लाभ पहुंचाने के लिए विभिन्न तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं। **मीना धानिया**

एक बार फिर उत्तर भारत का किसान नाराज है और वह धरने प्रदर्शन तथा रास्ता रोको रेल रोको आंदोलन करने के लिए बाध्य हो रहा है। 2024 के लोकसभा चुनाव भी नजदीक है। ऐसे में किसान संगठनों को लगता है कि सरकार सभी फसलों पर एमएसपी की गारंटी की उनकी मांग मान लेगी। लेकिन किसानों की मांगों पर विचार करते हुए आम जनता के हितों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। सरकार ने किसानों की कुछ मांगों को पहले ही मान लिया गया था लेकिन अब मांगे अधूरी रह गई थी। एक बार फिर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने के लिए कुछ संगठन आंदोलन कर रहे हैं। प्रत्येक दिन 500 करोड़ रुपये से भी अधिक का नुकसान राज्यों में हो रहा है। **अजय कुमार**

एमएसपी पर कानून बनाने और इसे सभी फसलों पर लागू करने की मांग को स्वीकार करना और लागू करना मुश्किल है। यदि ऐसा कानून बनता है तो यह व्यापारियों के लिए बाध्यकारी होगा। आगे चलकर ऊंची कीमत नहीं मिलेगी तो व्यापारी खरीदारी नहीं करेंगे। व्यापारियों ने नहीं खरीदा तो सरकार के पास खरीदने के लिए सुविधा और पैसा होना चाहिए। **सुशील त्रिपाठी**

एमएसपी पर कानूनी गारंटी की मांग कृषि क्षेत्र को कमजोर करने की साजिश

एक तरफ हरित क्रांति के जनक व प्राख्यात कृषि वैज्ञानिक डा. एमएस स्वामीनाथन को भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित करने की भारत सरकार की घोषणा से देश के कृषि वैज्ञानिकों, किसानों, हितधारकों तथा कृषि से जुड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में खुशी व उत्साह की लहर दौड़ गई, वहीं दूसरी ओर किसानों का एक वर्ग स्वामीनाथन कमेटी की सफारिशें लागू कराने को लेकर सड़कों पर आंदोलनरत है। किसान सी 2 फार्मूले के आधार पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी की मांग कर रहे हैं। स्वामीनाथन कमेटी ने 2004-2006 में कृषि क्षेत्र का बहुत गहराई से अध्ययन करके अपनी रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट में कृषि क्षेत्र के सशक्तीकरण के लिए सिर्फ न्यूनतम समर्थन मूल्य की ही सिफारिश नहीं की गई है बल्कि किसानों के समग्र विकास के लिए नीतियां बनाने व ढांचागत विकास करने पर विशेष जोर दिया गया है, जिससे कृषि क्षेत्र विश्व बाजार के अवसरों का अधिकतम लाभ उठाने के लिए प्रतिस्पर्धी बन सके। विडम्बना यह रही है कि यह रिपोर्ट 2006 से 2014 तक ठंडे बस्ते में ही पड़ी रही और समय-समय पर इसे राजनीतिक महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए चर्चा का विषय बनाया गया। अब हालात यहां तक पहुंच गए हैं कि एमएसपी से संबंधित अनुशंसा का इस्तेमाल किसानों को आंदोलित करने के लिए किया जाने लगा है। इसकी आड़ में संपूर्ण कृषि क्षेत्र को अपंग बनाने की साजिश है। यह किसानों व कृषि के लिए बहुत ही हानिकारक सिद्ध हो रहा है।

स्वामीनाथन कमेटी रिपोर्ट छोटे, मझोले व भूमिहीन किसानों और कृषि के लिए उभरती हुई चुनौतियों और अवसरों को ध्यान में रख कर तैयार की गई है। छोटे, मझोले और भूमिहीन किसानों की संख्या देश में लगभग 86 प्रतिशत है। ये रिपोर्ट कृषि के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए है। न्यूनतम समर्थन मूल्य के प्रविधानों का लाभ इन 86 प्रतिशत किसानों तक भी कैसे पहुंचे और इस क्षेत्र पर रोजगार के लिए निर्भर 40-45 प्रतिशत लोगों व युवाओं के लिए सम्मान जनक व अधिक लाभप्रद रोजगार का सृजन कैसे हो, इन दोनों विषयों पर गहन विचार-विमर्श की आवश्यकता है। छोटे, मझोले व भूमिहीन किसानों में अपार क्षमता है लेकिन उनको न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य से कोई फायदा मिलता है और न विभिन्न प्रकार की सब्सिडी उन तक पहुंच पाती है।

> स्वामीनाथन कमेटी की सिफारिशें कृषि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए थीं। लेकिन एमएसपी से जुड़ी सिफारिशों का इस्तेमाल किसानों को आंदोलित करने के लिए किया जा रहा है। यह पूरे कृषि क्षेत्र को अपंग बनाने की साजिश है, जो किसानों के लिए हानिकारक साबित होगी।

डा. राम श्रीवास्तव
प्रोफेसर (रिटायर्ड), हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

साक्षरता की कमी व साधनहीनता उनको आगे नहीं बढ़ने दे रही। उनको साक्षर करने, सस्ती ऋण सहायता उपलब्ध कराने तथा कम लागत से उपयोग में लाई जाने वाली कुशल उत्पादन व भंडार तकनीकों को मुहैया कराने के लिए भी आवश्यक कदम उठाने की आवश्यकता है। किसानों को साक्षर बनाने के मूल में भावना यह है कि किसान परंपरागत व कच्चे माल का उत्पादन करने वाली खेती के ज्ञान के साथ साथ घरेलू व अंतरराष्ट्रीय बाजार की मांग व पूर्ति के जानकार हों, वैश्विक मानकों के आधार पर उत्पादन करें तथा प्रसंस्करण व गुणवत्ता नियंत्रण करने के प्रति उनमें जागरूकता हो और अपने उत्पादों की पहचान बनाने के लिए कदम बढ़ाएं। इसके साथ ही बाजारों तक अपने उत्पादों की पहुंच बनाने के लिए सप्लाई चेन का हिस्सा बनने के तरीकों का उनको ज्ञान हो। दूसरी ओर कृषि क्षेत्र को अधिक उत्पादक व लाभप्रद बनाने के लिए सटीक खेती, नैनो तकनीक, वर्टिकल फार्मिंग, प्रोटेक्टेड कल्टीवेशन, ड्रोन तकनीक, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस, आधुनिक भंडारण, स्मार्ट पैकेजिंग, जैसी तकनीकों का समावेश होने लगा है अतः किसानों विशेषकर खेती से जुड़े युवाओं को इन तकनीकों के बारे में साक्षर व कौशलयुक्त होना होगा।

राष्ट्रीय फलक

आटिज्म से पीड़ित बच्चों ने 165 किमी तैराकी कर बनाया रिकार्ड

- तमिलनाडु के तटीय क्षेत्र में 14 बच्चों के समूह ने किया कारनामा
- तीन बच्चों ने लगातार 17 किमी, एक बच्ची ने 10 किमी की तैराकी

चेन्नई, प्रेट्र: आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसआर्डर (एएसडी) से पीड़ित बच्चों के एक समूह ने अनोखी उपलब्धि हासिल की। उन्होंने हाल ही में कुड्डालोर से चेन्नई तक समुद्र में 165 किमी की तैराकी कर वर्ल्ड रिकार्ड अपने नाम कर लिया। उन्हें मेडल और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। आटिज्म एक तरह का न्यूरोलाजिकल डिसआर्डर है। इसमें पीड़ित बच्चे को बातचीत करने में, पढ़ने-लिखने में और लोगों के बीच मेलजोल बनाने में परेशानी होती हैं। इनके सीखने, आगे बढ़ने और ध्यान देने के तरीके भी अलग-अलग हो सकते हैं।

यादवी स्पोर्ट्स एकेडमी फार स्पेशल नीड्स के संस्थापक व मुख्य कोच सतीश शिवकुमार ने बताया कि नौ से 19 वर्ष की आयुवर्ग के 14 बच्चों ने चार दिनों में रिले प्रारूप में तटीय क्षेत्र में तैराकी कर कुड्डालोर से चेन्नई तक 165 किलोमीटर की दूरी तय की और वर्ल्ड रिकार्ड बना दिया। इस दौरान एहतियात के तौर पर नावों में उनके प्रशिक्षक मौजूद रहे। मुझे तैराकी करने वाले सभी बच्चों पर गर्व है। आज वे गर्व से बाधाओं को तोड़ने की क्षमता रखने वाले प्रमाण के रूप में खड़े हैं। बच्चों को सम्मानित करते हुए तमिलनाडु के पूर्व पुलिस महानिदेशक सी. सिलेंद्र बाबू ने कहा कि प्रतिभागियों में से तीन बच्चों ने लगातार 17 किमी और एक बच्ची ने 10 किमी तैराकी की। उन्होंने दिखाया कि उनकी विकलांगता दुनिया के सामने उनकी क्षमता प्रदर्शित करने में बाधा नहीं बन सकती है।

आटिज्म। फाइल

मणिपुर में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है यूएनएलएफ

- हिंसक गतिविधियों में सामने आई यूएनएलएफ की संलिप्तता, सुरक्षा एजेंसियां चिंतित
- यूएनएलएफ (पी) पिछले साल नवंबर में सरकार के साथ किया था युद्धविराम समझौता

नई दिल्ली, प्रेट्र: यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (यूएनएलएफ) मणिपुर में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन कर रहा है। अधिकारियों ने रविवार को कहा, सुरक्षा एजेंसियों ने संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर करने के बावजूद मणिपुर में बढ़ती हिंसा पर चिंता व्यक्त की है। यूएनएलएफ (पी) 29 नवंबर, 2023 को इंफाल घाटी में सरकार के साथ युद्धविराम समझौता करने वाला और हिंसा छोड़ने पर सहमत होने वाला पहला मैतेयी सशस्त्र समूह बना।

हालांकि रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि समूह के सदस्य आदिवासियों को निशाना बनाने के लिए कुकी आबादी वाले क्षेत्रों के बाहरी इलाके में शिविर स्थापित कर रहे हैं। यूएनएलएफ (पी) के कैडर सुरक्षा बलों और आम जनता के खिलाफ हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे हैं।

अधिकारियों ने कहा कि कैडर 13 फरवरी को मणिपुर पूर्व के चिंगारेल में 5वीं इंडिया रिजर्व बटालियन से हथियार और गोला-बारूद लूटने में शामिल थे। इस घटना के बाद पुलिस ने दो यूएनएलएफ कैडर सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया है।

फिर बढ़ती हिंसा से चिंता। फाइल फोटो

सात फरवरी को यूएनएलएफ (पी) कैडर ने कुकी समुदाय के प्रभुत्व वाले जिले चूड़चंदपुर की ओर जाने वाले वाहनों पर मोइरंगपुरेल में गोलीबारी की थी। यूएनएलएफ (पी) के कैडर कथित तौर पर कुकी समुदाय को निशाना बनाने का दावा करते हुए इंटरनेट मीडिया पर लाइव अपडेट दे रहे थे।

आइटीएलएफ ने सरकारी कर्मियों से कहा, कार्यालय न जाएं

'इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम' (आइटीएलएफ) ने चूड़चंदपुर जिले में सरकारी कर्मचारियों से कहा है कि वे सोमवार से कार्यालय न जाएं। आदिवासी संगठन ने कहा, हेड कांस्टेबल सियामलालपाल के निलंबन का आदेश रद करने और चूड़चंदपुर के पुलिस अधीक्षक शिवानंद सुर्वे व उपायुक्त धरुण कुमार को बदलने के आइटीएलएफ के अल्टीमेटम को 24 घंटे से अधिक समय बीत चुका है लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। राज्य सरकार के कर्मचारियों को कार्यालय जाने से परहेज करना चाहिए। सियामलालपाल को एक वीडियो में हथियारबंद लोगों के साथ देखे जाने के बाद निलंबित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि 1964 में स्थापित यूएनएलएफ भारतीय क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय रहा है। 2014 के बाद से केंद्र ने उग्रवाद को खत्म करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर में कई सशस्त्र समूहों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

पंजाब में चिनूक हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

- पायलट ने कहा, तकनीकी गड़बड़ी के कारण हेलीकाप्टर को उतारा गया

सुनाम के गांव ढिड़रियां में उतरा भारतीय वायु सेना का हेलीकाप्टर। (सं. जागरण)

संवाद सूत्र, संगरूर: पंजाब में रविवार दोपहर डेढ़ बजे संगरूर और बरनाला जिले की सीमा पर गांव ढिडरियां के एक मैदान में वायु सेना के चिनूक हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की गई। जैसे ही यह समाचार आसपास फैला, बड़ी संख्या में लोग हेलीकाप्टर को देखने गांव पहुंचने लगे। उन्हें पुलिस टीम ने मौके से हटाया। चालक दल ने इमरजेंसी लैंडिंग का कारण तकनीकी गड़बड़ी बताया। लैंडिंग के कुछ देर बाद ही वायु सेना के दूसरे हेलीकाप्टर से दो तकनीकी विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे व चिनूक की मरम्मत शुरू की। दूसरा हेलीकाप्टर दोनों इंजीनियरों को उतारकर लौट गया था। तकनीकी गड़बड़ी दूर होने में करीब दो घंटे लग गए। इसके बाद सभी चिनूक से ही रवाना हो गए। बता दें कि अमेरिका की बोइंग कंपनी निर्मित चिनूक अत्याधुनिक ट्रांसपोर्ट हेलीकाप्टर है। इसे मार्च 2019 में भारतीय वायु में शामिल किया गया था।

मंत्री अमन अरोड़ मौके पर पहुंचे : हेलीकाप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग की जानकारी मिलते ही कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ढिडरियां गांव पहुंचे। उन्होंने चालक दल के सदस्यों व इंजीनियरों से भेंट की। अरोड़ा ने सैनिकों के लिए मेडिकल टीम, भोजन आदि का प्रबंध कराया। अरोड़ा ने कहा, वह विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर थे। वायु सेना के हेलीकाप्टर को उतरते देखा तो मौके पर पहुंच गए।

****

Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464
Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 19 फरवरी, 2024

दैनिक जागरण

संकट को अनदेखा करने से वह टलता नहीं

प्रधानमंत्री का भरोसा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिस तरह एक बार फिर यह कहा कि भाजपा अपने बलबूते 370 सीटें जीतेगी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी राजग 400 से अधिक सीटें हासिल करेगा, उससे यह स्पष्ट है कि वह आत्मविश्वास से भरे हैं और तीसरी बार सत्ता में वापसी को लेकर सुनिश्चित हैं। मौजूदा स्थितियों में मोदी का तीसरी बार सत्ता में लौटना इसलिए आसान दिख रहा है, क्योंकि विपक्ष बिखरा हुआ है और उसे नेतृत्व दे सकने वाली कांग्रेस अपनी रीति-नीति तय नहीं कर पा रही है। कुछ समय पहले जो आइएनडीआइए भाजपा का मुकाबला करता दिख रहा था, वह बिखराव और टूट-फूट से ग्रस्त है। यह ठीक है कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी के प्रति हमलावर हैं और वे कई समस्याओं का भी जिक्र कर रहे हैं, लेकिन वह यह बता सकने में सक्षम नहीं हो पा रहे हैं कि उनके पास इन समस्याओं का समाधान क्या है। कांग्रेस की एक अन्य समस्या यह भी है कि उसके नेताओं और कार्यकर्ताओं के लिए यह समझना मुश्किल हो रहा है कि पार्टी की विचारधारा क्या है। इन स्थितियों में आम चुनावों की घोषणा के पहले ही यह वातावरण निर्मित हो रहा है कि भाजपा का फिर से सत्ता में लौटना मुश्किल नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए जिस तरह अपने कार्यकर्ताओं को यह संदेश दिया कि वह सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों से आम जनता को अवगत कराएं और उनका भरोसा जीतें, उससे यह भी स्पष्ट है कि वह अनुकूल माहौल के बावजूद कोई कोर कसर बाकी नहीं रखना चाहते।

मोदी ने पिछले दस साल के अपने कार्यकाल की प्रमुख उपलब्धियां गिनाते हुए यह भी कहा कि तीसरी पारी में कई क्रांतिकारी फैसले लिए जाएंगे। हालांकि अभी तक ऐसे कोई स्पष्ट संकेत नहीं हैं कि संभावित क्रांतिकारी फैसले कौन से होंगे, लेकिन पिछल दस वर्षों का मोदी सरकार का अनुभव यही बताता है कि तीसरे कार्यकाल में देश की दिशा और दशा में निर्णायक बदलाव लाने वाले फैसले लिए जाएंगे। भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ऐसे फैसलों की आवश्यकता भी है। इससे इन्कार नहीं कि पिछले दस सालों में अनेक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं, लेकिन इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि अभी काफी कुछ किया जाना शेष है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री का यह कहना सही है कि उनके कार्यकाल में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाने का बड़ा और साहसिक फैसला हुआ तथा राम मंदिर निर्माण की सदियों पुरानी आकांक्षा पूरी हुई। भले ही राम मंदिर का निर्माण सुप्रीम कोर्ट के आदेश से हुआ है, लेकिन इतनी शीघ्र निर्माण इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि केंद्र में मोदी सरकार थी। प्रधानमंत्री ने अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाते हुए यह भी कहा कि उनके कार्यकाल में कोई घपला-घोटाला नहीं हुआ। उनका यह कथन सत्य है, लेकिन यह भी एक सच्चाई है कि निचले स्तर पर भ्रष्टाचार जस का तस बना हुआ है।

यात्री सुविधाएं

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के दृष्टिगत यात्री सुविधाएं विकसित करना समय की मांग है। यात्रा मार्ग पर यात्री सुविधाएं विकसित करने से यात्रा न केवल सुगम और सरल होगी, बल्कि पर्यटन और तीर्थाटन को भी गति मिलेगी। चार धाम यात्रा पर प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। गत वर्ष रिकार्ड संख्या में 50 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने चार धाम में दर्शन किए। यह संख्या हर वर्ष बढ़ने की संभावना है। साथ ही प्रदेश के पर्यटन स्थलों में भी पर्यटकों की संख्या में भी लगातार वृद्धि हो रही है। यात्राकाल में स्थिति यह रहती है कि होटल, अतिथि गृह पूरी तरह भरे रहते हैं। कई दिन पहले इनकी बुकिंग हो जाती है। इससे कई बार यात्रियों को वाहनों में ही रात गुजारनी पड़ती है। मार्गों पर यात्री सुविधाओं का अभाव भी रहता है। पर्वतीय कस्बे छोटे होते हैं और भौगोलिक दृष्टि से यहां बड़ी पार्किंग संभव नहीं होती। पार्किंग की समुचित व्यवस्था न होने से वाहन सड़कों पर खड़े रहते हैं। इससे यातायात प्रभावित होता है। इसे देखते हुए लंबे समय से यात्रा मार्गों पर यात्री सुविधाएं विकसित करने की जरूरत महसूस की जा रही थी। चारधाम आल वेदर रोड के निर्माण के दौरान इन मार्गों पर जगह-जगह डंपिंग जोन बनाए गए, जहां सड़कों को चौड़ा करने को पहाड़ काट कर निकलने वाला मलबा डाला जाता है। अब ये छोटे-छोटे मैदानों का रूप ले चुके हैं। ऐसे में ये स्थान यात्री सुविधाएं विकसित करने के दृष्टिकोण से उपयुक्त हैं। लोक निर्माण विभाग ने इन डंपिंग जोन में बने स्थानों पर यात्री सुविधाएं विकसित करने की दिशा में कदम बढ़ाने शुरू कर दिए हैं। यह एक अच्छी पहल है। अब सरकार को विभाग को निर्देशित करना चहिए कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले इन स्थानों पर कम से कम अस्थायी यात्री सुविधाएं विकसित कर ली जाएं। इससे यात्रियों की परेशानी कम होगी।

संघीय संरचना पर आघात

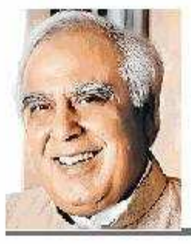

कपिल सिब्बल

राज्य अब केंद्र की दया के मोहताज बनकर रह गए हैं। अगर भारत को विकसित देश बनाना है तो यह राज्यों को सशक्त बनाए बिना संभव नहीं होगा

अवधेश राजपूत

भारतीय संविधान की प्रकृति अर्ध-संघीय मानी जाती है। हमारी संवैधानिक व्यवस्था कुछ ऐसी है कि शक्ति का संतुलन संघ के पक्ष में झुका है। संघ के पास ऐसी शक्तियां हैं जो हमारी राजनीति, सामाजिक संरचना और आर्थिकी को प्रभावित करने की क्षमता रखती हैं। संविधान का अनुच्छेद-356 राष्ट्रपति को राज्य सरकार के कामकाज में संवैधानिक विचलन की स्थिति में राष्ट्रपति शासन लगाने का अधिकार प्रदान करता है। इतिहास गवाह है केंद्र में सत्तारूढ़ रहे राजनीतिक दल ने इस अनुच्छेद का मनमाना इस्तेमाल किया। भाजपा भी कोई अपवाद नहीं। राष्ट्रपति शासन की स्थिति राजनीतिक दलों को राज्य में अपनी आकांक्षाओं के अनुरूप अपना भविष्य संवारने की गुंजाइश देती है। केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआइ और प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी जैसी एजेंसियों के दुरुपयोग से भी केंद्र द्वारा राज्य सरकारों को अस्थिर करने की तिकड़में की जा रही हैं। मौजूदा सरकार जिस प्रकार से काम कर रही है, उससे किसी को कोई संदेह नहीं रह जाता कि राज्यों में विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए धनशोधन रोकथाम अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) का सहारा लिया जा रहा है। इससे राजनीतिक अराजकता और संघीय ढांचे के समक्ष अस्थिरता उत्पन्न हुई है।

राज्यों के राजनीतिक समीकरण बदलने के लिए खासतौर से ईडी का इस्तेमाल किया जा रहा है। महाराष्ट्र से लेकर झारखंड तक हाल में इसके उदाहरण दिखे। नेताओं के दरवाजे पर ईडी की दस्तक के साथ उन्हें डराया जा रहा है। भयादोहन से उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए विवश किया जाता है। कोई भी नेता इस स्थिति में नहीं फंसना चाहता। इसमें पुलिस कस्टडी से लेकर न्यायिक हिरासत तक के पेच शामिल हैं। कई बार कानूनी प्रविधानों को तोड़-मरोड़कर, झूठे आरोप लगाकर और संदिग्ध मामलों में फंसाकर भी भाजपा में शामिल कराया जा रहा है। कुछ प्रमुख नेताओं के खिलाफ राजनीतिक व्यूह रचना में तो ईडी का ऐसा इस्तेमाल किया गया कि चुनी हुई सरकारें गिर गईं। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे सरकार को इसी तरह गिराया गया। कांग्रेस नेता अशोक चव्हाण का बीते दिनों भाजपा में शामिल होना विपक्ष के लिए एक बड़ा झटका है। भाजपा के साथ उनके जुड़ाव के पीछे उनके विरुद्ध चल रहे लंबित मामले भी हो सकते हैं।

झारखंड के मामले में तो ईडी का दुरुपयोग और भी गंभीर है। हेमंत सोरेन पर पर 8.5 करोड़ रुपये की बेनामी जमीन रखने का आरोप है कि उन्होंने यह 1978 और 1988 में हथियाई, जब वह बालिग भी नहीं हुए थे। जिस जमीन का मुद्दा है, वह किसी गैर-आदिवासी को हस्तांतरित नहीं की जा सकती। ईडी का वह दावा तो बहुत दिलचस्प है कि उसने समय पर राजस्व रजिस्टर हासिल कर लिया, अन्यथा उसमें हेमंत सोरेन का नाम डाल दिया गया होता। इसके अलावा, राज्य सरकार द्वारा जांच के बाद जमीन पहले ही उसके वास्तविक आदिवासी मालिक को सौंप दी गई। पीएमएलए के प्रविधानों के उलट ईडी ने अब उन मामलों की भी जांच शुरू कर दी है, जो राज्य सरकार की जांच एजेंसियों के दायरे में आते हैं। इनमें से किसी भी आरोप को देखें तो स्वीकारोक्ति के बावजूद वह पीएमएलए के तहत अधिसूचित नहीं होता। फिर भी, मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कर पुलिस हिरासत में ले लिया गया।

राज्यपाल भी केंद्र सरकार के एजेंट की भूमिका में हैं। वे केंद्र के राजनीतिक एवं हिंदुत्व, दोनों एजेंडों को आगे बढ़ा रहे हैं। वे सार्वजनिक बयानबाजी करते रहते हैं और विधायी मामलों पर राज्य सरकारों के साथ सहयोग नहीं करते। अपनी गतिविधियों से वे राज्य सरकारों को अस्थिर करने की मंशा से ही प्रेरित लगते हैं। नीतिगत मोर्चे पर भी राज्यों को परेशान किया जा रहा है। शिक्षा का ही उदाहरण लीजिए। शिक्षा समवर्ती सूची का विषय है, लेकिन उसमें केंद्र का वर्चस्व है। शिक्षा के मोर्चे पर संघ से साम्यता न रखने वाली राज्य की कोई भी नीति व्यापक रूप से निष्प्रभावी मानी जाती है। परिणामस्वरूप स्कूली और उच्च शिक्षा के मामले में केंद्र सरकार का प्रभावी नियंत्रण हो जाता है। इसके चलते केंद्र सरकार इतिहास को विरूपित करने के साथ ही नई पीढ़ी को हिंदुत्व के रंग में रंग रही है। यहां तक कि हमारी अर्ध-संघीय संरचना भी धीरे-धीरे कमजोर हो रही है।

संघ के वित्तीय संसाधनों का वितरण वित्त आयोग द्वारा किया जाता है। 15वें वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार विभाजन योग्य संग्रहित केंद्रीय करों का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों को दिया जाएगा, लेकिन राज्यों को 32 प्रतिशत आवंटन हो रहा है, क्योंकि अधिभार और उपकरों में राज्यों की कोई भागीदारी नहीं होती। चूंकि भारत सरकार का राजकोषीय घाटा जीडीपी के 5.8 प्रतिशत के दायरे में है और ऐसे आसार हैं कि चालू वित्त वर्ष में उसे बजट अनुमान से अधिक उधारी लेनी पड़ेगी तो संभव है कि वह राज्यों के उधार लेने की एक सीमा निर्धारित कर दे। समानता और सामाजिक न्याय जैसे व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति में केंद्र की जिम्मेदारी कहीं बड़ी है, लेकिन वह यह भी विचार करे कि राज्यों को उनकी वित्तीय नीतियां निर्धारित करने की पर्याप्त गुंजाइश मिले, ताकि वे अपने निवासियों की आकांक्षाओं के अनुरूप नीति बना सकें। इसमें केंद्र की विफलता देश में सामाजिक संकेतकों की निराशाजनक स्थिति के रूप में झलकती है। केंद्र ने ऐसा आर्थिक माडल अपनाया हुआ है, जिसमें संपन्न वर्ग और संपन्न होता जा रहा है तो वंचित वर्ग लाभ नहीं उठा पा रहा, क्योंकि राज्यों के पास वित्तीय संसाधनों का अभाव है। सहकारी संघवाद केवल बार-बार दोहराया जाने वाला वाद न होकर वास्तविकता के धरातल पर भी उतरे। इसमें बृहत आर्थिक स्थायित्व के साथ ही प्रत्येक राज्य की आवश्यकताओं एवं प्राथमिकताओं का भी ध्यान रखा जाए। राज्यों को केंद्र के राजनीतिक आधिपत्य के साथ ही आर्थिक प्रभुता भी झेलनी पड़ रही है। यह हमारी संवैधानिक व्यवस्था और समग्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास माडल के विपरीत है। राज्य अब केंद्र की दया के मोहताज बनकर रह गए हैं। केंद्र द्वारा जिस प्रकार संघीय ढांचे पर आघात किया जा रहा है, उससे हमारे संविधान की आभा छीज रही है। अगर भारत को विकसित बनाना है तो यह रवैया बदलना होगा।

(लेखक राज्यसभा सदस्य एवं वरिष्ठ अधिवक्ता हैं)
response@jagran.com

भारतीयता की सही अवधारणा

गिरीश्वर मिश्र

भारतीयता एक देशज दृष्टि है, जो 'मैं' और 'तुम' की कोटियों से ऊपर उठ कर समग्र सृष्टि को समेटने वाली है

अत्यंत व्यापक है भारत का विचार। फाइल

भारतीयता एक मनोदशा है। इसे समझने के लिए हमें भारतीय मानस को समझना होगा। यह सिर्फ ज्ञान का ही नहीं, बल्कि भावना का प्रश्न है और इसमें जड़ों की भी तलाश सम्मिलित है। आज इसके लिए कई विचार-दृष्टियां उपलब्ध हैं जिनमें पाश्चात्य दृष्टि निश्चित रूप से प्रबल है। गुलामी काल में बनाई छवि या आत्मबोध ने हमारी एक इबारत गढ़ी, जो हमें औपनिवेशिक शिक्षा द्वारा आत्मसात कराई गई। इस क्रम में अंग्रेजी राज का 'अन्य' भारतीय जनों द्वारा 'आत्म' के रूप में अंगीकार किया गया। वेश-भूषा, राज-काज और बात-व्यवहार में अंग्रेजियत अभिजात्य और श्रेष्ठ होने का पर्याय और देसी (भारतीय) दोयम दर्जे का बना दिया गया। अंग्रेजों ने भारत को इंडिया बना दिया और हमने भी संविधान में वैसे ही दर्ज किया-इंडिया दैट इज भारत। भारत और भारतीयता-विमर्श की चुनौती तब और कठिन हो जाती है जब हम भारत की अपनी देशज दृष्टि से आगे बढ़ते हैं। यह भारत-दृष्टि एक देशज दृष्टि है, जो 'मैं' और 'तुम' की कोटियों से ऊपर उठकर समग्र सृष्टि को समेटने वाली है। समग्रता, जीवन की पूर्णता, कर्म की भावना, समष्टि की उन्नति और भू-सांस्कृतिक राष्ट्रीयता बोध से समन्वित इस व्यापक विचार की कई सीमाएं हैं।

वस्तुतः विचार और वास्तविक सत्य या अमूर्त और मूर्त की कोटियां एक-दूसरे को स्पर्श करती और गढ़ती हैं। भूत, वर्तमान और भविष्य बहुत हद तक कामचलाऊ भेद हैं, जो देशकाल के भीतर अनिवार्यतः बनते-बिगड़ते रहते हैं। भविष्य क्रमशः वर्तमान होता जाता है और वर्तमान भूत में तब्दील होने को तत्पर रहता है। यह भी उल्लेखनीय है कि वाचिक परंपरा से आगे और उसके ह्रास के साथ अब बौद्धिक संकल्प और तकनीकी सहयोग न केवल इनकी प्रस्तुति तय करते हैं, बल्कि इन तक हमारी पहुंच को घटाते-बढ़ाते रहते हैं और पुनरीक्षण-पुनर्रचना का अवसर देते हैं। साथ ही वे अवसर के अनुकूल अपनी हितसिद्धि के लिए सामग्री को गोपनीय दस्तावेज कहकर प्रतिबंधित भी करते हैं। अतः आज के युग में हमारी अनुबंधित नियति हो गई है कि हम स्वयं को सतत आविष्कृत, परिभाषित और परिसीमित करते रहें। उसे अपने और दूसरों के लिए सतत प्रमाणित और प्रचारित भी करते रहें। स्वयं अपने लिए और दूसरों के लिए भी इस तरह का उद्यम सामाजिक अस्तित्व की एक अनिवार्यता-सी हो रही है। कहना न होगा कि सांस्कृतिक परंपरा का संवर्धन इसी प्रकार के ज्ञान-आख्यान की प्रचलित प्रथाओं के अंतर्गत होने लगा है जिसे आंतरिक और बाह्य शक्तियां संयोजित करती हैं। पेटेंट के इस वर्तमान दौर में यह स्पष्टतः एक तरह की खरीद-फरोख्त जैसी प्रक्रिया होती जा रही है। अब ज्ञान से मुक्ति की कामना निरपेक्ष न होकर सशर्त ही संभव है।

भारतीयता की अवधारणा 'भारत' से अविभाज्य रूप से संपृक्त है, जो निश्चय ही पृथ्वी का एक भू-भाग भी है, पर वह भू-भाग मात्र ही नहीं है। भारतीयों के लिए वह मुख्यतः विचार तथा भाव का पवित्र विषय है। वह हमारी चेतना या सांस्कृतिक आत्मबोध का नियामक एक प्राथमिक अंश है। स्वाभाविक है भारत की स्थिति, प्रतीति और अनुभूति का सत्य निरपेक्ष और अर्थशून्य न होकर द्रष्टा, प्रेक्षक और भावक की पृष्ठभूमि यानी वैचारिक तैयारी और संलग्नता पर ही निर्भर है। मनुष्य की वाचिक ढंग की प्राचीनतम रचना 'वेद' के समय से ही भारत वसुंधरा की छवि जीवनदायिनी माता के रूप में संकल्पित की जाती रही है। हाड़-मांस का बच्चा माता के शरीर से निर्मित होता है, गर्भ में उसके रक्त से पलता है, आकार पाता है और जन्म के उपरांत उसके दूध के आहार पर जीता है। माता की उपस्थिति संतति की अपरिहार्यता है। यद्यपि माता और संतति के मध्य का यह स्वाभाविक संबंध एक चिरंतन सत्य है, तथापि इस संबंध को सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक परिवेश रुचि और लाभ के मद्देनजर भिन्न-भिन्न अर्थ देता रहता है। फलतः विभिन्न कालखंडों में सामाजिक यथार्थ और स्मृति के रूप में अस्मिता-निर्मिति अलग-अलग रूप लेती रहती है या कि उसके अलग-अलग पक्षों पर बल दिया जाता रहा है। ऐसे में भिन्न-भिन्न प्रेरणाएं उदित और अस्त होती रही हैं। कुछ भू-क्षेत्रों में समाज के स्तर पर विशिष्ट प्रवृत्तियां भी परिलक्षित हुई हैं। विश्व-पटल पर दृष्टिपात करें तो साम्राज्यवादी, उपनिवेशवादी और हिंसा तथा शोषण को प्रश्रय देने की प्रवृत्ति का कुछ क्षेत्रों में बाहुल्य इस परिघटना का प्रमाण देते आ रहे हैं। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो सभ्यता और संस्कृति की सतत प्रवाहमान मानवी गाथा में अनेक प्रवृत्तियों का संघात मिलता है। इसमें निरंतरता और परिवर्तन, दोनों ही धाराओं को आकार मिलता रहा है।

गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर भारतीय इतिहास का आरंभ आर्य-अनार्य के जाति संघर्ष की कथा के साथ करते है। वह भारतीय महाकाव्यों की सृजनात्मक सामाजिकता-ऐतिहासिकता पर विचार करते हैं। गुरुदेव का सूत्र वाक्य है, 'बहुत्व के बीच अपने आपको बिखराना भारतवर्ष का स्वभाव नहीं है। वह 'एक' को प्राप्त करना चाहता है, इसलिए बाहुल्य को एकत्र में संयत करना ही उसकी साधना है। भारत की अंतरतम सत्य प्रकृति स्वयं उसे निरर्थक बहुत्व के भीषण योग से बचाएगी।' गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर अंतरराष्ट्रीयता पर भी उचित ही टिप्पणी करते हैं कि अपने को त्याग करके दूसरों का अनुगमन जिस तरह निष्फल भिक्षुकता है, उसी तरह दूसरों का त्याग करके अपने को संकुचित करना दारिद्र्य है, चरम दुर्गति है। उनकी राय में अपने देश में सर्वदेशों को और सर्वदेशों के बीच ही अपने देश को सत्य के रूप में पाया जा सकता है।

(लेखक शिक्षाविद् एवं पूर्व कुलपति हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

विचार की शक्ति

विचारों में प्रचंड शक्ति होती है। उत्कृष्ट विचारों की शक्ति से नरक को भी स्वर्ग बनाया जाना संभव है। उच्च विचारों में मन को निमग्न रखना महापुरुषों का स्वाभाविक लक्षण होता है। इसके फलस्वरूप ही वे प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल बना देते हैं। विचार से ही आचार का निर्माण होता है। मनुष्य के जीवन में उत्थान-पतन, सम्मान-अपमान, सफलता-असफलता का मुख्य कारण पवित्र एवं सृजनकारी विचार तथा प्रदूषित एवं विध्वंसकारी विचार होते हैं। विचार का संबंध मन से होता है। मन में हर पल विचार उत्पन्न होते रहते हैं। अशुभ विचारों को छोड़कर जो शुभ विचारों को मन में स्थापित करने का निरंतर अभ्यास करते रहते हैं, उनका स्तर महापुरुषों जैसा हो जाता है।

हम जिस माहौल में रहते हैं, वहां की अनुकूल-प्रतिकूल परिस्थितियां हमारे मन को प्रभावित करती हैं। वे उसी अनुरूप सोचने-समझने के लिए हमें सदा विवश करती रहती हैं, लेकिन महापुरुष परिस्थितियों के दास न बनकर अपने सोच-चिंतन से परिस्थितियों को अपना दास बनाकर निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचने में सफल हो जाते हैं।

खून के रिश्ते से ज्यादा प्रभावकारी रिश्ता विचारों का होता है। इसी कारण संतों के उत्कृष्ट विचारों पर लाखों-करोड़ों अनुयायी पग बढ़ाते हैं। गई-गुजरी, पतन-पराभव जैसी दयनीय स्थितियों से निजात पाकर जीवन को सार्थक बनाने में सफल होते हैं। विचारों द्वारा ही क्रांति लाई जाती है। इससे समाज-देश में जनता-जनार्दन के हित में बड़े-बड़े परिवर्तन किए जाते हैं। शुभ विचारों से ही स्वयं को पतन-पराभव से उबारा जा सकता है। विचारों के कारण व्यक्ति सफलता के शीर्ष सोपान पर चढ़ते हैं और ख्याति के परचम फहराते एवं सम्मान पाते हैं। वहीं निकृष्ट विचारों के कारण व्यक्ति पतन के गहरे गर्त में गिरकर नारकीय यातनाएं सहते हैं।

मुकेश ऋषि

जागरूकता से बढ़ेगा अंगदान

देवेंद्रराज सुथार

ओडिशा में अंगदान करने वाले व्यक्ति का अंतिम संस्कार अब राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा

अंगदान को प्रोत्साहन देने के प्रयासों की दिशा में ओडिशा सरकार ने सराहनीय पहल की है। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने आह्वान किया है कि उनके प्रदेश में अंगदान करने वाले व्यक्ति का अंतिम संस्कार अब राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। यही नहीं, राज्य सरकार अंगदान करने वालों के परिजनों को मुख्यमंत्री कोष से पांच लाख रुपये भी देगी। यहां पूर्ण राजकीय सम्मान का मतलब है कि अंतिम संस्कार की सभी व्यवस्थाएं राज्य सरकार की ओर से की जाएंगी, जिसमें शरीर को तिरंगे में लपेटना और 21 तोपों की सलामी देना भी शामिल है। ओडिशा इस तरह की घोषणा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है।

इस पहल का महत्व इसलिए भी है, क्योंकि भारत मानव अंगों की गंभीर कमी से जूझ रहा है। अंगों की मांग उपलब्ध आपूर्ति से कहीं अधिक है। देश में अंगदान करने वालों की दर प्रति दस लाख आबादी पर एक डोनर से भी कम है। यह अमेरिका और स्पेन जैसे देशों की तुलना में बहुत कम है, जहां प्रति 10 लाख लोगों में 40 डोनर हैं। दुखद बात यह है कि प्रत्येक दिन अंग प्रत्यारोपण के इंतजार में औसतन 17 लोगों की जान चली जाती है। हम जीवन बचाने में अंगदान के संभावित प्रभाव के बारे में अनभिज्ञ हैं। इसमें सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएं जटिलता की एक और परत जोड़ती हैं। भारत के विविध सांस्कृतिक और धार्मिक परिदृश्य के कारण अंगदान के प्रति दृष्टिकोण व्यापक रूप से भिन्न-भिन्न है। इसके इतर अवैध अंग व्यापार की रिपोर्ट वैध अंगदान में भाग लेने से हतोत्साहित करती हैं। लोगों को डर हो जाता है कि कहीं उनके अंग गलत हाथों में न चले जाएं। पारिवारिक सहमति भी एक बड़ी बाधा बनी हुई है। जब कोई अंगदान करने की इच्छा व्यक्त करता है, तब अक्सर परिवार के सदस्यों की सहमति की आवश्यकता होती है। परिवार के सदस्यों के बीच अनिच्छा भी अंगदान को प्रभावित करती है। भारत में सिर्फ 250 अस्पताल ही नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन (नोटो) से पंजीकृत हैं। कई क्षेत्रों में अंग प्रत्यारोपण के लिए आवश्यक सुविधाओं और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों का अभाव है। यह कमी अंग पुनर्प्राप्ति और प्रत्यारोपण में बाधा डालती है।

अंगदान के जरिये किसी दूसरे की जान बचाई जा सकती है। इसलिए निराशा के समय में ओडिशा सरकार के कदमों का स्वागत किया जाना चाहिए जिससे अंगदान करने वालों के परिजन सम्मान और गर्व महसूस कर सकें। यह कदम समाज में अंगदान के महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करेगा और अधिक से अधिक लोगों को इसके लिए प्रेरित करेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि देर-सबेर अंगदान को प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी नीति बनाई जाएगी।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

राजनीति से प्रेरित किसान आंदोलन

'राजनीतिक एजेंडे वाला आंदोलन' शीर्षक से लिखा संजय गुप्त का आलेख किसान आंदोलन की आड़ में अपना हित साध रहे कुछ राजनीतिक दलों की ऐसी ओछी मानसिकता को उजागर करता है, जो किसानों को अब वोट दाता के तौर पर देख रहे हैं। यह स्पष्ट है कि भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहां की अधिकतर जनसंख्या कृषि के माध्यम से ही अपना भरण-पोषण करती है। ऐसे में बेशक इस क्षेत्र का विकास एवं इसका सशक्तीकरण होना चाहिए। वैसे केंद्र सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र की दिशा में सुधार के लिए प्रतिवर्ष तीन लाख करोड़ से ज्यादा का व्यय किया जा रहा है। कृषि मंत्रालय द्वारा चलाई जा रही केवल समग्र कृषि योजनाएं और डीबीटी के माध्यम से दी जाने वाली सहायता राशि का यदि समग्र आकलन किया जाए तो वर्तमान में सरकार लगभग 22 हजार रुपये से ज्यादा प्रत्येक किसानों पर व्यय कर रही है। हालांकि इस राशि को और अधिक बढ़ाए जाने की आवश्यकता है ताकि किसानों की जीवनशैली में और अधिक सुधार हो सके, परंतु वर्तमान में वोट बैंक की राजनीति से प्रेरित किसान आंदोलन जिस प्रकार से दिल्ली कूच को आमाद है और लगातार हिंसक विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से सरकार से अपनी बात मनवाने को आतुर है, उससे केवल और केवल नुकसान किसान और आम जनता का हो रहा है। अतः किसान आंदोलन को दिशा देने वाले लोगों को चाहिए कि वह वोट बैंक की राजनीति के दुष्चक्र से अलग हटकर केवल किसानों के हितों पर समग्रता का परिचय दें। सरकार के समक्ष शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बातों को रखें, किसानों के हितों के संदर्भ में सरकार को उचित सुझाव दें, उनकी समस्याओं के प्रति सरकार का ध्यान आकृष्ट करें तथा किसानों को सरकार का सहयोग करने के लिए प्रेरित करें ताकि जल्द से जल्द किसान समस्या का समाधान किया जा सके।

बिन्नी कुमारी, छात्रा, जयप्रकाश विश्वविद्यालय, छपरा

मेलबाक्स

किसानों की समस्याओं की न हो अनदेखी

कुछ दल किसान आंदोलन की आड़ में अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने की कोशिश कर रहे हैं। हरित क्रांति के जरिये भारत को भरपूर खाद्यान्न देने वाले पंजाब एवं हरियाणा को भूजल के अति-दोहन की वजह से अब डार्क एरिया माना जाने लगा है। अर्थशास्त्री मानते हैं कि विश्व व्यापार और अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए एमएसपी के तौर-तरीके पर व्यापक चर्चा की जरूरत है। हमारा देश एक कृषि प्रधान देश है, लेकिन किसानों को कभी प्राकृतिक प्रकोप का सामना करना पड़ता है तो कभी सरकार की गलत नीतियों का। जब किसानों को उनकी मेहनत का उचित फल नहीं मिलेगा तो वे निराश तो होंगे ही। आज भी हमारे देश में बहुत से ऐसे किसान हैं जो गरीबी का जीवनयापन कर रहे हैं। सरकारों को चाहिए कि वे किसानों की समस्याओं पर राजनीति करना बंद करके उनकी समस्याओं की तरफ गंभीरता से ध्यान दें, ताकि कृषि प्रधान देश भारत की साख पर कोई आंच न आए।

raju09023693142@gmail.com

गठबंधन में टूट

बिखराव के कगार पर आइएनडीआइए की स्थिति काफी चिंताजनक है। इस बिखराव से यह दिखता है कि विपक्षी दलों के बीच सहमति और आपसी विश्वास कमजोर हो रहा है। कांग्रेस के नेताओं के बीच अनिश्चितता की स्थिति इस बिखराव की एक बड़ी वजह बन रही है। इस स्थिति में आपसी सहयोग और समझदारी की जरूरत है। कांग्रेस को अपने दल के भीतर एकता बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए। उसे नेताओं के बीच संवाद और समन्वय को मजबूत करने के लिए पहल करनी चाहिए। यही विपक्षी दलों के बिखराव को रोकने में मददगार साबित होगा। विपक्षी दलों के बिखराव का सबसे बड़ा लाभ भाजपा को हो रहा है। इसलिए कांग्रेस को जल्द से जल्द अपने दल को संगठित करने और विपक्षी दलों के साथ मिलकर एक मजबूत विकल्प प्रस्तुत करना चाहिए। एकता में ही शक्ति होती है। यह कहावत यहां बिल्कुल उचित है।

अवनीश कुमार गुप्ता, आजमगढ़

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

14.4 प्रतिशत लोग अपना नया उद्यम आरंभ करने के लिए प्रयासरत हैं भारत में 18 से 64 वर्ष आयु वर्ग में, वैश्विक एंटरप्रेन्योरशिप मानिटर की वर्ष 2021 की भारत आधारित रिपोर्ट के अनुसार।

आजकल

चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए तैयार भारत

वर्तमान में हमारा देश मध्यम आय वर्ग से उच्च आय वर्ग के परिवारों में तेजी से बदल रहा है। एक संबंधित रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2027 तक भारत का उपभोक्ता बाजार विश्व का तीसरा सबसे बड़ा बाजार होगा। साथ ही चौथी औद्योगिक क्रांति का हमारे समाज एवं मानवीय व्यवहार पर बहुत अधिक प्रभाव पड़ने वाला है। इस क्रांति में कुछ कार्यपद्धतियां चलन से बाहर होंगी तो कई अन्य नई कार्यपद्धतियों को अपनाया जाएगा। लिहाजा चौथी औद्योगिक क्रांति नौकरियों के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन ला सकती है

शिवेश प्रताप
तकनीकी-प्रबंध सलाहकार

स्टार्टअप और मैन्यूफैक्चरिंग के दम पर तीव्र गति से आगे बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था। प्रतीकात्मक

अठारहवीं शताब्दी में यूरोप में एक ऐसी क्रांति हुई जिसने मानव इतिहास में एक बड़ा परिवर्तन किया। इसका नाम था औद्योगिक क्रांति और इसने समाज के उत्पादन, वितरण एवं उपभोग की प्रक्रिया में एक बड़ा परिवर्तन किया। इसी औद्योगिक क्रांति का फायदा उठाकर यूरोप ने संपूर्ण विश्व को अपने प्रभाव में लेते हुए उपनिवेश बना लिया। इस औद्योगिक क्रांति के दौरान भारत ब्रिटिश गुलामी के कारण इसका लाभ लेने से वंचित रहा। इसी तरह 1870 में प्रारंभ होकर प्रथम विश्व युद्ध के आरंभ तक चले द्वितीय औद्योगिक क्रांति के अवसर को भी देश ने अपनी गुलामी में खो दिया। पहली औद्योगिक क्रांति का आधार कोयला और भापशक्ति थी तो दूसरी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व विद्युत और खनिज तेल ने किया।

इन दोनों औद्योगिक क्रांतियों के अवसर चूकने के साथ भारत निर्णायक रूप से यूरोपीय शक्तियों से पिछड़ गया। वर्ष 1947 में देश को आजादी मिलने के साथ ही उसी वर्ष 'बेल लैब्स' अमेरिका में पहले सफल ट्रांजिस्टर का निर्माण हुआ और कंप्यूटर युग के आगाज के साथ तृतीय औद्योगिक क्रांति की नींव पड़ी। भारत ने इस औद्योगिक क्रांति को हाथों-हाथ लिया और इस औद्योगिक क्रांति में भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए पूरी दुनिया में अपनी एक नई पहचान बनाई। इस औद्योगिक क्रांति ने भारत के भीतर एक बहुत बड़े सेवा क्षेत्र का निर्माण किया, परंतु भारत तकनीकी श्रेष्ठता, कुशल वर्कफोर्स और इन्फ्रास्ट्रक्चर की कमी के कारण अपने वास्तविक सामर्थ्य का प्रदर्शन न कर सका। परंतु वर्तमान दौर में जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लाकचेन और इंटरनेट आफ थिंग्स जैसी तकनीक पर आधारित चौथी औद्योगिक क्रांति का आगाज हो रहा है, जिसमें भारत के पास अभूतपूर्व स्वर्णिम अवसर है, लिहाजा देश पूरे विश्व का नेतृत्व करते हुए एक आर्थिक महाशक्ति बन सकता है।

चौथी औद्योगिक क्रांति : चौथी औद्योगिक क्रांति तमाम उन्नत तकनीकों के विलय एवं केंद्रीकरण का युग है। इन तकनीकों का विलय सभी भौतिक, जैविक तथा डिजिटल विभाजन को समाप्त कर देगा। एआइ, इंटरनेट आफ थिंग्स, रोबोटिक्स, ब्लाकचेन, थ्रीडी प्रिंटिंग, क्वांटम कंप्यूटिंग के एकीकृत संयोजन के द्वारा एक ऐसे तकनीक आधारित डिजिटल इकोसिस्टम का विकास होगा जो संपूर्ण विश्व की दशा और दिशा को बदल कर रख देगा। वस्तुतः एआइ किसी भी मशीन को सीखने, तर्क करने, निर्णय लेने एवं मानवीय व्यवहार की नकल करने में सहयोग करता है। इसका महत्वपूर्ण अंग मशीन लर्निंग है जो स्वास्थ्य से लेकर आर्थिक क्षेत्र तक में क्रांति कर सकता है।

इंटरनेट का थिंग्स का अर्थ है इंटरनेट के माध्यम से एक दूसरे से जुड़े हुए तमाम उपकरण जो एक दूसरे से संचार स्थापित कर सूचनाओं का आदान-प्रदान कर सकें। यह सुविधा विविध सेक्टरों के बीच दक्षता, सुरक्षा एवं सुविधा बढ़ाने के लिए क्रांति कर सकता है। रोबोटिक्स एक ऐसी विधा है जो मशीनों को इस प्रकार संचालित कर सकता है कि वह तीव्रता के साथ दक्षता स्थापित कर मानवीय सीमा से अधिक सटीकता से कार्य संपादित कर सकें। विनिर्माण से लेकर स्वास्थ्य तक रोबोटिक्स उत्पादन से लेकर दक्षता तक अपना विशेष प्रभाव पैदा कर रहे हैं। ब्लाकचेन ट्रांजेक्शंस को रिकार्ड करने का एक विकेंद्रीकृत माध्यम है। क्रिप्टो करेंसी, आपूर्ति श्रृंखला, डिजिटल पहचान सत्यापन जैसे कई क्षेत्रों में इसका उपयोग विशिष्टता के साथ हो रहा है। थ्रीडी प्रिंटिंग का उपयोग बिल्डिंग निर्माण, अंग निर्माण तथा एयरोस्पेस जैसे कई क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव ला रहे हैं।

भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम : चौथी औद्योगिक क्रांति में भारत की बढ़ती हुई एंटरप्रेन्योरशिप संस्कृति बड़ा योगदान करेगी। भारत जिस प्रकार से आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है, ऐसे में उद्यमशीलता भी तेजी से आगे बढ़ेगी। वैश्विक एंटरप्रेन्योरशिप मानिटर की भारत आधारित रिपोर्ट 2021 में भारतीय उद्यमिता में विशेष प्रगति देखी गई। 18 से 64 आयु वर्ग के 14.4 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो अपना नया उद्यम शुरू कर रहे हैं। भारत में एंटरप्रेन्योर गतिविधि हेतु सबसे महत्वपूर्ण कारक मोदी सरकार के ऐतिहासिक सुधार एवं योगदान हैं। सरकार द्वारा नए उद्योगों को दिए जा रहे आर्थिक सहयोग एवं सीड कैपिटल ने इसमें अहम योगदान दिया है।

उल्लेखनीय है कि जनवरी 2016 में केंद्र सरकार के द्वारा स्टार्टअप इंडिया का प्रारंभ किया गया, ताकि इसमें 19 सूत्रीय कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार द्वारा सहयोग, योजनाओं तथा इंसेंटिव के माध्यम से स्टार्टअप इकोसिस्टम को निर्मित किया जा सके। सरकार के द्वारा स्टार्टअप स्कीम हेतु दस हजार करोड़ रुपये का फंड आफ फंड्स स्कीम भी लाया गया एवं इसकी मानिटरिंग एजेंसी डीपीआइआइटी एवं आपरेटिंग एजेंसी सिडबी है। इस स्कीम ने न केवल विकसित होते स्टार्टअप को पूंजीगत सहयोग किया, बल्कि घरेलू पूंजी जुटाने में मदद भी किया। इस तरह से विदेशी पूंजी निवेश पर निर्भरता को घटाते हुए नए वेंचर कैपिटल फंड को उत्साहित किया जा रहा है।

विशाल जनसंख्या एवं बाजार : चौथी औद्योगिक क्रांति में प्रभावी भूमिका अदा करने के लिए भारत के पास एक विशाल जनसंख्या एवं बाजार उपलब्ध है। बड़ी जनसंख्या के कारण भारत में कार्य कुशलता, विचारों तथा अवधारणाओं के वैविध्य का एक बड़ा समूह उपलब्ध है। चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए आवश्यक नवाचारों एवं रचनात्मकता के लिए एक सुशिक्षित एवं कार्यकुशल समूह की आवश्यकता है जिसे भारत आसानी से पूर्ण कर सकता है। भारत की लगभग 33 प्रतिशत जनसंख्या 20 से 33 साल के आयु वर्ग की है। इस युवावर्ग के कारण भारत बड़ी कुशलता से चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए वर्कफोर्स की आपूर्ति कर सकता है। बड़ी जनसंख्या एवं विविध भूगोल तथा संस्कृति के माध्यम से भारत सूचनाओं का एक बड़ा माध्यम बनेगा जो डाटा एनालिटिक्स के लिए किसी खजाने से कम नहीं है। इस डाटा के माध्यम से अलग-अलग क्षेत्रों में आटोमेशन एवं निर्णय प्रक्रिया आधारित सेवाओं के विकास में बहुत सहयोग मिलेगा।

पब्लिक डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर की मजबूती

चौथी औद्योगिक क्रांति का नेतृत्व करने हेतु किसी भी देश को एक बेहद मजबूत पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता होगी। भारत इस मामले में अग्रणी है। भारत का पहला पब्लिक डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर 'आधार' के रूप में प्रारंभ किया गया था। अभी तक लगभग 1.4 अरब आधार नंबर निर्गत किए जा चुके हैं। इसके बाद डीबीटी यानी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर सुविधा का प्रारंभ पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए किया गया। आज देश के 53 सरकारी मंत्रालयों के अंतर्गत चलने वाली 300 से अधिक स्कीमों में इनका प्रयोग हो रहा है। डीबीटी के माध्यम से 27 लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि लाभार्थियों को भेजी जा चुकी है। इसी क्रम में केंद्र सरकार के द्वारा स्थापित की गई एक नई व्यवस्था यूपीआइ के रूप में पूरे विश्व को आश्चर्यचकित कर रही है। इसे 2016 में भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम के द्वारा प्रारंभ किया गया था और आज यह डिजिटल भुगतान के लिए संसार की सबसे लोकप्रिय व्यवस्था बन चुकी है।

अक्टूबर 2021 में मल्टी माडल कनेक्टिविटी के लिए सरकार द्वारा एक महत्वाकांक्षी योजना 'पीएम गतिशक्ति' के नाम से प्रारंभ की गई। इसके द्वारा एक एकीकृत एवं योजनाबद्ध अवसंरचना का विकास करके लाजिस्टिक्स कीमतों में प्रभावी रूप से कमी लाई जा सकेगी। 100 लाख करोड़ रुपये के इस महाकाय परियोजना के द्वारा वैश्विक बाजार में भारत को प्रतिस्पर्धी के रूप में खड़ा किया जा सकेगा। पीएम गतिशक्ति हेतु एक एकीकृत पोर्टल बनाया गया है जो 16 केंद्रीय मंत्रालयों की विभागीय योजनाओं एवं इंफ्रास्ट्रक्चर को एकीकृत करने का कार्य करता है। उड़ान, रेल नेटवर्क के विस्तार की योजना, भारतमाला, सागरमाला, जलमार्ग एवं भारतनेट जैसी विशाल परियोजनाओं को गतिशक्ति मास्टर प्लान के अंतर्गत ही क्रियान्वित किया जाएगा। वर्ष 2017 में भारत सरकार के द्वारा शिक्षा क्षेत्र का डिजिटलीकरण करने के उद्देश्य से डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर का नालेज शेयरिंग (दीक्षा) को प्रारंभ किया गया जो आनलाइन शिक्षा के लिए एक राष्ट्रीय प्लेटफार्म है। ओपन सोर्स पर बना हुआ यह प्लेटफार्म टेक्स्टबुक, लर्निंग टूल्स तथा डिजिटल कंटेंट आदि उपलब्ध कराएगा।

नवाचार के लिए नए कदम : वैश्विक आवश्यकताओं को देखते हुए भारत सरकार नवाचारों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए अपने प्लेटफार्म का निर्माण करने के साथ वैश्विक साझेदारी एवं प्राइवेट पार्टनरशिप जैसी सभी संभावनाओं पर कार्य कर रही है। वर्तमान में भारत द्वारा अपने जीडीपी का 0.7 प्रतिशत ही अनुसंधान एवं विकास कार्यों पर खर्च किया जाता है। जबकि अमेरिका, चीन, जापान, इजरायल एवं दक्षिण कोरिया अनुसंधान पर अपने जीडीपी का दो से पांच प्रतिशत खर्च करते हैं। इस समस्या का समाधान करने के लिए भारत सरकार द्वारा अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन बिल संसद में लाया गया है। साथ ही सरकार का लक्ष्य है कि अनुसंधान एवं विकास के एक सिस्टम में कालेज एवं विश्वविद्यालय को भी शामिल किया जाए। सरकार उच्च शिक्षा के मानकीकरण पर कार्य कर रही है, ताकि वैश्विक मांग के अनुरूप कुशल लोगों की आपूर्ति की जा सके। इसके अलावा, चौथी औद्योगिक क्रांति के लिए सुरक्षा, नीतियां तथा सामाजिक-आर्थिक प्रभाव जैसे कई अहम बिंदु हैं, जहां मोदी सरकार वैश्विक मानकों पर एक सकारात्मक वातावरण बनाने हेतु प्रयासरत है। उपरोक्त सभी बिंदु सिद्ध करते हैं कि भारत चौथी औद्योगिक क्रांति का अगुआ बनकर विश्व मंच पर उपस्थित होगा। **(शिवेश प्रताप)**

खरी-खरी

भागो... भागो... नेता आ रहे हैं...

डा. सुरेश कुमार मिश्रा

जलते हैं तो जलने दो, दिल ही तो है, कोई झोपड़ी नहीं। चुनाव के दिनों में दिल से ज्यादा घास फूस की झोपड़ी मायने रखती है। दिल के टूट जाने पर उसे फिर से जोड़ा जा सकता है, लेकिन झोपड़ी के जल जाने पर नेता किसके घर जाकर रोटी के टुकड़े तोड़ेंगे। झोपड़ियां होती ही हैं ऐसे दिनों के लिए। चुनावी दिनों में झोपड़ियों में गरीबों के घर पर भोजन करना पांच सितारा होटल से भी ज्यादा सुखद होता है। साढ़े चार साल तक पेट पर लात खाने वाले अचानक से भगवान हो जाते हैं। गरीबों के चरणों में नेताओं को सत्ता का ब्रह्मांड दिखाई देने लगता है। उनके चरणों में स्वयं को नतमस्तक कर देते हैं। शरीर में गरीब को पहचानने के सेंसर उग आते हैं। इसी सेंसर से गरीबों के नेटवर्क को उनके तलवे चाटना इन दिनों अपने चरम होता है। द्वापर के श्रीकृष्ण कलियुगी नेता की तुलना में बड़े ही फिसड्डी थे। कोई भला गरीब को अपने घर बुलाकर अपना राजमहल थोड़े न गंदा करता है। ऊपर से बिन मांगे मांगों की पूर्ति करने की चुहल अलग। आज के नेता असंख्य श्रीकृष्ण को चुनावी स्टंट में वोटों का फंडा सिखाने का माद्दा रखते हैं।

चुनावी समय में नेताओं से ज्यादा पवित्र प्राणी पूरी दुनिया में कोई और हो ही नहीं सकता। जहां आप और मैं दिन-रात इस जुगाड़ में लगे हैं कि जैसे-तैसे कुछ खाने-पीने को मिल जाए, वहीं नेता जनता की सेवा के लिए मरे जा रहे हैं। उनके सिर सेवा का ऐसा जुनून सवार होता कि वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। आधुनिक युग में चुनावी वैतरणी पार करने का एक ही श्लोक है- गरीबों की सेवा खूब पाओ मेवा। जो कोई भी सोते उठते इसका उच्चारण करता है, वह नेता जी को उच्च स्तर तक ले जाता है। कुर्सी पर कुर्सियापा करवाता है। लोकतंत्र में मौज करने के लिए प्रातः, मध्याह्न और तथा सांध्य काल यानी तीनों समय किसी गरीब की झोपड़ी के दर्शन अवश्य करने चाहिए। ऐसा करने से नेताओं के सारे पाप धुल जाते हैं। गरीब का गुणगान करने वाला नेता ही लोकतंत्र में सबसे प्रिय होता है। झोपड़ियों में रहने वाले ही समस्त नेताई खोपड़ियों के आधार हैं।

पोस्ट

भाजपा को अगर लेना ही है तो वह नकुल नाथ को पार्टी में ले और कमल नाथ को लगभग मना कर दे। इससे पहले पार्टी ने संघमित्रा को दल में रखा है और स्वामी प्रसाद को स्पष्ट मना कर दिया है। ऐसे में, उसके हित भी पूरे हो जाएंगे और बदनामी भी कम ही हिस्से में आएगी।
डा. रमाकांत राय@RamaKRoy

कांग्रेस अब भी चेतेगी क्या? या ऐसे ही 'अनुभवी' नेताओं पर दांव लगा कर चलती रहेगी, जो पहले युवा नेताओं को दरकिनार कर उन्हें पार्टी छोड़ने तक को मजबूर करते हैं और जो नहीं छोड़ते हैं, उनको बदनाम करते रहते हैं, नाकाबिल बताते रहते हैं और फिर मौका मिलते ही पार्टी से खुद निकलने को तैयार रहते हैं?
उमाशंकर सिंह@umashankarsingh

राजकोट टेस्ट में इंग्लैंड की शर्मनाक पराजय। भारत का शानदार प्रदर्शन और ऐतिहासिक जीत। पहली पारी में एक समय 33 रन पर भारत के तीन विकेट गिर गए थे और उसके बाद 434 रनों से जीत। रोहित, यशस्वी और गिल का बल्ले से अद्भुत प्रदर्शन। सरफराज और जुरैल अपने पदार्पण टेस्ट में ही छाप छोड़ने में सफल रहे। प्लेयर आफ द मैच रवींद्र जडेजा का उम्दा आलराउंड प्रदर्शन।
अयाज मेमन@cricketwallah

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या सुप्रीम कोर्ट को संदेशखाली मामले की जांच अपनी निगरानी में करानी चाहिए?

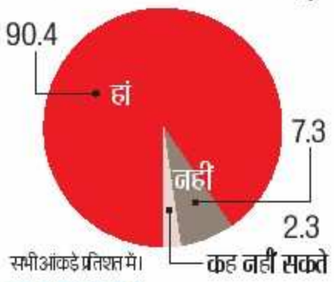

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल
क्या आपको लगता है कि टेस्ट क्रिकेट में बैजबाल की रणनीति इंग्लैंड पर भारी पड़ रही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

रहो 'यशस्वी' तुम बने कर रन की बौछार,
हर बॉलर की गेंद को भेजो सीमा पार।
भेजो सीमा पार हमेशा जीते भारत,
रोए घुटने टेक विदेशी क्रिकेट गारद।
अपना भारत देश रहे यूंही तेजस्वी,
जब तक करें कमाल यहां के युवा यशस्वी!
– ओमप्रकाश तिवारी

उत्तर प्रदेश डायरी

नेह का नाता, सोनिया बिन रायबरेली

हरिशंकर मिश्र
वरिष्ठ समाचार संपादक, उत्तर प्रदेश

भावनात्मक रिश्तों की मिसाल बन चुकी रायबरेली की राजनीति में अब सोनिया गांधी नहीं होंगी। कौन होगा, यह एक बड़ा सवाल है और इस बात पर निर्भर है कि इंदिरा गांधी के वंशज इस रिश्ते को कहां तक ले जाना चाहते हैं? रिश्ते की डोर और लंबी करने के लिए कांग्रेस को बड़ा निर्णय लेना होगा और संभव है कि कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी अपनी चुनावी पारी शुरू करने के लिए परिवार की राजनीतिक विरासत संभालती दिखाई दें। सब कुछ अनुमानों और संभावनाओं पर निर्भर हैं। वैसे राजनीति में नेह के नाते कभी न कभी टूटते ही हैं। हालांकि इसका मलाल रायबरेली को भी है और सोनिया गांधी को भी। इसीलिए यहां के धुर कांग्रेसी थोड़ा व्यथित हैं तो सोनिया का भावनात्मक लगाव उनके भावुक पत्र में दिखता है, 'रायबरेली के साथ हमारे परिवार के रिश्तों की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह नेह-नाता बहुत पुराना है और अपनी ससुराल से मुझे सौभाग्य की तरह मिला है।' सोनिया के रायबरेली में चुनाव न लड़ने से यह नेह-नाता कितना कायम रहेगा, यह आगे के दिनों पर निर्भर है।

उत्तर प्रदेश में कांग्रेस के सर्वाधिक बुरे दिनों में भी केवल रायबरेली ही एक ऐसा जनपद है, जहां पार्टी का दिया अब तक टिमटिमाता आया है। प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में केवल यही कांग्रेस के पास है और शायद यही आनेवाले चुनाव की भी उम्मीद है। रायबरेली कांग्रेस का धीरज है जो पूरे प्रदेश में पार्टी का मनोबल बनाए रखता है तो शायद इसलिए कि यहां गांधी परिवार से राजनीतिक रिश्ते की श्रृंखला बहुत लंबी है और देश के पहले लोकसभा चुनाव में फिरोज गांधी के चुनाव लड़ने से ही शुरू हो जाती है। उसके बाद इंदिरा गांधी, फिर राजीव गांधी और अब तक सोनिया गांधी ने इस रिश्ते को संभाला हुआ था। बीच में यदि कांग्रेस परिवार से कोई नहीं रहा तो भी गांधी परिवार ने डोर नहीं छोड़ी और अरुण नेहरू, कैप्टन सतीश शर्मा के रूप में पारिवारिक मित्र या फिर रिश्तेदार शीला कौल को ही लड़ाया। तीन चुनावों को छोड़ दिया जाए तो यहां कांग्रेस ही जीतती रही है। वर्ष 1977 के चुनाव में समाजवादी नेता राजनारायण ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को हराकर सनसनी फैला दी थी तो उसके बाद अशोक सिंह भाजपा के टिकट पर दो बार चुनाव जीतने में सफल रहे थे। सोनिया गांधी से इस जनपद का रिश्ता 2004 से शुरू हुआ तो अब तक यहां के लोग उन पर भरोसा जताते आए हैं।

सोनिया गांधी। फाइल

इसी रायबरेली के चुनावी मैदान में अब सोनिया नहीं होंगी तो भाजपा अपने लिए संभावनाएं जरूर देखना चाहेगी। रायबरेली में जीत का मतलब है कि भाजपा ने कांग्रेस का वह किला तोड़ दिया जो अभी तक अभेद्य था। हालांकि यह इतना आसान भी नहीं होगा। अपने अवसान के दिनों में कांग्रेस ने अन्य क्षेत्रों की तरह यहां भी कई मजबूत और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली लोगों को खोया है, लेकिन परंपरागत रूप से आम मतदाताओं का एक बड़ा वर्ग अब भी भावनात्मक रूप से उसके साथ है। यह साथ कितना गहरा है, इसे इस बात से भी समझा जा सकता है कि राज्य में लंबे समय से कांग्रेस की सत्ता न होने की वजह से पूरे जिले को उपेक्षा का दंश सहना पड़ा और विकास कार्यों की अनदेखी होती रही, लेकिन लोगों ने कांग्रेस को नहीं छोड़ा। अभी हाल ही में नगर पालिका अध्यक्ष के चुनाव में मिली जीत भी इसका उदाहरण है। रायबरेली की राजनीति में खास प्रभाव रखने वाले प्रदेश के कृषि विपणन एवं उद्यान राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह यह जरूर दावा करते हैं कि सोनिया गांधी ने हार के डर से रायबरेली छोड़ा, लेकिन लोग जानते हैं कि भले ही स्वास्थ्य कारणों से इस बीच उनका अपने क्षेत्र में आना कम ही हुआ, परंतु उन्हें हराना इतना भी आसान नहीं था।

अब यक्ष प्रश्न यह है कि सोनिया नहीं तो फिर रायबरेली से कौन? अपने भावुक पत्र में सोनिया गांधी ने यह कहकर कि 'मुझे पता है कि आप भी हर मुश्किल में मुझे और मेरे परिवार को वैसे ही संभाल लेंगे जैसे अब तक संभालते आए हैं,' यह संकेत तो दिया है कि उनके परिवार से ही कोई रायबरेली की विरासत संभाल सकता है। यह पीढ़ी प्रियंका या राहुल गांधी के रूप में ही हो सकती है। यहां के कांग्रेसियों की अपेक्षा भी यही है कि उनके परिवार से ही कोई लड़े। पार्टी के जिलाध्यक्ष पंकज तिवारी तो दावा भी करते हैं कि वही चुनाव लड़ेंगी, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। संभावनाओं के इस खेल में भारतीय जनता पार्टी की आलोचना कर नई राह तलाश रहे वरुण गांधी भी हैं और मेनका भी। संभव है कि आइएनडीआइए गठबंधन उनके लिए मंच सजा दे।

छत्तीसगढ़ डायरी

धरातल पर दिख रहा बदलाव

सतीश चंद्र श्रीवास्तव
संपादकीय प्रभारी, रायपुर

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में भाजपा सरकार की आक्रामक कार्यान्वयन नीति की चौतरफा आंच महसूस की जाने लगी है। पार्टी के धुरंधर विधायकों व पूर्व मंत्रियों अजय चंद्राकर एवं राजेश मूणत के कारण पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत उनके समर्थक कांग्रेसी नेता जांच की परिधि में घिरते जा रहे हैं। विधानसभा में कांग्रेस सरकार के घोटालों की एक के बाद एक जांच की घोषणा पर विपक्ष मौन की मुद्रा में है। दूसरी तरफ नक्सली हैं। चुनाव के पहले से ही भाजपा नेताओं को निशाना बनाते रहे नक्सलियों ने सत्ता परिवर्तन के बाद पहली बार पर्चा जारी कर सशर्त वार्ता का प्रस्ताव रखा है। तय है कि वार्ता नहीं होगी। नक्सली चाहते हैं कि बस्तर में 40 और पुलिस कैंप खोलने की योजना पर काम रोक दिया जाए।

जीरो टालरेंस (शून्य सहिष्णुता) नीति पर काम कर रही भाजपा सरकार ने अपराधियों के विरुद्ध बुलडोजर का प्रयोग तेज कर दिया है। कांकेर में भाजपा नेता की हत्या के आरोपितों के घर और कब्जे ध्वस्त हो चुके हैं। रायपुर के छोटा पारा एवं बैजनाथ पारा में 50 से अधिक दुकानों, आहतों व अन्य कब्जों के विरुद्ध शुरू हुआ बुलडोजर अभियान जशपुर से लेकर बस्तर तक विस्तारित हो चुका है। बिलासपुर में 65 अटल आवासों पर कब्जा करने एवं वहां मजार बनाने वाले भी कार्रवाई की जद में हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने उप-मुख्यमंत्री सह गृह मंत्री विजय शर्मा के कारण कानून-व्यवस्था के मामलों में कार्रवाई की खुली छूट दे रखी है।

इसी तरह अरुण साव के नेतृत्व में नगरीय प्रशासन और विकास के कार्यों को चुस्त-दुरुस्त करने के काम में तेजी आई है। वित्त मंत्री के रूप में पहला ही बजट पेश करते हुए ओपी चौधरी ने जिस कौशल का परिचय दिया, उससे स्थापित हो गया कि आइएएस की नौकरी छोड़ जनप्रतिनिधि बनने का उनका निर्णय समाज के लिए कुछ करने की तड़प का ही परिणाम है। स्टेट कैपिटल रीजन (एससीआर) योजना के तहत रायपुर, नया रायपुर, भिलाई और दुर्ग में औद्योगिक विकास एवं शिक्षण-प्रशिक्षण की महत्वाकांक्षी योजनाएं सफल रहीं तो अगले पांच वर्षों में बड़ा बदलाव सामने आ सकता है।

मंत्रियों की सक्रियता का सीधा लाभ मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को मिल रहा है। जनता को बमुश्किल ढाई महीने में ही दिखने लगा है कि सरकार बदली-बदली सी है। मोदी की गारंटी वाले घोषणा पत्र में जो कुछ कहा गया था, उसका समय से पालन हो रहा है। विष्णु पालनकर्ता की भूमिका में हैं। नियद नेल्ला नार (आपका अच्छा गांव) योजना के तहत बस्तर के नक्सल प्रभावित गांवों में भी विकास के कार्य शुरू हो रहे हैं। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में अधिकारी इन गांवों में पेयजल, मुख्य मार्गों से जोड़ने वाली सड़क, उप स्वास्थ्य केंद्र और प्राथमिक स्कूल से लेकर ब्लाक स्तर तक छात्रावास की व्यवस्था करने में जुट गए हैं। विशेष पिछड़ी जनजाति बिरहोर, पहाड़ी कोरबा, बैगा, कमार और अबूझमाड़िया के विकास के लिए 300 करोड़ रुपये का प्रविधान जमीनी स्तर तक सोच का ही परिणाम कहा जा सकता है। स्वास्थ्य विभाग में पांच हजार भर्तियों की प्रक्रिया शुरू हो गई है तो अगले छह महीने में शिक्षा विभाग में 33 हजार शिक्षकों की भर्ती का लक्ष्य निर्धारित कर दिया गया है। 25 हजार स्कूलों में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था की जा रही है। यह चुनौती इसलिए भी है कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में 700 आत्मानंद स्कूलों के नाम पर 800 करोड़ रुपये के मरम्मत घोटाले की बात उभरकर सामने आ गई है। शिक्षा मंत्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा घोषित जांच की रिपोर्ट में ही स्पष्ट होगा कि किस हद तक गड़बड़ी हुई, क्योंकि राजधानी रायपुर के भी किए गए घटिया स्तर के मरम्मत कार्य सामने आ चुके हैं।

वहीं कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में बहुप्रचारित गोधन और नरवा-गरवा-घुरवा-बाड़ी योजना में भी बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार की बात सामने आ रही है। विधानसभा में तो भाजपा नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को इस कदर घेरा कि वह बोलने की स्थिति में ही नहीं रह गए। महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) में जिस स्तर पर भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं, उसके कारण राष्ट्रपिता एक बार फिर बदनाम होंगे। भाजपा का आरोप है कि गांधी के नाम की आड़ में कांग्रेसियों ने 300 रीपा में 600 करोड़ रुपये का घोटाला किया। दो करोड़ के एक रीपा को स्थापित करने के प्रोजेक्टर पर ही 80 लाख रुपये खर्च किए जाने जैसे उदाहरण सामने आ रहे हैं। पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में विजय शर्मा के सामने सत्य सामने लाने की चुनौती है। इसी तरह खेलकूद एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा ने राजीव युवा मितान योजना, आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने स्मार्ट सिटी योजना की जांच की घोषणा की है। कांग्रेस के नेता और उनके समर्थक कारोबारी और अधिकारी पहले ही कोयला परिवहन, शराब, महादेव एप, कस्टम मिलिंग और सीजीपीएससी घोटाले की जद में हैं।

विकास योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने में जुटे विष्णु देव साय एक ग्रामीण से बात करते हुए। सूचना विभाग

उम्मीद की जा रही है कि प्रदेश में मतांतरण रोकने के लिए 10 वर्ष तक की सजा के प्रविधान वाला धर्म स्वतंत्र विधेयक भी इसी सत्र में पेश कर दिया जाएगा। महिला व बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कुपोषण मुक्ति के लिए रेडी टू ईट योजना एक बार फिर 30 हजार से अधिक महिला समूहों को सौंपने की घोषणा कर तीन लाख से अधिक महिलाओं को चूल्हे में आंच जलाने की उम्मीद जगा दी है। इन सबकी तपिश चौतरफा है। इसके कारण लोकसभा चुनाव के पहले बिखरे विपक्ष की बेचैनी भी बढ़ती जा रही है।

****

आरवीएनएल के पास 65 हजार करोड़ के आर्डर

नई दिल्ली: सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम आरवीएनएल के पास आर्डर का मूल्य बढ़कर 65 हजार करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इसमें आधे से ज्यादा आर्डर रेलवे परियोजनाओं से जुड़े हैं। कंपनी प्रबंधन ने निवेशकों के साथ बातचीत में कहा कि अब हम विदेशी बाजारों में नई परियोजनाओं के बारे में विचार कर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में कंपनी प्रबंधन ने कहा कि आने वाले समय में हमारे पास 75 हजार करोड़ की परियोजनाओं के आर्डर होंगे। (प्रेट्र)

प्रीमियम वाहनों की मांग में तेजी आ रही है। इसको देखते हुए घरेलू दोपहिया उद्योग अगले वित्त वर्ष में राजस्व में दहाई अंक की वृद्धि होने की उम्मीद लगा रहा है।

– निरंजन गुप्ता, सीईओ, हीरो मोटोकार्प

एक नजर में

भारत-ब्रिटेन एफटीए वार्ता की पीएमओ ने की समीक्षा

नई दिल्ली: भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वार्ता की 16 फरवरी को प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने समीक्षा की है। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल भी मौजूद रहे। समझौते के लिए वार्ता काफी महत्वपूर्ण स्तर पर पहुंच गई है। दोनों देश शेष मुद्दों को सुलझाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। (प्रेट्र)

अप्रैल-जनवरी में बिजली खपत 7.5 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली: चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जनवरी के दौरान देश में बिजली की खपत 7.5 प्रतिशत बढ़कर 1,354.97 अरब यूनिट रही है। इससे संकेत मिलता है कि देश में आर्थिक गतिविधियों में लगातार सुधार हो रहा है। सरकारी डाटा के अनुसार, इस वर्ष जनवरी में बिजली खपत 5.4 प्रतिशत बढ़कर 133.18 अरब यूनिट रही है। (प्रेट्र)

एसईजेड को भी मिलेगा आरओडीटीईपी का लाभ

नई दिल्ली: वाणिज्य मंत्रालय ने विशेष आर्थिक क्षेत्र (एसईजेड) में चलने वाली इकाइयों के लिए निर्यातित उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट योजना (आरओडीटीईपी) के लाभ का विस्तार करने का फैसला किया है। सरकार ने अगस्त, 2021 में समुद्री और डेयरी सामान सहित कुल 8,555 उत्पादों के लिए निर्यात प्रोत्साहन योजना के तहत कर रिफंड की दरों की घोषणा की थी। (प्रेट्र)

71,414 करोड़ रुपये घटा छह कंपनियों का पूंजीकरण

नई दिल्ली: बीते सप्ताह बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से छह कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 71,414 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की गई। बीते सप्ताह एलआइसी के पूंजीकरण में 26,217.12 करोड़ रुपये की कमी आई। अब कंपनी का कुल पूंजीकरण 6,57,420.26 करोड़ रुपये रह गया है। इसी प्रकार टीसीएस, आइटीसी, एचयूएल, भारती एयरटेल और रिलायंस का पूंजीकरण भी घटा। एसबीआइ, इन्फोसिस, एचडीएफसी बैंक और आइसीआइसीआइ बैंक का पूंजीकरण बढ़ा है। (प्रेट्र)

बैंक जमा के बजाए पूंजी बाजारों की ओर शिफ्ट हुई भारतीय परिवारों की बचत

नई दिल्ली, आइएनएस: भारतीय परिवारों की ओर से की जाने वाली बचत अब बैंक खातों में जमा होने के बजाए पूंजी बाजारों की ओर से शिफ्ट हो गई है। अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म बोफा सिक्युरिटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2000-01 में भारतीय परिवारों की कुल बचत का 39 प्रतिशत हिस्सा बैंक खातों और चार प्रतिशत हिस्सा पूंजी बाजारों में जाता था। वित्त वर्ष 2022-23 में बैंक खातों में जमा होने वाली बचत का हिस्सा घटकर 37 प्रतिशत हो गया है और पूंजी बाजारों में जाने वाला हिस्सा बढ़कर सात प्रतिशत हो गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, वित्तीय साक्षरता में सुधार के कारण जीवन बीमा और प्रोविडेंट व पेंशन फंड में जाने वाला बचत का हिस्सा वित्त वर्ष 2000-01 के 34 प्रतिशत के मुकाबले वित्त वर्ष 2022-23 में बढ़कर 40 प्रतिशत हो गया है।

40% पर पहुंचा बीमा और प्रोविडेंट व पेंशन फंड में जाने वाला बचत का हिस्सा

28 लाख करोड़ रुपये रही वित्त वर्ष 2021-22 में परिवारों की बैंक में जमा कुल बचत

- बैंक में जमा होने वाला हिस्सा घटकर 37 प्रतिशत पर आया
- पूंजी बाजारों में जमा बढ़कर सात प्रतिशत पर पहुंची

आरबीआइ के ताजा तिमाही डाटा के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 में खातों में जमा होने वाली नकद राशि का अनुपात घटकर सात प्रतिशत रह गया है जो वित्त वर्ष 2021-22 में 12 प्रतिशत था। वित्त वर्ष 2021-22 में परिवारों की कुल जमा 28 लाख करोड़ रुपये रही है, जो वित्त वर्ष 2011-12 के 14 लाख करोड़ के मुकाबले दोगुना है। औसत आधार पर भारतीय परिवारों की कुल संपत्ति में रियल एस्टेट की 77 प्रतिशत, ड्यूरेबल गुड्स (वाहन-मशीनरी) की सात प्रतिशत और सोने की 11 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बचत के रूप में वित्तीय संसाधनों की आपूर्तिकर्ता के रूप में परिवारों की भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका है। देश की कुल सकल बचत में परिवारों का 70 प्रतिशत योगदान है।

हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में 20,637 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, प्रेट्र: हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाएं निवेशकों के बीच लोकप्रिय होती जा रही हैं। यही कारण है कि इस वर्ष जनवरी में इन योजनाओं में 20,637 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। इसमें दिसंबर 2023 के मुकाबले 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। जानकारों का कहना है कि डेट फंड्स के टैक्स संबंधी बदलावों के बाद हाइब्रिड फंड योजनाएं निवेश का नया विकल्प बन गई हैं।

एसोसिएशन आफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआइ) के डाटा के अनुसार, इस निवेश के साथ चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जनवरी के दौरान हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं में कुल निवेश बढ़कर 1.21 लाख करोड़ पर पहुंच गया है। हालांकि, पिछले वर्ष समान अवधि में इन निवेश योजनाओं से जमकर निकासी हुई थी। हाइब्रिड फंड योजनाओं के तहत आमतौर पर इक्विटी और डेट सिक्युरिटीज के संयोजन में निवेश किया जाता है। कभी-कभी सोने जैसी अन्य श्रेणियों में भी निवेश किया जाता है। एएमएफआइ के डाटा के अनुसार, दिसंबर 2023 में हाइब्रिड म्यूचुअल फंड योजनाओं में 15,009 करोड़ रुपये का निवेश हुआ था।

पिछले महीने हाइब्रिड म्यूचुअल फंड में दो श्रेणी ने सबसे ज्यादा निवेश आकर्षित किया है। इसमें आर्बिट्रेज फंड्स और मल्टी-असेट एलोकेशन फंड्स शामिल है। कुल निवेश में से आर्बिट्रेज फंड्स को 10,608 करोड़ और मल्टी-असेट एलोकेशन फंड्स को 7,080 करोड़ रुपये का निवेश मिला है। जनवरी 2024 में 3.36 लाख नए हाइब्रिड फोलियो (खाते) जुड़े हैं और अब हाइब्रिड फोलियो की संख्या बढ़कर 1.31 करोड़ हो गई है।

- डेट फंड में कर संबंधी नियमों में बदलाव के बाद यह वैकल्पिक निवेश की पसंदीदा श्रेणी बनी
- हाइब्रिड म्यूचुअल फंड के फोलियो की संख्या बढ़कर 1.31 करोड़ पर पहुंची

35 ट्रिलियन डालर की इकोनमी बनने के लिए 9-10% की वृद्धि जरूरी

मुंबई, प्रेट्र: भारत को अगर 2047 तक 35 ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनना है तो तीन दशकों तक उसकी इकोनमी 9-10 प्रतिशत की दर से बढ़नी चाहिए। भारत के जी-20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि निरंतर नवाचार करते रहने की भी आवश्यकता है।

यहां आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अभी हम दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2027 तक हम जापान और जर्मनी को पीछे छोड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। हमारा लक्ष्य है कि 2047 में जब हम स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ मना रहे हों, तब हमारी आर्थिकी 35 ट्रिलियन डालर हो जाए। अगर ऐसा होता है तो उस समय भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।'

ऊर्जा से जुड़े दूसरे क्षेत्रों में उतरेगी ईईएसएल

कम बिजली खपत वाले कुकिंग स्टोव और ई-साइकिल के जरिये नया बाजार विकसित करने की तैयारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पूरे देश में एलईडी बल्ब लगाने की क्रांति को मुकाम तक पहुंचाने के बाद सरकारी कंपनी एनर्जी एफिसिएंसी सर्विसेज लिमिटेड यानी ईईएसएल की नजर ग्रामीण भारत पर है। कंपनी यहां बिजली से चलने वाले ऐसे उत्पाद उतारने जा रही हैं जो न सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में एक नया बाजार विकसित करेंगे बल्कि उनसे दूसरे लाभ भी मिलेंगे। जिन उत्पादों को कंपनी ग्रामीण बाजार में उतारने जा रही है, उसमें बिजली से चलने वाली साइकिल और बिजली से चलने वाले इंडक्शन कुकिंग स्टोव का नाम लिया जा सकता है। ईईएसएल की योजना भारत में ऊर्जा संरक्षण को नए मुकाम पर पहुंचाने के लिए एक फरवरी को ई-मार्केट प्लेटफार्म लांच किया है। यहां पर ऐसे उत्पादों की बिक्री शुरू हो गई है जो 25 प्रतिशत से लेकर 60 प्रतिशत तक कम बिजली खपत करते हैं। इस प्लेटफार्म से आम जनता तरह-तरह की लाइटों के अलावा पंखा, एसी, कुकिंग स्टोव, ई-साइकिल खरीद सकती है।

ईईएसएल के सीईओ विशाल कपूर ने दैनिक जागरण को बताया, 'हमारी कंपनी जो इंडक्शन कुकिंग स्टोव बेच रही है वह 25 प्रतिशत तक कम बिजली खपत करता है। पहले चरण में इसे आंगनबाड़ी और स्कूलों में इस्तेमाल करने पर जोर दिया जा रहा है। इससे इसका प्रचार पूरे गांव में आसानी से हो सकेगा। उन परिवारों को पहले देने की कोशिश की जा रही है जो अभी तक जलावन आदि से खाना पकाते हैं।' इसके दो फायदे होने की संभावना है। एक तो देश में उत्पादित बिजली का एक नया उपभोक्ता मिलेगा दूसरा बायोमास (जलावन, उपले आदि) के खात्मे से पर्यावरण को सुरक्षित करने में मदद मिलेगी।

- आंगनवाड़ी और स्कूलों में इंडक्शन कुकिंग स्टोव के इस्तेमाल पर जोर
- ई-साइकिल के जरिये ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास

ग्रामीण महिलाओं के लिए खुलेंगे रोजगार के अवसर

ग्रामीण क्षेत्र की मांग को केंद्र में रखकर ईईएसएल इलेक्ट्रिक साइकिलों की मार्केटिंग करने जा रही है। इसके बारे में कपूर ने बताया कि गांवों में साइकिलों का प्रयोग ज्यादा होता है। लोग रोजमर्रा के कामों के साथ ही कारोबार में भी साइकिल का प्रयोग करते हैं। हम उनकी मांग के मुताबिक ई-साइकिल देंगे। ग्रामीण बाजार में हम एक पायलट प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं जिससे ई-मार्केटिंग कंपनियों को ग्रामीण बाजारों में प्रवेश करने में आसानी होगी। हम ग्रामीण महिलाओं को खासतौर पर प्रशिक्षित कर रहे हैं ताकि वह इन मार्केटिंग कंपनियों के लिए अपनी ई-साइकिल से काम कर सकें। इससे उनके लिए रोजगार का अवसर खुलेगा।

ऊर्जा बचाने वाले पंखों की बिक्री ने नहीं पकड़ी रफ्तार

मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद ईईएसएल के जरिये पारंपरिक बल्बों की जगह एलईडी बल्ब लगाने का अभियान शुरू किया था। अभी तक देश में 38 करोड़ एलईडी बल्ब लगाए जा चुके हैं। इसके बाद ऊर्जा बचाने वाले पंखों को बदलने की योजना शुरू की गई है लेकिन उसने अभी रफ्तार नहीं पकड़ी है।

60% तक कम बिजली खपत वाले उत्पादों की बिक्री के लिए ई-मार्केट प्लेटफार्म लांच, लाइटों के अलावा पंखा, एसी, कुकिंग स्टोव की कर सकते हैं खरीदारी

देश में चार करोड़ पंखे बिकते हैं लेकिन इनमें कम बिजली खपत वाले सिर्फ 12 लाख होते हैं। नई प्रौद्योगिकी वाले पंखे 66 प्रतिशत कम बिजली खपत करते हैं। कंपनी पांच स्टार से भी ज्यादा रेटिंग वाले एयर कंडीशनर की बिक्री देश में शुरू करने जा रही है। जो सामान्य एसी के मुकाबले 35 प्रतिशत कम बिजली खपत करते हैं।

– विशाल कपूर, सीईओ, ईईएसएल

पेटीएम मामले ने फिनटेक का ध्यान कानून पालन पर खींचा

नई दिल्ली, प्रेट्र: पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) पर आरबीआइ की नियामकीय कार्रवाई ने वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) कंपनियों का ध्यान कानून पालन की ओर खींचा है। इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना-प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने जोर दिया कि नियामकीय अनुपालन कंपनियों के लिए 'वैकल्पिक' नहीं हो सकता, बल्कि इस पर प्रत्येक उद्यमी को पूरा ध्यान देना चाहिए।

चंद्रशेखर ने कहा कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक का मुद्दा एक ऐसा मामला है जहां एक आक्रामक उद्यमी नियामकीय अनुपालन की जरूरत को महसूस करने में विफल रहा है, और कोई भी कंपनी अनुपालन से बच नहीं सकती है।' पेटीएम पेमेंट्स बैंक संकट के बीच मंत्री ने कहा कि कोई भी कंपनी, चाहे वह भारत की हो या विदेश की, बड़ी हो या छोटी, उसे देश के कानून का पालन करना होगा। आरबीआइ ने पीपीबीएल को 15 मार्च से नई जमा स्वीकार करने से रोक दिया है।

सूचना-प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, नियमों का अनुपालन कंपनियों के लिए वैकल्पिक नहीं हो सकता

जल्द लगेंगे अरबों डालर के दो सेमीकंडक्टर संयंत्र

राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि भारत में जल्द ही अरबों डालर के दो पूर्ण विकसित सेमीकंडक्टर संयंत्र लगने वाले हैं। इसके अलावा कई चिप असेंबली और पैकेजिंग इकाइयों की स्थापना के लिए भी निवेश प्रस्तावित है। दो परियोजनाओं में आठ अरब डालर का एक प्रस्ताव इजरायल की टावर सेमीकंडक्टर्स का और दूसरा प्रस्ताव टाटा समूह का है। मंत्री ने कहा कि अगर आगामी आम चुनाव से पहले इन्हें मंजूरी नहीं मिली तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में इस परियोजना को मंजूरी दे दी जाएगी। ये प्रस्ताव माइक्रोन से अतिरिक्त हैं।

Join Epaper Group @ ₹30/m WhatsApp To 8969469464 राष्ट्रीय फलक Join Magazine Group @ ₹60/m WhatsApp To 8969469464

पीएम लखनऊ में करेंगे चौथी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी का उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 10.23 लाख करोड़ की 14,619 परियोजनाओं को आज धरातल पर उतारेंगे प्रधानमंत्री
- परियोजनाओं के आकार लेने पर उत्तर प्रदेश में सृजित होंगे लगभग 34 लाख रोजगार

उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में सोमवार को एक और कदम आगे बढ़ाएगा जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होने वाली ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी 4.0) के माध्यम से प्रदेश में 10,23,537 करोड़ रुपये की कुल 14,619 निवेश परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का शुभारंभ करेंगे। इन परियोजनाओं के आकार लेने पर प्रदेश में लगभग 34 लाख रोजगार सृजित होंगे। प्रधानमंत्री यहां आयोजित होने वाली औद्योगिक उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी करेंगे। राज्य सरकार के इस तीन दिवसीय महत्वाकांक्षी आयोजन में तकरीबन 4,000 अतिथियों के शामिल होने की संभावना है जिनमें देश-दुनिया के जाने माने उद्योगपति, ग्लोबल/इंडियन फार्च्यून 500 कंपनियों के प्रतिनिधि, निवेशक, राजदूत/उच्चायुक्त व अन्य प्रतिष्ठित मेहमान होंगे। जीबीसी के उद्घाटन सत्र के लिए आयोजन स्थल पर खासतौर पर बनाए गए मुख्य हैंगर में प्रधानमंत्री देश-दुनिया के शीर्ष उद्योगपतियों, निवेशकों, राजनयिकों को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे।

यूपी सरकार ने पिछले वर्ष 10 से 12 फरवरी तक आयोजित यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से लगभग 40 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त किए थे, जिनमें से लगभग एक-चौथाई की आधारशिला जीबीसी 4.0 के जरिये रखी जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उत्तर प्रदेश में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए राज्य सरकार के प्रयासों की जानकारी देने के साथ भविष्य की योजनाओं को भी साझा कर सकते हैं। उद्घाटन सत्र को रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह भी संबोधित करेंगे। हिंदुजा समूह के चेयरमैन धीरज हिंदुजा, सैमसंग के दक्षिण-पश्चिम एशिया के सीईओ जेबी पार्क, आइएनजीकेए के सीईओ सुसैन पल्वरर, टोरेंट समूह के एमडी जीनल मेहता और एडवर्ब टेक्नोलाजीस के चेयरमैन जलज मेहता उप्र में औद्योगिक निवेश के संदर्भ में अपने अनुभव साझा करने के साथ अपनी कंपनियों की ओर से प्रदेश में किए जाने वाले निवेश के बारे में जानकारी देंगे।

बनभूलपुरा में सामान्य हो रही स्थिति, छठे उपद्रवी के घर की भी कुर्की

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी: हल्द्वानी में बनभूलपुरा उपद्रव के बाद हालात धीरे-धीरे सामान्य हो रहे हैं। दिन में ढील के बाद अब क्षेत्र में रात का कर्फ्यू प्रभावी है। 10 दिन बीत जाने पर भी मुख्य षड्यंत्रकर्ता अब्दुल मलिक व उसके बेटे अब्दुल मोईद समेत छह उपद्रवी फरार हैं। रविवार को फरार चल रहे छठे उपद्रवी के घर की भी कुर्की कर दी गई और 14 उपद्रवियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया। अब तक 58 उपद्रवियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मलिक की तलाश में पुलिस चार राज्यों में दबिश दे रही है।

बनभूलपुरा में आठ फरवरी की शाम सरकारी जमीन (नजूल) पर बने मदरसे व नमाज स्थल को तोड़ने पहुंची प्रशासन व पुलिस की टीम पर स्थानीय लोगों ने हमला करने के साथ ही थाना भी फूंक दिया था। उपद्रव में पांच की मौत हो चुकी है। एसएसपी प्रह्लाद नारायण मीणा ने बताया कि 19 नामजद समेत पांच हजार अज्ञात पर बलवा, सरकारी संपत्ति को क्षति पहुंचाने समेत अलग-अलग धाराओं में तीन केस दर्ज किए गए हैं।

कोटद्वार में भी फूल-फल रहा 'बनभूलपुरा'

अजय खंतवाल, कोटद्वार

- लकड़ीपड़ाव मोहल्ले में अतिक्रमण की भेंट चढ़ी नगर निगम की 62 बीघा भूमि

उत्तराखंड में पौड़ी जिले के कोटद्वार में भी एक 'बनभूलपुरा' फूल-फल रहा है। यहां 62 बीघा से अधिक सरकारी भूमि अतिक्रमण की चपेट में है। नगर निगम के आंकड़ों के मुताबिक, 1989 में इस भूमि पर 27 अतिक्रमण थे। 2010 में इनकी संख्या 39 हो गई, जबकि वर्तमान में यहां 70 से 75 स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण हैं। यह स्थिति एकाएक नहीं आई, बल्कि 1965 के बाद से ही यहां अतिक्रमण हो रहे हैं। यह सिलसिला अब भी थमा नहीं है। ऐसे में अगर यहां कभी अतिक्रमण हटाने की नौबत आती है तो पुलिस-प्रशासन को नाकों चने चबाने पड़ सकते हैं। ऐसा भी नहीं है कि जिम्मेदार इससे अनजान हैं, पर आंखें फेरे हुए हैं। अतिक्रमण शुरू होने के बाद से अब तक नगर निगम का एक और इससे पहले नगर पालिका के नौ बोर्ड अस्तित्व में आए, मगर किसी ने भी कार्रवाई नहीं की।

कोटद्वार के लकड़ीपड़ाव मोहल्ले में नगर निगम की 62 बीघा तीन बिस्वा भूमि है। फरवरी, 1955 में जिलाधिकारी गढ़वाल ने यह भूमि ताहिर हुसैन नाम के व्यक्ति को 10 वर्ष के लिए लीज पर दी थी। यह समयावधि पूरी होने पर छह जुलाई, 1965 को तत्कालीन नगर पालिका बोर्ड ने लीज के नवीनीकरण की संस्तुति कर दी। हालांकि, जिलाधिकारी कार्यालय ने कुछ आपत्तियों के साथ प्रस्ताव लौटा दिया। पालिका ने आपत्तियों का निस्तारण कर प्रस्ताव वापस नहीं भेजा। 1971 में पालिका के नए बोर्ड ने लीज स्थगित रखने का निर्णय लिया। बाद के वर्षों में भी गतिरोध के कारण इस पर निर्णय नहीं हो पाया। 1988 में फिर लीज नवीनीकरण की प्रक्रिया शुरू हुई, पर आपत्ति लग गई। इस बार जांच में सामने आया कि ताहिर हुसैन ने पट्टे की शर्तों का उल्लंघन करते हुए भूखंडों की बिक्री कर दी। यहां पर 27 भवन बन गए हैं। दिसंबर, 1988 में तत्कालीन जिलाधिकारी शैलेश कृष्ण ने शासन को भेजी रिपोर्ट में इसका जिक्र किया, जिस पर शासन ने फरवरी 1989 में पट्टा निरस्त कर जिलाधिकारी को भूमि वापस लेने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने तत्कालीन उपजिलाधिकारी को भूमि खाली करवाने के निर्देश दिए, लेकिन मामला न्यायालय में चला गया।

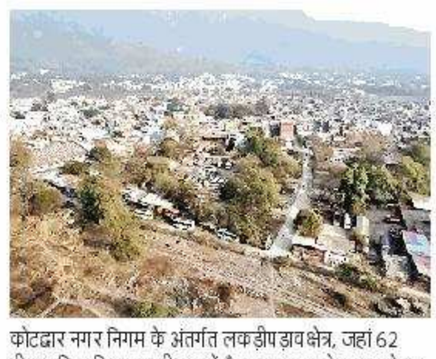

कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत लकड़ीपड़ाव क्षेत्र, जहां 62 बीघा भूमि अतिक्रमण की जद में है। साभार : प्रमोद जखमोला

मामला न्यायालय में लंबित है। 2010 में न्यायालय ने उक्त भूमि पर स्थिति यथावत रखने के निर्देश दिए थे। इन्हीं निर्देशों के अनुपालन में निगम वहां सर्वे कराने जा रहा है, जिसके आधार पर 2010 के बाद हुए कब्जे हटाए जाएंगे।

– वैभव गुप्ता, नगर आयुक्त, कोटद्वार

ओखा-बेट सिग्नेचर ब्रिज का उद्घाटन 25 को करेंगे पीएम मोदी

द्वारका, एएनआइ : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात में द्वारका धाम को मुख्य द्वारका से जोड़ने वाले ओखा-बेट सिग्नेचर ब्रिज का उद्घाटन 25 फरवरी को करेंगे। 978 करोड़ रुपये की लागत से बना यह पुल 2.5 किमी लंबा है। केंद्र सरकार ने धार्मिक और सामरिक महत्व वाले द्वारिका धाम को मुख्य द्वारिका से जोड़ने के लिए पुल बनाने की योजना 2017 में शुरू कर दी है। यह पुल बनने से पहले बेट द्वारका जाने के लिए केवल नाव से ही जाया जा सकता था जो कि बहुत ही समय लेने वाला और खर्चीला भी है। बेहद खूबसूरत सिग्नेचर ब्रिज की डिजाइन बहुत अनूठी है। दोनों तरफ फुटपाथ से लगी दीवारों पर भगवत गीता के असंख्य श्लोक लिखे गए हैं। साथ ही भगवान श्रीकृष्ण की चित्र उकेरे गए हैं। यह अब देश का केबल वाला सबसे लंबा ब्रिज बन गया है।

वायनाड में हाथियों के हमले के पीड़ितों से मिले राहुल गांधी

वायनाड, प्रेट्र: कांग्रेस नेता और वायनाड से सांसद राहुल गांधी ने रविवार को अपने संसदीय क्षेत्र का दौरा किया और हाल ही में जंगली जानवरों के हमले में मारे गए लोगों के घर जाकर संवेदना व्यक्त की। वायनाड में जानवरों के हमले में तीन लोगों की मौत के विरोध में हिंसक प्रदर्शन के एक दिन बाद राहुल ने जिले के अफसरों के साथ स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने पीड़ितों के स्वजनों को बिना देरी किए मुआवजा देने को भी कहा। राहुल अपने निर्वाचन क्षेत्र में मानव-पशु संघर्ष के हल की मांग कर रहे लोगों के उग्र होते विरोध के मद्देनजर वाराणसी में अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा को अचानक रोकने के बाद शनिवार रात कन्नूर पहुंचे। इसके बाद सड़क मार्ग से वायनाड के लिए रवाना हुए। इस दौरान उनके साथ कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और अन्य नेता भी थे।

- वायनाड सांसद ने जिला अधिकारियों के साथ स्थिति का जायजा लिया

राहुल हाथी के हमले में मारे गए अजी के घर पर 20 मिनट रुके। अजी को पिछले हफ्ते वायनाड के मननथावाड़ी इलाके में रेडियो कालर लगे हाथी ने कुचल दिया था, जिसके बाद बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया था।

इसके बाद वह वन विभाग के इको-टूरिज्म गाइड पाल के आवास पर गए, जिसे कुरुवा द्वीप के पास जंगली हाथी ने मार डाला था। इस बीच, बाघ के हमले में मारे गए प्रजीश के भाई मजीश ने गांधी से क्षेत्र में सड़क संपर्क में सुधार करने का आग्रह किया ताकि आपात स्थिति में लोग जल्द अस्पताल पहुंच सकें। क्षेत्र में जानवरों के बढ़ते हमलों के विरोध में राजनीतिक दलों ने शनिवार को प्रदर्शन किया था, जिसमें हिंसा हुई थी।

आवारा कुत्ते को चेन में बांधकर घसीटा, वीडियो प्रसारित होने पर केस दर्ज

जागरण संवाददाता, बहादुरगढ़ : उप्र के आगरा जैसी घटना हरियाणा के बहादुरगढ़ में भी हुई है। यहां आवारा कुत्ते को पहले चेन से बांधा गया फिर बाइक से घसीटा गया। इसका वीडियो वायरल होने के बाद जीव प्रेमी मंजीत सहरावत की शिकायत पर पुलिस ने पशु क्रूरता के आरोप में केस दर्ज कर लिया है। मंजीत ने पुलिस को बताया कि 16 फरवरी को एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें एक शख्स आवारा कुत्ते को चेन से बांधकर बाइक से घसीटता हुआ दिख रहा है। राहगीरों ने वीडियो बना कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। उन्होंने पता किया तो संबंधित शख्स ने कहा था कि कुत्ता गली में लोगों को काट रहा था। फिर यह जानकारी मिली कि जिस बाइक सवार युवक ने कुत्ते को बाइक से घसीटा है, उसने कुछ पशु पाल रखे हैं, ये आवारा कुत्ता उनके पशुओं के पास पहुंच जाता था, इसलिए उसके साथ ऐसा किया।

****

हिमाचल सरकार अयोध्या के लिए शुरू करेगी बस सेवा

मुकेश मेहरा, मंडी

- उप्र सरकार से छह रूट पर समझौते की तैयारी, मनाली रूट को भी स्वीकृति

लोगों को श्रीरामलला के दर्शन कराने के लिए हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के तय किए गए छह रूट अब उत्तर प्रदेश के साथ अंतरराज्यीय समझौते के बाद ही शुरू होंगे। उत्तर प्रदेश सरकार ने इस समझौते की शर्त परिवहन विभाग के समक्ष रखी है। अब सरकार जल्द उत्तर प्रदेश सरकार के साथ यह समझौता करेगी। इसके तहत उत्तर प्रदेश परिवहन निगम भी अपने रूट हिमाचल में चला सकेगा। अयोध्या के लिए लोगों को सीधी बस सुविधा देने के लिए शिमला, ऊना, नालागढ़, मनाली, हमीरपुर, धर्मशाला डिपो से बसें चलाने को प्रदेश सरकार ने स्वीकृति दी है। इसमें मनाली से अयोध्या तक की 1181 किलोमीटर की दूरी के रूट भी शामिल है। सरकार ने इसके लिए फाइल व अधिकारियों की टीम उत्तर प्रदेश भेजी थी, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार ने अंतरराज्यीय समझौते की शर्त निगम के समक्ष रख दी है। इस शर्त को बिना पूरे किए निगम बसें अयोध्याजी नहीं भेज पाएगा।

अयोध्या दर्शन।

अंतरराज्यीय समझौते के लिए निगम कार्य कर रहा है। इसके तहत उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम भी अपने रूट हिमाचल में चला सकता है। एग्रीमेंट होते ही बस ने किस रूट से जाएगी, कितने ड्राइवर बदलेंगे, यह पूरी योजना बनेगी। – विनोद कुमार, मंडलीय प्रबंधक एचआरटीसी मंडी।

तस्कर के मोबाइल से मिले 15 पाकिस्तानी नंबर, आइएसआइ भेज रही थी हेरोइन

नवीन राजपूत, अमृतसर : पंजाब के अमृतसर में शनिवार रात एक किलो हेरोइन के साथ पकड़े गए तस्कर नामदेव के मोबाइल फोन से डेढ़ दर्जन से ज्यादा पाकिस्तानियों के संपर्क नंबर मिले हैं। पुलिस को आशंका है कि तस्कर के पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आइएसआइ के साथ संबंध हैं। गौरतलब है कि पुलिस ने आरोपित को उसके एक साथी बोबी के साथ पकड़ा था।

आरोपित नामदेव और बोबी के मोबाइल फोन की पुलिस ने जांच शुरू की तो कई राज खुलने लगे। पता चला कि नामदेव इससे पहले भी कई बार भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे गांवों में जा चुका है। स्थानीय लोगों से किसी तरह के संबंध होने की अब तक बात सामने नहीं आई है। आइएसआइ ने ही भारत-पाकिस्तान में रहने वाले कुछ तस्करों से भी नामदेव का संपर्क कराया और वही उसके इशारे पर हेरोइन की खेप पाकिस्तान से भारतीय सीमा में पहुंचते हैं।

7 अक्टूबर को हमास आतंकियों ने इजरायल में हमला कर 1200 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी थी और 150 से ज्यादा लोगों को अगवा कर लिया था। इसी के बाद से इजरायल गाजा में हमले कर रहे हैं।

सुरक्षा परिषद में गाजा युद्धविराम प्रस्ताव आया तो अमेरिका करेगा वीटो

- गाजा में मानवीय युद्धविराम के लिए अल्जीरिया ने दिया है प्रस्ताव
- अमेरिका इजरायल और हमास के बीच समझौते पर कर रहा काम

वाशिंगटन, एएनआइ : अमेरिका ने गाजा में मानवीय युद्धविराम के प्रस्ताव के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी वीटो शक्ति का प्रयोग करने की चेतावनी दी है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत लिंडा थामस-ग्रीनफील्ड ने कहा कि अगर गाजा में मानवीय युद्धविराम के लिए अल्जीरिया द्वारा प्रस्तावित प्रस्ताव सुरक्षा परिषद में मतदान के लिए आता है, तो वाशिंगटन वीटो शक्ति का प्रयोग करेगा। ग्रीनफील्ड ने कहा कि अमेरिका बंधकों की रिहाई को सुविधाजनक बनाने और कम से कम छह सप्ताह के लिए लड़ाई रोकने के लिए इजरायल और हमास के बीच समझौते को लेकर कार्य कर रहा है।

उन्होंने कहा, पिछले सप्ताह राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस समझौते को आगे बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू के साथ-साथ मिस्र और कतर के नेताओं के साथ कई बार बातचीत की है। हालांकि कमियां बनी हुई हैं, लेकिन प्रमुख तत्व बातचीत की मेज पर हैं। हमारा मानना है कि यह समझौता सभी बंधकों को उनके परिवारों के साथ फिर से मिलाने और लड़ाई में लंबा विराम लगाने का सबसे अच्छा अवसर है। इससे फलस्तीनी लोगों के हाथों में अधिक भोजन, पानी, ईंधन, दवा और अन्य आवश्यक चीजें पहुंच सकेंगी।

इसके विपरीत सुरक्षा परिषद में रखा गया प्रस्ताव इन परिणामों को प्राप्त नहीं करेगा और वास्तव में उनके विपरीत जा सकता है। यही कारण है कि अमेरिका इस मसौदा प्रस्ताव पर कार्रवाई का समर्थन नहीं करता है। उन्होंने इसके बजाय सुरक्षा परिषद से यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि आने वाले दिनों में हम ऐसी कार्रवाई करें, जिससे बातचीत के टेबल पर हमास पर प्रस्ताव स्वीकार करने का दबाव बढ़े। अमेरिका कूटनीति में संलग्न रहेगा। उन्होंने कहा कि रफाह के दस लाख से अधिक नागरिकों की सुरक्षा की अपेक्षाओं के संबंध में अमेरिका इजरायली और क्षेत्रीय नेताओं के साथ संपर्क में रहेगा। यह महत्वपूर्ण है कि अन्य पक्ष इस प्रक्रिया को सफल बनाने के लिए बेहतर हालात पैदा करें, न कि उन उपायों को आगे बढ़ाएं जो इसके स्थायी समाधान के अवसर को खतरे में डालते हैं।

पिछले सप्ताह बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में अरब देशों ने अल्जीरियाई मसौदा प्रस्ताव के लिए समर्थन की पुष्टि की थी। साथ ही गाजा में तत्काल युद्धविराम और रफाह पर इजरायल के संभावित जमीनी हमले के बीच निर्बाध मानवीय राहत का आह्वान किया था।

रफाह में सैन्य कार्रवाई को लेकर किसी दबाव के आगे नहीं झुकेगा इजरायल

- रफाह में जमीनी कार्रवाई से रोकने का मतलब युद्ध हारना होगा
- बंधक समझौता हो भी गया तो भी रफाह में सेना करेगी प्रवेश
- अमेरिका सहित कई पश्चिमी सहयोगियों ने इसे लेकर चेताया है

तेल अवीव में लोगों ने इजरायल-फलस्तीन युद्ध के विरोध में इजरायली पीएम बैंजामिन नेतन्याहू की सरकार के विरुद्ध प्रदर्शन किया। रायटर

तेल अवीव, आइएएनएस: इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि उनका देश हमास के आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए गाजा के रफाह क्षेत्र में जमीनी सैन्य कार्रवाई करने और फलस्तीनियों के साथ भविष्य के समझौते के संबंध में अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा कि इजरायल को रफाह में जमीनी कार्रवाई से रोकने का मतलब हमास के खिलाफ युद्ध हारना होगा।

अमेरिका और इजरायल के कई पश्चिमी सहयोगियों ने यरुशलम से कहा है कि मौजूदा परिस्थितियों में रफाह में हमला विनाशकारी होगा। इजरायल रफाह में प्रवेश से पहले नागरिकों को निकालने के लिए योजना तैयार कर रहा है। रफाह मिस्र के साथ गाजा की सीमा पर स्थित है और यह इसका आखिरी गढ़ है। माना जाता है कि गाजा में बचे 134 बंधकों में से कुछ इसी शहर में हैं। हमास नेतृत्व भी यहीं शरण लिए हुए है। उन्होंने आगे कहा कि अगर बंधक समझौता हो भी जाता है, तो भी इजरायल अंततः रफाह में प्रवेश करेगा। नेतन्याहू ने रविवार को हमास की मांगों को भ्रमपूर्ण बताया और फलस्तीन के लिए अंतरराष्ट्रीय अपील को खारिज कर दिया।

इजरायल ने गाजा में बोला हमला, 40 की मौत : इजरायली सेना की ओर से कार्रवाई जारी है। हवाई हमलों के दौरान मध्य गाजा पट्टी में आवासीय घरों को निशाना बनाया गया। इसकी चपेट में आकर 40 फलस्तीनी हताहत हुए हैं। अबतक गाजा में 28,985 फलस्तीनी मारे जा चुके हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति ने गाजा युद्ध की तुलना नरसंहार से की : ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला द सिल्वा ने गाजा में हमास आतंकवादियों के खिलाफ इजरायली युद्ध की तुलना दूसरे विश्व युद्ध के दौरान नाजी नरसंहार से की है। लूला ने अदीस अबाबा में 37वें अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से बातचीत के दौरान यह बात कही थी।

थाइलैंड के अरबपति पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन पैरोल पर रिहा

बैंकाक, रायटर: थाइलैंड में लंबे समय तक परस्पर विरोधी अभिजात वर्ग के बीच चले सत्ता संघर्ष के केंद्र में रहे पूर्व प्रधानमंत्री थाकसिन शिनावात्रा रविवार को पैरोल पर रिहा हो गए। शाही सेना द्वारा 2006 में तख्तापलट के बाद भाग निकले थाकसिन 15वर्ष तक आत्म-निर्वासन में रहे। पिछले वर्ष ही स्वदेश लौटे थे। जेल में पहली रात हाई ब्लड प्रेशर और सीने में दर्द के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था और तब से उन्हें वहीं हिरासत में रखा गया था। भ्रष्टाचार के आरोप में उन्हें आठ वर्ष जेल की सजा सुनाई गई थी जिसे राजा ने एक वर्ष कर दिया था। रविवार तड़के 74 वर्षीय थाकसिन काली मर्सिडीज वैन में अपनी छोटी बेटी पेतोंगटारन शिनावात्रा के पास बैठे देखे गए। शिनावात्रा सत्तारूढ़ फू थाई पार्टी की नेता है।

थाकसिन शिनावात्रा (फाइल)। एएफपी

पाक में दस दिन बाद भी सत्ता के बंटवारे पर नहीं बन सकी बात

पीएमएल एन और पीपीपी में पदों को लेकर नहीं बनी सहमति

सत्ता में साझेदारी पर दोनों दलों में आज फिर होगी वार्ता

नवाज शरीफ

बिलावल भुट्टो। फाइल

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान में मतदान के बाद मतगणना हुए दस दिन बीत चुके हैं, पर सरकार गठन का कोई ठोस फार्मूला सामने नहीं आया है। सबसे बड़े दल- नवाज शरीफ की पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) और बिलावल भुट्टो की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी मिलकर सरकार बनाने पर सहमत हैं पर दोनों बीच सत्ता के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है। दोनों दलों की इस बाबत शनिवार को हुई तीसरी बैठक भी बेनतीजा रही, अब सोमवार को दोनों दलों के नेता चौथी बार बैठेंगे।

78 सांसदों वाले दल पीएमएल-एन ने पीएम पद के लिए शहबाज शरीफ का नाम घोषित किया है। 54 सीटों वाली पीपीपी को उनके नाम पर आपत्ति नहीं है लेकिन सरकार को बाहर से समर्थन देने की घोषणा कर चुकी पार्टी को राष्ट्रपति, नेशनल असेंबली के स्पीकर और उच्च सदन सीनेट के प्रमुख का पद चाहिए। पीएमएल-एन राष्ट्रपति और नेशनल असेंबली के स्पीकर के पद पीपीपी को देने पर राजी है, पर सीनेट प्रमुख के पद को लेकर सहमति नहीं बन पा रही है।

सूत्रों के अनुसार,पीएमएल एन चाहती है कि पीपीपी सरकार में भी शामिल हो जिससे देश में कड़े निर्णयों के लिए सिर्फ उसे ही जिम्मेदार न ठहराया जा सके। इस गठबंधन का तीसरा प्रमुख दल 17 सांसदों वाला मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) है, जो सरकार में शामिल होने को तैयार है। पीपीपी पंजाब में भी पीएमएल-एन से गठबंधन चाहती है और वहां की सरकार में अपने नेताओं के लिए अहम पद चाहती है। पंजाब प्रांत में नवाज की बेटी मरयम के नेतृत्व वाली सरकार बनने की उम्मीद है। पंजाब विस में पीएमएल एन ने 137 जबकि पीपीपी ने 10 सीटें जीती हैं। वैसे नेशनल असेंबली में सांसदों का सबसे बड़ा समूह इमरान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ का है, पर निर्दलीय आधार पर जीते उसके 93 सांसदों में से दो पीएमएल एन के साथ जा चुके हैं। पीटीआइ विपक्ष में बैठने की घोषणा कर चुकी है।

रावलपिंडी के कमिश्नर ने खुद को पुलिस के हवाले किया

इस्लामाबाद, प्रेट्र: रावलपिंडी के कमिश्नर लियाकत अली चट्टा की चुनाव में धांधली की स्वीकारोक्ति और उसके बाद इस्तीफे से उठा तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा है। डान के अनुसार, चट्टा ने खुद को पुलिस के हवाले करते हुए अपने खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की है। पुलिस उन्हें हिरासत में लिए हुए है। इस बीच चुनाव आयोग ने मामले की जांच के लिए समिति गठित कर दी है। वहीं, इमरान खान की पार्टी- पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ (पीटीआइ) ने तथ्यों की न्यायिक जांच कराने की मांग की है। एएनआइ के अनुसार रावलपिंडी क्षेत्र के शीर्ष पुलिस अधिकारी सैयद खुर्रम अली के अचानक छुट्टी लेकर परिवार सहित ब्रिटेन जाने की सूचना है। इस बीच पाकिस्तान में आठ फरवरी के मतदान में भारी गड़बड़ी होने के विरोध में प्रदर्शन जारी हैं। चट्टा ने कहा है कि पाकिस्तान के मुख्य चुनाव आयुक्त और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश साजिश में शामिल है। रावलपिंडी में 13 प्रत्याशियों को जबरन जीता हुआ घोषित किया गया। कार्यवाहक सरकार ने सैफ अनवर जप्पा को रावलपिंडी का नया कमिश्नर नियुक्त किया है। उन्होंने पूर्वाधिकारी के बयान को खारिज कर दिया है।

यूक्रेन के अवदिक्का शहर पर रूस का कब्जा

- राष्ट्रपति पुतिन ने सेना को सफलता के लिए दी बधाई
- वखमुत शहर के बाद यह रूसी सेना की बड़ी सफलता

यूक्रेन के अवदिक्का क्षेत्र में रूसी हवाई हमले के बाद कोल और केमिकल फैक्ट्री से उठता धुआं। रायटर

मास्को, रायटर : रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा कि मास्को ने यूक्रेन के अवदिक्का शहर पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल एंड्री मोर्डविचेव के नेतृत्व में सैनिकों ने यह सफलता हासिल की है। अवदिक्का में यूक्रेनी झंडे को हटाकर रूसी झंडा लगा दिया गया है। मई 2023 में बखमुत शहर पर कब्जे के बाद अवदिक्का का पतन रूस के लिए बड़ी उपलब्धि है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे लेकर सैनिकों की जमकर तारीफ की है।

रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से दावा किया गया है कि पिछले 24 घंटों में इस क्षेत्र में यूक्रेन ने 1,500 से अधिक सैनिक खोए हैं। अवदिक्का के पूर्ण नियंत्रण ने रूसी सैनिकों को डोनेट्स्क से अग्रिम पंक्ति को पीछे धकेलने में सफलता दिलाई है, जिससे सेना को यूक्रेनी हमलों से काफी हद तक सुरक्षा मिली है। यूक्रेनी सशस्त्र बल के कमांडर-इन-चीफ आलेक्जेंडर सिर्स्की ने शनिवार को कहा कि अवदिक्का शहर से सैनिकों की वापसी का आदेश दिया गया है।

इस बीच, रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा है कि शहर को पूरी तरह से खाली कराने और यूक्रेनी सैनिकों को रोकने के उपाय किए जा रहे हैं, जो अवदिक्का कोक और केमिकल प्लांट में जमे हुए हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने लगभग 32 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र अपने कब्जे में ले लिया है। रूसी नुकसान का आंकड़ा नहीं दिया गया है। हालांकि, यूक्रेन का दावा है कि रूस को भी बड़ा नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि अवदिक्का में रूसी जीत आधुनिक वायु रक्षा प्रणाली की जरूरत की ओर इशारा कर रही है। जिससे गाइडेड बम और लंबी दूरी तक मार करने वाले हथियारों का मुकाबला किया जा सके। साथ ही गोला बारूद की भी जरूरत है।

बाइडन ने जेलेंस्की से की बात

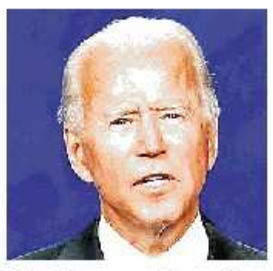

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने चेतावनी दी थी कि कीव के लिए नए अमेरिकी सैन्य सहायता पैकेज के रिपब्लिकन कांग्रेस के महीनों के विरोध के बाद गोला-बारूद की कमी के कारण अवदिक्का रूसी सेना के हाथों में पहुंच सकता है। व्हाइट हाउस के एक बयान में कहा गया कि बाइडन ने यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताते हुए शनिवार को जेलेंस्की से फोन पर बात की। साथ ही उन्होंने पैकेज को तत्काल पारित करने के आवश्यकता को दोहराया। व्हाइट हाउस ने कहा कि कांग्रेस की निष्क्रियता के परिणामस्वरूप आपूर्ति में कमी के कारण यूक्रेन को वापसी के लिए मजबूर होना पड़ा, जिससे रूस को महीनों बाद यह सफलता मिली है।

युद्ध के बीच ब्रिटेन ने यूक्रेन के लोगों के लिए वीजा अवधि बढ़ाई

लंदन, प्रेट्र : ब्रिटिश सरकार ने रविवार को रूस-यूक्रेन संघर्ष के मद्देनजर देश में शरण लेने वाले युद्ध प्रभावित यूक्रेन के लोगों के लिए वीजा योजना बढ़ा दी, जिससे उन्हें मौजूदा शर्तों पर 18 महीने के अतिरिक्त प्रवास की अनुमति मिल गई है। गृह कार्यालय ने कहा कि यूक्रेन वीजा योजनाओं के तहत ब्रिटेन में रहने वाले सभी लोग अतिरिक्त 18 महीनों के लिए यहां रहने के लिए आवेदन कर सकेंगे। पूरे प्रवास के दौरान शिक्षा, काम, लाभ, स्वास्थ्य देखभाल तक पहुंच के समान अधिकार प्राप्त कर सकेंगे। इसका मतलब यह होगा कि जो यूक्रेन वीजा योजनाओं में से एक के तहत वीजा पर आए थे, वे अब सितंबर 2026 तक ब्रिटेन में रह सकते हैं। ब्रिटेन के कानूनी प्रवासन और सीमा मंत्री टाम पर्सग्लोव ने कहा कि यह नई वीजा विस्तार योजना ब्रिटेन में यूक्रेनवासियों को उनके भविष्य के बारे में निश्चितता और आश्वासन प्रदान करती है क्योंकि यह युद्ध जारी है। हम संघर्ष पीड़ितों के लिए सुरक्षित आश्रय प्रदान करना जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि यह कदम दिखाता है कि ब्रिटेन और उसके सहयोगी यूक्रेन के साथ एकजुटता से खड़े हैं और यूक्रेन के खिलाफ रूसी राष्ट्रपति पुतिन के अवैध युद्ध की निंदा करते हैं।

न्यूज गैलरी

श्रीलंका से संबंधों को गहरा करने को प्रतिबद्ध: भारतीय उच्चायुक्त

कोलंबो : श्रीलंका में भारत के नवनियुक्त उच्चायुक्त संतोष झा ने पहली बार द्वीप देश के उत्तरी प्रांत का दौरा किया और दोनों देशों के बीच संपर्क में सुधार की जरूरत पर बल दिया। भारतीय उच्चायोग ने कहा, शनिवार को यात्रा के दौरान झा ने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। यह द्विपक्षीय साझेदारी की गहरी जड़ें व उत्तरी प्रांत के साथ सामाजिक-आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने के प्रति भारत की दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। भारतीय उच्चायुक्त ने कांकेसंथुराई बंदरगाह और तलाईमन्नार पियर का दौरा करते समय दोनों देशों के बीच नौका सेवा शीघ्र बहाल करने की आवश्यकता के बारे में चर्चा की। (प्रेट्र)

बुशरा बीबी ने तोशाखाना मामले में दोषी ठहराए जाने को चुनौती दी

इस्लामाबाद : पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में तोशाखाना मामले में उन्हें दोषी ठहराए जाने को चुनौती दी है। एक दिन पहले इमरान ने भी तोशाखाना और साइफर मामले में दोषी करार दिए जाने के विरुद्ध याचिका दाखिल कराई थी। जवाबदेही कोर्ट ने पिछले महीने तोशाखाना मामले में इमरान और उनकी पत्नी बुशरा को 14 वर्ष जेल की सजा के साथ ही 1.54 अरब पाकिस्तानी रुपये जुर्माना किया था। (एएनआइ)

ब्रिटेन में 17 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या

लंदन : पूर्वी लंदन में क्रेमर स्ट्रीट के जक्शन के निकट हैकनी रोड पर शनिवार को 17 वर्षीय किशोर की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। घटना की सूचना पर अधिकारी व लंदन एंबुलेंस सेवा मौके पर पहुंची। हालांकि काफी प्रयासों के बावजूद किशोर को नहीं बचाया जा सका। पुलिस ने बताया कि किशोर के परिवार को सूचित कर दिया गया है। पोस्टमार्टम परीक्षण और औपचारिक पहचान की व्यवस्था उचित समय पर की जाएगी। मामले में अब तक कोई गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। हैकनी एवं टावर हैमलेट्स में पुलिस प्रमुख जेम्स कान्वे ने मृत किशोर के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की और विश्वास दिलाया कि हत्यारोपित की जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। (एएनआइ)

भारतीय परियोजनाओं को विधायी अधिकार क्षेत्र में सीमा विस्तार

- प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' ने संसद में कही यह बात

पुष्पकमल दहल 'प्रचंड'। फाइल

काठमांडू, एएनआइ: नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्पकमल दहल 'प्रचंड' ने रविवार को सांसदों को बताया कि उच्च प्रभाव वाले सामुदायिक विकास (एचआइसीडी) परियोजनाओं को विधायी अधिकार क्षेत्र में सीमा विस्तार दिया गया है। 20 करोड़ की एचआइसीडी परियोजनाओं को सीमा विस्तार देने में नियमों को दरकिनार करने के विपक्षी सांसद के सवाल पर प्रचंड ने कहा कि निर्णय कानून के तहत किया गया।

उन्होंने नेपाल की संसद में बताया कि हमें छोटी विकास परियोजनाओं के लिए भारतीय सहायता मिलती रही है लेकिन अब परियोजना का नाम उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजनाएं कर दिया गया है और इसमें सहायता राशि और कार्यक्षेत्र को विस्तार दिया गया है। उन्होंने कहा कि दूतावास को खर्च करने का पूरा अधिकार दिए जाने वाली टिप्पणियों को गलत करार दिया। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि वे खर्च केवल प्रांत और स्थानीय स्तर से मांग और अनुमोदन प्राप्त करने के बाद ही किए जा सकते हैं और यह संबंधित मंत्रालयों के माध्यम से ही आएंगे। साल की शुरुआत में नेपाल और भारत ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर की नेपाल यात्रा के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इससे भारतीय दूतावास को नेपाल में परियोजनाओं में 20 करोड़ रुपये तक का निवेश करने की अनुमति मिल गई थी।

एलेक्सी नवलनी की मौत पर शोक जताने जुटे 400 लोग हिरासत में लिए गए

मास्को, एपी : रूस में विपक्षी नेता और राष्ट्रपति पुतिन के धुर विरोधी एलेक्सी नवलनी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे 400 से अधिक लोगों को हिरासत में ले लिया गया। सितंबर 2022 के बाद से यह रूस में राजनीतिक कार्यक्रमों में गिरफ्तारियों की सबसे बड़ी संख्या है। यूक्रेन में पुतिन के सैन्य अभियान के खिलाफ प्रदर्शनों में 1,300 से अधिक लोग पकड़े गए थे। 47 वर्षीय नवलनी की मौत सुदूर आर्कटिक में स्थित जेल में हो गई थी। जहर से बचने और कई बार जेल की सजा पाने के बाद भी नवलनी क्रेमलिन की आलोचना करने से पीछे नहीं हटे थे। नवलनी की टीम ने कहा, राजनेता की हत्या की गई थी और उन्होंने अधिकारियों पर जानबूझकर शव न सौंपने का आरोप लगाया है। नवलनी की मां और वकीलों को विभिन्न संस्थानों से विरोधाभासी जानकारी मिली। वहीं, पत्नी यूलिया ने रविवार को इंटरनेट मीडिया पर नवलीन के साथ वाली तस्वीर पोस्ट की है। इसमें उन्होंने लिखा है कि मैं तुमसे प्यार करती हूं।

सिंगापुर एयरशो में वायुसेना की सारंग टीम दिखाएगी जलवा

सारंग। फाइल

सिंगापुर, प्रेट्र: भारतीय वायुसेना की सारंग एयरोबेटिक टीम आगामी मंगलवार से प्रस्तावित सिंगापुर एयरशो में शानदार एयरोबेटिक्स युद्धाभ्यास का प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। चांगी प्रदर्शनी केंद्र में आगामी 20 से 25 फरवरी तक आयोजित किए जाने वाले पांच दिवसीय कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों व क्षेत्रों की एक हजार से अधिक कंपनियां भाग लेंगी। बता दें कि 2003 में गठित सारंग हेलीकाप्टर डिस्प्ले टीम ने अपना पहला अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक प्रदर्शन 2004 में सिंगापुर में एशियन एयरोस्पेस शो में ही किया था।

भारतीय वायुसेना की सारंग हेलीकाप्टर डिस्प्ले टीम के 71 जवानों वाली एक टीम पांच उन्नत हल्के हेलीकाप्टर (एएलएच) 'ध्रुव' के साथ मेगा कार्यक्रम में भाग लेगी। हिंदुस्तान एयरनाटिक्स लिमिटेड द्वारा डिजाइन ध्रुव हर मौसम में मल्टी-मिशन में सक्षम हेलीकाप्टर है। हेलीकाप्टर की विशेषताएं इसे सैन्य भूमिकाओं के लिए उपयुक्त बनाती हैं। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि सारंग डिस्प्ले टीम विश्वभर में 385 से अधिक स्थानों पर 1200 से अधिक बार अपने युद्धाभ्यास का प्रदर्शन कर चुकी है। एयरशो के आयोजक एक्सपीरिया के एमडी लेक चैत लेम ने बताया कि कार्यक्रम में एयरबस, बीएई सिस्टम्स, बोइंग, एविक, कोमैक, राल्स रायस जैसी विश्व की 20 शीर्ष विमानन कंपनियां व चीन, चेक गणराज्य और कोरिया जैसे 16 देश प्रतिभाग करेंगे।

दो मछुआरों की मौत के बाद चीन ने ताइवान के निकट बढ़ाई गश्त

बैंकाक, एपी: दो मछुआरों की मौत के बाद चीन ने ताइवान के किनमेन द्वीपसमूह के आसपास गश्त बढ़ा दी है। गत बुधवार को नाव पलटने से दो चीनी मछुआरों की मौत हो गई थी और दो अन्य चीनी नागरिकों को ताइवान ने हिरासत में ले लिया था। यह नाव किनमेन द्वीपसमूह से करीब एक समुद्री मील की दूरी पर स्थित प्रतिबंधित क्षेत्र में मछली पकड़ रही थी। ताइवान तटरक्षक बलों द्वारा पीछा किए जाने पर हादसा हुआ। चीनी तटरक्षक बलों के प्रवक्ता गन यू ने रविवार को कहा,समुद्री कानून प्रवर्तन को मजबूत करने के लिए चीनी तटरक्षक बलों की फुजियान डिवीजन नियमित रूप से जियामेन शहर के दक्षिणी तट के आसपास निगरानी करेगी। जियामेन शहर ताइवार के किनमेन द्वीपसमूह से कुछ किमी की दूरी पर स्थित है। इस क्षेत्र में चीन की मछली पकड़ने वाली नावों व रेत निकालने वाले जहाजों की संख्या बढ़ने के कारण आए दिन तनाव हो जाता है।

तापमान बढ़ने से हार्बिन पार्क बंद

उत्तर-पूर्व चीन के हार्बिन में थीम पार्क में बर्फ की कलाकृति के सामने खेलती बच्ची। तापमान में लगातार वृद्धि से प्रसिद्ध हार्बिन पार्क में बर्फ की कलाकृतियां धीरे-धीरे पिघल रही हैं। इस कारण इस पार्क को बंद करने की घोषणा की गई है। प्रशासन ने पर्यटकों से पार्क में नहीं आने की अपील की है। एएफपी

गुलाम जम्मू कश्मीर में मोबाइल टावरों की संख्या बढ़ा रहा पाकिस्तान

जागरण संवाददाता, राजौरी

- भारतीय क्षेत्र में सुरक्षित घुसपैठ करवाने के लिए रच रहा षड्यंत्र
- सीमा के पास नये टावर लगाने में चीनी कंपनी कर रही मदद

पाकिस्तान आए दिन सीमा पर भारत के खिलाफ षड्यंत्र रचने में जुटा रहता है। आतंकियों व उनके सहयोगियों को भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ करवाने के लिए पाकिस्तान ने चीन की मदद से गुलाम जम्मू कश्मीर में मोबाइल टावरों की संख्या बढ़ाई है। ताकि अधिक से अधिक सिग्नल भारतीय क्षेत्र में पहुंचें और आतंकी इन सिग्नल का उपयोग कर सीमा के आसपास आसानी से बात कर अपनी गतिविधियों को अंजाम दे सकें।

विशेष रूप से पीर पंजाल के दक्षिण यानी राजौरी व पुंछ जिलों में घुसपैठ के प्रयासों और हाल के हमलों के अध्ययन के बाद अधिकारियों ने बताया कि आतंकी संगठन एनक्रिप्टेड वाइएसएमएस एप का उपयोग कर रहे हैं। यह एक ऐसी तकनीक है जिससे सुरक्षित संदेश व बातचीत की जा सकती है। अगर आतंकी या उनके सहयोगी भारतीय क्षेत्र में इंटरनेट या सिम कार्ड का उपयोग करते हैं तो बड़ी आसानी से उनकी लोकेशन का पता लग जाता है। इससे बचने के लिए ही सीमा पार मोबाइल टावरों को बढ़ा जा रहा है। इस तकनीक की मदद से गुलाम जम्मू कश्मीर में बैठा आतंकी संगठन का हैंडलर एलओसी के पार टेलीकाम नेटवर्क पर जम्मू क्षेत्र में घुसपैठ करने वाले आतंकियों और उनको लेने आए गाइड या सहयोगियों से जुड़ा होता है।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की तैयारी: सूत्रों के अनुसार, सीमा पार मोबाइल सिग्नल को बढ़ावा देने का काम पाकिस्तानी सेना के अधिकारी मेजर जनरल उमर अहमद शाह के नेतृत्व वाले विशेष संचार संगठन को सौंपा गया है, जिसके बारे में माना जाता है कि वह पहले पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ में तैनात था। एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा के तीन से चार किलोमीटर के दायरे में दूरसंचार टावरों को लगाना आमतौर पर आतंकियों और उनके सहयोगियों की सहायता के लिए ही किया जाता है, जो अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आइटीयू) के संविधान के अनुच्छेद 45 का उल्लंघन है। संबंधित अधिकारियों ने कहा कि इस मामले को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाने की तैयारी की जा रही है।

गुलाम जम्मू कश्मीर में लगाए जा रहे दूरसंचार सिग्नल भारतीय क्षेत्र में बारामुला,कुपवाड़ा, जम्मू, कठुआ, राजौरी व पुंछ के सीमांत क्षेत्र को प्रभावित कर रहे हैं। इससे पहले भी पाकिस्तान ऐसी कई हरकतें करता रहता है, जिसे विफल बना दिया गया था।

भारतीय टीम किसी भी पिच पर मैच जीतने की काबिलियत रखती है। क्यूरेटर फैसला करते हैं और पिच तैयार करते हैं। हमारे पास किसी भी विकेट पर खेलने और मैच जीतने की ताकत है। हमने जब दक्षिण अफ्रीका में मैच जीता था तो हर कोई जानता था कि वो कैसा विकेट था। - **रोहित शर्मा**, कप्तान, भारत

बैट-बाल के सामने फुस्स हुआ बैजबाल

तीसरे टेस्ट मैच में चौथे दिन ही धराशायी हुई इंग्लैंड की टीम, यशस्वी-जडेजा रहे जीत के नायक

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: भारत दौरा शुरू होने से पहले अपनी 'बैजबाल' रणनीति को लेकर जो इंग्लिश टीम इतना हल्ला मचा रही थी, वो रणनीति भारतीय टीम के खेल के आगे फुस्स हो गई। राजकोट में खेले गए तीसरे टेस्ट में युवा स्टार बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (214) के दोहरे शतक के बाद रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) की फिरकी में फंसकर इंग्लिश टीम रविवार को चौथे दिन ही धराशायी हो गई और मेजबान टीम ने 434 रन के बड़े अंतर से यह मुकाबला जीतकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है।

रैंक टर्नर नहीं, मिली बल्लेबाजी अनुकूल पिच: हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट में हार के बाद भारत ने 'बैजबाल' से निपटने के लिए भारत ने विशाखापत्तनम और राजकोट में अच्छी बैटिंग पिच तैयार कराई। इससे पहले भारत में मेहमान टीमों के लिए रैंक टर्नर (स्पिन विकेट) देखने को मिलते थे, जिससे टेस्ट मैच के पहले या दूसरे दिन से ही गेंद घूमने लगती थी। रैंक टर्नर को ध्यान में रखकर ही इंग्लैंड ने अपनी टीम में चार-चार स्पिनरों को शामिल किया था। हैदराबाद को छोड़कर बाकी दो टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी के अनुकूल पिच मिलने पर इंग्लैंड की गेंदबाजी रणनीति को पूरी तरह निष्प्रभावी कर दिया। हैदराबाद में जहां इंग्लैंड ने चार स्पिनर खिलाए थे तो विशाखापत्तनम में वह तीन स्पिनरों के साथ उतरा। वहीं राजकोट में उसे दो स्पिनर और दो तेज गेंदबाज खिलाने पड़े। जसप्रीत बुमराह की रिवर्स स्विंग ने भी अंग्रेज बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। विशाखापत्तनम ने बुमराह के आगे अंग्रेज बल्लेबाजों ने घुटने टेक दिए थे तो राजकोट में भी बुमराह ने पहली पारी में जो रूट और दूसरी पारी में जैक क्रावले को अपना शिकार बनाया।

बल्ले से हावी रहा भारत: भारतीय टीम बल्ले से भी इंग्लैंड पर हावी रही। विशाखापत्तनम में जहां यशस्वी ने दोहरा शतक और शुभमन ने शतक लगाकर इंग्लिश गेंदबाजों की खबर ली तो राजकोट में यशस्वी के साथ पदार्पण कर रहे सरफराज खान ने इंग्लिश स्पिनरों और जेम्स एंडरसन से जमकर खिलवाड़ किया। यशस्वी ने जहां दूसरी पारी में अपनी 236 गेंद की पारी में 14 चौके और 12 छक्के लगाए और अविजित 214 रन बनाए। इसके साथ ही उन्होंने एक टेस्ट पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने के रिकार्ड की भी बराबरी की। वहीं सरफराज ने अपनी दो पारियों में अर्धशतक जड़े और वह ऐसा करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज भी बने। इन तीन कारणों के अलावा जानी बेयरस्टो और जो रूट का रन नहीं बनाकर बैजबाल के फुस्स होने में बड़ा योगदान दिया है। जो रूट जहां छह पारियों में केवल 77 रन बना पाए हैं तो बेयरस्टो 103 रन ही बना सके हैं।

यह जीत कप्तान रोहित शर्मा की काबिलियत को भी दर्शाती है। सीरीज शुरू होने से पहले विराट कोहली निजी कारणों से नाम वापस ले चुके थे। पहले टेस्ट के बाद केएल राहुल चोटिल हो गए। जडेजा भी विशाखापत्तनम में नहीं खेले थे। टीम के मुख्य तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोटिल थे। टीम में कई युवाओं को शामिल किया गया। रजत पाटीदार, सरफराज और ध्रुव जुरैल ने पदार्पण किया। इसके बावजूद रोहित की कप्तानी कमाल की रही और उन्होंने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाया। अगर भारत यह सीरीज जीतता है तो इसकी तुलना अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में आस्ट्रेलिया में मिली टेस्ट सीरीज जीत से की जाएगी क्योंकि वहां भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। कई खिलाड़ी चोटिल थे, विराट बच्चे के जन्म के लिए पहले टेस्ट के बाद वापस चले गए थे। टीम ने पंत जैसे युवा खिलाड़ियों के दम पर आस्ट्रेलिया को उसके घर में हराया था।

2 बार बेन स्टोक्स की कप्तानी में इंग्लैंड ने लगातार दो टेस्ट मैच हारे हैं। इससे पहले पिछले वर्ष आस्ट्रेलिया ने उसे एजबेस्टन और लार्ड्स में हराया था

राजकोट टेस्ट में जीत के बाद पिच को चूमते रवींद्र जडेजा • प्रेट्र

घरेलू मैदान पर जडेजा ने किया कमाल

अपने घरेलू मैदान पर खेल रहे रवींद्र जडेजा ने चोट से उबरकर अंग्रेजों को वो दर्द दिया, जो वे जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। जडेजा के आलराउंड प्रदर्शन से इंग्लैंड को टेस्ट में उसकी दूसरी सबसे बड़ी हार मिली। सौराष्ट्र के इस आलराउंडर ने दूसरी पारी में पहले ओली पोप, जो रूट और जानी बेयरस्टो को आउट कर इंग्लैंड के मध्यक्रम को झकझोरा और बेन फोक्स और मार्क वुड को आउट इंग्लैंड को बोरिया बिस्तर समेट दिया। अपने टेस्ट करियर में जडेजा ने दूसरी बार शतक लगाने के अलावा पांच विकेट लिए। इससे पहले उन्होंने 2022 में मोहाली में श्रीलंका के विरुद्ध यह कारनामा किया था।

चाय के बाद मैदान पर उतरे रविचंद्रन अश्विन

रविचंद्रन अश्विन तीसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन चाय के विश्राम के बाद मैदान पर उतरे। दूसरे दिन के खेल के बाद अश्विन को मां के बीमार होने के कारण मैच को बीच में छोड़ना पड़ा था। आइसीसी के नियमों के अनुसार, अश्विन को अनुपस्थित रहने पर 'पेनाल्टी टाइम' का सामना नहीं करना पड़ेगा। अगर खिलाड़ी ने किसी स्वीकार्य कारण से मैदान छोड़ा है तो इस अनुपस्थिति पर जुर्माना नहीं लगेगा।

स्कोर बोर्ड

भारत (पहली पारी) : 445 (130.5 ओवर)

भारत (दूसरी पारी) : 430/4 (98 ओवर) (196/2 से आगे)

	रन	गेंद	4/6
यशस्वी जायसवाल अविजित	214	236	14/12
शुभमन गिल रन आउट	91	151	9/2
कुलदीप का. रूट बो. रेहान	27	91	3/1
सरफराज खान अविजित	68	72	6/3

अतिरिक्त: 11 (लेबा-9, वा-2), कुल: 98 ओवर में चार विकेट पर 430 रन, विकेट पतन: 3-246 (शुभमन, 63.5), 4-258 (कुलदीप, 71.4), गेंदबाजी: एंडरसन 13-1-78-0, रूट 27-3-111-1, हार्टले 23-2-78-1, वुड 10-0-46-0, रेहान अहमद 25-1-108-1

इंग्लैंड (दूसरी पारी) : 122 (39.4 ओवर) (पहली पारी) : 319 (71.1 ओवर)

क्रावले एलबीडब्ल्यू बो. बुमराह	11	26	2/0
बेन डकेट रन आउट	4	15	0/0
ओली पोप का. रोहित बो. जडेजा	3	14	0/0
जो रूट एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	7	40	1/0
बेयरस्टो एलबीडब्ल्यू बो. जडेजा	4	3	1/0
स्टोक्स एलबीडब्ल्यू बो. कुलदीप	15	39	1/0
बेन फोक्स का. ध्रुव बो. जडेजा	16	39	2/0
रेहान का. सिराज बो. कुलदीप	0	5	0/0
टाम हार्टले बो. अश्विन	16	36	2/1
वुड का. यशस्वी बो. जडेजा	33	15	6/1
जेम्स एंडरसन अविजित	1	9	0/0

अतिरिक्त: 12 (बा-5, लेबा-4, नोबा-3), कुल: 39.4 ओवर में 122 रन पर सभी आउट, गेंदबाजी: बुमराह 8-1-18-1, सिराज 5-2-16-0, जडेजा 12.4-4-41-5, कुलदीप 8-2-19-2, अश्विन 6-3-19-1

रन अंतर से भारत की सबसे बड़ी टेस्ट जीत

रन अंतर	बनाम	स्थान	वर्ष
434	इंग्लैंड	राजकोट	2024
372	न्यूजीलैंड	मुंबई	2021
337	द. अफ्रीका	दिल्ली	2015
321	न्यूजीलैंड	इंदौर	2016
320	आस्ट्रेलिया	मोहाली	2008

टेस्ट में शतक और पांच विकेट (भारत में)

खिलाड़ी	प्रदर्शन	बनाम	स्थान	वर्ष
वीनू मांकड़	184 व 5/196	इंग्लैंड	लाड्र्स	1952
पाली उमरीगर	172* व 5/107	वेस्टइंडीज	पोर्ट आफ स्पेन	1962
रविचंद्रन अश्विन	103 व 5/156	वेस्टइंडीज	मुंबई	2011
रविचंद्रन अश्विन	113 व 7/83	वेस्टइंडीज	नार्थ साउंड	2016
रविचंद्रन अश्विन	106 व 5/43	इंग्लैंड	चेन्नई	2021
रवींद्र जडेजा	175* व 5/41	श्रीलंका	मोहाली	2022
रवींद्र जडेजा	112 व 5/41	इंग्लैंड	राजकोट	2024

रनों के अंतर से इंग्लैंड की सबसे बड़ी हार

रन अंतर	बनाम	स्थान	वर्ष
562	आस्ट्रेलिया	द ओवल	1934
434	भारत	राजकोट	2024
425	वेस्टइंडीज	मैनचेस्टर	1976
409	आस्ट्रेलिया	लाड्र्स	1948
405	आस्ट्रेलिया	लाड्र्स	2015

एक पारी में सर्वाधिक छक्के

छक्के	बल्लेबाज	बनाम	स्थान
12	यशस्वी जायसवाल	इंग्लैंड	राजकोट
12	वसीम अकरम	जिंबाब्वे	शेखपुरा
11	मैथ्यू हेडन	जिंबाब्वे	पर्थ
11	नाथन एस्टल	इंग्लैंड	क्राइस्टचर्च
11	ब्रेंडन मैकुलम	पाकिस्तान	शारजाह
11	ब्रेंडन मैकुलम	श्रीलंका	क्राइस्टचर्च
11	बेन स्टोक्स	द. अफ्रीका	केपटाउन
11	कुसल मेंडिस	आयरलैंड	गाले

लगातार दो मैचों में दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बने

यशस्वी जायसवाल का बढ़ता यश

नई दिल्ली, जेएनएन: 12 जुलाई 2023 को वेस्टइंडीज के विरुद्ध पदार्पण करने वाले मुंबई के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने अपने पहले ही मैच में शतक जड़कर बता दिया था कि ये खिलाड़ी कुछ खास है। इंग्लैंड के विरुद्ध पहले विशाखापत्तनम और अब राजकोट में इस वामहस्त बल्लेबाज ने लगातार दूसरा दोहरा शतक जड़कर कई रिकार्ड को ध्वस्त कर दिया। कभी मुंबई के आजाद मैदान के बाहर पानीपुरी की ठेली पर काम करने वाले जायसवाल की बल्लेबाजी का यश लगातार बढ़ रहा है।

राजकोट में रविवार को यूपी के भदोही में पैदा हुए यशस्वी ने इंग्लैंड के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। उनकी पारी का आकर्षण जेम्स एंडरसन की गेंदों पर लगाए गए लगातार तीन छक्के थे। उन्होंने अपनी पारी में 12 छक्के लगाकर भारत की तरफ से नया रिकार्ड बनाया और वसीम अकरम के 28 साल पहले बनाए गए विश्व रिकार्ड की बराबरी की। वह विराट कोहली और विनोद कांबली के बाद लगातार दो मैचों में दोहरा शतक लगाने वाले सिर्फ तीसरे भारतीय बल्लेबाज हैं। इतना ही नहीं, जायसवाल ने अब तक तीन टेस्ट मैच ही खेले हैं और 20 छक्के लगाने में सफल हो गए हैं। अभी दो टेस्ट मैच सीरीज में और खेलने हैं। इससे पहले यह रिकार्ड रोहित शर्मा के नाम थे। रोहित ने एक टेस्ट सीरीज में कुल 19 छक्के लगाए थे। रोहित ने 2019 द. अफ्रीका के विरुद्ध टेस्ट सीरीज में ये किया था।

अपनी पारी के बाद यशस्वी ने कहा, टेस्ट क्रिकेट कठिन है, लेकिन जब मैं टीम में हूं तो मुझे अपना 100 प्रतिशत देना होगा। भारत में आपको बस, ट्रेन या आटो में चढ़ने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी पड़ती है। मेरे साथ यह बचपन से होता आ रहा है। इससे मुझे मेहनत करने की मानसिकता पाने में बहुत मदद मिली है। शनिवार को कमर में दर्द के कारण यशस्वी को रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा था। यशस्वी ने कहा, मैं बाहर नहीं जाना चाहता था लेकिन दर्द काफी बढ़ गया था। आज जब मैं आया तो मैं यह सुनिश्चित करना चाहता था कि अंत तक बल्लेबाजी करूं। राजस्थान रायल्स में गेंदबाजी कोच रहे श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा ने कहा, राजस्थान के समय मैं यशस्वी की प्रतिबद्धता से प्रभावित था। मैंने अपने करियर में केवल कुछ ही युवाओं में यह समर्पण देखा है। यह लड़का विशेष है।

ये रिकार्ड किए ध्वस्त

- एक टेस्ट सीरीज में 20 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज
- एक टेस्ट पारी में संयुक्त रूप से सर्वाधिक छक्के
- 23 साल की उम्र से पहले किसी भारतीय द्वारा टेस्ट में सर्वाधिक बार 150+ का स्कोर
- लगातार दोहरा शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय बल्लेबाज
- एक टेस्ट सीरीज में 500 रन बनाने वाले दूसरे सबसे युवा भारतीय बल्लेबाज बने
- टेस्ट में सबसे तेज 200 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय

दोहरा शतक जड़ने के बाद यशस्वी जायसवाल • एपी

टेस्ट सीरीज में बाएं हाथ के बल्लेबाज द्वारा सर्वाधिक रन

रन	बल्लेबाज	बनाम
545*	जायसवाल	इंग्लैंड
534	गांगुली	पाकिस्तान
463	गंभीर	आस्ट्रेलिया
445	गंभीर	न्यूजीलैंड

भारत के लिए टेस्ट पदार्पण में प्रत्येक पारी में 50+ स्कोर

बल्लेबाज	रन	बनाम	स्थान	वर्ष
दिलावर हुसैन	59 व 57	इंग्लैंड	कोलकाता	1934
सुनील गावस्कर	65 व 67*	वेस्टइंडीज	पोर्ट आफ स्पेन	1971
श्रेयस अय्यर	105 व 65	न्यूजीलैंड	कानपुर	2021
सरफराज खान	62 व 68*	इंग्लैंड	राजकोट	2024

दूसरी पारी में भारत के लिए दोहरा शतक

रन	बल्लेबाज	बनाम	स्थान
203*	मंसूर अली खान पटौदी	इंग्लैंड	दिल्ली
200*	दिलीप सरदेसाई	वेस्टइंडीज	मुंबई
220	सुनील गावस्कर	वेस्टइंडीज	पोर्ट आफ स्पेन
221	सुनील गावस्कर	इंग्लैंड	द ओवल
281	वीवीएस लक्ष्मण	आस्ट्रेलिया	कोलकाता
214*	यशस्वी जायसवाल	इंग्लैंड	राजकोट
212	वसीम जाफर	वेस्टइंडीज	सेंट जोंस

एक नजर में

द. अफ्रीकी पूर्व आलराउंडर माइक प्राक्टर का निधन

जोहानिसबर्ग: क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने रविवार को देश के बेहतरीन आल राउंडर में शुमार माइक प्राक्टर के निधन पर शोक व्यक्त किया। वह 77 वर्ष के थे। प्राक्टर एक बेहतरीन तेज गेंदबाज और मध्यक्रम बल्लेबाज थे। वह आफ स्पिन गेंदबाजी भी कर लेते थे। दक्षिण अफ्रीका के क्रिकेट इतिहास में इस चतुर कप्तान ने हर तरह की भूमिका निभाई। उन्होंने केवल सात टेस्ट खेले, लेकिन प्रथम श्रेणी में उन्होंने 401 मैच खेले। प्राक्टर की उपलब्धियों में एक ही मैच में दो बार हैट्रिक लेना और एक शतक जड़ना शामिल है। (प्रेट्र)

निलंबित पैरालिंपिक समिति के चुनाव नौ मार्च को होंगे

नई दिल्ली: भारतीय पैरालिंपिक समिति (पीसीआइ) के चुनाव नौ मार्च को होंगे। समिति ने रविवार को यह घोषणा की। खेल मंत्रालय ने सही समय पर चुनाव नहीं करने के कारण पीसीआइ को चार फरवरी को निलंबित कर दिया था। पीसीआइ कार्यकारी समिति का चार वर्षों का कार्यकाल 31 जनवरी को समाप्त हो गया था। मंत्रालय ने संस्था के दैनिक कार्यों के संचालन के लिए तदर्थ पैनल गठित करने का सुझाव दिया था, परंतु विश्व संचालन संस्था आइपीसी ने इसकी मंजूरी नहीं दी। (प्रेट्र)

मुस्तफिजुर को सिर में लगी गेंद, अस्पताल में भर्ती

ढाका: अनुभवी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को बांग्लादेश प्रीमियर लीग से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान लिटन दास की गेंद सिर पर लगने के बाद स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। खिलाड़ी जहूर अहमद चौधरी स्टेडियम में कोमिला विक्टोरियंस नेट में अभ्यास कर रहे थे। रहमान (28 वर्ष) को गेंद तब लगी जब वह अपने गेंदबाजी निशान की ओर जा रहे थे और उन्हें खून निकलने वाली जगह पर तुरंत उपचार दिया गया और फिर एंबुलेंस में इंपीरियल अस्पताल ले जाया गया। सीटी स्कैन में किसी भी तरह की आंतरिक चोट नहीं दिखी। (प्रेट्र)

स्केटिंग छुड़वाकर पिता ने अनमोल को थमाया था रैकेट

सुशील भाटिया • फरीदाबाद

मलेशिया के शाह आलम में देश को बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का खिताब दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने वाली हरियाणा की 17 वर्षीय शटलर अनमोल खरब देश की नई बैडमिंटन सनसनी बन गई हैं। यद्यपि, घर-परिवार और स्थानीय प्रशिक्षकों को छोड़ किसी को नहीं पता कि बचपन में अनमोल खरब सेक्टर-15 में रिंक पर रोलर स्केटिंग करती थीं। अंडर-छह में स्केटिंग में स्टेट चैंपियन भी बनीं, पर साथ स्केटिंग करते भाई को चोट लगने पर पिता देवेंद्र खरब ने स्केटिंग छुड़वा हाथ में रैकेट थमा दिया और केएल मेहता स्पोर्ट्स अकादमी में मास्टर्स बैडमिंटन चैंपियन संजय सपरा के हवाले कर दिया। स्केटिंग रिंक की तरह बैडमिंटन कोर्ट पर भी अनमोल ने उतनी ही फुर्तीले अंदाज में अपना खेल दिखाना शुरू कर दिया और एक के बाद एक सीढ़ी चढ़ते हुए आज बैडमिंटन के अंतरराष्ट्रीय फलक पर चमक बिखेरने में सफल हो गई।

जीत के बाद टीम की साथियों ने अनमोल खरब को कंधों पर उठा लिया • एएफपी

जिला बैडमिंटन संघ के सचिव संजय सपरा के अनुसार अनमोल मात्र आठ वर्ष की थीं जब उनके पिता स्पोर्ट्स अकादमी में लेकर आए थे। देवेंद्र खरब भी शौकिया तौर पर बैडमिंटन खेलते थे और बेटी के फुर्तीलेपन को सफलता में बदलने की उनमें गजब की चाह थी। अनमोल 2018 में अंडर-13 की जिला चैंपियन बनीं और फिर उसी वर्ष स्टेट चैंपियन बनीं इससे प्रोत्साहित होकर अनमोल आगे बढ़ती चली गईं। बीच में कोरोना आपदा के चलते टूर्नामेंट नहीं हुए पर अनमोल ने अभ्यास नहीं छोड़ा। मानव रचना स्पोर्ट्स अकादमी में इंडोनेशियाई कोच मोहम्मद रज्जाक से गुर सीख अपने खेल को निखारा। वर्ष 2022 में अनमोल ने अंडर-17 की स्टेट चैंपियनशिप का खिताब जीता और फिर इसी आयु वर्ग की नेशनल चैंपियनशिप जीत कर थाईलैंड में 29 नवंबर से चार दिसंबर-2022 तक आयोजित एशियन जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप अंडर-17 में भारतीय टीम में जगह बनाई थीं। इसके बाद अनमोल ने नोएडा में कोच कुसुम से खेल की बारीकियां सीखनी शुरू की।

गत वर्ष यानी 2023 अनमोल के खेल करियर का स्वर्णिम वर्ष रहा, जब एक ही वर्ष में पहले अंडर-17, फिर अंडर-19 और उसके बाद सीनियर नेशनल चैंपियनशिप का बड़ा खिताब जीत कर एक दम से बैडमिंटन के राष्ट्रीय फलक पर चमक उठीं। यही नहीं इसी वर्ष अनमोल ने जालंधर में आयोजित नार्थ जोन सीनियर नेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप का व्यक्तिगत खिताब भी जीता। बेहद प्रतिभावान बालिका के इस बेहद अनमोल खेल ने उसे एशियन बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाई और बाकी सब खेल प्रेमियों के सामने है।

ढुल-सिद्धू के शतक से दिल्ली को बढ़त

रणजी ट्राफी

नई दिल्ली, जेएनएन : यश ढुल के सत्र के पहले शतक और जोंटी सिद्धू के नाबाद शतक से दिल्ली ने रविवार को यहां रणजी ट्राफी ग्रुप डी मैच के तीसरे दिन ओडिशा के विरुद्ध पहली पारी के आधार पर 11 रन की बढ़त प्राप्त की। दो विकेट पर 187 रन से आगे खेलते हुए दिल्ली ने पहली पारी में ओडिशा के 440 रन के जवाब में 451 रन बनाकर बढ़त प्राप्त की।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए ढुल ने 167 गेंद में 112 रन बनाए और सत्र का समापन शानदार ढंग से किया। यह बेमानी मैच ड्रा की ओर बढ़ रहा है। मध्यक्रम में जोंटी (नाबाद 105 रन) ने शतक जड़कर सुनिश्चित किया कि दिल्ली को पहली पारी की बढ़त मिल जाए। पदार्पण कर रहे गगन वत्स ने शीर्ष क्रम में 66 रन बनाए जबकि क्षितिज शर्मा ने जोंटी के साथ बल्लेबाजी करते हुए 64 रन की पारी खेली। दिल्ली और ओडिशा दोनों नाकआउट चरण से बाहर हो गए हैं।

शतक लगाने के बाद यश ढुल • एक्स

उत्तर प्रदेश का फ्लाप शो जारी: अंतिम मैच खेल रही उत्तर प्रदेश अपने घर में ही बैकफुट पर है। छत्तीसगढ़ के विरुद्ध पहली पारी में यूपी की टीम 238 रनों पर आउट हो गई। जवाब में मेहमान टीम ने खेल समाप्त होने तक पांच विकेट खोकर 124 रन बना लिए हैं। इस तरह से छत्तीसगढ़ की अब तक कुल बढ़त 300 रनों की हो गई है। मैच में केवल सोमवार का दिन बचा है। ऐसे में मैच ड्रा होना लगभग तय है।

मनोज तिवारी ने प्रथम श्रेणी क्रिकेट से भी लिया संन्यास

राब्यू, कोलकाता : घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी मनोज तिवारी ने रविवार को प्रथम श्रेणी क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया। ईडन गार्डेंस स्टेडियम में रणजी ट्राफी के मैच में बंगाल की बिहार पर शानदार जीत के साथ मनोज का 20 वर्ष लंबा करियर समाप्त हो गया। 38 वर्ष के मनोज ने पिछले वर्ष अगस्त में क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी, लेकिन बंगाल क्रिकेट संघ के अनुरोध पर उन्होंने रणजी का वर्तमान सत्र खेलने के लिए हामी भर दी थी। बंगाल ने इस मुकाबले में बिहार की टीम को पारी और 204 रन से पराजित किया। बंगाल के लिए मुकेश कुमार ने छह और सूरज सिंधू ने चार विकेट चटकाए।

सहवाग और गेल की टीमों के बीच खेला जाएगा पहला मैच

वेटरन क्रिकेट के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रवीण त्यागी (मध्य में) व अन्य • जागरण

जासं, ग्रेटर नोएडा: दिल्ली एनसीआर के क्रिकेट प्रेमी एक बार फिर बीते दिनों के क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों को चौके, छक्के और विकेट चटकाते देख सकेंगे। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में 23 फरवरी से तीन मार्च तक इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग का आयोजन होगा। इसमें वीरेंद्र सहवाग, सुरेश रैना, क्रिस गेल, प्रवीण कुमार, हर्शल गिब्स आदि खेलते नजर आएंगे। लीग में छह टीमें बीवीआइपी उत्तर प्रदेश, राजस्थान लीजेंड्स, रेड कार्पेट डेल्ही, छत्तीसगढ़ वारियर्स, तेलंगाना टाइगर्स और मुंबई चैंपियंस शामिल हैं। बोर्ड फार वेटरन क्रिकेट इन इंडिया (बीवीसीआइ) की ओर से लीग का आयोजन किया जा रहा है। पहला मैच वीरेंद्र सहवाग और क्रिस गेल की टीम के बीच होगा।

बीवीसीआइ के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रवीण त्यागी और सचिव सुधीर कुलकर्णी ने बताया कि बीवीसीआइ इस वर्ष रजत जयंती मना रहा है। पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर चेतन चौहान ने 1998 में इसका गठन किया था। लीग के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और राजीव शुक्ला के आने की भी संभावना है।

धौनी आइपीएल की सर्वकालिक महान टीम के कप्तान चुने गए

नई दिल्ली, प्रेट्र: करिश्माई भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धौनी को रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आइपीएल) की सर्वकालिक महान टीम का कप्तान चुना गया। इस टीम का चयन 2008 में शुरू की गई विश्व की सबसे लोकप्रिय टी-20 लीग की सफलता का जश्न मनाने के लिए किया गया। 20 फरवरी को आइपीएल की पहली नीलामी के 16 वर्ष पूरे हो जाएंगे। आइपीएल प्रसारक 'स्टार स्पोर्ट्स' ने पूर्व दिग्गज क्रिकेटरों और करीब 70 पत्रकारों की मदद से आइपीएल की टीम का चयन किया।

सर्वकालिक टीम : डेविड वार्नर, विराट कोहली, क्रिस गेल, सुरेश रैना, एबी डिविलियर्स, सूर्यकुमार यादव, महेंद्र सिंह धौनी (कप्तान), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, राशिद खान, सुनील नरेन, युजवेंद्रा सिंह चहल, लसिथ मलिंगा और जसप्रीत बुमराह।

स्वियातेक ने कतर ओपन में लगाई खिताबी हैट्रिक

खेल डायरी

दोहा, एपी : विश्व की नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने अद्भुत प्रदर्शन जारी रखते हुए कतर ओपन टेनिस टूर्नामेंट में लगातार तीसरा खिताब जीता। स्वियातेक ने फाइनल में कजाखस्तान की विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी एलेना रिबाकिना को 7-6 (8), 6-2 से हराया।

स्वियातेक को शुरू में लय प्राप्त करने के लिए थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। रिबकिना पहले सेट में एक समय 4-1 से आगे चल रही थीं। स्वियातेक ने यद्यपि लगातार तीन अंक प्राप्त करके स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रिबकिना ने अगले गेम में स्वियातेक की सर्विस तोड़ी, लेकिन पोलैंड की खिलाड़ी ने तुरंत ही ब्रेक प्वाइंट लेकर सेट को टाइब्रेकर तक पहुंचा दिया। स्वियातेक 90 मिनट तक चले इस सेट को टाइब्रेकर में जीता और फिर दूसरे सेट में आसानी से जीत प्राप्त की। स्वियातेक का यह इस वर्ष का पहला और करियर का कुल 18वां खिताब है। सेरेना डब्ल्यूटीए प्रतियोगिता में तीन सिंगल्स खिताब जीतने वाली अंतिम महिला थीं।

ट्राफी के साथ इगा स्वियातेक • एपी

मनिका की दोहरी जीत से भारत ने हंगरी को हराया

बुसान, प्रेट्र: मनिका बत्रा ने अपने दोनों सिंगल्स मैच जीते जिससे भारतीय महिला टीम ने रविवार को यहां विश्व टेबल टेनिस (डब्ल्यूटीटी) चैंपियनशिप में हंगरी को 3-2 से हराकर अपनी पहली जीत प्राप्त की। भारतीय पुरुष टीम को यद्यपि ग्रुप चरण के अपने दूसरे मैच में पोलैंड से 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। मनिका ने इससे पहले शुक्रवार को चीन के विरुद्ध भी दोहरी सफलता प्राप्त की थी, लेकिन भारतीय टीम को वह मुकाबला 2-3 से गंवाना पड़ा था। मनिका को शुरुआती सिंगल्स मुकाबले में डोरा मदारास के विरुद्ध संघर्ष करना पड़ा, लेकिन विश्व रैंकिंग में 36वें स्थान पर काबिज मनिका ने 8-11, 11-5, 12-10, 8-11, 11-4 से जीत प्राप्त की। इसके बाद हंगरी की जार्जिना पोटा ने दूसरे सिंगल्स में श्रीजा अकुला को 11-3, 11-7, 9-11, 9-11, 11-8 से हराकर बराबरी कर ली। सन यिंगसा को हराने वाली आयहिका मुखर्जी ने बर्नाडेट बालिंट को हराकर भारत को 2-1 से आगे कर दिया। चौथे सिंगल्स में मदारास ने श्रीजा को हराकर मुकाबले को रोचक बना दिया। मनिका ने पोटा के विरुद्ध 11-5, 14-12, 13-11 से जीत प्राप्त की।

मनिका बत्रा • रायटर

अलकराज को हराकर जैरी फाइनल में: चिली के निकोलस जैरी ने अपने करियर का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी कार्लोस अलकराज को हराकर अर्जेंटीना ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। जैरी ने अलकराज को 7-6 (2), 6-3 से हराया जो उनके करियर की सबसे बड़ी जीत है।

****

दैनिक जागरण सप्तरंग
साहित्य और संगीत का
सोमवार, 19 फरवरी, 2024

साहित्यिक ज्ञान परंपरा के अग्रदूत

सर्जना-पथ

संस्कृत के प्रकांड विद्वान व रचनाकार जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य और अपने गीतों में शब्दचित्रों की सर्जना करने वाले गुलजार को वर्ष 2023 के लिए संयुक्त रूप से ज्ञानपीठ पुरस्कार देने की घोषणा हुई है। दोनों ही रचनाकारों ने विपुल साहित्य की सर्जना की है। आइए, जानते हैं कैसे यह पुरस्कार ऐसे शब्द व भाव शिल्पियों का नाम जुड़ने से स्वयं समादृत होता है...

साहित्य में समाज का हित

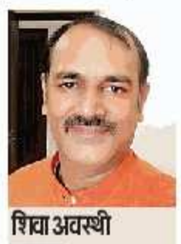

शिखा अवस्थी
कानपुर

जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी महाराज... नाम एक, रूप अनेक। विश्व उन्हें संत के रूप में जानता है। वे चार जगद्गुरु रामानंदाचार्यों में से एक हैं। दार्शनिक, धर्मगुरु व प्रवचनकार की छवि से अलग साहित्यिक क्षेत्र में उनका कृतित्व अत्यंत विराट है। उनके साहित्य में सर्वहारा समाज का हित है।

वर्ष 2015 में पद्म विभूषण और 2018 में उत्तर प्रदेश हिंदी साहित्य संस्थान से साहित्य भूषण से सम्मानित जगद्गुरु रामभद्राचार्य को वर्ष 2023 के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला है, तो पुनः उनके साहित्यिक योगदान, उनकी रचनाधर्मिता के चिह्न जीवंत हो उठे हैं। वह अल्प समय में महाग्रंथ लिखना डालते हैं। वह प्रज्ञाचक्षु हैं, न पढ़ सकते हैं, न लिख सकते हैं। केवल सुनकर सीखते हैं। तुलसी पीठ में उनके कई चक्षु उनके मुखारविंद से निकले शब्दों को शब्दशः लिपिबद्ध करते हैं। संस्कृत, हिंदी, अवधी, मैथिली, बुंदेली समेत 22 अलग-अलग भाषाओं में उनकी समान पकड़ है। जगद्गुरु दिव्यांग विश्वविद्यालय के संस्थापक और कुलाधिपति के रूप में भी वे हिंदी के प्रति दिव्यांगजन को प्रोत्साहित करते हैं।

उत्तर प्रदेश के जौनपुर में जन्म लेने के दो माह के बाद नेत्र ज्योति से रहित होकर प्रज्ञाचक्षु हुए जगद्गुरु की दो आंखें कालांतर में संस्कृत व हिंदी बन गईं। साहित्यिक अभिरुचि के कारण ही उन्हें भारत गुरु, महामहोपाध्याय, महाकवि, आशु कवि जैसी उपाधियां मिलीं। उन्होंने अब तक 255 से अधिक ग्रंथों की सर्जना की, जिनमें रामचरितमानस पर हिंदी टीका, अष्टाध्यायी पर काव्यात्मक संस्कृत टीका, प्रस्थानत्रयी अर्थात ब्रह्मसूत्र, भगवद्गीता व उपनिषदों पर संस्कृत भाष्य प्रमुख हैं। तुलसीदास पर उनकी विशेषज्ञता है। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने उनके महाकाव्य श्रीभार्गवराघवीयम् का लोकार्पण किया था। इसमें दो अवतारों परशुराम व राम की लीला का वर्णन है, जिसे साहित्य अकादमी पुरस्कार मिल चुका है। हिंदी महाकाव्य अष्टावक्र में अष्टावक्र ऋषि के जीवन का वर्णन है। हिंदी महाकाव्य अरुंधती में ऋषि दंपती वशिष्ठ व अरुंधती के जीवन पर प्रकाश डाला गया है।

तुलसीपीठाधीश्वर रामभद्राचार्य के उत्तराधिकारी आचार्य रामचंद्र दास कहते हैं, गुरु जी सदैव लेखन में रत रहते हैं। उनके शब्दों को लिपिबद्ध करने वाले भले थक जाएं, पर गुरु जी सदैव उत्साहित रहते हैं।

स्वामी रामभद्राचार्य: हिंदी व संस्कृत जिनके दो नेत्र हैं।

प्रमुख कृतियां

लघुरघुवरम, सरयूलहरी, भृंगदूतम, हंसदूतम, कुब्जापत्रम, राघव गीतगुंजन, भक्तिगीत सुधा, गीतरामायणम, श्रीरामभक्तिसर्वस्वम, आर्याशतकम, चंडीशतकम, राघवेंद्रशतकम, श्रीगंगामहिम्नस्तोत्रम, श्रीजानकीकृपाक टाक्षस्तोत्रम, श्रीरामवल्लभास्तोत्रम आदि।

अद्भुत बिंबों के शिल्पी

डा. दिनेश खेतान
दिल्ली

कोई 70 साल हुए होंगे। बंबई (आज की मुंबई) के एक साहित्यिक अड्डे पर जीवन में साहित्य और कला की आवश्यकता पर बात हो रही थी। इस अड्डे पर नवयुवक लेखक गुलजार भी शामिल थे। बड़े लोगों का मानना था कि समाज की संरचना में श्रमजीवियों की तो महत्वपूर्ण भूमिका है, पर कलाकार की भूमिका पर सवाल थे। नवयुवक गुलजार के पास कोई जवाब नहीं था, पर उन्होंने एक कहानी लिखी- सर्तरंग। यह कहानी उस सवाल का जवाब है। 'सर्तरंग' के लेखक लिखते रहे। दुनिया उन्हें जानती गई। एक शायर, कहानीकार और फिल्मकार के रूप में स्थापित होते गए।

गुलजार की शुरुआत रोमांटिक व नास्टेल्जिक कविताओं से हुई, जिसका संग्रह उर्दू में 'जानम' और हिंदी में 'एक बूंद चांद' आया। कहानियों का पहला संग्रह 'चौरस रात' आया। पत्र-पत्रिकाओं में गुलजार की रचनाएं पाठकों के दिलों को छूती गईं। 1979 में लोकनायक जयप्रकाश नारायण के निधन पर धर्मयुग के अंक में गुलजार की नज्म 'मौत आ मातम/गेट टुगेदर' शामिल थी। आंखों को नम करने वाली यह नज्म चर्चा का विषय हुई। इस बीच उनकी कई किताबें प्रकाशित हो चुकी थीं। कविताओं के कुछ और संग्रह, दस्तखत, पुखराज, साइलेंसेज और कहानियों की, धुआं (हिंदी में 'रावी पार')। शिल्प के स्तर पर उनका अद्भुत प्रयोग था- 'त्रिवेणी'। सारिका में प्रकाशित 'त्रिवेणी' से एक बड़ा पाठक वर्ग गुलजार को जान पाया। उनके शब्दों में, 'त्रिवेणी नाम इसलिए दिया था कि पहले दो मिसरे गंगा-यमुना की तरह मिलते हैं और एक खयाल, एक शेर को मुकम्मल करते हैं। लेकिन इन दो धाराओं के बीच एक और नदी है सरस्वती, जो नजर नहीं आती, त्रिवेणी का काम सरस्वती को दिखाना है।'

2002 में एक महत्वपूर्ण किताब आई 'रात पश्मीने की'। साहित्यिक जगत में गुलजार की बिंबों वाली खास शैली, बड़ा कैनवस लोगों को दिखने लगा। हां, मुश्किल यह थी कि फिल्मकार गुलजार की चकाचौंध में आलोचकों को साहित्यकार गुलजार कम दिखते थे। 2002 में उन्हें कहानी संग्रह 'धुआं' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला। उन्होंने उपन्यास लिखे, बच्चों के लिए ढेर सारी किताबें लिखीं। उन्होंने इतना विपुल साहित्य लिखा है कि पढ़ने को एक उम्र भी कम है।

काव्य में गंगा, जमुना के साथ सरस्वती का दर्शन कराया गुलजार ने।

प्रमुख कृतियां

चौरस रात (कहानी संग्रह), जानम (कविता संग्रह), एक बूंद चांद (कविता संग्रह), रावी पार (कहानी संग्रह), रात, चांद और मैं (नज्म संग्रह), रात पश्मीने की (नज्म संग्रह), पुखराज (नज्म संग्रह), यार जुलाहे (नज्म व गजल), छैया छैया (गजल संग्रह), कुछ और नज्में (नज्म संग्रह)।

भक्ति व श्रृंगार रस में पगा राग जोगकौंस

संगीतायन

गोपा सान्याल
रायपुर (छत्तीसगढ़)

राग जोगकौंस व जोगकौंस में भक्ति एवं श्रृंगार प्रधान रागहै। मध्यसप्तक को इस राग का आलाप भक्ति भाव में डूबे गायक के कंठ से जब सुनाई देता है, तब मन अपने आप ही भक्ति रस में विभोर हो उठता है। इस राग की स्वर संगति ही कुछ ऐसी है, जैसे कोई आधी रात को प्रेम में डूबी विरहिणी के आकुल कंठ से कोमल और शुद्ध गंधार एवं निषाद की स्वर माला, उसके हृदय की व्याकुलता को खोल रही हो...

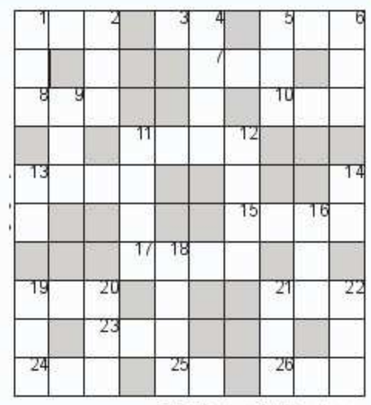

राग जोगकौंस (जोगकंस) के जनक पं. जगन्नाथ बुआ पुरोहित थे, जिन्हें पंडित गुनीदास के नाम से भी जाना जाता है। वे बड़े गायक और हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत के शिक्षक थे। इस राग जोग और चंद्रकौंस के सम्मिश्रण से उन्होंने इस अद्भुत राग की रचना की थी। इस राग में रची बंदिशों और गीतों के बोलों में श्रृंगार एवं भक्ति के रस दिखाई पड़ते हैं। भैरवी थाट से निकले राग जोगकौंस में आरोह व अवरोह में छह-छह स्वर होते हैं अर्थात यह षाड़व-षाड़व जाति का राग है। कोमल एवं शुद्ध दोनों गंधार एवं दोनों निषाद के सुंदर संयोजन से इस राग की आलापचारी शुरू होती है। इस राग में मध्यम पर अधिक ठहराव दिया जाता है, इसलिए जोगकौंस में वादी स्वर मध्यम होता है। जैसे सा म, ग म, सा ग (कोमल) सा। वहीं संवादी स्वर षड्ज है। राग जोगकौंस में राग जोग का गांभीर्य भाव एवं चंद्रकौंस की चंचलता और श्रृंगार भाव को साथ लेते हुए आलापचारी के पूर्वांग में जोग का विस्तार लेते हैं। ज्यों-ज्यों आलापचारी में उत्तरांग की ओर बढ़ते हैं, चंद्रकौंस प्रबल होकर श्रृंगार रस बिखेरने लगता है।

हिंदी फिल्म अनामिका में मजरूह सुल्तानपुरी के गीत को संगीतकार राहुलदेव बर्मन ने बड़ी सुंदरता से आशा भोंसले के स्वर में प्रस्तुत किया, जाऊं तो कहां जाऊं, सब कुछ यहीं है, तेरे घर के बाहर तो ये दुनिया न दीन है... फिल्म में नायिका जया भादुड़ी की भक्ति के साथ-साथ प्रेम की व्याकुलता को भी देखा सकते हैं।

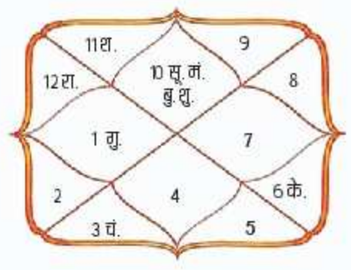

लगभग सभी बड़े कलाकारों ने इस राग को ठहराव के साथ गाया है। रामपुर सहसवान के स्व. उस्ताद राशिद खान साहब ने सुघर बर पायो... में राग के विस्तार को सुंदर बढ़त एवं तानों से सजाया है। वहीं इस राग के जनक पं. जगन्नाथ बुआ पुरोहित द्वारा रचित बंदिश पीर पराई जाने नहीं बालमवा... को सभी बड़े गायकों जैसे पं. भीमसेन जोशी, उल्हास कशालकर, विदुषी अश्विनी भिड़े, प्रभा अत्रे, पं. परवीन पोहनकर और विदुषी कौशिकी चक्रवर्ती ने अपने-अपने अंदाज में प्रस्तुत किया है। यह बड़ा अचरज का विषय है कि अत्यंत मनभावन राग होने के बाद भी इस राग का समुचित उपयोग हिंदी फिल्मी गीतों में क्यों नहीं हुआ।

पं. हृदयनाथ मंगेशकर जैसे संगीतकारों ने इस राग पर सूरदास जी के भजन निस दिन बरसत नैन हमारे... को संगीतबद्ध किया, जिसे लता मंगेशकर ने अपने सुमधुर कंठ से सजाया है।

gopa.news.1@gmail.com

वर्ग पहेली-2549

बाएं से दाएं
1. आज्ञा का उल्लंघन (3) I 3. श्राप (3) I 5. रोमांचित (3) I 7. फीते की तरह पतली पट्टी (3) I 8. खान खोदने वाला (3) I 10. राजा, नृप (3) I 11. भूख हड़ताल (4) I 13. पंजाब की एक नदी (4) I 15. किसी कार्य का दायित्व लेने वाला (4) I 17. वनस्पति का वह अंग जिसके अंदर बीज होते हैं (4) I 19. आग, अग्नि (3) I 21. गिरने की क्रिया (3) I 23. स्नानगार (3) I 24. कमजोर (3) I 25. बीता हुआ (2) I 26. पोषित (3) I

ऊपर से नीचे
1. अगोचर (3) I 2. सूचना देने वाला (3) I 4. वातावरण (4) I 5. मारदेना (3) I 6. ताप (3) I 9. शावंद (3) I 11. अवधिकाल (4) I 12. मेहरबानी (4) I 13. दंड (2) I 14. पराजय (2) I 16. निमंत्रण (3) I 18. चमकदार (4) I 19. प्रयोग, काम (3) I 20. तरंग, जोश (3) I 21. वेतन (3) I 22. झुका हुआ (3) I

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

का		फ	रे	ब		आ	म	र	ण
ला		ट		त	री	का			
ती		का		क		श	हं	शा	ह
त	स्वी	र		ही					ड़
	का					र	हा	से	हा
स	र	स	री					ड़	
र					श		तो	क	ते
ल	ट	का	ना		ब		न		रा
			जु	बा	न		से		श
स	हा	य	क		म	न	न		ना

जागरण सुडोकू-2549

4		6		3		8		1
		2			1		5	
7				4				
6			5			7	1	
		9			8			
5				9		3		2
9	6		8				4	
		7		6		5		8
	4		3		7		2	

कल का हल

3	5	8	4	7	9	2	6	1
4	1	9	2	6	8	3	5	7
2	7	6	5	1	3	4	8	9
6	3	2	9	4	7	8	1	5
1	4	5	8	2	6	7	9	3
9	8	7	3	5	1	6	4	2
8	2	3	6	9	5	1	7	4
5	6	1	7	3	4	9	2	8
7	9	4	1	8	2	5	3	6

आज का भविष्यफल- 19 फरवरी, 2024 सोमवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : माघ मास शुक्ल पक्ष दशमी। राहुकाल : प्रात : 07 बजकर 30 मिनट से 09 : 00 बजे तक। आज का दिशाशूल : पूर्व। विशेष : बुध कुंभ राशि में।
भद्रा : रात्रि के 09 बजकर 24 मिनट से 20 फरवरी को प्रात : 09 बजकर 56 मिनट तक।

कल 20 फरवरी 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
पर्व एवं त्योहार : जया एकादशी
भद्रा : प्रात : 09 बजकर 56 मिनट तक।
विक्रम संवत 2080 शके 1945
उत्तरायण, दक्षिणगोल, शिशिर ऋतु माघ मास शुक्ल पक्ष की एकादशी तत्पश्चात द्वादशी आर्द्रा नक्षत्र तत्पश्चात् पुनर्वसु नक्षत्र प्रीति योग तत्पश्चात आयुष्मान योग मिथुन में चंद्रमा।

मेष : किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
वृष : रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मिथुन : उपहार या सम्मान में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
कर्क : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की परेशानी और उलझनें रहेंगी।
सिंह : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
कन्या : महिला अधिकारी का सहयोग मिलेगा। सम्मान में वृद्धि होगी।
तुला : पारिवारिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।
वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। सम्मान में वृद्धि होगी।
धनु : ससुराल पक्ष का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
मकर : रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। रिश्तों में निकटता आएगी।
कुंभ : बुद्धि से किया गया कार्य सफल होगा। सामाजिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।
मीन : शासनसत्ता का सहयोग रहेगा। गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

राष्ट्रीय फलक

बीएचयू का ज्योतिष विभाग पंचांगों में एकरूपता की करेगा पहल

जागरण संवाददाता, वाराणसी

- 2025 के पंचांग में एकरूपता के लिए पंचांग अनुभाग दूर करेगा भ्रम

ज्योतिष, ज्योतिषी, समाज व धर्म की प्रतिष्ठा को संरक्षित करने के साथ ही काशी से प्रकाशित होने वाले प्रमुख पंचांगों के बीच व्रत-पर्वों में धर्मशास्त्रीय आधार से एकरूपता स्थापित करने के लिए बीएचयू के ज्योतिष विभाग के पंचांग अनुभाग ने पहल की है। इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा काशी के सभी ज्योतिर्विदों, पंचांगकारों व विद्वतजनों की संगोष्ठी सोमवार को आयोजित की गई है। इसमें काशी से प्रकाशित होने वाले सभी पंचांगकारों द्वारा संवत 2082 के प्रकाशित होने वाले पंचांगों में एकरूपता का प्रयास किया जाएगा।

पंचांग अनुभाग के समन्वयक, ज्योतिष विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. विनय कुमार पांडेय ने बताया कि विभिन्न मतों, सिद्धांतों, विधियों से निर्मित पंचांगों में गणितीय मानों की भिन्नता के कारण व्रत-पर्व आदि में अंतर दिखाई देने लगा है। इससे ज्योतिष, ज्योतिषी व सनातन धर्म को लेकर समाज में अनास्था की स्थिति को सुधारने की कोशिश की जा रही है। पंचांगों को व्यवस्थित करने का दायित्व मुख्य रूप से वाराणसी के सभी पंचांगकारों एवं विद्वतजनों का ही है क्योंकि कहीं भी धर्म व शास्त्र से संबंधित भ्रांति उत्पन्न होने पर समग्र समाज काशी की ओर ही देखता है, परंतु वर्तमान में काशी से प्रकाशित पंचांगों में भी गणितीय मानों की भिन्नता के कारण भेद दृष्टिगत है। प्रो. पांडेय ने बताया कि इस साल का कैलेंडर तो बन चुका है, लेकिन 2025 के पंचांग में एकरूपता पर चर्चा कर व्रत-त्योहार पर भ्रम की स्थिति को लेकर आपसी समझ और सामंजस्य की रूपरेखा तय की जाएगी।

रंग ला रही दैनिक जागरण की पहल : दैनिक जागरण की ओर से नवंबर 2023 में काशी के विद्वानों की बैठक बुलाई गई थी। इसमें काशी विद्वत परिषद, श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर न्यास परिषद, बीएचयू ज्योतिष विभाग शामिल हुए थे। उसमें निर्णय लिया गया था कि पंचांगों में एकरूपता के लिए प्रयास किया जाए।

बिहार में बड़े व्यवसायी के ठिकानों पर छापे, करोड़ों की संपत्ति का पता चला

जासं, रक्सौल (पूर्वी चंपारण)

- डीजीजीआइ, ईडी व आयकर अफसरों की टीम ने एकसाथ की छापेमारी
- टीम ने सुबह सात बजे से शुरू की छापेमारी, अबतक जारी

बिहार के बड़े व्यवसायी रमाशंकर प्रसाद के सात ठिकानों पर रविवार को डीजीजीआइ (डायरेक्टरेट जनरल आफ जीएसटी इंटेलिजेंस), आयकर व ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की टीम ने एकसाथ छापेमारी की। सात गाड़ियों से डीजीजीआइ, आयकर व ईडी के 20 अधिकारी शनिवार देर रात पहुंच गए थे। सुबह करीब सात बजे उनके कई ठिकानों पर एकसाथ छापेमारी की।

टीम व्यवसायी की आय के विभिन्न स्रोतों को खंगाल रही है। इस दौरान बहुमूल्य मूर्तियों के साथ करोड़ों रुपये की नकदी, जेवर, भूखंड के दस्तावेज और अन्य कागजात हाथ लगने की सूचना है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। टीम संपत्ति के आकलन में जुटी है। छापेमारी के समय घर में रमाशंकर प्रसाद, उनके भाई चंदेश्वर प्रसाद नहीं मिले। रमाशंकर जमीन, कपड़ा और हुंडी के बड़े कारोबारी हैं।

रक्सौल नागारोड़ में छापेमारी करने पहुंचे अधिकारी। जागरण

10 वर्षों में बनाई अकूत संपत्ति : दिल्ली-काठमांडू को जोड़ने वाले मुख्य पथ पर स्थित ट्रांसपोर्ट और पैतृक गांव में भी छापेमारी की गई। सूत्रों के अनुसार, मकान में बने तहखाने और पलंग में बाक्स बनाकर रखे गए नोटों की गड्डियां, गहनों के साथ ही मकान, जमीन के दस्तावेज मिले हैं। नकदी के साथ दस करोड़ से अधिक की संपत्ति बरामदगी की बात बताई जा रही है। रमाशंकर के 27 स्थानों पर मकान होने की जानकारी मिली है। उन्होंने दर्जनों जगहों पर जमीन व नेपाल में संपत्ति अर्जित की है।

205 किलो हेरोइन तस्करी का आरोपित गुजरात पुलिस को चकमा देकर फरार

जागरण संवाददाता, अमृतसर

- एनसीबी ने 2019 में हेरोइन के साथ पकड़ा था आरोपित
- डीआरआइ ने भी हेरोइन बरामदगी मामले में किया था नामजद

नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की तरफ से 2019 में हेरोइन के साथ पकड़ा गया तस्कर जोबनजीत सिंह गुजरात पुलिस को चकमा देकर फरार हो गया। घटना पंजाब के अमृतसर जिले की है। गुजरात से आई टीम एक ढाबे पर खाना खाने के लिए रुकी थी। इसी बीच तरनतारन निवासी आरोपित की मां अपने तीन रिश्तेदारों के साथ वहां पहुंची और बेटे को खाना खिलाने की मिन्नत करने लगी। पहले उसकी हथकड़ी खुलवा ली और फिर मौका पाकर उसे फरार करवा दिया। पुलिस ने आरोपित की मां, मामी और दो रिश्तेदारों को पकड़कर जंडियाला थाने की पुलिस को सौंप दिया। पुलिस फरार आरोपित की तलाश में जुट गई है।

गुजरात पुलिस के सब इंस्पेक्टर आरसी सोलंकी ने बताया कि एनसीबी की तरफ से 22 अगस्त, 2019 को पकड़ी गई हेरोइन के मामले में आरोपित जोबनजीत सिंह को गिरफ्तार किया गया था। इसी तरह वर्ष 2022 में डीआरआइ की ओर से गुजरात के कांडला बंदरगाह से बरामद की गई 205 किलो हेरोइन के मामले में भी उसका नाम आने के कारण डीआरआइ की टीम ने भी उससे पूछताछ की थी। वह इन दिनों कच्छ की केंद्रीय जेल में बंद था। वर्ष 2019 में पकड़ी गई हेरोइन के मामले में आरोपित की 16 फरवरी को अमृतसर के जज गुरमोहर की अदालत में पेशी थी। वह अपने तीन साथियों के साथ आरोपित को गुजरात से अमृतसर की गुरमोहर की अदालत में पेशी के लिए लेकर आए थे। 15 फरवरी को वह अमृतसर पहुंचे और यहां पर एक दिन केंद्रीय जेल में आरोपित को रखने के बाद 16 फरवरी को उसको अदालत में पेश किया। यहां पेश करने के बाद वह वापस गुजरात जा रहे थे। रास्ते में खाना खाने के लिए वे एक ढाबे पर रुके थे। इस दौरान आरोपित की मां और मामी अपने रिश्तेदारों के साथ वहां आ गईं और उन्होंने तस्कर क फरार करवा दिया।

उत्तर प्रदेश में सात वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म, आरोपित दो बालक और किशोर

जागरण संवाददाता, उन्नाव

- तीनों पर सामूहिक दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज
- बच्ची के बयान के आधार पर तीनों को भेजा गया बाल सुधार गृह

उप्र के उन्नाव जिले में आठ, 11 और 13 वर्ष के बालकों पर पड़ोस में रहने वाली सात वर्ष की बच्ची से दुष्कर्म का आरोप लगा है। पहले तो बच्ची की मां ने मेडिकल कराने से इन्कार कर दिया। पुलिस ने जैसे-तैसे उन्हें मना लिया, पर यह साफ नहीं किया कि दुष्कर्म हुआ या नहीं। तीनों आरोपितों के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म पाक्सो एक्ट व एससी-एसटी एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर उन्हें बाल सुधार गृह भेज दिया है।

एसपी सिद्धार्थ शंकर मीना ने बताया कि बच्ची के बयान के आधार पर कार्रवाई की गई है। अभी विवेचना चल रही है। ग्रामीण इसे गांव की राजनीतिक द्वेष में लगाया गया आरोप भी बता रहे हैं। उनका कहना है कि दुष्कर्म पर मिलने वाली सहायता राशि का लालच देकर बच्चों पर गलत आरोप लगाए गए। आरोपितों के स्वजन भी बच्चों को जबरन फंसाए जाने और पुलिस पर जांच किए बिना कार्रवाई का आरोप लगा रहे हैं।

पुलिस की कार्रवाई पर उठ रहे सवाल

ग्रामीणों का कहना है कि आरोपित यादव परिवार के हैं जबकि आरोप लगाने वाली महिला अनुसूचित जाति की। गांव के ही कुछ लोगों ने राजनीतिक द्वेषवश यह आरोप लगवाया है। पुलिस मेडिकल रिपोर्ट सामने नहीं रख रही और आनन-फानन बच्चों को बाल सुधार गृह भेज दिया। इस कार्रवाई को लेकर लोग सवाल उठा रहे हैं। पुलिस पर आरोप लग रहे हैं कि बगैर जांच पूरी किए पुलिस ने हड़बड़ी में बच्चों पर कार्रवाई कर दी।

घटना मौरावां क्षेत्र के एक गांव में सात फरवरी को हुई थी। एक महिला ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी पड़ोसी के आठ व 13 वर्ष के बच्चों व एक अन्य पड़ोसी के 11 वर्ष के बच्चे के साथ खेल रही थी। इस दौरान तीनों ने मिलकर बेटी के साथ दुष्कर्म किया। घटना के दूसरे दिन उन्होंने गुलरिहा चौकी में शिकायत की थी। एसओ भवन सिंह मौर्य ने बच्ची की मां को मौरावां थाने बुलाया पर वह नहीं पहुंचीं। 11 फरवरी को वह खुद गांव पहुंचे और तीनों आरोपितों के अलावा उनके साथ घटना के समय खेल रहे व आसपास के करीब 12 बच्चों से पूछताछ की। बच्चों ने बताया कि वह चोर-पुलिस का खेल खेल रहे थे। इस दौरान तीनों आरोपितों ने घटना से इन्कार किया। एसओ ने बताया कि महिला ने उसी दिन थाने में तहरीर दी, पर मेडिकल कराने के लिए तैयार नहीं हुई। 14 फरवरी को किसी तरह बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया गया। बच्ची की मां ने रिपोर्ट बदले जाने की आशंका जताई। मेडिकल रिपोर्ट आ गई, पर सीओ ने कोर्ट का हवाला देते हुए ब्योरा देने से इन्कार कर दिया। तीनों आरोपित 17 फरवरी को बाल न्यायालय में पेश किए गए, जहां से उन्हें बाल सुधार गृह लखनऊ भेज दिया गया।

जयपुर में पुलिस क्वार्टर में नाबालिग से दुष्कर्म

जागरण संवाददाता, जयपुर: राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक युवक और उसके पुलिसकर्मी जीजा ने 16 साल की नाबालिग से पुलिस क्वार्टर में दुष्कर्म किया। नाबालिग की तबीयत बिगड़ी तो उसके गर्भवती होने की जानकारी स्वजन को मिली। पुलिस ने दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है।

11वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि पिछले साल नवंबर में वह कोटपुतली में एक स्वजन के यहां सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने गई थी। इस दौरान उसकी मुलाकात कोटपुतली निवासी पवन कुमार से हुई। पवन ने उसे बात करने के लिए मोबाइल फोन दिया। नाबालिग वापस जयपुर आ गई। 12 नवंबर को पवन उसके स्कूल में पहुंचा और उसे जबरन अपने पुलिसकर्मी जीजा के सरकारी क्वार्टर पर ले गया। वहां पवन ने दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद पवन का जीजा रतन भी पहुंच गया और उसने भी दुष्कर्म किया। इसके बाद कई बार आरोपितों ने उसे भाई को जान से मारने की धमकी देकर दुष्कर्म किया। इस पर पीड़िता ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।

****

उड़ी में एलओसी पर पर्यटकों के मन में घर कर रहा 'इंडिया'

राज्य ब्यूरो, जम्मू

- सेना ने नियंत्रण रेखा के करीब सेल्फी प्वाइंट बनाया

संघर्ष विराम के बाद कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर अमन है। इससे सीमा पर्यटन को बढ़ावा मिला है। कुछ वर्ष पहले तक एलओसी पर जहां पाकिस्तान गोलाबारी का डर रहता था, लेकिन अब उड़ी व आसपास के क्षेत्रों की वादियां और मैदान पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गए हैं। उड़ी की सुंदरता और झेलम नदी के मनोरम नजारे पर्यटकों को आकर्षित कर रहे हैं। यही वजह है कि पर्यटकों को लुभाने के लिए सेना ने नियंत्रण रेखा के करीब सेल्फी प्वाइंट 'इंडिया' बनाया है और यह पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र बन गया है।

सेना ने पिछले साल यहां नियंत्रण रेखा पर जीरो प्वाइंट पर कमान सेतु को पर्यटकों के लिए खोल दिया था। इस साल गणतंत्र दिवस के आसपास उड़ी में राष्ट्रीय राजमार्ग-44 के निकट सेल्फी प्वाइंट को जनता के लिए खोला था। सेल्फी प्वाइंट कलाकार रूबल नागी के आर्ट फाउंडेशन के सहयोग से बनाया गया है। नागी एक पूर्व सैन्य अधिकारी की बेटी हैं और उन्होंने इसे इंडिया प्वाइंट का नाम दिया है। एक ओर यह पर्यटकों में देशप्रेम के भाव को जागृत करता है, साथ ही प्रकृति के अदभुत नजारों को भी पर्यटक अपने कैमरे में यादों के तौर पर कैद कर जाना चाहते हैं। एक तरफ झेलम की धार आकर्षित करती है और उसके पीछे पहाड़ लोगों को लुभा रहे हैं।

कमान सेतु। फाइल फोटो

सेना ने महिला सशक्तीकरण परियोजनाओं के लिए नागी फाउंडेशन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा, यह सेल्फी प्वाइंट घाटी में बढ़ते राष्ट्रवाद का प्रमाण भी है। सेल्फी प्वाइंट की परिकल्पना यहां लोगों के अनुभव को यादगार बनाने के लिए की गई थी। नागी ने कहा कि उड़ी में मेरी बनाई मूर्ति इंडिया स्थापित करने पर मुझे गर्व है।

बिहार में महिला की हत्या के बाद बवाल, पुलिस पर हमला

जासं, नवगछिया (भागलपुर): बिहार में रविवार सुबह एक महिला की हत्या के बाद लोगों ने जमकर बवाल किया। ग्रामीणों ने पुलिस, पंचायत समिति सदस्य व अन्य लोगों की गाड़ियों में आग लगा दी। इस दौरान पीड़ित परिवार को धमकाने के आरोप में दो युवकों को जमकर पीटा गया। बीच-बचाव करने गई पुलिस पर ग्रामीणों ने पत्थर बरसाए। इस घटना में पुलिस के दो जवान और एक पत्रकार (दैनिक जागरण के नहीं) गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए कई राउंड हवाई फायरिंग की।

जानकारी के अनुसार मनोज मंडल की पत्नी शोभा देवी दो दिन से लापता थी। वह दूध देने गई थी, जहां से लापता हो गई थी। रविवार को कैलाश के घर के पास शोभा का शव मिला, जिसके बाद ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। स्वजन ने इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पर पुलिस दो दिन तक लापरवाह बनी रही। शव मिलने पर ग्रामीणों ने पुलिस पर आरोपितों को बचाने का आरोप लगा हमला बोल दिया।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
आजकल
14
सोमवार 19 फरवरी, 2024
www.jagran.com

थामस एडीसन को आज ही मिला था फोनोग्राफ का पेटेंट

1878 में आज ही के दिन थामस एडीसन ने फोनोग्राफ का पेटेंट हासिल किया था। यह आवाज को रिकार्ड कर इसे प्ले करने में सक्षम पहला डिवाइस था। एडीसन ने इसमें सबसे पहले मैरी हैड अ लिटिल लैंब नर्सरी कविता रिकार्ड की थी। एडीसन की इस तकनीक ने संगीत व्यवसाय को संभव बनाया।

45 मिनट के लिए मेक्सिको के राष्ट्रपति बने पेड्रो लस्कुरिन

1913 में आज ही के दिन पेड्रो लस्कुरिन 45 मिनट के लिए मेक्सिको के राष्ट्रपति बने थे। किसी देश के राष्ट्रपति का यह सबसे छोटा कार्यकाल है। पेड्रो लस्कुरिन के इस पद से हटते ही विक्टोरियानो हुएर्टा को मेक्सिको का नया राष्ट्रपति चुना गया। उनका कार्यकाल लगभग एक साल पांच महीने रहा।

गुरु जी ने देश के हर जिले तक किया संघ कार्य का विस्तार

गुरु जी के नाम से लोकप्रिय रहे माधवराव गोलवलकर का जन्म 1906 में आज ही के दिन नागपुर में हुआ था। उच्च शिक्षा के लिए काशी आने पर संघ से संपर्क हुआ और यहीं संघ के संस्थापक डा. केशव बलिराम हेडगेवार के संपर्क में आए। एम.एससी करके काशी विश्वविद्यालय में प्राध्यापक बन गए। वर्ष 1940 में आरएसएस के सरसंघचालक बने और संघ कार्य को गति देने के लिए पूरी शक्ति झोंक दी। उनके अथक प्रयास से संघ कार्य देश के हर जिले में पहुंच गया। पांच जून, 1973 को गुरु जी ने शरीर त्याग दिया।

दस वर्ष में इंसानों के साथ बैठकर काम करेंगे रोबोट

जेनरेटिव एआइ और ह्यूमन रोबोट इंटरैक्शन पर काम करने वाले विज्ञानियों ने आइआइटी में साझा किया रोबोट का भविष्य

जेनरेटिव एआइ की आने के बाद से रोबोट की बुद्धिमत्ता में तेजी से हो रहा विकास

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

आने वाले कुछ वर्षों में एक रोबोट आपके जीवन का अभिन्न अंग बन जाएगा। रोबोट आपके साथ बैठकर घर और कार्यालय का काम करने के साथ भावनात्मक रूप से बातचीत भी करेगा। घर आने पर दरवाजा खोलेगा, अभिवादन करेगा, पानी उठाकर देगा, आपसे इंसानों की भाव भंगिमा बनाकर आपकी भाषा में संवाद करेगा और तो और समस्या का समाधान एक इंसान की तरह सुझाएगा। रोबोटिक्स के क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रही मानव रोबोट इंटरैक्शन (एचआरआइ) तकनीक अब जेनरेटिव एआइ के आने के बाद काफी तेजी से आगे बढ़ेगी। आइआइटी बांबे में एआइ-रोबोटिक्स क्षेत्र के विज्ञानी प्रो. अनिर्बान गुहा भी यह मानते हैं कि जेनरेटिव एआइ के दौर में ऐसे रोबोट दस वर्षों में आपके घरों तक पहुंच जाएंगा।

रोबोट होंगे हमारी दुनिया का हिस्सा। फाइल

प्रो अनिर्वाण गुहा। फाइल

प्रो जीसी नंदी। फाइल

यह है जेनरेटिव एआइ : जेनरेटिव एआइ एक प्रकार की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। यह छवियों, वीडियो, आडियो, टेक्स्ट और तीन आयामी माडल जैसे विभिन्न प्रकार के डेटा बना सकती है। यह पहले से मौजूद डेटा से सीखकर और फिर इसका उपयोग करके नए और अद्वितीय आउटपुट उत्पन्न करता है। इस डेटा की मदद से रोबोट मानव रचनात्मकता की नकल कर सकते हैं और यह इंसानों की तरह काम सकते हैं

प्रो. अनिर्बान गुहा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान आइआइआइटी प्रयागराज में सेंटर आफ इंटेलिजेंट रोबोटिक्स (सीआइआर) द्वारा आयोजित ''जेनरेटिव एआइ और ह्यूमन रोबोट इंटरेक्शन पर हो रही कार्यशाला में

आइआइआइटी और जर्मनी के विज्ञानी तैयार कर रहे ऐसे रोबोट

आइआइआइटी के सेंटर आफ इंटेलिजेंट रोबोटिक्स के प्रो. जीसी नंदी और जर्मनी के बीलेफेल्ड विश्वविद्यालय के डा. एंड्रयू मेलनिक मिलकर मानव रोबोट इंटरैक्शन पर काम कर रहे हैं। लार्ज लैंग्वेज माडल तकनीक और जेनरेटिव एआइ की मदद से रोबोट को तेजी से प्रशिक्षित किया जा सकेगा। जो काम एक बच्चा कई वर्ष में सीखता है, उसको रोबोट को मात्र दो घंटे में ही सिखाया जा सकता है। डा. एंड्रयू मेलनिक ने कहा कि एआइ को कला, संगीत और डिजाइन जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में एक प्राकृतिक घर मिल गया है।

शामिल हुए थे। वर्तमान में जो रोबोटिक्स तकनीक है वह उतनी परिष्कृत नहीं है। उद्योगों में जो रोबोट हैं वह साफ्टवेयर में फीड किए गए दिशानिर्देशों के अनुसार काम करते हैं और कई बार यह तकनीकी गड़बड़ी के कारण जानलेवा भी साबित होते हैं। इस तरह के रोबोट घरों में काम करेंगे तो खामी बड़ी त्रासदी का कारण बन सकती है। ऐसे में हाऊसहोल्ड के लिए ऐसे रोबोट की जरूरत है जिनमें भावना भी हो। डीप लर्निंग (गहन शिक्षण) और न्यूरल नेटवर्क (तंत्रिका नेटवर्क) एआइ की रीढ़ हैं और जेनरेटिव एआइ से यह प्रौद्योगिकियां मशीनों को जटिल पैटर्न सीखने में काफी मदद करती हैं। यह नए विचार उत्पन्न करके, संगीत तैयार करके और दृश्यात्मक रूप से कलाकृति बनाकर कलाकारों की सहायता भी कर सकता है इससे रोबोट को प्रशिक्षित कर सहयोगी के रूप में तैयार किया जा सकता है।

लैंटर्न उत्सव पर जगमगाया आकाश

ताइवान के न्यू ताइपे शहर में लालटेन महोत्सव के उपलक्ष्य में हजारों की संख्या में लैंटर्न छोड़े जाने से पूरा आकाश रोशनी से जगमगा उठा। यह प्रथा किंग राजवंश के दौरान चीन के मिन्ना क्षेत्र में पिंगक्सी में आए लोगों की परंपराओं से आई थी। इस अवसर पर अनेक गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। इसमें यानशुई जिले के वुमियाओ मंदिर में आतिशबाजी समारोह प्रमुख है, लेकिन मुख्य आकर्षण लैंटर्न आकाश में छोड़ा जाना है। रायटर

इधर-उधर की

लाखों का पैकेज, फिर भी चाहिए फ्री खाना

नई दिल्ली, एजेंसी: सालाना पैकेज 43 लाख से अधिक है लेकिन उसे ऐसी कंपनी की तलाश है, जो मुफ्त खाना उपलब्ध कराए। ग्रेपवाइन कंपनी के संस्थापक सौमिल त्रिपाठी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर यह दिलचस्प बात साझा की है। उन्होंने एक व्यक्ति की पोस्ट का स्क्रीनशाट साझा किया, जिसमें वह मुफ्त खाना उपलब्ध कराने वाली कंपनियों के बारे में जानकारी जुटा रहा था। वह नियमित जिम जाता है, सालाना सैलरी 43 लाख रुपये से अधिक है। सौमिल ने लिखा है कि मैंने ऐसे बहुत कम लोग देखे हैं, जो अपनी प्राथमिकताओं को लेकर इतने स्पष्ट हैं।

ग्रेपवाइन के संस्थापक ने साझा की दिलचस्प बात ● इंटरनेट मीडिया

सेरेब्रल पाल्सी से पीड़ित आइआइटी के छात्र को मिली गूगल में नौकरी

गुवाहाटी, प्रेट : 'मंजिल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है, पंख से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।' यह कहावत 22 वर्षीय प्रणव नायर ने चरितार्थ कर दिखाई। जी हां, सच्ची लगन और दृढ़ इच्छाशक्ति के दम पर सेरेब्रल पाल्सी जैसी बीमारी से ग्रसित होने व व्हीलचेयर पर चलने पर मजबूर नायर ने सभी चुनौतियों को पार कर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी), गुवाहाटी में न केवल प्रवेश पाया बल्कि विश्व की दिग्गज तकनीकी कंपनी गूगल में नौकरी हासिल की। सेरेब्रल पाल्सी जन्मजात विकार है। इसमें बच्चे का विकास थम जाता है और कई प्रकार की शारीरिक समस्याएं हो जाती हैं। नायर ने बताया कि बीमारी के कारण उन्हें बचपन से ही काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। मेरे माता-पिता चाहते थे कि मैं मुख्यधारा के विद्यालय से शिक्षा ग्रहण करूं लेकिन अधिकांश विद्यालय उन्हें बीमारी के कारण प्रवेश ही देना नहीं चाहते थे। हालांकि मेरे माता-पिता ने शारीरिक, मानसिक और खासतौर पर भावनात्मक रूप से सहारा देकर मेरे भीतर आत्मविश्वास पैदा किया। उन्होंने बताया कि ओमान के मस्कट में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद वह चिकित्सक बनना चाहते थे लेकिन माता-पिता की सलाह पर मैंने इंजीनियरिंग को चुना। सौभाग्य से मुझे आइआइटी में कंप्यूटर साइंस व इंजीनियरिंग में सीट भी मिल गई।

- **दिव्यांग श्रेणी में 27वीं रैंक हासिल कर लिया आइआइटी गुवाहाटी में प्रवेश**
- **छात्र बोला- मेरे माता-पिता की कड़ी मेहनत के कारण ही मैं पा सका मुकाम**

सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित आइआइटी गुवाहाटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के छात्र प्रणव नायर। प्रेट

नायर ने बताया मैंने दिव्यांग श्रेणी में 27वीं रैंक हासिल की। आइआइटी गुवाहाटी के शिक्षकों व सीनियरों की मदद व प्रोत्साहन के कारण मुझे दिग्गज कंपनी गूगल में प्री-प्लेसमेंट आफर मिला। जुलाई में स्नातक पूरा करने के बाद मैं बेंगलुरु स्थित गूगल कार्यालय में नियुक्ति लूंगा। उन्होंने कहा कि मैं चाहता हूं कि जिस प्रकार प्रौद्योगिकी ने मेरी मदद की, ठीक उसी प्रकार मैं लोगों के जीवन को आसान बना सकूं।

इंजीनियरों ने बनाया आइडी टैग, वस्तु असली है या नकली चलेगा पता

न्यूयार्क, आइएएनएस : अमेरिका में मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी (एमआइटी) के इंजीनियरों ने एक आइडी टैग विकसित किया है जो सटीकता के साथ यह बता सकता है कि कोई वस्तु असली है या नकली। एमआइटी ने रविवार को कहा, शोधकर्ताओं ने एंटी-टैंपरिंग आइडी टैग विकसित करने के लिए पहले के आइडी टैग में सुरक्षा से संबंधित सुधार किया है। इस टैग का आकार लगभग चार वर्ग मिलीमीटर है। यह टैग छोटा, सस्ता और पूरी तरह से सुरक्षित है। एमआइटी में विकसित क्रिप्टोग्राफिक टैग सूक्ष्म धातु कणों के अद्वितीय पैटर्न को पहचानकर वस्तुओं को प्रमाणित करने के लिए टेराहर्ट्ज तरंगों का उपयोग करता है। आमतौर पर उत्पादों की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए आरएफआइडी टैग का उपयोग किया जाता है, लेकिन इनमें कुछ कमियां भी हैं। वे महंगे हैं और इसके साथ हेरफेर की आशंका होती है।

बच्चों में एडीएचडी के विकास को रोकने में माता-पिता हो सकते हैं मददगार

अनुसंधान

आजकल एडीएचडी छोटे बच्चों में बड़ी समस्या बनकर सामने आ रही है। इसकी वजह से वह अधिक सक्रिय रहते हैं। अगर समय पर इसे ठीक नहीं किया गया तो वह किसी भी चीज पर ध्यान केंद्रित करने में परेशानी का अनुभव करते हैं, जो माता पिता की भी चिंताएं बढ़ा देता है। हालांकि एक अध्ययन में सामने आया है कि अगर माता-पिता चाहें तो बच्चों में अटेंशन डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी) को विकसित होने से थोड़ी सावधानी बरतकर रोक सकते हैं। अगर वह बच्चों पर अधिक ध्यान दें और पालन पोषण की शैली में बदलाव करें तो ऐसा संभव हो सकता है। यह अध्ययन बाटरलू विश्वविद्यालय के एक शोधकर्ता द्वारा किया गया है।

मनोविज्ञानियों के अनुसार बच्चों की अति उत्साह वाली प्रकृति, पालन-पोषण और दिमागी कार्यक्षमता एडीएचडी लक्षणों के विकास में भूमिका निभाते हैं। शोध से जुड़े प्रोफेसर डॉ. हीथर हेंडरसन ने कहा माता-पिता वास्तव में बच्चों के साथ अधिक समय बिताकर और बीच-बीच में सही निर्देश देकर एडीएचडी को विकसित होने से रोक सकते हैं। इनमें बच्चे को नई परिस्थितियों का सामना करने के दौरान मौखिक और शारीरिक संकेतों के माध्यम से उनका मार्गदर्शन शामिल है। शोध के दौरान चार महीने से 15 साल तक के 291 बच्चों का फालोअप किया गया। शोधकर्ताओं ने तीन साल में बच्चे के स्वभाव और माता-पिता-बच्चे की बातचीत का अवलोकन किया। चार साल में बच्चे की कार्यप्रणाली का आकलन किया गया और पांच से 15 साल की उम्र के बीच माता-पिता द्वारा बताए गए एडीएचडी लक्षणों का छह बार विश्लेषण किया गया। (एएनआइ)

स्क्रीन शाट

ईशा के राजनीति में आने पर मां हेमा ने दिया ऐसा जवाब

हाल ही में ईशा ने पति भरत तख्तानी से की अपने अलगाव की पुष्टि। (इंस्टाग्राम)@imeshadeol

सिनेमा और राजनीति का सफर बहुत पुराना है। सिनेमा की चकाचौंध से निकलकर कई सितारों ने राजनीति के दांव-पेंच में भी अपनी किस्मत आजमाई है। राजनीति से देओल परिवार का भी काफी लंबा रिश्ता रहा है। इस परिवार से पहले हिंदी सिनेमा के हीमैन धर्मेंद्र बीकानेर से सांसद रहें। उनकी दूसरी पत्नी और अभिनेत्री हेमा मालिनी मथुरा से सांसद हैं। धर्मेंद्र के बड़े बेटे तथा अभिनेता सनी देओल भी पंजाब के गुरदासपुर से सांसद हैं। सनी धर्मेंद्र तथा उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर के बेटे हैं। अब इस परिवार से एक और सदस्य राजनीति से जुड़ सकती हैं। दरअसल, धर्मेंद्र और हेमा की बेटी ईशा देओल इन दिनों अपने पति भरत तख्तानी से अलगाव को लेकर सुर्खियों में हैं। इसी बीच हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान हेमा ने ईशा के भी राजनीति में उतरने की संभावनाओं पर बात की। जब हेमा से पूछा गया कि क्या उनकी बेटियां ईशा और आहना भी राजनीति से जुड़ने में रुचि रखती हैं? इस पर हेमा ने कहा, 'अगर वे चाहें तो जुड़ सकती हैं। ईशा इसमें बहुत रुचि रखती हैं, उन्हें यह करना पसंद है। अगले कुछ वर्षों में अगर उन्हें दिलचस्पी रहती है, तो वह निश्चित तौर पर राजनीति से जुड़ेंगी।' ईशा फिलहाल अभिनय के साथ-साथ फिल्म निर्माण में भी सक्रिय हैं। आगामी दिनों में वह फिल्म 'मैं' में नजर आएंगी।

'पता था कभी भूखा नहीं रहूंगा'

अगर काम करने की लगन और हुनर हो, तो इंसान के लिए उसके सपनों की राह अपने आप बनती जाती है। पिछले करीब एक-डेढ़ साल की अवधि में बिग बास 16 फेम अभिनेता शिव ठाकरे के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ। शिव की माने तो फिलहाल वह अपने सपनों का दौर जी रहे हैं। वह कहते हैं, 'एक मध्यमवर्गीय परिवार का लड़का जो एक छोटे शहर से मुंबई आया था। मेरे लिए पिछले कुछ महीने जिंदगी बदलने वाले रहे। अच्छी सी कार, अच्छा घर, लोगों का आकर्षण मेरा हर सपना सच हो रहा है। अब मेरी जिंदगी का वो दौर शुरू हुआ है, जिसके बारे में मैं बचपन से ही टीवी में देखकर मुस्कुराता था और सोचता था। यह देखकर आई (मां) बोलती थी कि पागल हो गया है क्या?' आगे शिव कहते हैं कि मैं बहुत जुगाड़ू हूं। मेरे भाई सतीश ठाकरे बच्चों को डांस सिखाते थे, तो मैं भी उनके साथ सिखाने की कोशिश करता था। मुझे खुद भी अच्छी तरह से डांस नहीं आता था, लेकिन जो दादा (बड़े भाई) मुझे सिखाते थे, वो मैं बच्चों को सिखाता था। अपने घर की परिस्थितियों को संभालने के लिए मैं कुछ भी कर सकता हूं। मुझे यह पता था कि अगर मैं एक्टर न भी बना तो जिंदगी में कुछ न कुछ तो कर ही लूंगा। मैं कोई भी चीज बेच सकता हूं। कुल मिलाकर मैं इतना जानता हूं कि मैं भूखा नहीं रहूंगा।

अबटीवी और डिजिटल प्लेटफार्म पर खुद के लिए अच्छे मौके देख रहे हैं शिव। (इंस्टाग्राम)@shivthakare9

जानवरों से अपने जुड़ाव के कारण वेब सीरीज पोचर का हिस्सा बने दिब्येंदु

कलाकार को किसी शो से जुड़ने के कई कारण होते हैं। कभी उन्हें कहानी का विषय पसंद आ जाता है, तो कहीं फिल्मकार का तरीका, कहीं-कहीं तो प्रोजेक्ट के लिए मिलने वाली रकम भी उसे स्वीकार करने करने का बड़ा कारण होती है। फिल्म मिशन रानीगंज : द ग्रेट भारत रेस्क्यू तथा वेब सीरीज द रेलवे मैन के अभिनेता दिब्येंदु भट्टाचार्य वेब सीरीज पोचर में फील्ड डायरेक्टर नील बनर्जी की भूमिका में नजर आएंगे। 23 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रदर्शित हो रही इस वेब सीरीज को लेकर दिब्येंदु कहते हैं, 'जब मेरे पास इस प्रोजेक्ट के लिए कास्टिंग निर्देशक मुकेश छाबड़ा का फोन आया, तो मैंने जानबूझ कर इसके लिए अपना आडिशन करवाया। फिर जब हमने इस शो की शूटिंग करना शुरू किया, तो बहुत मजा आया। इसके ऊपर से शो का विषय ऐसा है कि उस पर काम करने से भला कौन मना कर सकता है।' पोचर हाथियों के शिकार और उनके दांतों की तस्करी पर आधारित हैं। जानवरों से अपने जुड़ाव को लेकर दिब्येंदु कहते हैं कि यह धरती सिर्फ हमारी नहीं है। हम भी इसे इस पर रहने वाले तमाम प्राणियों के साथ साझा करते हैं। बचपन में मेरे पास बहुत सारी बिल्लियां होती थी। अभी भी एक कुत्ता है। मेरा पूरा परिवार जानवर प्रेमी है।

बचपन से ही जानवरों से गहरा लगाव रखते हैं दिब्येंदु। (इंस्टाग्राम)@dibyenduofficial

लगा फिर से जवान हो गया हूं

भारतीय फ्यूजन बैंड शक्ति के एलबम दिस मोमेंट को इस साल 66वें ग्रैमी अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ ग्लोबल म्यूजिक एलबम के अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस बैंड में गायक और संगीतकार शंकर महादेवन, तबला वादक उस्ताद जाकिर हुसैन, गिटार वादक जान मैकलाघलिन, पर्कशनिस्ट (ताल वादक) वी. सेल्वागणेश और वायलिन वादक गणेश राजगोपालन शामिल हैं। है। पेश है गणेश राजगोपालन से हुई बातचीत के अंश:

<< बचपन से ही संगीत में गणेश राजगोपालन को रही है रुचि ● टीम गणेश

● **ग्रैमी के मंच पर अवार्ड जीतने का अनुभव कैसा रहा?**

-मंच पर खड़े होकर यह कहना कि यह अवार्ड मेरे देश भारत के लिए है, वह गौरवान्वित करने वाला पल था। जब से हमें नामांकन मिला था, तब से ही मैं काफी आश्वस्त था कि अवार्ड हमें ही मिलेगा। घोषणा होने से पहले भी अवार्ड समारोह में बैठकर मैं शंकर जी से यही कह रहा था चिंता न करें हमें ही अवार्ड मिलेगा।

● **प्रतिष्ठित संगीत नाटक अकादमी अवार्ड के बाद अब जब ग्रैमी मिला है, तो किस तरह का बदलाव आसपास महसूस कर रहे हैं?**

-कई लोगों के फोन और मैसेज आए, जिससे खुशी हुई। इस तरह का सम्मान हौसला बढ़ाता है। मुझे याद है, जब मैं 18 साल का था, तो उस दौरान डाक्टर एमजीआर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री हुआ करते थे। उन्होंने मुझे और मेरे भाई को एक पत्र लिखकर एक सरकारी समारोह में परफार्म करने के लिए चेन्नई बुलाया था। आंतरिक्ष यात्रियों राकेश शर्मा और रवीश मल्होत्रा के सम्मान में वह समारोह रखा गया था। जब हमने वहां पर परफार्म किया, तो उन्होंने कहा कि तमिलनाडु सरकार की तरफ से हम आपको बहुत जल्द सम्मानित करेंगे। उस उम्र में वह बहुत बड़ी उपलब्धि थी। मैं और मेरे भाई उसके बाद इतने प्रसिद्ध हो गए थे कि हमें सब जानने लगे थे। 18 साल की उम्र में म्यूजिक में नाम बनाना आसान नहीं होता है, क्योंकि आपकी तुलना सीधे उन कलाकारों से होती है, जो 40-50 की उम्र में होते हैं, जिन्होंने अपनी जिंदगी में काफी काम किया होता है। जब ग्रैमी अवार्ड मिला, तो लगा कि मैं फिर से जवान हो गया हूं।

● **आप विदेश में भारतीय संगीत को बढ़ावा दे रहे हैं...**

-सब ईश्वर की इच्छा होती है। मुझे हमेशा लगता है कि मेरे जो गुरु हैं, वह मेरा हाथ पकड़कर मुझे आगे बढ़ा रहे हैं। बचपन से संगीत के अलावा कुछ नहीं सीखा है। इसके अलावा मुझे कुछ नहीं आता है। जब मैं युवा बच्चों को भी संगीत सिखाता हूं, तो मुझे खुशी होती है। हाल ही में मैं वाशिंगटन यूनिवर्सिटी गया था। वहां अलग-अलग संस्कृति के बच्चे पढ़ते हैं। वह सब हमारे संगीत के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। जब भारतीय अपना संगीत सुनते हैं और उसे पसंद करते हैं, तो उसके पीछे कारण यह होता है कि वह अपनी संस्कृति से वाकिफ होते हैं। लेकिन जब दूसरे देश के युवा हमारा संगीत सुनकर खुश होते हैं, तालियां बजाते हैं तो सुकून मिलता है। ● **आप जब शिष्य हुआ करते थे, तब अपने गुरु से क्या सवाल किया करते थे?**

-मैं अपने गुरु से सवाल पूछने की बजाय केवल उन्हें सुना करता था। मेरे गुरु मेरे पिता ही हैं। वह बहुत धैर्यवान हैं। मेरे पिता ने मुझे और मेरे भाई को सिखाने के लिए काफी बलिदान दिया है। जब मैं संगीत सीख रहा था, तो उन्होंने मुझे युवा विद्यार्थी होने के नाते आजादी दी।

● **आप अपने पिता से कितने अलग तरह के गुरु हैं?**

-(हंसते हुए) मैं उनके जैसा बिल्कुल नहीं हूं। उनकी तरह मुझमें धैर्य नहीं है। मेरे विद्यार्थी मुझसे मेरे पिता की ही तरह प्यार करते हैं। आज के बच्चे वैसे भी बहुत मेहनती हैं। जब मैं उनसे रियाज करने के लिए कहता हूं, तो वह करते हैं।

● **आपका जुड़ाव कानपुर से भी रहा है। वहां जाने का मौका मिल पाता है?**

-मुझे कानपुर से प्यार है। जब मैं चार साल का था, तो वहां से दिल्ली, फिर मुंबई आ गए थे। उसके बाद चेन्नई चले गए। हम 10-12 साल उत्तर भारत में रहे हैं। इस वजह से मेरी हिंदी बहुत अच्छी है। जब चेन्नई गया, तो मैं तमिल इतनी अच्छी नहीं बोल पाता था। लोग मुझे मेरी हिंदी की वजह से भी वहां जानते थे। कानपुर गए कई साल हो गए हैं। वहां भी कंसर्ट के लिए जाऊंगा। (प्रियंका सिंह)

हिंदी सिनेमा का संगीत कई बार वाद्य संगीत पर हावी नजर आता है। क्या इस बात को लेकर बुरा लगता है?

क्या कर सकते हैं। उसे हमें अपनाना पड़ेगा और मेहनत करते रहना होगा। दक्षिण भारत में वाद्य संगीत का मार्केट भी छोटा है। हमें उसे मुख्यधारा वाले संगीत से जोड़ना है। हम चाहते हैं, लोग इसे पसंद करें। लोग हमें जानते हैं, इसलिए हम उस अंतर को भरने का के लिए एक पुल बनाने का काम कर सकते हैं, जो बालीवुड संगीत और वाद्य संगीत के बीच है। यह केवल भारत में है। हालीवुड में भी वाद्य संगीत का मार्केट छोटा है।

... और कुछ इस तरह भूल भुलैया 3 के लिए तैयार हुई विद्या

भूल भुलैया में विद्या ने निभाई थी मंजुलिका की भूमिका। फाइल

साल 2007 में प्रदर्शित फिल्म भूल भुलैया में मंजुलिका की भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री विद्या बालन अब इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म भूल भुलैया 3 में वापसी कर रही हैं। वह साल 2022 में प्रदर्शित और कार्तिक आर्यन अभिनीत इस फ्रेंचाइजी की दूसरी फिल्म भूल भुलैया 2 का हिस्सा नहीं थी। उनकी जगह अभिनेत्री तब्बू ने मंजुलिका की भूमिका निभाई थी। अब इस फ्रेंचाइजी में विद्या की वापसी हो रही है, तो लोगों में इस बात की काफी उत्सुकता है कि उनकी भूमिका क्या होगी। फिल्म के निर्माता-निर्देशक भी इस उत्सुकता को अच्छी तरह से समझते हैं, इसलिए वह भी इस मामले में चुप्पी बनाए हुए हैं। हालांकि, फिल्म के निर्देशक अनीस बज्मी इस बात का रहस्योद्घाटन जरूर किया कि उन्होंने विद्या को कैसे राजी किया। अनीस ने बताया 'मैं उनके साथ काम करने के लिए बहुत इच्छुक था। हमने काफी लंबे समय पहले की उस मुलाकात पर बातें की जब वह फिल्म थैंक यू में मेहमान भूमिका निभाने के लिए तैयार हुई थी। जब मैंने उनसे भूल भुलैया 3 के संपर्क किया तो वह मेरे साथ काम करने के लेकर बहुत खुश हुई। फिल्म में उनकी बहुत सशक्त भूमिका है।' क्या विद्या फिल्म में दोबारा मंजुलिका की भूमिका निभाएंगी? अनीस कहते हैं कि मैं इस बारे में नहीं बता सकता हूं।

बन सकती है तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2

यूं तो सीक्वल या फ्रेंचाइजी के तौर पर किसी फिल्म की कहानी का आगे बढ़ना या न बढ़ना, उस फिल्म की सफलता पर निर्भर करता है। हालांकि, सीक्वल और फ्रेंचाइजी फिल्मों के इस दौर में कई फिल्मकार टिकट खिड़की पर बड़ी सफलता न पाने के बावजूद अपनी फिल्मों की फ्रेंचाइजी आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले सप्ताह प्रदर्शित फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया रिलीज के दूसरे शनिवार तक टिकट खिड़की पर 52.2 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। फिल्म की कमाई भले ही उम्मीदों से धीमी रही हो, लेकिन सिनेमाई गलियारों में इस फिल्म के सीक्वल की चर्चा शुरू हो गई है। सूत्रों के अनुसार, निर्माता दिनेश विजन इस फिल्म के सीक्वल की संभावना देख रहे हैं। मूल फिल्म में अभिनेत्री जाह्नवी कपूर मेहमान भूमिका में नजर आई थीं। उन्हें साथ लेकर सीक्वल फिल्म तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया 2 बनाई जा सकती है। मूल फिल्म में जहां शाहिद कपूर और कृति सैनन के बीच इंसान और रोबोट का रोमांस दिखाया गया। वहीं सीक्वल फिल्म को इंसान, रोबोट और इंसान के बीच प्रेम त्रिकोण पर सेट किया जा सकता है। सीक्वल में शाहिद के साथ जाह्नवी रोमांस करती नजर आ सकती हैं। हालांकि, अभी सीक्वल फिल्म को लेकर आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। यह फिल्म बनती है, तो सिनेप्रेमियों को बड़े पर्दे पर पहली बार शाहिद और जाह्नवी की नई जोड़ी दिख सकती है।

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में क्रिकेटर की भूमिका में नजर आएंगी जाह्नवी ● इंडिड आर्काइव

****